6 ठा

2014-15 वार्षिक प्रतिवेदन

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

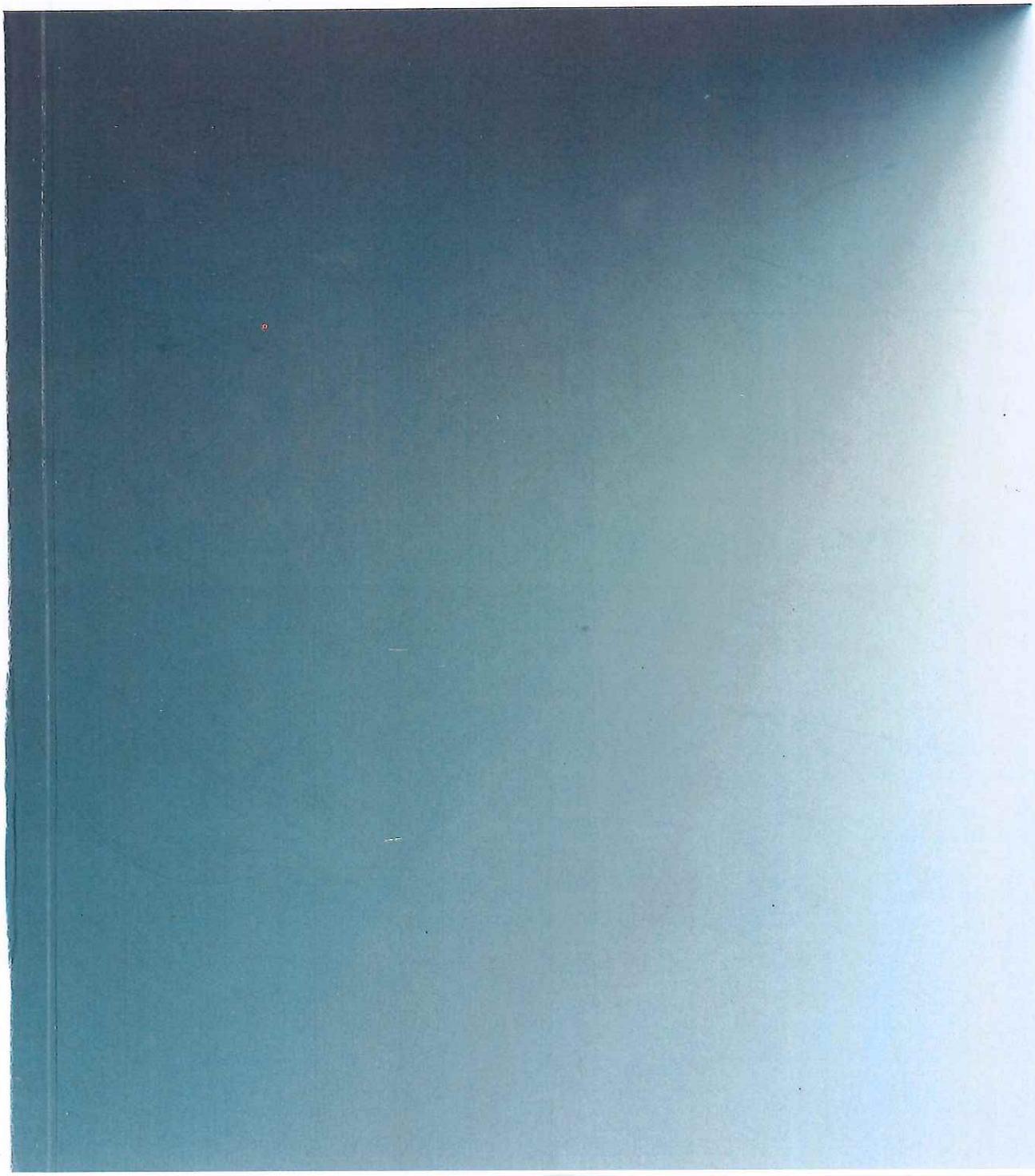

6ठा वार्षिक प्रतिवेदन 2014-15

प्रकाशित दिसम्बर 2015

द्वारा- योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा
सर्वे. सं: 71/1, 5, निडमानूरू, राष्ट्रीय राजमार्ग
विजयवाड़ा- 521104,
जिला-कृष्णा,
आंध्र प्रदेश, भारत।

© 2015 योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

तस्वीरें: ©स्पा विजयवाड़ा कलेक्टिव
सभी अधिकार सुरक्षित

हिन्दी अनुवादक: आशीष कमल

विषय-वस्तु

निदेशक का संदेश

1). एस.पी.ए.वी. के संबंध में

1.1 विद्यालय के संबंध में

1.1.1 शैक्षणिक गतिविधियाँ

1.2 मानव संसाधन

1.2.1 वास्तुकला विभाग: प्राध्यापकगण

1.2.2 योजना विभाग: प्राध्यापकगण

1.2.3 प्रशासन

1.3 एस.पी.ए.वी. उपक्रम

1.4 अनुसंधान एवं विकास

1.5 सम्मेलन, कार्यशाला, संगोष्ठि तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम

1.6 वृतान्त

1.6.1 एस.पी.ए.वी. वृतान्त प्रसारण

1.7 छात्र गतिविधि तथा उपलब्धियाँ

1.8 अवसंरचनात्मक विकास

1.8.1 एस.पी.ए.वी. परिसर विकास

1.8.2 पुस्तकालय

1.8.3 संगणक नेटवर्किंग तथा सुरक्षा

1.8.4 संगणक तथा कैड प्रयोगशाला

1.8.5 जीआईएस प्रयोगशाला

1.8.6 सर्वर भवन

1.8.7 द्रव्यात्मक संग्रहालय

1.8.8 द्रव्यात्मक परीक्षण प्रयोगशाला

1.8.9 जलवायुविज्ञान प्रयोगशाला

1.8.10 पर्यावरण प्रयोगशाला

2). वास्तुकला विभाग

2.1 वास्तुकला डिजाइन चित्रशाला: सारांश

2.2 प्राध्यापक गतिविधियाँ

2.3 अतिथि व्याख्यान

2.4 व्यावहारिक प्रशिक्षण

2.5 उत्तीर्ण छात्रों की सूची

3). योजना विभाग

3.1 योजना तथा डिजाइन प्रयोगशाला: सारांश

3.2 प्राध्यापक गतिविधियाँ

3.3 अतिथि व्याख्यान

3.4 व्यावहारिक प्रशिक्षण

3.5 उत्तीर्ण छात्रों की सूची

4). संघ एवं समितियां

4.1 शैक्षणिक परिषद

4.2 अध्ययन संघ (वास्तुकला)

4.3 अध्ययन संघ (योजना)

4.4 विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति

4.5 विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति (वास्तुकला)

4.6 विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति (योजना)

4.7 नोट

5). वित्तीय विवरण

निदेशक का संदेश

प्रो. डॉ एन. श्रीधरन

निदेशक

वित्तीय वर्ष 2014–15 योजना तथा वास्तुकला विद्यालय के लिए अति उत्तम वर्ष रहा है। योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बनाने के लिए दिसंबर 2014 में एस. पी. ए. अधिनियम संसद द्वारा पारित किया गया। इसने हमारे विद्यार्थियों व हमारे कामकाज को विशाल प्रोत्साहन दिया। वास्तुकला परिषद ने भी हमारी डिग्री को मान्यता दी और हमारे विद्यार्थियों को नामांकित किया। यह हमारे संकायों व कर्मचारियों के अथक प्रयासों के बिना सभंव नहीं था। अपने नाम को स्थापित करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर विद्यालय ने कृष्णा जिले के दो गांवों को गोद लिया। हमारे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्रों ने सहभागितापूर्ण नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से इन दो गांवों के लिए विस्तृत ग्राम विकास योजना तैयार की जिसे गांव की आबादी ने स्वीकार किया। आई. आई. टी. मुम्बई के साथ विद्यालय ने डिजाइन व अभिनव केन्द्र की शुरूआत की जिसके अंतर्गत बहुत गतिविधियां हुई जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर विरासत दिवस आयोजन शामिल है जिसमें वास्तुकला और पर्यटन पर पुस्तकों का विमोचन किया गया । हमारे विद्यार्थियों ने अपने प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से ध्वनिकी उर्जा आदि विषयों में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा ने संयुक्त रूप से इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय भोपाल, और मैसूर विश्वविद्यालय के साथ राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार आयोजित किए । यह विद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष था इस दौरान विद्यालय के कई संकाय

सदस्य आंध्र प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार की विभिन्न समितियों में तकनीकी सदस्य व सलाहकारों के रूप में नामित किए गए। हमारे संकाय सदस्यों को आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से कई बार कैपिटल सिटी बिल्डिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया और उनके योगदान को सराहा गया व योजना कार्य में शामिल भी किया गया। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में हमारे संकाय सदस्यों ने वास्तुकला और योजना के विभिन्न उप क्षेत्रों में अग्रणी कार्य प्रस्तुत किया। योजना तथा वास्तुकला विद्यालय राज्य के कई महत्वपूर्ण मुद्दों जैसें पर्यटन और शहरी विकास, परिदृश्य विकास, आदि में राज्य सरकार को सलाह दे रहे हैं। वर्ष 2014–15 के दौरान सभी मंजूरियां प्राप्त करने के बाद आंबटित साईट पर निर्माण कार्य शुरू हुआ। यह धीरे–धीरे लेकिन लगातार प्रगति कर रहा है और हमें उम्मीद है कि निर्माण कार्य 2016 में पूरा होगा । यद्यपि हम दोहरे दबाव जैसे नई राजधानी के लिए आवास की आवश्यकता व हमारे विद्यार्थियों को हॉस्टल में समायोजित करने के आंतरिक दबाव को झेल रहे हैं मैं अपने संकाय सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ कि हमारे शैक्षणिक और आवासीय मुद्दों की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहें हैं। एक स्थानीय व राष्ट्रीय प्रतिष्ठा हासिल करने के बाद योजना तथा वास्तुकला विद्यालय शहरी डिजाइन, स्थायी वास्तुकला, परियोजना और निर्माण प्रबंधन और विभिन्न विशेष नियोजन के क्षेत्र में विस्तार करना चाहता है। मैं आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में यह अपनी उपलब्धियों को प्राप्त करने हेतू अपनी शक्ति को सुदृढ़ करेगा ।

1). एस.पी.ए.वी. के संबंध में

1.1 विद्यालय के संबंध में

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा योजना तथा वास्तुकला के क्षेत्र में शिक्षा व अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 7 जुलाई 2008 को स्थापित किया गया एक स्वायत्तशासी संस्थान है। योजना तथा वास्तुकला विद्यालय अधिनियम 2014 के अंतर्गत संसद द्वारा विद्यालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया है।

1.1.1 शैक्षणिक गतिविधियाँ: एस.पी.ए.वी. का विशेष ध्यान उसकी स्थिरता पर है। यह शैक्षणिक दृष्टिकोण एवं सामाजिक उद्देश्य डिजाइन सृजनात्मकता और निष्पक्षता का अनूठा मिश्रण है। यहां विद्यार्थी केवल आवश्यक कौशल ही नहीं सीखते वरन् बौद्धिक प्रेरणादायक सत्र द्वारा अपने विचार भी उजागर करते हैं, जिसमें स्टूडियो, फील्ड ट्रिप व अनुसंधान परियोजनांए शामिल हैं। संस्थान, ज्ञान की प्रगति हेतू स्वतंत्र और विद्वानों के योगदान को विकसित करने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ अनुसंधान को बढ़ावा देता है। योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा योजना तथा वास्तुकला के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। वर्तमान में विद्यालय के पास दो विभाग हैं 1. वास्तुकला विभाग 2. योजना विभाग। दो स्नातक डिग्री प्रोग्राम, तीन स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ।प्रत्येक विभाग में शैक्षणिक वर्ष 2008–09 में दो स्नातक कार्यक्रम शुरू किए गए तथा तीन स्नातकोत्तर कार्यक्रम योजना विभाग में: पर्यावरणीय योजना और प्रबंधन की शुरूआत शैक्षणिक वर्ष 2013–14 में हुई शहरी और क्षेत्रीय योजना और सतत वास्तुकला शैक्षणिक वर्ष 2014–15 में शुरू किए गए।

1.2 मानव संसाधन

प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
निदेशक
डॉक्टरेट (मेलबोर्न), पी.जी.डिप्लोमा एफ.एम.,एम.यु.आर.पी.,पी.जी.डी.टी.सी.पी.
संपर्क : sri-director@spav.ac.in

डॉ. रमेश श्रीकोंडा
अध्ययन प्रधान; वास्तुकला संकाय के विभाग्याध्यक्ष (मार्च 2015 से)
योग्यता: डॉक्टरेट, पी.जी.डी.ई.ई., एम.टी.पी., बी.आर्क.।
संपर्क: ramesh.srikonda@spav.ac.in

डॉ. अब्दुल रजाक मोहमम्द
अध्ययन प्रधान; योजना संकाय के विभाग्याध्यक्ष (मार्च 2015 तक)
डॉक्टरेट (ऑस्ट्रेलिया), एम.ए.,एम.फील (समाजशास्त्र), एम.टी.पी.,पी.एम.ए.डी.पी.एस, पीजीडीएचआरएम, इ-गवर्नेंस में कार्यकारी प्रवीण, (इपीएफएल-स्वीटजरलैंण्ड)
संपर्क: razak@spav.ac.in

1.2.1) वास्तुकला विभाग: प्राध्यापक

विजयानन्द उदयकुमार
संयुक्त प्राध्यापक
एम.आर्क.,बी.आर्क.
संपर्क vijayanand.udaya@spav.ac.in

वेंकट कृष्ण कुमार एस
संयुक्त प्राध्यापक
एम.प्लान. (गृहप्रबंध), बी.आर्क.
संपर्क krishnakumar.sv@spav.ac.in

कार्तिक गुटूरू
सहायक प्राध्यापक
एम.आर्क. (शहरी डिजाइन), बी.आर्क
संपर्क karteek.g@spav.ac.in

अनिल कुमार चिलकपाटि
सहायक प्राध्यापक
एम.आर्क., बी.आर्क
संपर्क anil.ch@spav.ac.in

रंगा नागा सत्यनारायण मूर्ति
सहायक प्राध्यापक
एम.प्लान. (पर्यावरणीय योजना), बी . आर्क.
संपर्क murthy.rns@spav.ac.in

नागाराजू का जा
सहायक प्राध्यापक
एम.इ. (निर्माण प्रबंधन), बी.आर्क.
संपर्क nagaraju.kaja@spav.ac.in

क्रांति कुमार मैनेनी
सहायक प्राध्यापक
एम.एससी. (निर्माण प्रबंधन), बी.आर्क .

संपर्क kranti.myneni@spav.ac.in

श्रीनिवास दाकेटी
सहायक प्राध्यापक
एम. प्लान. (गृहप्रबंध), बी. आर्क.
संपर्क srinivas.d@spav.ac.in

जगत कुमारी डी
सहायक प्राध्यापक
एम.ई.(संरचनात्मक इंजीनियरिंग & प्राकृतिक आपदा प्रबंधन), बी.ई.(सिविल इंजी. (एमआइई
संपर्क kumari.dungi@spav.ac.in

पुन्यो चोबिन
सहायक प्राध्यापक
एमएफए (चित्रकारी), बीएफए.
संपर्क punyo.c@gmail.com

प्राध्यापक (तदर्थ)

डॉ. तथागत चटर्जी

प्राध्यापक

पीएचडी,(क्वींसलैंड), एम.आर्क(शहरी डिजाइन), बी.आर्क.

संपर्क tathagata@spav.ac.in

डॉ. के. एस. राकेश

प्राध्यापक

पीएचडी, एम.आर्क, बी.आर्क.

संपर्क rakesh@spav.ac.in

डॉ. उमा शंकर बसीना

संयुक्त प्राध्यापक

पीएचडी, (आइआइटी-केजीपी),एम.टेक., बी.आर्क.

संपर्क us.basina@spav.ac.in

डॉ. भारती महापात्र

संयुक्त प्राध्यापक

पीएचडी., एम.आर्क (शहरी डिजाइन), बी.आर्क.

संपर्क bharati.m@spav.ac.in

डॉ. अभिजित पॉल

संयुक्त प्राध्यापक

पीएचडी., (युएसए), एम.आर्क, बी.आर्क.

संपर्क paul@spav.ac.in

डॉ. आर. कलयी सेल्वी

सहायक प्राध्यापक

इंटीग्रेटेड पीएचडी (एमएसएवं पीएचडी), बी.आर्क.

संपर्क:kalaiselvi@spav.ac.in

किरणजीत शिवावल्सन

सहायक प्राध्यापक

एम.प्लान(शहरी एवं क्षेत्रीय योजना) बी.आर्क.

संपर्क : kiranjith@spav.ac.in

जी. साईं सनथ

सहायक प्राध्यापक

एम. टेक.(शहरी एवं क्षेत्रीय योजना),बी.आर्क.

संपर्क: sanath@spav.ac.in

जोनू जॉन थॉमस

सहायक प्राध्यापक

एम.प्लान (शहरी योजना), बी.आर्क.

संपर्क: john.thomas@spav.ac.in

मिलिंद अशोक काम्बले
सहायक प्राध्यापक
एम आर्क.(शहरी डिजाइन), बी.आर्क.
संपर्क : milind.kamble@spav.ac.in

डॉ. फैज अहमद
सहायक प्राध्यापक
एम.प्लान, एमयुआरपी (फ्रांस), बी.आर्क.
संपर्क: faizahmed@spav.ac.in

बी.एन. कीर्ति नायडू
सहायक प्राध्यापक
एम आर्क.(पर्यावरणीय आर्क.), बी.आर्क..
संपर्क : keerthi@spav.ac.in

शैला बंतानूर
सहायक प्राध्यापक
एमआर्क., बी.आर्क.
संपर्क :shaila.sb@spav.ac.in

प्रशांति राव
सहायक प्राध्यापक
एम.प्लान(शहरी विकास एवं योजना), बी.आर्क.
संपर्क :prashanti_swe@spav.ac.in

एम. भानू चित्रा
सहायक प्राध्यापक
एम आर्क.(लैंडस्केप), बी.आर्क.
संपर्क:banuarchi@spav.ac.in

भारती एस.
सहायक प्राध्यापक
एम.प्लान (शहरी योजना), बी.आर्क.
संपर्क :bharathi.s@spav.ac.in

मानवी सुनेजा
सहायक प्राध्यापक
एम आर्क.(लैंडस्केप), बी.आर्क.
संपर्क :manavi@spav.ac.in

कीर्ति चंद्र
सहायक प्राध्यापक
एम आर्क.(लैंडस्केप), बी.आर्क.
संपर्क:chandra@spav.ac.in

1.2.2) योजना विभाग: प्राध्यापक

डॉ. नटराज क्रांति
संयुक्त प्राध्यापक
डॉक्टरेट (हैदराबाद), एमयुआरपी, बी. आर्क.
संपर्क : natraj@spav.ac.in

डॉ. अयन कुमार तरफदार
संयुक्त प्राध्यापक
डॉक्टरेट (नार्वे), एमएस (युइपी),बी .प्लान.।
संपर्क : ayon.tarafdar@spav.ac.in

वल्लियप्पन एएल
सहायक प्राध्यापक
एम. प्लान. (गृहप्रबंध), बी. आर्क.।
संपर्क: valliappan.al@spav.ac.in

प्रशांत वर्धन
सहायक प्राध्यापक
एम. प्लान. (इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग),
बी.प्लान.
संपर्क : prasanth@spav.ac.in

मकबूल अहमद
सहायक प्राध्यापक
एम. प्लान. (शहरी योजना), बी. प्लान
संपर्क : maqbool@spav.ac.in

श्वेता शर्मा
सहायक प्राध्यापक
एम.एससी. (परिवहन योजना), एम .टेक
(शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)
संपर्क : shweta@spav.ac.in

प्राध्यापक (तदर्थ)

अपर्णा सोनी
सहायक प्राध्यापक
एम. प्लान. (शहरी और क्षेत्रीय योजना),
बी. आर्क
.संपर्क : aparna@spav.ac.in

रक्तिम रे
सहायक प्राध्यापक
एम. प्लान. (गृहप्रबंध), एम.एस.सी. (भूगोल)।
संपर्क : raktimray@spav.ac.in

सौमी नाग
सहायक प्राध्यापक
एम .प्लान .(गृहप्रबंध),
एम.एस.सी.(भूगोल)।
संपर्क : souminag@spav.ac.in

1.2.3 प्रशासन

डॉ. पी. कृष्ण मोहन
कुलसचिव

श्री डी. वेंकट राम मोहन राव
उप कुलसचिव

श्रीमति सीएच. शैलजा
सहायक कुलसचिव

डॉ. वाइ. श्रीनिवास राव
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री पी.वी.एस. श्याम कुमार
सहायक कुलसचिव

श्री के. मलाईवेल गोविन्दन
सिस्टम ऐडमिनस्ट्रेटर

श्री पि. प्रमोद
सहायक अभियंता व परियोजना अधिकारी (सिविल)

श्री एम. जनार्दन रेड्डी
बहु कौशल सहायक

कु. नीलम भट्ट
बहु कौशल सहायक

श्री पी. लीला वर प्रसाद
लेखाकार

श्री वि पवन कुमार
लेखाकार

श्री एन. राजीव
कनिष्ठ अभियंता (सिविल)

श्री वेंकट नारायण वल्लूरू
प्रयोगशाला सहायक

1.3 एस.पी.ए.वी. उपक्रम

हमारे विद्यार्थियों को विश्व में उभारने के लिए विद्यालय ने कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए । जिससे छात्र व संकाय विनिमय कार्यक्रमों में भाग ले सकें ।

1. एस.पी.ए.वी. और आई.आई.टी. मुम्बई के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर 24 मार्च 2015 पर हस्ताक्षर किए गए । जिसके अतंर्गत डिजाइन और अभिनव केन्द्र की कई गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं ।

2. हॉफेनसिटी विश्वविद्यालय हैम्बर्ग जर्मनी के साथ सहयोग के समझौते पर 3 दिसंबर 2014 पर हस्ताक्षर किए गए ।

3. संस्थागत तंत्र को विकसित करने व भुवन एन.यू.आई.एस. व अन्य अधिकारियों के साथ स्थानिक योजना समर्थन हेतू नेशनल रिमोट सेंसिग सेंटर के साथ 30 अक्तूबर 2014 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ।

4. अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन स्कूल एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत इकोल ब्लू, पेरिस के साथ समझौता ज्ञापन पर 4 अप्रैल 2014 को हस्ताक्षर किए गए।

1.4 अनुसंधान एवं विकास

एस.पी.ए.वी. लगातार अपने अनुसंधान और विकास के माध्यम से योजना और वास्तुकला के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए काम कर रहा है। इसके साथ ही यह अनुसंधान गतिविधियों और डिजाइन सेंटर के कार्य भी कर रहा है।

डिजाइन और नवाचार केन्द्र को बढ़ावा देने और भारत के दक्षिण पूर्वी भागों में पारंपरिक कला और शिल्प के संवर्धन की दिशा में योगदान के लिए सीखने और नवीनीकरण के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन और नवाचार केन्द्र एस.पी.ए. विजयवाड़ा में स्थापित किया गया ।

एस.पी.ए. विजयवाड़ा मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय डिजाइन और अभिनव कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आई.आई.टी. मुम्बई के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य करता है । इस केन्द्र के माध्यम से एस.पी.ए.वी. ने आंध्र प्रदेश व पड़ौसी राज्यों जैसे कर्नाटक उड़ीसा केरल और तमिलनाडु राज्य के अद्‌वितीय विरासत, कला व हस्तशिल्प की पहचान की है। एस.पी.ए.वी. का प्रयोजन अपने पारंपरिक कला की पहचान को बदले बिना इसे अग्र स्तर तक ले जाने की है जिससे यह छात्रों व कारीगरों के लिए ज्ञान व कला मंच का आधार बने। इस केन्द्र के तहत कलमकारी उद्योग के साथ साझेदारी में एस.पी.ए.वी. बुद्ध सीरीज नामक एक अनोखी श्रृंखला के रूप में उभरा है। यह हमारे पुरातात्विक विरासत के विचारों से लेकर सुंदर डिजाइन में बदलने की एक अनूठी अवधारणा है। एस.पी.ए.वी. ने कृष्णा जिले में मुकुलपाडु नामक गांव में लोगों की

भागीदारी के माध्यम से देश का पहला ग्राम संग्रहालय स्थापित किया है। यह गांव की पंचायत कार्यालय के सामने निर्माण और प्रदर्शनी केन्द्र तैयार करने की प्रक्रिया में है।

एस.पी.ए.वी. ने भवन निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद् द्वारा दस्तावेजीकरण हेतू कृषि जलवायु क्षेत्रों के आधार पर आवास के निर्माण के लिए नवीन भवन निर्माण सामग्री तकनीक के माध्यम से उपयुक्त डिजाइन प्रदान करने के लिए आंध्र प्रदेश में आवासीय वर्गीकरण एक अनुसंधान परियोजना कार्य किया ।

एस.पी.ए.वी. को टाउन प्लानिंग विभाग कोल्हापुर द्वारा अनुसंधान परियोजना कार्य कोल्हापुर जिले के लिए क्षेत्रीय योजना की तैयारी का कार्य सौंपा गया।

एस.पी.ए.वी. ने विजयवाड़ा पुलिस आयुक्त के लिए एक प्रतीक चिन्ह् 'द्वार पर एफ.आई आर' डिजाइन किया।

एस.पी.ए.वी. को ग्रीन मास्टर प्लान तैयार करने और एक तीसरी पार्टी के रूप में हवाई अड्डे और शहर के बीच ग्रीन कॉरिडोर के कार्यान्वयन पर निगरानी रखने हेतू अनुरोध किया गया है।

एस.पी.ए.वी. अन्य एस.पी.ए. के साथ मिलकर हाउसिंग सामग्री और अन्य उत्पादों में डिजाइन और अभिनव कार्यान्वित करने हेतू एक अन्य डिजाइन और नवाचार केन्द्र शुरू करने जा रहा है।

1.5 सम्मेलन, कार्यशाला, संगोष्ठि तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम

एस.पी.ए. विजयवाड़ा ने कार्यशाला, संगोष्ठि, सम्मेलन तथा अतिथि व्याख्यान श्रृंखलाओं के आयोजन के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर सुदृढ़ होने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए।

21 फरवरी 2015 — कार्यशाला : ऑनलाईन संसाधनों का उपयोग : शिक्षा अनुसंधान और नवाचार की दिशा में (ए.ओ.आर.ई.आर.आई. 2015)। यह कार्यशाला एस.पी.ए. विजयवाड़ा में शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई।

21–23 नवम्बर 2014 — शहर तथा राष्ट्रीय योजना शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : 'बीती बातों की जांच एवं संभावना', योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, दिल्ली, भोपाल विजयवाड़ा, आई.टी.पी.आई. और मैसूर विश्वविद्यालय के साथ सम्मिलित रूप से आयोजित किया गया ।

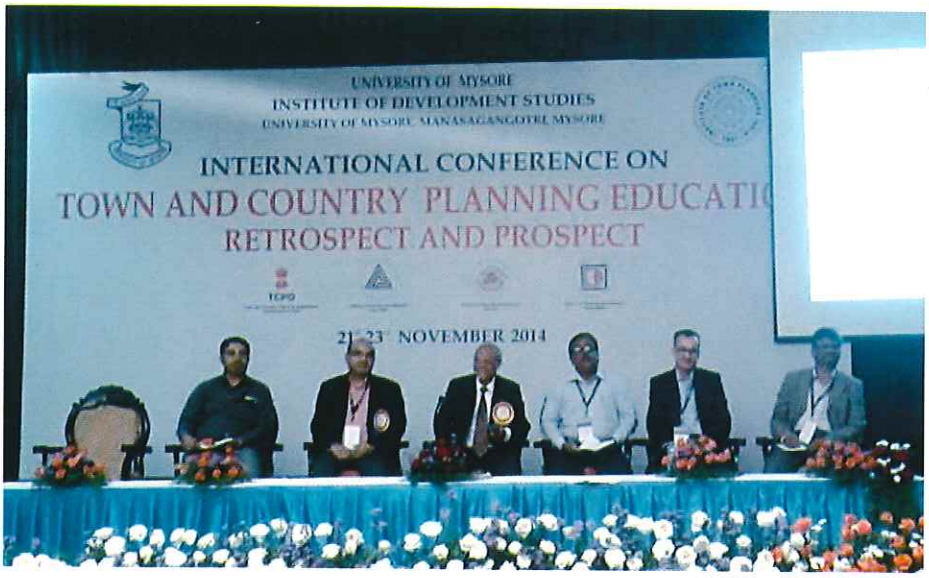

19 नवम्बर 2014

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा नें हमारे शहरों को समावेशी व टिकाउ भविष्य व स्मार्ट आकार देने के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।

ग्रीन और ब्लू सिटी पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला। कार्यशाला का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में जल निकायों की ओर चिंताओं और खुली जगह को संबोधित करना था। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलॉन, जर्मनी व एस.पी.ए.वी. के छात्रों व प्राध्यापकगणों ने इसमें भाग लिया। तत्पश्चात् विजयवाड़ा शहर के चारों ओर के रिवरफ्रंट और पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण भी किया।

05 अगस्त 2014 संचार, कॉपीराइट और बौद्धिक अधिकारों पर शोधकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विद्वानों के संचार और बौद्धिक संपदा अधिकार पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

04 जुलाई 2014 एक दिवसीय कार्यशाला – एस.पी.ए.वी, भवन निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद् तथा डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स विद्वानों द्वारा आयोजित की गई कार्यशाला जिसमें योजना और किफायती आवास के निर्माण में राज्य की एजेंसियों को समर्थन देने से नवीन भवन निर्माण सामग्री प्रौद्यागिकियों और उनके निवारण में आ रही बाधाओं पर चर्चा की गई ।

23–24 मई 2014 गेटवे होटल विजयवाड़ा में वास्तुकला अध्यापन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री उदय गडकरी, अध्यक्ष–वास्तुकला परिषद् कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस कार्यशाला ने वास्तुकला शिक्षाविदों के बीच ज्ञान बांटने में मदद की तथा एस.पी.ए.वी. में वास्तुकला में तकनीकी शिक्षण के लिए एक नया आयाम जुड़ गया।

14–15 अप्रैल 2014 एस.पी.ए.वी. द्वारा वास्तुशास्त्र पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में इकोल ब्लू स्कूल ऑफ डिजाइन, पेरिस, फांस से भी प्रतिभागी शामिल थे।

11–13 अप्रैल, 2014

श्री एम.एन. आशीष गंजू और श्री नरेन्द्र डेंगले द्वारा एस.पी.ए.वी. प्राध्यापकों के लिए 'तीन दिवसीय कार्यशाला' – प्राचीन मूल्यों पर वास्तुकला– एक समकालीन ग्रंथ की खोज और स्वदेशी वास्तविकता' शीर्षक पर आयोजित की गई थी। यह कार्यशाला वास्तुकला व योजना के शिक्षकों हेतू संयुक्त रूप से अध्यापन के विन्यास की दिशा में अग्रणी जांच की प्रक्रिया शुरू करने का एक प्रयोगात्मक प्रयास था, जिससे मिलीजुली प्रतिकिया प्राप्त की गई ।

1.6 वृतान्त

विद्यालय ने कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाएं आयोजित की जैसे–विश्व विरासत दिवस, सुशासन दिवस, एस.पी.ए.वी. स्थापना दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, विश्व–पर्यावास दिवस, अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस, राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस इत्यादि। इसके अलावा स्पीक मैके कार्यक्रम के अतंर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें छात्र, स्टाफ व विजयवाड़ा के जनसमूह ने उत्साह से भाग लिया। आयोजित घटनाओं की झलक इस प्रकार से है:–

स्पीक मैके – उस्ताद श्री कमाल साबरी जी द्वारा सारंगी वादन–20 जनवरी 2015

आंध्र प्रदेश कैपिटल रिजन डैवलपमेन्ट अथॉरिटी कमिश्नर एस.पी.ए.वी. कार्य प्रदर्शनी का दौरा करते हुए–06 जनवरी 2015

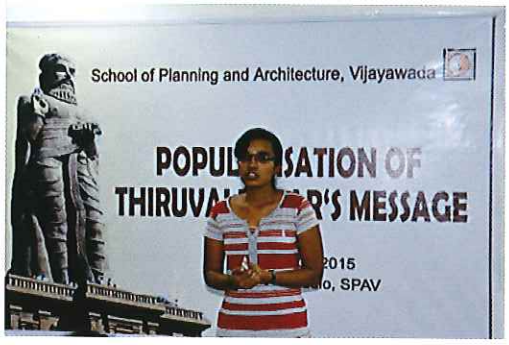

विद्यार्थी द्वारा भाषण– तिरूवल्ल्वरू संदेश के दौरान –29 जनवरी 2015

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस के अवसर पर विद्यालय में गुड गवर्नस डे समारोह का आयोजन–25 दिसम्बर 2014

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस

17 नवम्बर 2014

श्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन–11 नवम्बर 2015

04 नवम्बर 2014 एस.पी.ए.वी. स्थापना दिवस समारोह

श्री वल्लभभाई पटेल जन्मदिवस समारोह के उपलक्ष में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

स्वच्छ भारत अभियान के अतंर्गत विद्यालय में वृक्षारोपण–22 अक्टूबर 2014

विश्व पर्यावास दिवस आयोजन 18 अक्टूबर 2014

स्वच्छ भारत अभियान 02 अक्टूबर 2014

श्री वेंकैया नायडू माननीय केन्द्रीय मंत्री शहरी विकास मंत्रालय के साथ 15 सितम्बर 2014 को स्मार्ट शहरों पर परस्पर संवादात्मक बैठक

स्पीक मैके– थोलू बोम्मलाटा 19 अगस्त 2014

स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2014

सीएसएबी 2014 काउंसिलिंग 06 जून 2014

ईनयान 2014–10 अप्रैल 2014

1.6.1) एस.पी.ए.वी. वृतान्त प्रसारण समाचारपत्रों में

THE HINDU

Cities » Vijayawada

Published: August 5, 2014 | Updated: August 5, 2014

'Communication as important as invention'

V. Raghavendra

The importance of making 'scholarly communication' of research projects in such a way that they qualify for patents and other forms of protection of Intellectual Property Rights (IPR) was the highlight of discussions at a National Seminar on Scholarly Communication & IPR (SCIPR-2014), organised by the School of Planning & Architecture (SPA) here on Monday.

Participating as the chief guest, A.K. Garg, Director (IPR Division) of the Department of Electronics and Information Technology (DeitY), said protecting traditional knowledge systems was very important, as not only the ideas behind inventions but also the hard work that made them a reality needed to be safeguarded if the 'assets' (patents) were to be built upon.

"There should be no qualms in learning lessons from countries that capitalised on certain knowledge systems by getting them patented even before the original inventors realised the tremendous value that their products command across the globe," he said.

The difference is in the nature of IPR regimes in respective countries and how the IPR is successfully commercialised, Mr. Garg said and added that scholarly communication (writing patent applications) was at the core of the issue.

Prof. Srinivas Peddada of Stony Brook Medical College, New York, said promotion and protection of intellectual property would spur economic growth and encourage commitment of additional resources for further innovation.

According to SPA Director N. Sridharan, implementation of proper evaluation systems at every level of research and development is needed to avoid duplication and plagiarism and to ensure quality in publications. By doing so, IPR, including copyright, patent, design and trademark, could be protected effectively.

K. Satyanarayana, Senior Deputy Director-General of the Indian Council of Medical Research; A.L. Moorthy, Chief Consultant (Information Science) of BrahMos Aerospace; SCIPR Chairperson Abdul Razak Mohamed and V. Vishwa Mohan, Professor and Chairman of Board of Studies (Library & Information Science) at Osmania University participated.

विद्वानों के संचार और बौद्धिक संपदा अधिकार पर राष्ट्रीय सम्मेलन 04–05 अगस्त 2014 हिन्दू 06 अगस्त 2014

నయన మనోహరం...

పుంజాలా కూచిపూడి నృత్యం

కృష్ణలంక, న్యూస్‌టుడే: భారతీయ నృత్య రీతులన్నింటిలోకి కూచిపూడి నృత్యం ఎంతో విశిష్ట ప్రాధాన్యాన్ని సంతరించుకుందని ప్రముఖ కూచిపూడి నృత్య కళాకారిణి డాక్టర్ అలేఖ్య పుంజాలా అన్నారు. సోమవారం సిద్ధార్థ ఆడిటోరియంలో స్పిక్ మాకే, స్కూల్ ఆఫ్ ప్లానింగ్ అండ్ ఆర్కిటెక్చర్- విజయవాడ, కేంద్ర మానవ వనరుల అభివృద్ధి శాఖ సంయుక్త నిర్వహణలో విరాసత్-2014 కార్యక్రమంలో భాగంగా పుంజాలా కూచిపూడి నృత్యాన్ని ప్రదర్శించి అలరించారు. ఈ సందర్భంగా పుంజాలా మాట్లాడుతూ ఇతర శాస్త్రీయ నృత్యాలతో పోలిస్తే కూచిపూడి నృత్యంలో ముద్రల ప్రాధాన్యం అధికంగా ఉండటంతో ప్రత్యేక సౌందర్యాన్ని సంతరించుకుందన్నారు. ప్రదర్శనకు వినోద్ కుమార్, శ్రీనివాస్, రాజా తదితరులు వాద్య సహకారాన్ని అందించారు. అంతకు ముందు జరిగిన ప్రారంభ సభలో స్పిక్ మాకే డైరెక్టర్ శ్రీధరన్ మాట్లాడుతూ భారతీయ నృత్యాన్ని విశ్వవ్యాప్తం చేసే కృషిలో భాగంగా సంస్థ పనిచేస్తున్నట్లు వివరించారు. ఫ్రాన్స్, జర్మనీ దేశాలకు చెందిన స్పిక్ మాకే ప్రతినిధులు కార్యక్రమంలో పాల్గొన్నారు.

डॉ अलेख्या द्वारा स्पीक मैके के अंतर्गत नृत्य कार्यक्रम– 15 सितम्बर 2014 ईनाडू 16 सितम्बर 2014)

USTAD IN CITY

Ustad Kamal Sabriji performs Sarangi recital at Siddhartha auditorium organised by School of Planning and Architecture and Spic Macay in Vijayawada on Tuesday. — DECCAN CHRONICLE

स्पीक मैके – उस्ताद श्री कमाल साबरी जी द्वारा सारंगी वादन– डेक्कन क्रोनिकल 21 जनवरी 2015

THE HINDU

Cities » Vijayawada

Published: August 20, 2014 00:19 IST | Updated: August 20, 2014 00:19 IST

Leather puppetry keeps SPA students spellbound

स्पीक मैके– थोलू बोम्मलाटा द हिन्दू

20 अगस्त 2014

एस.पी.ए.वी. विद्यार्थियों द्वारा बनाया गया कैपिटल कॉम्पलेक्स का डिजाइन–कल की आशा साक्षी–06 फरवरी 2015

300 ఎకరాల్లోనే అద్భుత రాజధాని

- సింగపూర్ కాదు.. పూర్తిగా స్వదేశీ నైపుణ్యం
- అబ్బురపరిచిన విజయవాడ 'స్పా' విద్యార్థుల డిజైన్లు
- అత్యాధునిక భవంతులు.. పర్యావరణ పరిరక్షణకూ పెద్దపీట
- ఆశ్చర్యపోయిన సీఆర్‌డీఏ ఉన్నతాధికారులు, ప్రణాళికా నిపుణులు

సాక్షి, విజయవాడ బ్యూరో: రాజధాని మాస్టర్‌ప్లాన్ డిజైన్ కోసం ప్రభుత్వం సింగపూర్ చుట్టూ ప్రదక్షిణలు చేస్తుంటే.. మరోవైపు మన విద్యార్థులు అద్భుతమైన డిజైన్లు రూపొందించి అందరినీ విస్మయంలో ముంచెత్తారు. రాజధాని నిర్మాణం పేరిట ప్రభుత్వం 33 వేల ఎకరాల భూ …

మంగళగిరి - మలేసియా రాజధాని పుత్రజయ నగరం ఆధారంగా పూర్తి ఏపీ నేటివిటీతో రూపొందించిన నమూనా. ఈ నమూనాలో అసెంబ్లీ ఒక కళాఖండంగా రూపుదిద్దుకుంటుంది. అసెంబ్లీ ఎదుట కమలం తరహాలో విచ్చుకునే భారీ ఫౌంటెయిన్లు, దానికెదురుగా భారీ తెలుగుతల్లి విగ్రహం, మరోపక్క పొట్టి శ్రీరాములు విగ్రహం, ఇంకోవైపు మిలీనియం స్క్వేర్ ఉంటుంది. (ఈ నమూనా సీఆర్‌డీఏ కమిషనర్‌కు నచ్చింది)

एस.पी.ए.वी. विद्यार्थियों द्वारा बनाया गया कैपिटल कॉम्पलेक्स का डिजाइन–'वंडर सिटी' साक्षी–05 फरवरी 2015

Make cities smarter, says former Union Secretary

'Emphasis should be on recycling and reuse of waste water and solid waste'

Staff Reporter

VIJAYAWADA: Smart cities should create wealth and employment while protecting natural resources, said former Secretary of Ministry of Urban Development Sudhir Krishna.

School Planning and Architecture (SPA), Vijayawada, organised an international seminar on "Shaping our Cities for Smart, Inclusive and Sustainable Future", here on Wednesday.

Addressing the participants, Mr. Krishna said that urban development would create wealth and riches. But, urbanisation was far less in India compared to other developed countries.

Cities should be developed into hubs for economic growth. Per capita income and economic growth would be less if urbanisation was less, he said adding focus should be on making cities smarter besides ensuring efficiency, transparency, sustainability, inclusiveness and additional features like safety. Urbanisation posed some challenges too. Financing urban infrastructure was a major challenge, but raising tax levels should be explored as the last option. Financial resources could be augmented through levying user charges and selling recycled waste etc., he said.

Stressing on improving urban infrastructure, particularly solid and other waste management and water supply, Mr. Krishna said that planners should work towards zero waste and zero landfill. The plan should encompass waste reduction, composting, recycling and reuse among other things.

Emphasis should be on recycling and reuse of waste water and solid waste generated in the cities. In a zero waste approach, waste management should not be left only to politicians and technical experts, rather, everyone should own up responsibility, he added.

SPA Director N. Sridharan, Dean and Head of the Department (Planning) Abdul Razzak, Head of Department (Architecture) Ramesh Srikonda and others spoke.

The seminar deliberated on planning sustainable urban development, inclusion-exclusion: people, participation and policies, smart infrastructure and smart cities. The SPA students made a presentation on capital city regions and capital complex (3D walk through).

School of Planning and Architecture Director Sridharan explaining a model prepared by the institute on the Capital region to former Union Secretary Sudhir Krishna in Vijayawada on Wednesday. — PHOTO: V. RAJU

श्री सुधीर कृष्णा, पूर्व सेक्रेट्री शहरी विकास मंत्रालय का दौरा द हिन्दू 20 नवम्बर 2014

THE HINDU

National » Andhra Pradesh

Published: September 17, 2014 01:25 IST | Updated: September 17, 2014 01:

'Greenfield development to have long-term impact on climate'

M. Srinivas

अर्बन ग्रीन और बलू पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला द हिन्दू 17 सितम्बर 2014

1.7 छात्र गतिविधि तथा उपलब्धियाँ

एस.पी.ए.वी. छात्रों ने देश की कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरूस्कार प्राप्त कर देशभर में विद्यालय का नाम रोशन किया । हमारे छात्रों को उनके कौशल सुधार प्रशिक्षण के लिए विदेश की कंपनियों में भी इंटर्नशिप मिल रही है। रोहित मंडल और बी.सांई प्रसाद, वास्तुकला स्नातक के छात्रों ने अपने शोध के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2014–15 चीन शंधाई में एक लेख शीर्षक–'**व्याख्यान हॉल को अनुपचारित और आंशिक रूप में इसके ध्वनिक प्रदर्शन हेतू व्यक्तिपरक मूल्यांकन**' पर प्रस्तुत किया और विद्यालय के लिए ख्याति प्राप्त की।

छात्र गतिविधियों की एक झलक

ईनयान 2015 वार्षिक दिवस समारोह

01 फरवरी 2015

ओणम त्योहार

जन्माष्टमी त्योहार

क्रीड़ा सप्ताह

1.8 अवसंरचनात्मक विकास

1.8.1 एस.पी.ए.वी. परिसर विकास- प्रस्तावित परिसर 53,578 वर्गमीटर क्षेत्र में बना हुआ है साथ ही यह 9.66 एकड़ क्षेत्र भर में फैला हुआ है। यह परिसर शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन हेतू 29,246 वर्गमीटर (साथ में तहखाने सहित, 200 कार तथा 500 दुपहियों हेतू पार्किंग) में है, भोजनालय सह अतिथि प्राध्यापक हेतू 4,243 वर्गमीटर (उच्च भवन) में, छात्र तथा छात्राएँ हेतू भवन 20,089 वर्गमीटर (कम वृद्धि ब्लॉक) में है जिसमें 777 छात्र निवास कर सकते हैं इस समग्र परियोजना की लागत '148 करोड़ रु होने का अनुमान है। परिसर इमारतों में आर्ट प्रयोगशाला, कार्यशाला, केन्द्रीय पुस्तकालय, सम्मेलन कक्ष तथा सभागार, जिसमें 600 की क्षमता है।

एस.पी.ए.वी. परिसर विकास परियोजना की स्थिति: छात्र हॉस्टल: छात्रावास 15 मार्च 2014 को प्रस्तावित किया गया था और 28 अगस्त 2014 से इस साइट पर कार्य शुरू किया गया था। छात्रावास ब्लॉक को पूर्ण करने का निर्धारित समय 16 फरवरी, 2016 है। 31 मार्च, 2015 तक छात्रावास का 25% कार्य के साथ स्तंभ के पाईल कैप तथा कास्टिंग सहित इसके स्तंभ का कार्य पूर्ण हो गया है। पृष्ठभाग को भरने के साथ इसका सुपर संरचना कार्य प्रगति पर है।

शैक्षणिक ब्लॉक और अतिथि प्राध्यापक सह भोजन ब्लॉक:

शैक्षणिक और डाडनिंग ब्लाक 08 अगस्त 2014 को प्रस्तावित किया गया था और 14 अक्टबर 2014 से डस साडट पर कार्य शरू किया गया। फरवरी. 2015 के अंत तक स्तंभ कार्य सम्पर्ण कर लिया गया था। सपर संरचना 17 अक्टबर. 2014 को प्रस्तावित किया गया और 23 मार्च. 2015 तथा 10 मार्च. 2015 से डस साडट पर कार्य शरू किया गया। शैक्षणिक ब्लॉक और डाडनिंग ब्लॉक को 11 नवंबर, 2016 और 01 जुलाई, 2016 को क्रमश: पूरा करने के लिए निर्धारित किया गया है।

मार्च, 2015 तक, शैक्षणिक और डाइनिंग ब्लॉक का कार्य 14% पूरा हो गया है तथा पाईल कैप और पानी के लिए आरसीसी बेड़ा अशुद्धि जाँच कार्य प्रगति पर है। एसपीएवी परिसर विकास परियोजना का समग्र कार्य का 16%, 31 मार्च, 2015 तक पूर्ण कर लिया गया है जिसमें छात्रावास, शैक्षणिक और डाइनिंग ब्लॉक भी शामिल है।

माननीय केंद्रीय शहरी विकास मंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू ने निर्माण स्थल का दौरा 04 जनवरी, 2014 को किया तथा कार्य प्रगति की जाँच की।

1.8.2 पुस्तकालय

एक मिशन के साथ शैक्षिक समर्थन और अनुसंधानिक गतिविधियों को बौद्धिक और भौतिक सूचनाओं के माध्यम से जानकारी देने के प्रावधान हेतू, यह पुस्तकालय एसपीएवी का एक अभिन्न शैक्षणिक प्रणाली का हिस्सा है जिसका प्राथमिक कार्य सिर्फ छात्र, शोधकर्ताओं, प्राध्यापक और कर्मचारियों की सेवा के लिए ही नहीं बल्कि शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के लिए स्थापित की गयी है। 2008 में पुस्तकालय अपने कार्यात्मक रूप को प्रारम्भ किया। यह लगभग 800 वर्ग मीटर के क्षेत्र के साथ परिसर की पहली मंजिल में स्थित है। वर्तमान परिदृश्य में, पुस्तकालय के पास लगभग 4000 पुस्तक और सामयिक पत्रिकाओं (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) का संग्रह 122 संख्या से अधिक है। पुस्तकालय वाईफ़ाई और ब्रौड बैंड कनेक्टिविटी दोनो प्रकार के इंटरनेट सुविधाओं से जुड़ा हुआ है तथा डिजिटल पुस्तकालय की सेवाएँ भी उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय ने एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर (लिब्सिस 7 और वेब-आधारित सार्वजनिक पहुँच सूचीपत्र) को स्थापित किया है जिससे केवल पुस्तकालय संसाधनों का चेक-इन, चेक-आउट, नवीकरण तथा आरक्षण कर सकें वरन् उपयोगकर्ता अपने डेस्कटॉप से ही इन डिस्कवरी संसाधनों को ब्राउज़ भी कर सकते हैं।

पुस्तकालय निम्नलिखित सेवाओं को अपने उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभावी रूप से प्रदान करता है, जैसे: संचलन सेवाएं, संदर्भ सेवाएं, सीडीरोम सेवाएं, स्कैनिंग सेवाएं, प्रिंट-आउट सेवाएं और प्रतिलिपिकरण। एसपीएवी पुस्तकालय अन्य एसपीए के साथ मिलकर जर्नल्स तथा पुस्तकों हेतू एक कंसोर्टियम का विकास भी कर रहा है।

1.8.3 संगणक नेटवर्किंग तथा सुरक्षा

विद्यालय के पास आधुनिक संगणक प्रयोगशाला और जीआईएस प्रयोगशाला है, जो छात्रों, प्राध्यापकों तथा कर्मचारियों को वायरलेस नेटवर्क प्रदान करता है। लैन, परिसर में लगभग 800 उपयोगकर्ताओं को एक-समय उपयोग करने की सुविधा वायरलेस नेटवर्क के माध्यम से प्रदान करता है। विद्यालय ने लिब्सिस (पुस्तकालय सॉफ्टवेयर) का क्रय किया है जो मुख्य डोमेन के साथ जुड़ा है। एसपीएवी ने संरक्षा और सुरक्षा हेतू जैव-समर्थित उपस्थिति उपकरण और सीसीटीवी निगरानी प्रणाली को स्थापित किया है। ए-दृश्य (ऑडियो विजुअल) भवन से छात्रों और प्राध्यापकों के लिए ई-लर्निंग सेवा प्रदान की जाती है। प्रमुख बिजली बैकअप के लिय 31 केवीए केंद्रीयकृत यूपीएस और जनरेटर प्रणाली के माध्यम से उपयोग किया जाता है।

1.8.4 संगणक तथा कैड प्रयोगशाला

संगणक कैड प्रयोगशाला पूरी तरह से एयरकंडीशनिंग और 24 डेल और एचपी डेस्कटॉप के साथ सुसज्जित है। यह अधिकार प्राप्त उच्चगति आकृति के संगणक हैं जिसमें ऑटो कैड सॉफ्टवेयर मौजूद हैं, जिससे छात्रों को उच्च दक्षतापूर्वक अभिकल्पना बनाने में सहायता मिलती है। संगणक कैड प्रयोगशाला के पास दो एचपी डिजाइनजेट के प्लॉटर है। प्रयोगशाला मे विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर हैं, जैसे ऑटोकैड, ऑटोडेस्क 3 डी मैक्स, ऑटोडेस्क रेवीट और सुरक्षा सॉफ्टवेयर।

1.8.5 जीआईएस प्रयोगशाला

योजना विभाग ने जीआईएस प्रयोगशाला को स्थापित किया है जिसमें दस आधुनिक संगणक प्रणाली के साथ अधिकार प्राप्त जीआईएस सॉफ्टवेयर भी हैं। इसमें लेसिका टोपो माऊस, स्टिरियोस्कोपिक उपकरण और वायरलेस उपनेत्र जैसे उपकरणों से यह सुसज्जित है।

1.8.6 सर्वर भवन

सर्वर भवन और लैन, एक समग्र गीगाबिट ईथरनेट के आधार स्तंभ पर हुई है जो विभिन्न एकल मोड फाइबर का परिवर्तनीय उपयोग समुच्चय बैंडविड्थ के माध्यम से एक जीबीपीएस के लिय प्रदान करता है। सभी प्राध्यापक सदस्यों को डेस्क्टॉप के साथ सामान्य प्रिंटर की सुविधा भी प्रदान करता है। सभी चार छात्रावास (छात्र एवं छात्रायें) में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है।

1.8.7 सामग्री संग्रहालय

विद्यालय ने पूर्ण कार्यान्वित द्रव्यात्मक प्रयोगशाला को प्रदर्शन हेतू स्थापित किया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के परीक्षण हेतू निर्माण रचना उपकरण शामिल हैं।

1.8.8 सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला

विद्यालय ने विभिन्न निर्माण सामग्री के परीक्षण हेतू एक पूर्ण सामग्री लैब की स्थापना सभी उपकरणों के साथ किया है।

1.8.9 जलवायु विज्ञान प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना नवीनतम उपकरणों के साथ 2014 में हुई थी जिसमें गरम हवा ओवन, गर्म थाली, इनक्यूबेटर, भट्ठी ओढ़ना, कनेक्टिविटी मीटर, एफपीएम कंप्रेसर, मेटल ताप, जल स्नान, फोटो मीटर, विश्लेषक आदि शामिल हैं।

1.8.10 पर्यावरण प्रयोगशाला

पर्यावरण निगरानी प्रयोगशाला को अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विकसित किया गया जो जल, वायु और मिट्टी के प्रदूषण स्तर के नमूने का परीक्षण किया जा सके। प्रयोगशाला स्थापना का उद्देश्य छात्रों के शहरी गतिशीलता के संबंध में पर्यावरण परिवर्तन के लिए योजना बनाने के इरादों को मजबूत बनाना था। यह प्रयोगशाला एम. प्लान के मुख्य विषयों को छात्रों के लिए प्रदान करता है। यह स्नातक स्तर पर भी विभिन्न चित्रशाला परियोजनाओं के लिए भी प्रासंगिक है। यह अनुसंधान और परामर्श के क्षेत्र हेतू एक पूर्ण केंद्र बनने की प्रक्रिया में उद्धत है।

वास्तुकला विभाग

- **वास्तु डिजाइन चित्रशाला: सारांश**
- **प्राध्यापक गतिविधियाँ**
- **अतिथि व्याख्याता**
- **व्यावहारिक प्रशिक्षण**

2.1 वास्तुकला डिजाइन चित्रशाला: सारांश

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-1): बुनियादी डिजाइन

चित्रशाला प्राध्यापक: डी. श्रीनिवास, साईं सनथ, अनील कुमार सीएच, पुन्यो चोबिन(आर्टिस्ट)

रूपरेखा :

वास्तुकलात्मक रूपरेखा के तत्वों से संबंधित समस्याओं की समझ, स्थान और फार्म की अवधारणाओं हेतू अनुभव पैरामीटर्स के डिजाइन, मानव केन्द्रित, मानव गतिविधि और स्थान का उपयोग, वास्तुकलात्मक स्थान के फार्म से आपसी संबंध, संरचना, और सामग्री तथा संदर्भित विन्यास की प्रकृति। वास्तुकलात्मक डिजाइन के पहले सेमेस्टर में डिजाइन सोचने की प्रक्रिया के विकास हेतू उनके निपटान पर केंद्रित है। वे छात्र जो वास्तुकला के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे उन्हें पेशेवर तथा कला और विज्ञान दोनों का समुचित रूप से उपयोग कर सकें जिससे वे बुनियादी डिजाइन में प्रशिक्षित हों साथ ही डिजाइन सोच प्रक्रिया में उनका कौशल विकसित हो सके। छात्रों को विभिन्न चित्रशाला अभ्यास के द्वारा उन्हें डिजाइनिंग में अपने कौशल हेतू सुधार के लिए और उन्हें पेशेवर सोच के परिचय हेतू सौंपा गया।

कोलाज

कोलाज कला उत्पादन की एक तकनीक है, जो मुख्य रूप से दृश्य कला का उपयोग करता है, जहां कलाकृति के विभिन्न रूप को बनाया जाता है, इस प्रकार यह एक नवीन संयोजन का निर्माण करता है। अखबार की कतरनों, रिबन, बिट्स के रंग, हस्त-निर्मित कागज, अन्य कलाकृति या ग्रंथों के भाग, छायाचित्र और कुछ अन्य कागज का बना वस्तु, कैनवस का एक टुकड़ा सरेस से जुड़े हुये वस्तुओं को कोलाज इसमें शामिल करता है।

बुनियादी डिजाइन के सिद्धांत

छात्रों को वास्तुकला डिजाइन, रिक्त स्थानों का विचार और फार्म की अवधारणाओं तथा उनकी धारणा के तत्वों से संबंधित सिद्धांतों को समझने तथा इनके समस्याओं को प्रकाशित कर छात्रों के वास्तु रिक्त स्थान के आयोजन में एक महत्वपूर्ण उपकरण "ग्रिड" के बारे में जानने के लिए प्रेरित किया गया। दिए गए "ग्रिड" पर, छात्रों को पेंसिल से पैटर्न का विकास, श्याम-श्वेत और रंगीन ए-4 आकार शीट पर ही उन्हें कार्य करना आवश्यक था।

रंग

दृश्य कला के प्रमुख तत्वों में से एक के रूप में, रंग (बनावट) हमारे दृश्य अनुभव को केवल स्पष्ट ही नहीं बल्कि इसलिए भी कि उनके मूल्य के कारण, क्योंकि उन्हें स्थानिक प्लास्टिक का व्यवहार बढ़ाने के उपर भी था।

रंगों और बुनावट भी एक दूसरे के साथ अच्छी तरह से मिलान किया जाना चाहिए साथ ही फार्म के साथ अधिकतम दृश्य प्रभाव सुशोभित होता हो। छात्रों ने मानक रंग पध्द्ति पर आधारित रंग: अ) मोनोक्रोम आ) सदृश इ) प्रशंसापूर्ण ई) विभाजित प्रशंसापूर्ण उ) समीप

प्रशंसापूर्ण ऊ)मानार्थ से उन्होंने विभिन्न कार्य प्रदर्शित किये हैं। यह कार्य दो आयामी चित्र और तीन आयामी रूपों के बीच के संबंधों को समझने हेतू किया गया था। छात्रों के डिजाइन विकल्प, वर्ग ग्रिड के नौ चौकों के साथ बाहर आया था। प्रत्येक वर्ग 3 मी x 3 मी में है। वे तीन आयामों के ग्रिड की खोज शुरू किये जब तक वे ग्रिड से एक व्यापक सौंदर्य डिजाइन संरचना प्राप्त नहीं कर लेते। अंतिम डिजाइन के लिए एक ठोस मॉडल समर्थित किया गया था।

छात्रों को कम से कम दो इमारतों का अध्ययन और उसके डिजाइन सिद्धांतों की व्याख्या के साथ एक पोर्टफोलियो को प्रस्तुत करना था, उदाहरणस्वरूप उनके गृह नगर के प्रसिद्ध भवनों या किसी भी अन्य इमारतों के भवनों के उपर कार्य करना होगा। छात्रों ने अपने अध्ययन संश्लेषण में स्थानों को जोड़ने हेतू प्राथमिक माप आरेखण, चित्र और फोटोग्राफी के माध्यम से टिप्प्णी दिए थे। बाद में, उन्हें एक वास्तु प्रपत्र डिज़ाइन, एक विशेष समारोह के साथ करना आवश्यक था।

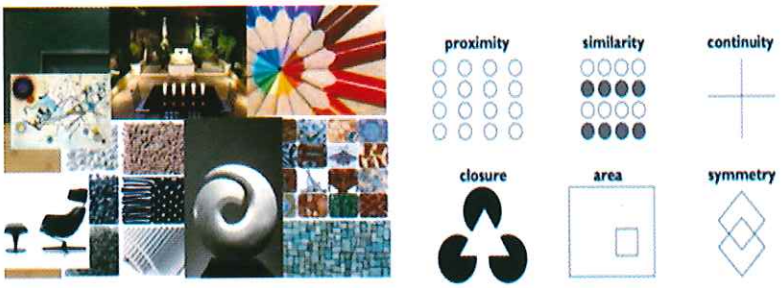

डिजाइन और संलग्न रिक्त स्थान (4 मॉडल) पर आधारित मॉडलों की प्रस्तुति

उद्देश्य: डिजाइन और सामग्री

वास्तुशिल्प रचना एक निश्चित डिजाइन पर विचार व्यक्त करने हेतू उनके उपयुक्त सामग्री के डिजाइनर के चयन पर निर्भर करता है। रैखिक फार्म, जैविक, मूर्तिकला, पारंपरिक, उच्च तकनीक, आदि जैसे विभिन्न सामग्रियों के उपयोग द्वारा इन अभिव्यक्तियों को समझाया जा सकता है।

प्रक्रिया:

प्रक्रिया और शिक्षण विधियों का पालन निम्नांकित इंटरैक्टिव सत्र पर आधारित है- अतिथि व्याख्यान, ऑन-द-स्पॉट रूपरेखा, कार्यशाला,समूह कार्य और समूह प्रस्तुति। इस दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों की जन्मजात रचनात्मक कौशल की अभिव्यक्ति में सक्षम होना था।

उपलब्धि:

छात्रों को विभिन्न तरह के अभ्यास हेतू कार्य सौंपा गया जैसे कोलाज, ग्रिड संरचना, रेखा संरचना, पुनरावृत्ति, मानवमिति, अपशिष्ट पदार्थों से उत्पादन (बेकार से उपयोगी) , रंग सिद्धांत, स्थानीय ऐतिहासिक स्थानों के लिए साइट पर जाना तथा स्थान रूपरेखा, अभिलेख, छोटे रिक्त स्थान पर कार्य करना (जैसे बस शेल्टर, टेलीफोन बूथ, कैंटीन, रेलवे काउंटर, एटीएम आदि.) इस कार्य में छात्रों का अपने कार्य तथा प्रस्तुतियों पर आत्मविश्वास को बाहरी जूरी सदस्यों द्वारा की गयी सराहना से वे अपने सेमेस्टर के अंत में बहुत आश्वस्त नजर आये थे।

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-2): वास्तु डिजाइन

अध्ययन क्षेत्र: दिल्ली

चित्रशाला प्राध्यापक: अनिल कुमार सीएच, मिलिंद काम्बले, पुन्यो चोबिन, फैज अहमद

<u>अभ्यास - 1</u>:

3 डी आदेश एक 9-वर्ग ग्रिड तत्काल/ नमूदार वातावरण डिज़ाइन असाइनमेंट हेतू 2D वार्मअप अभ्यास डिजाइन व्याख्या: (लाइवबीलिटी हेतू स्थान/संस्कृति हेतू स्थान/पारगमन हेतू स्थान/मनोरंजन हेतू स्थान/आध्यात्मिक हेतू स्थान/कार्यहेतू स्थान/सेवा हेतू स्थान)

चित्रशाला ने तत्काल/नमूदार वातावरण और लोगों से रिश्ते के महत्वपूर्ण समझ के साथ उसको समझने हेतू। यह तर्क गतिविधियों के बाहर खोजने के लिए और कारणों के बीच स्थितियों या ओपन-अर्द्ध खुले और संलग्न वातावरण में संदर्भों को निकालने का अवसर प्रस्तुत करने के लिए है। क्षेत्र अध्ययन दिल्ली और फतेहपुर सीकरी के विभिन्न बाड़ों, रिक्त स्थान, पीपुल्स गतिविधियों, तत्वों, पैटर्न और रचनाओं को कवर करने के लिए थी।

मॉडल जेनरेशन

(उपयुक्त स्केल में: *1:20)*

- **सतह के स्तर की अनुचित योजनाओं (2 न. केवल) के लिए शोषण जांच (सोलिड्स एण्ड वोयिड्स) हेतू 2डी से 3डी में बदलने के लिए वौल्यूम।**

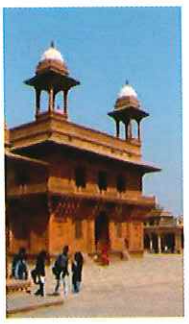

- **सिमुलेशन (बाड़ों, प्रकाश, दृश्य का इलाज, स्थानिक दृश्यों, "प्रपत्र, किस्मों , आदि भाषा का अन्वेषण)**
- **विभिन्न स्तरों पर मानव बस्ती की सं भावनाओं के कारणों का पता लगाने / सतहों के साथ स्केल, अनुपात और फ़ंक्शंस (प्रपत्र, अंतरिक्ष, मानव समारोह, पर्यावरण के संदर्भ और टेक्टोनिक के आपसी संबंध थे लक्ष्यों को सीखने) के लिए आदर**

- **संक्रमणकालीन स्थान रखते हुए जबकि एक विशिष्ट अनुभव पैदा करने के लिए "मानव आवास गतिविधि आंदोलनों, भावनाओं और सूर्य छाया" दिन के अलग अलग समय में।**

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-3): वास्तु डिजाइन

अध्ययन क्षेत्र:: अय्यनगरकुलम ग्राम, कांचीपुरम जिला (तमिलनाडू)

चित्रशाला प्राध्यापक: नागराजू के, क्रांति कुमार एम, जोनू जॉन थॉमस, भारती एस

इस चित्रशाला का उद्देश्य शहरी नियामक नियंत्रण का निपटान एक गैर-शहरी नियंत्रण के बिना अध्ययन करने के लिए था। यह अध्ययन सामाजिक और भौतिक वातावरण तथा स्थलाकृतिक सर्वेक्षण सहित किसी दिए गए स्थान में जीवन के पारंपरिक तरीके से बाहर उभरते हुए निर्माण वास्तुकला, स्थानीय भाषा, के तरीकों पर ध्यान केंद्रित करना था। अय्यनगरकुलम ग्राम का चयन उसकी सामाजिक-आर्थिक चरित्र, भू-जलवायु सुविधाओं, भाषा वास्तुकला हेतू अध्ययन के क्षेत्र के रूप में चुना गया था। इसकी सभी पहलुओं में निपटान पैटर्न को बहुत ही स्पष्ट और जोरदार सामाजिक पदानुक्रम के आधार पर परिभाषित किया गया था। इस ग्राम को बड़े हनुमान मंदिर और भारी पानी के टैंक के नाम से जाना जाता है, दोनों कृष्ण देवरयार् द्वारा बनाया गया है। अय्यनगरकुलम पल्लारिवर कांचीपुरम शहर के दक्षिण में स्थित है। छात्रों को स्वदेशी वास्तुकला प्रासंगिक संदर्भ की दृष्टि से समझने के लिए यह उपयुक्त जगह थी जिसमें महत्वपूर्ण सांस्कृतिक रूप, सामाजिक रूप तथा सबसे उपयुक्त वर्तमान प्रौद्योगिकी से था। प्रलेखन और निपटान की विश्लेषणात्मक अध्ययन का संचालन करने के लिए, छात्र सात समूहों में विभाजित किये गये तथा उनके ध्यान केंद्रित क्षेत्र थे जैसे- भौतिक अध्ययन, सामाजिक संरचना, दृश्य का अध्ययन, भवन निर्माण, भौतिक बुनियादी ढांचे, इतिहास और विकास हेतू सामाजिक रिक्त स्थान जैसे सुविधाओं के लिए इसे परिभाषित किया गया था। चार दिन ग्राम अध्ययन हेतू थे जिसमें उन्हें सुबह 7:30 से शाम 7:00 बजे तक दैनिक गतिविधियों का निरीक्षण करने के लिए आदेश दिया गया था।

इस कार्य को साइट पर दैनिक समीक्षा और विचार विमर्श की स्थिति एवं अध्ययन की प्रगति का आकलन करने के लिए आयोजित किए गए थे।

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-4): वास्तु डिजाइन- कारीगरों का गांव

अध्ययन क्षेत्र: ओडिशा के पुरी जिला में रघुराजपुर ग्राम

परियोजना का परिचय: "एक गैर शहरी प्रसंग जिसे शहरी नियामक नियंत्रण के बिना एक स्थिति में सेट इमारतों के निपटान एवं एक समूह के डिजाइन" हेतू विभिन्न प्रकार के अध्ययन, हमेशा से वास्तुकला के छात्रों के लिए एक हिस्सा रहा है। किसी भी निपटान का चरित्र उसकी भौतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सेटिंग्स पर आधारित होती है। वास्तु पहलुओं के निजी आधारित संदर्भ समझने के लिए, सार्वजनिक, अर्ध सरकारी और अर्ध निजी रिक्त स्थान हेतू एक मौजूदा परिदृश्य है जो विशेष रूप से सांस्कृतिक और आर्थिक विशेषता पर आधारित है। यह अध्ययन करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस पृष्ठभूमि हेतू ओडिशा राज्य में पुरी जिले के एक छोटे से गाँव "रघुराजपुर" नामक स्थान को केस अध्ययन के रूप में चयनित किया गया था। यह गांव भारत के सांस्कृतिक मानचित्र में, एक अद्‌वितीय स्थान के रूप में विद्‌यमान हैं। यहाँ के निवासी सूखे खजूर के पत्ते या कागज के टुकड़े पर सरासर काव्य का निर्माण कर उसे क्लॉथ के रूप में प्रदान करते हैं। गांव में कारीगरों का समुदाय है जो हस्तशिल्प जैसे पत्ता पेंटिंग्स, ताड़ का पत्ता इनग्रेविंग्स, पत्थर कार्विंग्स, लुगदी खिलौने और मास्क, लकड़ी के खिलौने, गाय गोबर खिलौने और टसर पेंटिंग्स की विभिन्न किस्मों का उत्पादन करते हैं। भारत में एक ही स्थान में इतने सारे आर्ट्स के ऐसे मण्डली शायद ही कहीं और मिले।

यह भारत का एकमात्र ऐसा ग्राम है जहां प्रत्येक परिवार एक शिल्प या किसी अन्य शिल्पकला में लगा हुआ है। इस ग्राम के 103 घरों में 311 कारीगर रहते हैं। उनमें से कुछ राष्ट्रीय पुरस्कार के विजेता भी हैं। एक ओड़िसीयन पेंटिंग्स की सर्वश्रेष्ठ परंपरा, इस गांव के कुछ बेहतरीन टुकड़े उभर कर सामने आते हैं।

उद्देश्य: खुली जगह के महत्व को समझने के लिए, क्लस्टरिंग, एकत्रीकरण और अर्थव्यवस्था तथा एक गैर शहरी सेटिंग को साझा करना निहित है।

परियोजना का उद्देश्य:

1. एक गैर शहरी नियंत्रण का पहचान करने के लिए जिसमें मुख्य रूप से शिल्प बनाने की विशेषता हो।
2. विभिन्न स्थानिक पहलुओं जैसे स्थान, दृष्टिकोण, क्षेत्र, परिसंचरण की हद तक के बारे में, निर्माण वर्गीकरण, सेवाओं, आम रिक्त स्थान और खुली जगह डेटा का संग्रह करना निहित है।
3. साझा खुली जगह के गतिविधियों तथा उनके एकत्रीकरण के संदर्भ में वास्तु पहलुओं, रूपों के कलस्टरिंग बनाना और स्पेस बनाने के अर्थशास्त्र को समझना निहित है।
4. मौजूदा वास्तु पहलुओं की प्रासंगिकता का विश्लेषण तथा प्रशंसा करना।

कार्य आकृति: छात्रों को स्थानिक आवश्यकताओं और वास्तु पहलुओं के बारे में विस्तार से अध्ययन करना आवश्यक था। अंतिम डिजाइन की आवश्यकताओं हेतू प्रस्तावित परियोजना के लिए उन्हें केस अध्ययन से ही प्राप्त करना अनिवार्य था। छात्र समूहों में काम करने के लिए अपेक्षित थे और समूह हेतू निम्नलिखित विषयों की सूची, जो छात्र हेतू आवंटित है उस विषय पर जोर देने के साथ अपनी साइट की योजना को विकसित करना था।

1) हाउसिंग फॉर द आर्टिसंस (इंक्लुडिंग वर्क स्पेस) 2) एकोमोडेशन फॉर द विजीटरस एण्ड ट्रेनी 3) एक्जीवेशन स्पेस 4) एड्मीनिस्ट्रेशन बिल्डिंग 5) वर्कशॉप एरियाज	6) स्पेसेज फॉर मैटेरियल स्टोरेज 7) क्म्यूनिटी स्पेसेज 8) सर्विस (एपार्ट फ्रॉम एमइपी, कैफेटेरिया, डाइनिंग डाइनिंग हॉल, इटीसी.) 9) पार्क एण्ड प्ले ग्राउण्ड 10) साइट सर्कुलेशन

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-5): वास्तु डिजाइन
अध्ययन क्षेत्र: विजयवाड़ा और चेन्नई
चित्रशाला प्राध्यापक: यू. विजयानन्द, किरणजीत, भानू चित्रा

वास्तु डिजाइन परियोजना 1

एक दीक्षा परियोजना के रूप में छात्रों को एक राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा कार्यालय डिजाइन करने के लिए दिया गया। उस साइट को विजयवाड़ा शहर में ही पूर्ण करने हेतू दिया गया था। डिजाइन की आवश्यकताओं में लगभग 400 वर्गमीटर के साथ पार्किंग, लॉकर और एटीएम सुविधाओं के साथ एक शाखा कार्यालय डिजाइन करना था। छात्रों को प्रासंगिक केस अनुसंधान अध्ययन हेतू विजयवाड़ा शहर के भीतर एक राष्ट्रीयकृत बैंक कार्यालय का निर्माण करना था। जिसमें परियोजना की अवधि 3 सप्ताह की थी।

वास्तु डिजाइन परियोजना 2

मुख्य वास्तु चित्रशाला परियोजना के रूप में छात्रों को आंध्र प्रदेश की नई राजधानी के लिए एक उच्च न्यायालय हेतू सुविधा डिजाइन करने के लिए कहा गया। दिए गए साइट प्रसाद्मपाडू और राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ गन्नावरम के बीच स्थित है। उच्च न्यायालय के चित्रशाला हेतू एक परियोजना के रूप में देने का विचार, बहुत सोच-विचार कर किया गया और राज्य के विभाजन और पुनर्गठित राज्य आंध्र प्रदेश की प्रशासनिक राजधानी के रूप में विजयवाड़ा को परिकल्पित कर परिणामी राजनीति के समकालीन घटनाओं से भी यह जुड़ा हुआ था। डिजाइन आवश्यकताओं के रूप में एक नया कानून और नए राज्य के लिए समानता की बोधगम्य पुनर्गठित किया गया जिससे एक आइकॉनिक अदालत का डिजाइन करना जटिल कार्य था। वास्तु आवश्यकताओं में हाई कोर्ट इमारत परिसर, पार्किंग, आंतरिक सड़कों, भू निर्माण आदि और अदालत के 39 कमरे, मुख्य न्यायाधीश कोर्ट हॉल, प्रशासनिक कार्यालयों, रिकॉर्ड अनुभाग, जज के मंडलों, पुस्तकालय, उपयोगिता और बार एसोसिएशन ब्लॉक कोर्ट परिसर में समायोजित होगा। साइट हेतू 10 एकड़ जमीन जिसमें भविष्य के विकास हेतू और आवासीय सुविधाओं के लिए 6 एकड़ के साथ था। प्रासंगिक डेस्कटॉप मामलों का अध्ययन किया गया जिसके लिए चेन्नई हाई कोर्ट कॉम्प्लेक्स पर लाइव केस अध्ययन के रूप में अध्ययन किया गया था। परियोजना की अवधि 12 हफ्तों के आंतरिक और बाह्य ज्यूरी द्वारा परीक्षण किया गया था।

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-6): वास्तु डिजाइन
एक रिसोर्ट का डिजाइन (घर से दूर)
अध्ययन क्षेत्र: केरल और आंध्र प्रदेश

एक रिसॉर्ट का जगह जहां व्यक्तियों, जोड़ों और परिवारों के एक अवकाश, विश्राम या मनोरंजन के लिए जाना जाता है। रिसॉर्ट् दिन के समय के रूप में/एक दिन की यात्रा/ घर या एक विस्तारित रहने के लिए सप्ताहांत हेतू इस्तेमाल किया जा सकता। जबकि दोनों रिसॉर्ट्स और होटल आवास प्रदान करते हैं, उन दोनों के बीच सबसे मुख्य अंतर, होटल मुख्य रूप से शहर के ह्रद्य में स्थित हैं, जबकि होटल के विपरीत, रिसॉर्ट्स आमतौर पर प्रकृति के बीच स्थापित है। रिसॉर्ट्स एक प्रकार के विश्राम और मनोरंजन के साथ जुड़े हैं, जबकि होटल केवल उपयोगी स्थान हैं। रिसॉर्ट्स विभिन्न आकारों और आकृति में विद्यमान हैं। "यह् रिसॉर्ट पूर्ण आवासीय सेवा के साथ अवकाश पर मनोरंजन सुविधाएं के लिए पहुँच प्रदान करता है जो निश्चय ही एक सुखद अनुभव है। मेहमानों के प्राथमिक प्रदाता का अनुभव, जो अक्सर व्यापार और बैठकों के लिए सेवाएं प्रदान करता है और इसकी छुट्टी उन्मुख नियंत्रण मुख्य विशेषता के रूप में रिसॉर्ट्स की सेवा है" -रिज़ॉर्ट और आतिथ्य व्यापार हेतू मेमफीस विश्वविद्यालय के द्वारा रिसॉर्ट की नई परिभाषा दी गयी है।

तीसरे वर्ष, **VI** सेमेस्टर के छात्रों के रूप में एक प्रमुख समस्या रिसोर्ट के डिजाइन के साथ असाइन किए गए थे। केरल में रिसॉर्ट्स के विभिन्न प्रकार के मामले के अध्ययन के साथ चित्रशाला शुरू कर दिया गया था। छात्र समूहों में विभाजित थे और पहाड़ी सैरगाह, वापस जल रिसॉर्ट्स और तटीय सैरगाह की तरह रिसॉर्ट्स के विभिन्न प्रकार का दौरा किये। केरल के लिए 10 दिवसीय यात्रा के दौरान वे 12 रिसॉर्ट्स का एक विस्तृत अध्ययन तैयार किये।इससे उन्हें रिसॉर्ट्स के विशेष समझ, निर्माण सामग्री और तकनीक, आंतरिक विवरण, साइट क्षेत्र और नियोजन के वर्गीकरण को समझने में मदद मिली। उन्होंने एक विश्लेषण के साथ इसे प्रस्तुत किया और इसके अलावा आंध्र प्रदेश में एक रिसॉर्ट के डिजाइन करने के लिए एक इमारत या एक द्वीप समावेश किया यहां तक कि एक लक्जरी जहाज के रूप में इसे कहा जा सकता है। वे अलग अलग प्रयोजनों के रूप में अच्छी तरह से सेवा कर सकते हैं। यह व्यक्तियों या परिवारों के लिए सुसंगत है। रिसॉर्ट के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक प्रकृति से निकटता है। वे एक आदर्श शहर की हलचल से अलग प्रवेश द्वार बना सकते हैं। यह साइट जल मध्य और छोटी पहाड़ियों के चारों ओर के साथ विजयवाड़ा के बाहरी ब्रहमालिंगम चेरूवू इलाके में स्थित है।
छात्रों के स्थान और आकृति को समझने के लिए इस साइट का एक मॉडल बनाया गया। अंतिम उत्पादन और इसकी दृष्टिकोण जो साइट क्षेत्र और साइट की योजना के आकृति को समझने के लिए अपनाया गया था। इस कार्य के लिए जूरी सदस्यों द्वारा सराहना भी की गयी थी।

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-7): 20 सप्ताह की अवधि के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण
समन्वयक: एस.वी. कृष्ण कुमार, आरएनएस मूर्ति
3.4 अनुभाग के तहत कवर किया

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-8): वास्तु डिजाइन
पीपीपी मॉडल पर सामूहिक आवास (500 पीपी एच ए घनत्व)
अध्ययन क्षेत्र: विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)
चित्रशाला प्राध्यापक: डॉ. तथागत चटर्जी, एस.वी. कृष्ण कुमार, आरएनएस मूर्ति, किरणजीत एवं भारती संमुघम
लक्ष्य/लाभार्थी समूह (सामाजिक-आर्थिक समूहीकरण): इड्ब्ल्यूएस, एलाआईजी, एमाअईजी एवं एचआईजी
छात्रों की भागीदारी: समूह अभ्यास हेतू प्रति समूह 4-5 छात्र शामिल

शैक्षणिक पाठ्यक्रम की उम्मीद बड़े पैमाने पर आवास, एक उच्च घनत्व वाले डिजाइन समस्या में शामिल है। सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों, विधायी और आर्थिक बाधाओं और शिल्पवैज्ञानिक के वैकल्पिक विस्तार में अध्ययन करने के लिए किया गय। सिमुलेशन और वैचारिक प्रतिमान जिसमें अभ्यास आयोजित किया गया। समुदाय की भागीदारी, चरणबद्ध, वित्त पोषण और निर्माण की योजना की अवधारणाओं के आवेदन हेतू था। परियोजना में प्रलेखन बुनियादी काम कर चित्र, प्रारंभिक अनुमानों, बाह्यरेखा विनिर्देशों और समय बद्धन इसमें शामिल थे। जन-आवास परियोजना स्थित मुद्रा नगर या यनामलाकुदरू विजयवाड़ा में एक 10 एकड़ साइट पर प्रस्तावित किया गया था। आंचलिक विकास योजना के लिए विजयवाड़ा साइट को आवासीय भूमि उपयोग के लिए रखी गई थी। साइट लगभग 100 फीट चौड़ी सड़क और विशेषताओं से पूर्ण है, इसकी समीपता आवासीय क्षेत्रों के आसपास संचित है।

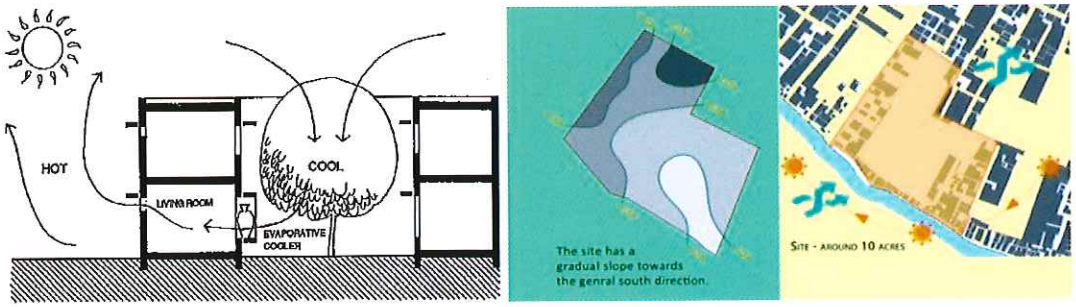

प्रस्तावित डिजाइन एक 50: 50 (राज्य सरकार: निजी डेवलपर) संयुक्त रूप से उद्यम परियोजना सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित था। उक्त मॉडल के प्रति,

आंध्र प्रदेश सरकार मुक्त भूमि प्रदान करेगा और डेवलपर को पूरी तरह से इस परियोजना को विकसित करना होगा। परियोजना के अंत में, इ ड्ब्ल्यू एस + लिंग निर्मित क्षेत्र, राज्य सरकार को, जो अपने आवास प्रावधान को पूरा कर सकते हैं एक रियायती मूल्य पर आवास इकाइयों की बिक्री का दायित्व होगा जो मिग और एच आइ जी इकाइयों को बाजार मूल्य पर बेच सकते हैं। इसलिए, डिजाइनरों को अधिकतम संभावित रूप में पूरा हद तक भूमि मूल्य अनलॉक और राज्य सरकार के रूप में अच्छी तरह से डेवलपर डिजाइन मान पर समझौता कर उसे बिना लाभ के लिए बनाने का उपयोग करना चाहिए। छात्र समूह दिल्ली के लिए एक अध्ययन दौरे पर गये जिसमें कुछ आवास परियोजनाओं जैसे द्वारका आवासीय समूह, द्वारका में कम आय वाले आवास का एक्सटेंशन, सीपीडब्ल्यूडी आवरण हुडको क्षेत्र, कलकाजी-डीडीए के तारा अपार्टमेंट, एशियाड खेल गांव, शेख सराय आवास आदि का परियोजना के डिजाइन से पहले अध्ययन किया गया। छात्र ने अपने प्रलेखन में भारत और विदेशों में प्रख्यात वास्तुकार के कार्यों का विश्लेषण किया और कुंजी के रूप में अपना मसौदा तैयार किया। इस चित्रशाला परियोजना का एक हिस्सा, संकल्पनात्मक मॉडलिंग, ओपन स्पेस अनुपात इत्यादि के रूप में तथा महत्वपूर्ण मूल्यांकन के माध्यम से निर्मित क्षेत्र में अभ्यास से संचालित किया गया। परिणामस्वरूप छात्रों ने विभिन्न डिजाइन योजनाओं का प्रस्ताव, प्रौद्योगिकी के संदर्भ एवं डिजाइन दृष्टिकोण (साथ में साइट हेतू योजना), मिश्रण इकाइयों का समूहीकरण निम्न-मध्यम-उच्च वृद्धि आदि का, क्लस्टर योजना, पंक्ति आवास, कदम/पिरामिड टावर्स, ग्रीन बिल्डिंग की अवधारणाओं, ऊर्जा कुशल डिजाइन को थीम प्रक्रिया के अंतर्गत प्रस्ताव रखा। जहाँ कुछ कुंजी संबंधित दृष्टिकोण जिसमें बहु-मूल्य कार्य समूहों द्वारा किया गया।

इस विशिष्टता के प्रत्येक समूह के डिजाइन में अच्छी मदद प्राप्त हुई। एक परियोजना के लिए यह डिजाइन विकल्प के रूप में सामने आया।

अंतिम परिणाम को प्रख्यात आवास डिजाइन वास्तुकारों अर्थात् वास्तुकार शंकर नारायण (वरिष्ठ अभ्यास वास्तुकार, हैदराबाद), प्रो. डॉ. शॉनिक रॉय (बी.ई.एस.यु. विश्वविद्यालय, कोलकाता) और टीवी चौधरी (अभ्यास वास्तुकार, हैदराबाद)
द्वारा चित्रशाला संकाय का मूल्यांकन किये गये थे।

ज्यूरी सत्र के दौरान छात्रों को संयुक्त रूप से मास-आवास के साथ डिजाइनतत्व की समझ से जुड़े स्पेस परिमाण विश्लेषण आदि तथा जूरी सदस्यों ने छात्रों द्वारा किए गए कार्य की सराहना की एवं केस विशिष्ट उपायों के लिए एक अच्छा ढांचा तैयार करने का सुझाव भी दिये जिससे एक डेवलपर के अनुकूल आवास डिजाइन तैयार हो सके।

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-9): वास्तु डिजाइन

अध्ययन क्षेत्र: विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)

चित्रशाला प्राध्यापक: डॉ. तथागत चटर्जी,डॉ. राकेश,डॉ. अभिजित पॉल, अनिल कुमार, कार्तिक गुटूरू, श्रुति खंडेलवाल एवं मानवी सुनेजा

राजधानी शहर को द्युत केंद्र के रूप में पहचान की गई और इसे प्रशासनिक राजधानी होने का प्रतीक माना गया है। समकालीन शहर के कुछ प्रासंगिक वातावरण, शहरी डिजाइन, प्राकृतिक माहौल, परिसर और जोनों के सिद्धांतों पर आधारित राजधानी के रूप में डिजाइन किया गया है। तथ्य यह है, नए अलग भाग आंध्र प्रदेश के अगले राजधानी होने के नाते इस विजयवाड़ा क्षेत्र को तथा एक जिम्मेदार वास्तुशिल्प होने के नाते हमें यह विचार देना चाहिये की जिससे भविष्य में उपरोक्त शहर के पाठ्यक्रम में अध्ययन किया जा सके। इस चित्रशाला अध्ययन का उद्देश्य आंध्र प्रदेश के शहर विजयवाड़ा में, नई राजधानी हेतू एक डिजाइन प्रस्ताव देने के लिए है।

इस डिजाइन का मूलकार्य इसके वर्तमान परिदृश्य और वर्तमान शहरी कपड़े को कॉम्प्लेक्स के प्रभाव में अपनी भूमिका प्रदान करने की है। राजधानी कॉम्पलेक्स के डिजाइन करने के लिए, तीन प्राथमिक साइट्स का चयन किया गया जिसके साथ 250 एकड़ जमीन के अनुमानित क्षेत्र के साथ 10,11,714 वर्गमीटर था। इन साइटों से संबंधित गहन अध्ययन के लिए तथा इस क्षेत्र, शहर के बारे में सूचना साइट, परिवेश और सीमाओं से संबंधित विभिन्न सरकारी अधिकारियों से एकत्र किए गए जैसे- वी.जी.टी.एम.युडीए, एम.आर.ओ., राजस्व विभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय, एन.डी.आर.एफ. नगर निगम आदि। विस्तृत साइट विश्लेषण को समझने हेतू प्राइमेट सीटी, निकटता, भू-आकृतिविज्ञान, ऑफसाइट-ऑनसाइट कारकों आदि को लिया गया था। चित्रशाला का कार्य 15 शहरी डिजाइन प्रस्तावों की परिणति, तीन विभिन्न और अनूठा साइट के प्रदर्शन पर आधारित था। चित्रशाला के कार्य का प्रदर्शन जनता और सरकार के अधिकारियों के उपर तथा बड़े पैमाने पर प्रिंट और दृश्यमीडिया को भी कवर किया गया था।

स्नातक वास्तुकला (सेमेस्टर-10): वास्तु डिजाइन थीसिस

थीसिस समन्वयक: डॉ. उमा शंकर बी., डॉ. भारती महापात्र

स्नातक वास्तुकला के छात्रों को वास्तु डिजाइन थीसिस सीखने के विभिन्न धाराओं की परिणति को प्रदान करना है। 2014-15 के 5वीं वर्ष कार्यकाल द्वितीय (X सेमेस्टर) के छात्रों ने आचरण के बिंदु पर कार्य किया और उन्होंने पिछले वर्षों के वास्तुकला में सीखी पहलुओं को भी सीखा और उन्हें कवर भी किये। वे वर्गीकृत विषयों में भवनों के सभी परिसंपत्ति वर्ग को कवर किये अर्थात, आवासीय, स्वास्थ्य, आतिथ्य, वाणिज्यिक, खुदरा आदि। कार्य का दायरा पुनर्निर्माण, पुनर्वास या पुनर्विकास विषय और प्रस्तावित साइट के आधार पर आधारित और शामिल था। अंतिम ज्यूरी के शिक्षाविदों और पेशेवरों ने छात्रों द्वारा किये गये कार्यों की सराहना किये साथ ही छात्रों को अपने मूल्यवान आदानों को प्रदान भी किये जिससे छात्रों के भावी पेशेवर कैरियर को बड़े पैमाने पर लाभ प्राप्त हो।

स्नातकोत्तर वास्तुकला (सतत वास्तुकला) (सेमेस्टर्-1)

प्राथमिक शिक्षा केन्द्र

अध्ययन क्षेत्र :विजयवाड़ा (आन्ध्र प्रदेश)

चित्रशाला प्राध्यापक :डॉ .एस .रमेश , डॉ .कलयी सेल्वी

इस डिजाइन चित्रशाला का उद्देश्य विजयवाड़ा के स्थानीय जलवायु परिस्थितियों का पता लगाने के लिए और टिकाऊ वास्तुकला के पीछे की अवधारणाओं को समझने के लिए था।

छात्र को स्थिरता पर विशेष ध्यान के साथ प्राथमिक शिक्षा के लिए एक केन्द्र डिजाइन करने के लिए असाइन किया गया।

साइट: यह साइट गर्म और आर्द्र जलवायु की श्रेणी के अंतर्गत आता है जो विजयवाड़ा शहर में स्थित है। छात्रों के एक उचित इनडोर और आउटडोर आराम शर्तों के साथ एक स्वाभाविक रूप से हवादार बिल्डिंग डिजाइन करने के लिए अपेक्षा किया गया। यह साइट कई संस्थागत भवनों से घिरा हुआ एक संस्थागत क्षेत्र में स्थित है।

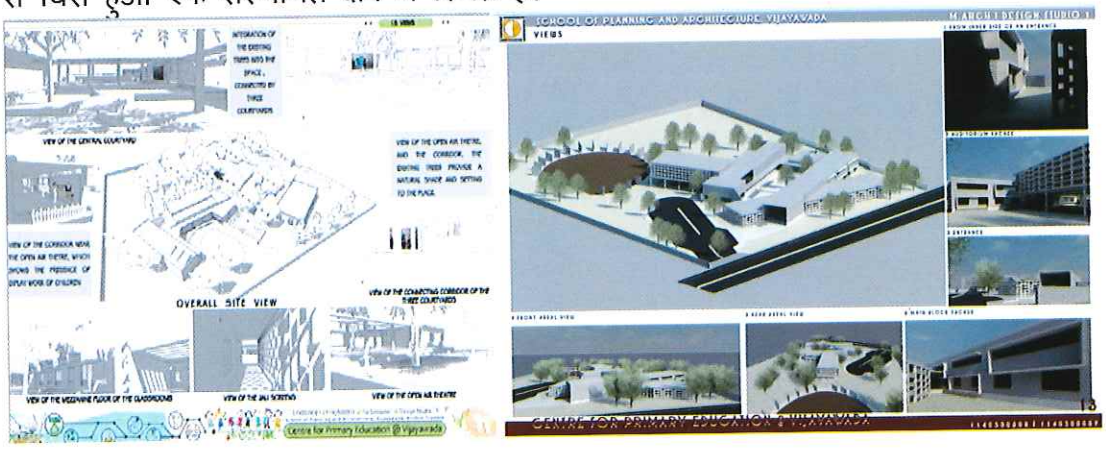

इसका कार्यकेन्द्र, नकारात्मक ऊर्जा दक्षता और सामग्री एवं स्थान हेतू इमारतों के पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करना था। ग्रीन/स्थायी भवनों की अवधारणा/ स्थिर आवास को समझने के लिए छात्रों को क्षेत्र दौरा पर भेजा गया जहाँ वे हरित श्रेणी के आवास जैसे- अन्ना शताब्दी भवन, एल और टी इसीसी आवास, ओलंपिया टेक पार्क और आईटीसी ग्राण्ड चोल पर अध्ययन कर सकें। इमारतो के अध्ययन के पहले संकल्पनात्मक योजनाओं को विस्तार से अध्ययन करना था। डिजाइन चित्रशाला को पाँच महत्वपूर्ण चरणों अर्थात, व्यवहार विश्लेषण, जलवायु तथा पर्यावरण विश्लेषण, संकल्पनात्मक डिजाइन और मूल्यांकन, विस्तृत डिजाइन एवं मौजूदा कोड्स और रेटिंग के साथ तुलना करना था। अंतिम परिणाम के स्वरूप व्यावहारिक विश्लेषण पर डिजाइन तैयार करना, साइट विश्लेषण, विकिरण परिकलन, विकिरण रहस्योदघाटन, पारिस्थितिकी-चार्ट, साइट योजना, फर्श योजना, वर्गों, उन्नयन, 3डी दृश्य एवं मॉडल और एलइइडी/जीआरआइए रेटिंग की तैयारी भी शामिल हैं।

2.2 वास्तुकला विभाग: प्राध्यापक गतिविधियाँ

प्रकाशन

1. रमेश, एस. 'इनर्जी एफीशिऐंट लैंडस्केप फॉर थर्मल क्म्फोर्ट इन बिल्डिंग्स एण्ड बिल्ट-अप एरियास', 2[न्ड] इण्टरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन सिविल एण्ड अरबन इंजीनियरिंग- आइसीसीयूइ 2015, सोसायटी- एपीसीबी, 2015 इइएस (रजीस्टर्ड न. 52577283-001-07-10-2), फ्लोरेंस, इटली, 19-20 मार्च 2015.
2. रमेश, एस. 'डिजिटल स्मार्ट सीटीस एण्ड ई-गवर्नेंस थ्रोग क्लाउड इनाबलमेंट ऑफ फंक्शनल इवोल्विंग कम्पलिट इकोसिस्टम ऑफ डाटा ऑपरेशंस'-प्रोशेडिंगस ऑफ 63र्ड नेशनल टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग कॉग्रेस, वौल्यूम 1, पीपी258-268, चेन्नई, इण्डिया, 2015
3. रमेश, एस. 'वैल्यू एडुकेशन इन प्लानिंग फॉर ऐन एफेक्टिव प्रोफेशनल आउटरिच' इण्टर्नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग एडुकेशन: रेट्रोस्पेक्ट एण्ड प्रोसपेक्ट', ऑर्गनाइज्ड बाय आइटीपीटी एण्ड इंस्टीचूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज एण्ड युनिवर्सीटी ऑफ मैसूर इन मैसूर, नवम्बर 23 एण्ड 24, 2014.
4. रमेश, एस.'एनजीओ[एस] रोल इन इमपावर्मेंट ऑफ डिफरेंटली एबल्ड पर्सस थ्रॉग इंक्लूसिव इनवॉयर्मेंट इन इण्डिया', युजीसी'[एस]नेशनल सेमिनार ऑन रोल ऑफ एनजीओ[एस]इन सोशल डेवलपमेंट'- प्रमोटेड बाय सोशल वर्क डिपार्टमेंट इन एएन्यू, गुंटूर, एपी, इण्डिया, 2014
5. रमेश, एस.'इमपावर्मेंट ऑफ वुमन इन इण्टर्नशिप एक्टिविटिज इन विजयवाड़ा रिजन आन्ध्र प्रदेश' ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एण्ड एनलाइसिस', वौल्यूम3, इश्यू-8, अगस्त स्पेशल एश्यू-2014 (आइएसएसएन नं.:2277-8160)
6. सोनी, ए एण्ड टी. चटर्जी (2014),'पोस्टीओनिंग अर्बन गवर्नेंस इन प्लानिंग पेडॉजी- पेपर प्रजेंटेड ऐट द इण्टरनेशंल कॉफ्रेंस ऑन टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग एडुकेशन-रेट्रोस्पेक्ट एण्ड प्रोस्पेक्ट', इंस्टीच्यूट फॉर डेवलेपमेंट स्ट्डीज, मैसूर युनिवर्सीटी, मैसूर (21-23 नवम्बर)
7. श्रीधरन, एन एण्ड टी. चटर्जी (2014),''सस्टैंबीलिटी एण्ड एंक्लूसिविटी इन द इंफॉर्मल सीटी: क़ोम्पलेक्सीटिज ऑफ एडॉपटिंग नॉरमेट्व प्लानिंग प्रैक्टिसेज इन इण्डिया' - पेपर प्रजेंटेड ऐट द इंण्डियन इंस्टीच्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स कॉफ्रेंस ऑन प्लानिंग एडुकेशन, मैसूर(21-23 नवम्बर)
8. टी. चटर्जी (2014), "पोलटिक्स ऑफ प्लानिंग इन कलकता'एस पोस्ट-इंडस्ट्र्यल रेसट्रक्टिंग' - पेपर प्रजेंटेड ऐट द आइएसोसीएआरपी (इण्टरनेशनल सोसायटी ऑफ सीटी

एण्ड रिजनल प्लानर्स) 50थ वल्ड काँग्रेस, जेडेनिया, पोलेण्ड (23-26 सितनम्बर), पियर रिव्यू सेक्सन।

9. कार्तिक जी, 'इज एफ सी आइ डिपेंडेंट ऑन लैण्ड एवल्बीलिटि एण्ड डेंसीटी? ए कम्प्रेटिव रिव्यू ऑफ एफ सी आइ इन इण्डियन सीटीज;, युरोपियन जर्नल फॉर सस्टेनबल डेवलपमेंट। (2015), वॉल्यूम 4, नं. 2, 27-34 आइएसएसएन: 2239-5938

10. जगत कुमारी, 'कंक्रीट क्वालिटी ग्रेडिंग ऑफ हिटेड आरसी क़ॉलमंस बाय एन डी टी मेथड्स', कॉफ्रेंस प्रोसेडिंग्स सेक् 2014, आइआइटी-दिल्ली"

11. जॉनू जॉन थॉमस (20140- 'इंटेग्रेशन ऑफ वेटलैण्ड्स ऐज ओपेन स्पेस इन कोची सीटी रिजन'। प्रोसेडिंग्स ऑफ 23ई स्वदेशी सांइस काँग्रेस (आइएसएसएन:978-81-928129-1-5)

12. मूर्ति आर.एन.एस. 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग-ट्रोपिकल क्लाइमेटिक कंडिशंस, इण्डिया', ऐट इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, इंफ़ोर्मेशन टेक्नोलॉजी एण्ड इनजीनियरिंग (बेस्ट: आइजे एम आइ टी इ), (आइएसएसएन:2348-0513), वॉल्यूम 2,इस्यू 11, नवम्बर 2014, 19-24.

13. सनथ साई : स्पेटिकल ऑरगनाईजेशन पैराट्रानज़िट सर्विस इन मैसूर सिटी, इंडियन जरनल ऑफ ट्रांस्पोर्ट मैनेजमेंन्ट – आइएसएसएन- 0970-4736, 2015"

14. अहमद एफ सी एंड शेखर एस पी 2015 यूजिंग थ्री डाईमेन्शन्ल वॉल्यूमेटिक एनालाईसिस इन एव्रिडे अर्बन प्लानिंग प्रोसेस : अप्लाईड स्पैटिकल एनालाईसिस एंड पोलेसी 8(4), 393-408

15. अहमद एफ सी एंड शेखर एस पी 2015 थ्री डी वॉल्यूमेट्रीक एनालाईसिस इन अर्बन प्लानिंग : इंस्ट्टीयूट ऑफ टॉउन प्लानर्स इंडिया 49-64.

16. असलम ए एंड अहमद एफ सी मई 2015 टेरेस अलाईव 15 पेन्डुलम फार्म : इंडियन आर्किटेक्ट एंड बिलडर 60–63

17. मजूमदार एस, अहमद एफ सी एंड साहा. वी. 2015 राईजिंग मटिरियल कन्जपशन एंड ईट्स इफैक्ट् ऑन इनवायर्मेन्ट : रिव्यू ऑफ फूड कन्जपशन पैटर्न । प्रोसिडिंग्स आफ नेशनल कॉनफेन्स ऑन रिसेन्ट इंनोवेशनन्स ईन साईंस इंजीनिरिंग एंड टेक्नोलोजी ;पीपी. 40.43द्ध चैन्नई (आइएसएसएन: 978-93-85465-85-7) पीपी. (1) 731-742), साउथम्पटोन, यूके: विट प्रेस

2.3 वास्तुकला विभाग: अतिथि व्याखातागण

क्र.सं.	दिनांक	अतिथि	बैच
1	26,27 & 28 अगस्त 2014	प्रो. आर.वी. कोल्हात्कर	एम.आर्क एवं बी.आर्क
2	24 सितम्बर 2014	प्रो. निशांत एच. मनपूरे	एम.आर्क (सेम.-I)

2.4 वास्तुकला विभाग: व्यावहारिक प्रशिक्षण

शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, वास्तुकला के छात्र ने परियोजना रिपोर्ट जो बी.आर्क चौथे वर्ष के पहले कार्यकाल के दौरान पाठ्यक्रम पर आधारित है उस पर कार्य करना होगा उक्त अवधि के दौरान, छात्रों और वास्तुशिल्प फर्मों में स्कूल से बाहर व्यावहारिक प्रशिक्षण से गुजरना होगा। छात्रों को अकादमिक दुनिया के साथ संपर्क में रखने हेतू वे स्कूल के बाहर जायें और फील्ड प्रशिक्षण तथा पेशेवर कार्यालयों या निर्माण स्थलों में प्रशिक्षण करना ही इसका उद्देश्य है। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान या समन्वयक द्वारा असाइन किये गये संबंधित विषयों पर कार्य करें साथ ही उन्हें उक्त विषयों पर अनुसंधान के बाद एक रिपोर्ट तैयार करें जिसे विद्यालय ने प्रमुख अनुसंधान परियोजना के समय दिया था। चौथे बैच बी. आर्क॰ (प्रवेश वर्ष 2011) के छात्रों ने देश के विभिन्न कार्यालयों में व्यावहारिक प्रशिक्षण समन्वयक के दिशा-निर्देश में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किये। छात्रों को शहर के डब्ल्यू.आर.टी. तथा वास्तुकार/फर्म हेतू एक कुँजी पैरामीटर के रूप में दिया गया जिससे वे फर्म का चयन या फर्म चयन की प्रक्रिया करें । पूरे कार्यक्रम की बारीकी से निगरानी तथा प्रत्येक छात्र की प्रगति का आकलन करने के लिए और प्रशिक्षु कार्य के प्रदर्शन के बारे में वास्तुकार से फीडबैक प्राप्त करने के लिए की गयी थी।

2.5 2014-15 के वास्तुकला विषय में उत्तीर्ण छात्रों की सूची

स्नातक वास्तुकला

S.No	पंजीकरण सं.	छात्र नाम
1	1100100137	अन्नम जितेन्द्र श्री विष्णुकान्त
2	1100100139	तेनजिन दोकर
3	1100100140	दोंतु लक्ष्मी वर्षिणी
4	1100100141	अर्णव दत्ता
5	1100100142	अहम्मद अफलह. इ
6	1100100143	जी निखिला
7	1100100145	संगीता प्रिया एच
8	1100100146	गिरिधर के
9	1100100147	के सिद्धार्थ
10	1100100148	के हनीशा
11	1100100149	इन्द्रजा कोरनू
12	1100100151	नादिरनूरी के वी
13	1100100152	हरिप्रिया मादिरेड्डी
14	1100100153	अमल मरिय माणि
15	1100100154	मर्रापु अभिषेक
16	1100100157	ओलूगुमनू दिनेश कुमार
17	1100100158	लावण्या पडाला
18	1100100159	पेन्टकोटा नवयुषा

19	1100100160	आर सतीश
20	1100100161	रोशनी रॉय
21	1100100162	सब्बवरपु नवीन कुमार
22	1100100163	सृष्टि सारस्वत
23	1100100164	शमिक सरकार
24	1100100169	दिव्या प्रभा अल्लू
25	1100100170	सास्वत प्रकाश अमात
26	1100100171	कोगिला आनन्दमणि
27	1100100172	रोहित बंसल
28	1100100173	राज् कुमार् बोप्पना
29	1100100174	सी पी पृथ्युष
30	1100100175	हिमौन रॉय चौधरी
31	1100100176	ओडेड लालजरकीमा डारलोंग
32	1100100177	गड्डमवार ज्ञानेश्वर किशनराव
33	1100100178	गरिमेल्ल सिन्धूजा
34	1100100179	प्रांजल गुप्ता
35	1100100180	संजना जास्ति
36	1100100181	अमल जोस
37	1100100182	राहुल के
38	1100100183	मुबसीर कोंगापल्ली
39	1100100185	मोहम्मद समीर अली

40	1100100186	मोय्या जागृति प्रियदर्शिनी
41	1100100187	नूकला लोहिता
42	1100100188	अनघा रवि पी.
43	1100100189	निवेदिता आर
44	1100100190	रामपिल्ला तारक पवन् साई
45	1100100191	सौमेन्द्र रॉय
46	1100100192	श्रावण सतीष्
47	1100100193	शुचिता सिंह
48	1100100194	आदर्श श्रीधरन
49	1100100195	तमराना लोवा वेंकट सत्या मुर्ती
50	1100100196	दीपक टी सी
51	1100100197	अशोक तिगगा
52	1100100198	आकांक्षा वीणा तोपनो
53	1100100199	विस्वनादपल्लि हर्षवर्धन
54	1090100072	ईश्वर अटलूरी
55	1090100074	अरूप कुमार बसुमतारी
56	1090100098	वेंकट शिव तेजा वद्दिपार्थी
57	1090100124	ताडुरी सात्विका
58	1090100132	अनुज त्यागी
59	1090100135	कुलदीप
60	1080100023	कपिल राज

योजना विभाग

- **योजना तथा डिजाइन के प्रयोगशालाएँ: सारांश**
- **प्राध्यापक गतिविधियाँ**
- **अतिथि व्याख्यान**

3.1 योजना और डिजाइन लैब्स: सारांश

स्नातक योजना (सेमेस्टर-1): ग्राफिक एवं प्रस्तुति तकनीक

स्ट्रीट मैपिंग

अध्ययन क्षेत्र: वन टाऊन, विजयवाड़ा (आन्ध्र प्रदेश, जिला कृष्णा)

चित्रशाला प्राध्यापक: वल्लियपन एएल, डॉ. नटराज क्रांति और जयकरण वी.

इस चित्रशाला के द्वारा विभिन्न प्रकार के भूमि उपयोग तथा विशेष रूप से सड़कों पर केंद्रित गतिविधियों हेतू उनके फोटोग्राफी और चित्र के लिए प्रथम अनुभव को प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।

यहाँ सड़कों के विभिन्न उपयोग के लिए जैसे; आवासीय और वाणिज्यिक भूमि की पहचान की गई तथा वहाँ सड़क के नक्शे की तैयारी हेतू अभ्यास किए गए थे।

यह चित्रशाला चित्र, फोटोग्राफी, ड्राइंग, नक्शा तैयार करने, मॉडल बनाने के लिए, 3 डी प्रतिपादन विचार, आहरण जमीन से संबंधित, सड़क आदि की सराहना करने के लिए छात्रों को सक्षम करने पर केंद्रित किया गया था।

चित्रशाला के पाठ्यक्रम सामग्री में कतार का उपयोग, अंक, बहुभुज, आकृतियों, रूपों, पैमाने, आदि, का उपयोग विजयवाड़ा के वन टाउन क्षेत्र (भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित शहर) में सड़क मानचित्रण के आधार पर अभ्यास हेतू केंद्रित था, इस प्रयोजन के लिए आठ सड़कों की पहचान की गई। वर्ग को आठ समूहों में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक समूह तीन से मिलकर बना था। आधा किलोमीटर खंड की आठ सड़कों की पहचान उनके प्रमुख सड़क गतिविधियों पर आधारित थे। प्रत्येक समूह के साथ एक गली सौंपा गया था।

चित्रशाला के उत्पादन में पोर्टफोलियो प्रस्तुतियाँ, भौतिक मॉडल और प्रस्तुतियों के रूप में शामिल था:

प्रत्येक विभागों के बुनियादी अभ्यास और सड़क मानचित्रण पर एक परियोजना भी शामिल था। चित्रशाला में एकल चर्चा, कक्षा व्याख्यान, प्रस्तुतियाँ, वर्ग कार्यशाला तथा क्षेत्र अध्ययन को आयोजित किया गया था। छात्रों ने अपने चरण में लगातार और उत्तरोत्तर प्रगति की। चित्रशाला अभ्यास के माध्यम से प्रारम्भिक ज्ञान और सड़क मैपिंग का अनुभव हासिल करने के लिए छात्रों को सक्षम करना था।

स्नातक योजना (सेमेस्टर-2): आधार मानचित्र की तैयारी

अध्ययन क्षेत्र: तडेपल्ली मंडल (आन्ध्र प्रदेश, जिला गुंटुर)

चित्रशाला प्राध्यापक: डॉ. नटराज क्रांति एवं वल्लियप्पन एएल.

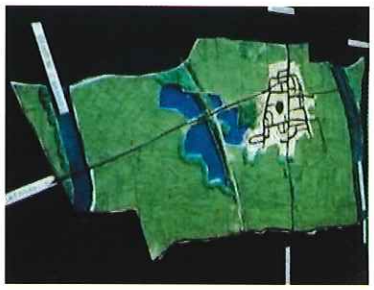

चित्रशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आधार मानचित्र एवं विषयगत नक्शा की नियमावली तैयार करने में दक्षता विकसित करने हेतू सक्षम करने पर आधारित था। चित्रशाला अभ्यास के लिए ताडेपल्ली मंडल को अध्ययन क्षेत्र के रूप में चुना गया था जो कि नवगठित भारतीय राज्य आन्ध्र प्रदेश के प्रस्तावित राजधानी क्षेत्र में था। इसके गुंटूर जिले के क्षेत्र में कृष्णा नदी के सन्निकट प्रकाशम बैराज के पीछे से पानी आ जाता है। इस मंडल में 12 गांव हैं। चित्रशाला पाठ्यचर्या के आवश्यकताओं के एक भाग हेतू, मंडल के लिए छात्रों द्वारा आधार मानचित्र निर्मित करना था। इसके मंडल विभिन्न विषयगत परतों की मैपिंग के लिए और प्राकृतिक विशेषताओं, प्रशासनिक तैयार/राजस्व सीमाओं, स्थलाकृतिक सुविधाओं, आदि में शामिल था। इसके साथ, जमीन सत्यापन फ़ील्ड सर्वेक्षणों के माध्यम से जमीन सुविधाओं को छात्रों ने नवीनीकृत किया।

कुल 25 छात्रों के प्रत्येक समूह (सिवाय तीन छात्रों के साथ एक समूह) में दो छात्रों के साथ उन्हें 12 समूहों में विभाजित किये गये थे। प्रत्येक समूह को एक गांव हेतू मानचित्रण और प्रलेखन के कार्य के लिए सौंपा गया था।

इस क्रियाविधि के अंतर्गत विज्ञान साहित्य अध्ययन, प्रासंगिक जानकारी का परितुलन, आधार मानचित्र तैयार करने, जमीन सत्यापन, नक्शा अपडेशन और भौतिक मॉडल के निर्माण कार्य शामिल हैं।

प्रत्येक पत्राधान के निम्नलिखित पत्रकें शामिल हैं: मंडल आधार मानचित्र, ग्राम दृश्य, ग्राम आधार मानचित्र, निपटान दृश्य, निपटान आधार मानचित्र, पहचानकृत क्षेत्र आधार मानचित्र, एकीकृत तस्वीरें के साथ अद्यतित नक्शे, स्ट्रीट व्यू (रेखाचित्र) निपटान हवाई विचार (रेखाचित्र), सर्वेक्षण सीमा नक्शा।

चित्रशाला में एकल चर्चा, कक्षा व्याख्यान, प्रस्तुतियाँ, कक्षा कार्यशाला, आरेखण तकनीकों पर आंतरिक प्रश्नोत्तरी, क्षेत्र अध्ययन, मॉडलों के आधार पर पहचाने गये क्षेत्र के माध्यम से उपरोक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

चित्रशाला में विषयगत नक्शे मैन्युअल रूप से तथा आधार मानचित्र तैयारी हेतू सीखने के लिए छात्रों को सक्षम करना था। इसके अलावा, छात्रों ने फ़ील्ड सर्वेक्षणों के माध्यम से अद्यतन और मूल सत्यापन को सीखा।

स्नातक योजना (सेमेस्टर-3): साइट योजना तथा वातावरण का निर्माण करना

अध्ययन क्षेत्र: विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश, कृष्णा ज़िला)

चित्रशाला प्राध्यापक: अपर्णा सोनी और सौमी नाग

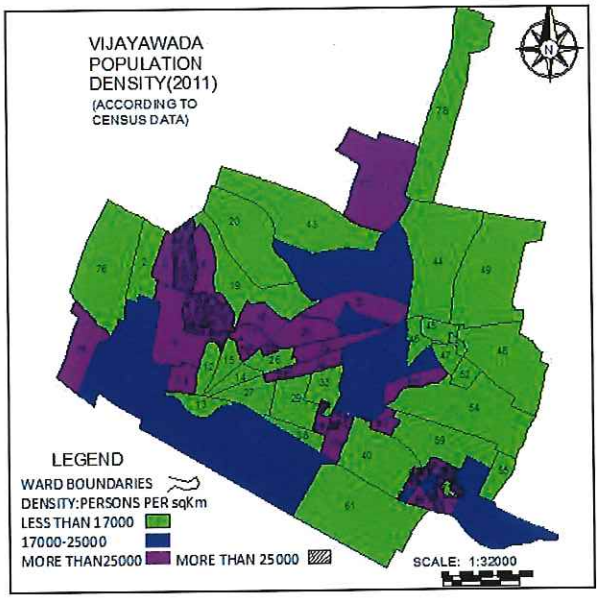

चित्रशाला का उद्देश्य, आवास की मांग हेतू आवासीय वर्गीकरण के मूल्यांकन को समझने तथा पड़ोस स्तर के विभिन्न प्रकार की आवासीय वर्गीकरण की पहचान करने थी। इनमें सस्ती आवास के लिए अरण्य आवास, पीपीपी मॉडल के लिए पिंपरी चिंचवड़ और एकीकृत टाउनशिप के लिए जेपीग्रीन शामिल हैं। भारतीय राज्य के आंध्र प्रदेश में स्थित विजयवाड़ा को एक पड़ोस स्तर योजना डिजाइन करने के लिए चुना गया इसके अंतर्गत इसके भाग के रूप में, विजयवाड़ा आंचलिक विकास योजना की समीक्षा की गयी। इस उद्देश्य के लिए, कक्षा को तीन समूहों में विभाजित किया गया तथा उन्हें शहर के केंद्र से दूरी जैसे- कोर क्षेत्र, मध्यवर्ती क्षेत्र और

परिधीय क्षेत्रों के आधार पर उन क्षेत्रों को केस अध्ययन के उत्तरदायित्व के रूप में सौंपा गया था। कुल 78 वार्डों जिसके दृश्य-श्रव्य प्रलेखित, विभिन्न आवासीय वर्गीकरण तथा प्रमुख गतिविधियों को शामिल किया गया था, कमजोर वार्ड की पहचान भी की गई। इनमें सार्वजानिक आवास पड़ोस, निजी और अवसामान्य निपटान के आधार पर वर्गीकृत किया गया। कुल 18 पड़ोस का सर्वेक्षण किया गया। साइट निरीक्षण, प्रश्नावली सर्वेक्षण (स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना सर्वेक्षण), फोटोग्राफिक प्रलेखन और साइट के पास के प्रक्रिया शामिल थे। प्रश्नावली सर्वेक्षण का उपयोग स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना के आधार पर किया गया था। विभिन्न समय पर गतिविधियों का अनुपालन चौबीस घंटे किया गया। बाद में प्रेक्षण के आधार पर विजयवाड़ा के नक्शे का प्लॉट किया गया था। प्रत्येक पड़ोस की तुलना और विश्लेषण विजयवाड़ा के समग्र संदर्भ के संबंध में किया गया।

समीक्षा के आधार पर आवासीय वर्गीकरण तथा विजयवाड़ा हेतू आवास की मांग पर आधारित विजयवाड़ा को एक आदर्श स्थल के रूप में चयन किया था। पहचानी गई साइट का विश्लेषण भी किया गया तथा उस पड़ोस योजना हेतू एक डिजाइन भी बनाया गया।

स्नातक योजना (सेमेस्टर-4): ट्रांसपोर्टेशन योजना
जंक्शन उन्नति रूपरेखा
अध्ययन क्षेत्र: विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश, कृष्णा ज़िला)
चित्रशाला प्राध्यापक: मकबूल अहमद, श्वेता शर्मा, वल्लियप्पन एएल तथा **डॉ. अब्दुल रजाक**

आंध्र प्रदेश के तीन क्षेत्रों को जोड़ने हेतू विजयवाड़ा एक महत्वपूर्ण कड़ी है साथ ही यह एक प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट भी है। विजयवाड़ा एक पसरन शहर है जो दिन ब दिन इसकी जनसंख्या और वाणिज्यिक गतिविधियों में वृद्धि हो रही है। इसका शहरीकरण तथा शहर के विकास का मुख्य कारण तेजी से औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय, यातायात जैसे विभिन्न गतिविधियों की मात्रा अत्यधिक बढ़ गयी है। संयोग विकास, संकीर्ण सड़कें, संकुलित जंक्शन; असंगठित पार्किंग ये सभी यातायात के निर्बाध प्रवाह में बाधा पैदा करती है। प्रमुख रूप से विजयवाड़ा के संकीर्ण रोड नेटवर्क प्रणाली चौराहों के बाधाओं के उपर था। बन्दर रोड और एलुरू

रोड के सड़कों पर साथ ही शहर के मुख्य मार्ग/ उप-मुख्य मार्ग पर जाने में भी अधिकतम समय लगता था।

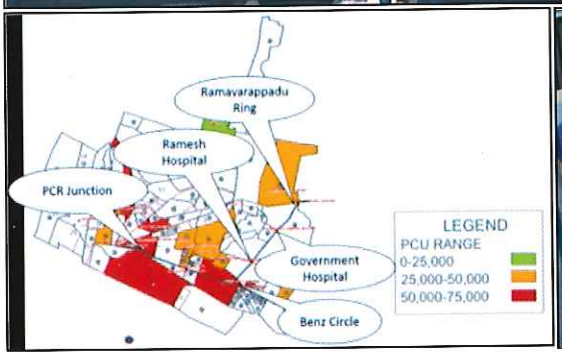

यह चित्रशाला विजयवाड़ा के तीन प्रमुख सड़क गलियारों में सुधार हेतू योजना के लिए केंद्रित था:

एलुरू रोड, बन्दर रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग 5। इस अध्यन का मुख्य उद्देश्य उचित चौराहों के यातायात हेतू समस्याओं की पहचान करना तथा यातायात लक्षण हेतू पाँच बिन्दुओं का पहचान एवं विशिष्ट जंक्शन के सुधार के लिए संकल्पनात्मक योजनाओं को पहचानकर बिन्दु तैयार करना था। इस अध्ययन की प्राथमिकता आधार वर्ष और यातायात की मांग पर क्षितिज वर्ष तथा वैचारिक बिन्दु सुधार योजनाओं को प्रदान करने के पहचान पर आधारित था।

स्नातक योजना (सेमेस्टर-5): भूमि उपयोग योजना-जोनल/उप-नगरीय स्तर

केन्द्रीय क्षेत्र के विकास हेतू रूपरेखा

अध्ययन क्षेत्र: वन टाउन, विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश, कृष्णा ज़िला)

चित्रशाला प्राध्यापक : श्वेता शर्मा, मकबूल अहमद, डॉ. एन. श्रीधरन तथा अब्दुल रजाक

चित्रशाला अभ्यास का मुख्य उद्देश्य केन्द्रीय क्षेत्र के तत्व हेतू एक समग्र अर्थव्यवस्था का निर्माण करना, जिसमें मुख्य रूप से अनौपचारिक क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया था। एक शहर हेतू संपूर्ण क्षेत्र का अध्ययन जिसमें सुविधाओं और क्षेत्र की कमियों को समझने के लिए, और क्षेत्र के पुनर्विकास योजना में संशोधित पहलुओं सहित संरक्षित करने के लिए किया गया था। टोही सर्वेक्षण साइटों की पहली पहचान करने के लिए किया गया था। सड़क लक्षण टिप्पणी के माध्यम से सड़क मैपिंग हेतू इसका दायित्व था। शहर को अच्छी तरह से समझने के लिए विभिन्न सर्वेक्षण किए गए। इसमें यातायात और परिवहन सर्वेक्षण, जैसे मूल दूरी, मात्रा गणना, सड़क इन्वेंटरी, घरेलू सर्वेक्षण; औपचारिक क्षेत्र सर्वेक्षण; अनौपचारिक क्षेत्र सर्वेक्षण और हिस्सेदारी धारक परामर्श शामिल थे। इनमें सुविधाओं में विस्तार, प्रत्येक क्षेत्र की प्रमुख विशेषताओं के बाहर खोजने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के रूप में इसे निपटा रहे थे। सभी मुद्दों और समस्याओं को समान रूप में महत्व दिया गया है उनमें सुधारपूर्व महत्व, पुनर्विकास की प्रक्रिया में है।

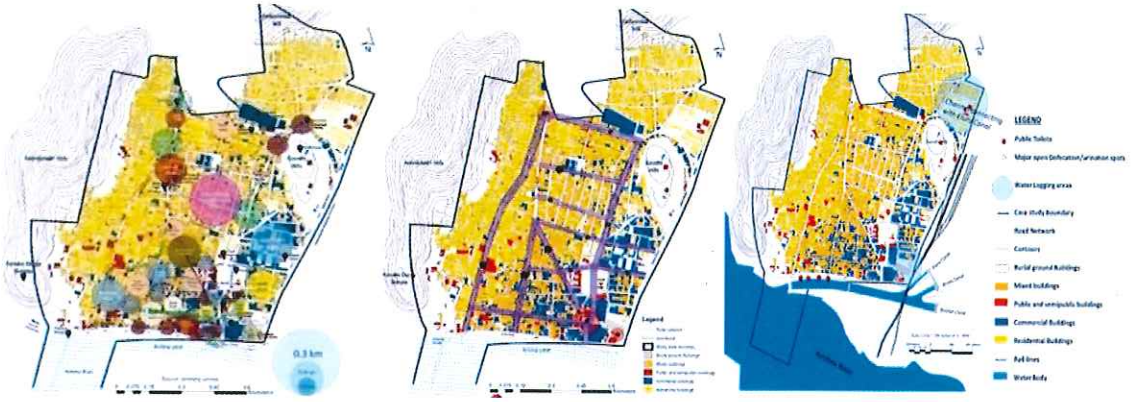

विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शन और उनके अलग अलग योगदान से अर्थव्यवस्था तथा चरणों हेतू किए गए कार्यों से बाह्य रूप का पता चला। विश्लेषण के माध्यम से बाजार में विकास के महत्व और विकास क्षेत्र के महत्व को उल्लेखित किया गया। एक शहर का मुख्य अर्थव्यवस्था, बाजार पर पूरी तरह से निर्भर होता है। मौजूदा बाजार औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र पर समाविष्ट होता है, दोनों गतिविधियाँ महत्वपूर्ण रूप से बाजार के निर्माण में समकक्ष भूमिका निभाती है। औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों के मध्य

संबंध बनाने हेतू परियोजना विकास एक महत्वपूर्ण पहलू है। हालांकि; एक शहर के बाजार हेतू एक प्रमुख शक्ति के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र, साथ ही यह क्षेत्र में यातायात भीड़ बनाने के रूप में समस्याओं के संदर्भ में एक पहलू के रूप में कार्य करता है। इसलिए चित्रशाला क्षेत्र के संचलन को मजबूत बनाने के इन पहलुओं में मूल संरचना सुविधाएं प्रदान करता है। समाधान के रूप में क्षेत्र को बिना समस्या तथा नुकसान किये अनौपचारिक क्षेत्र का संरक्षण तथा उसे मजबूत बनाने को दिए गए थे।

स्नातक योजना (सेमेस्टर-6): शहरी विकास योजना

नगर विकास योजना हेतू तैयारी

अध्ययन क्षेत्र: आन्ध्र प्रदेश के राजधानी नगर क्षेत्र

चित्रशाला प्राध्यापक: रक्तिम रॉय, डॉ. एन. श्रीधरन, अपर्णा सोनी तथा वल्लियपन एएल

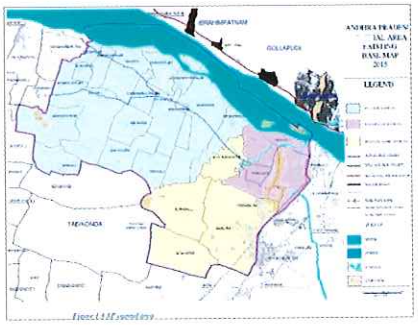

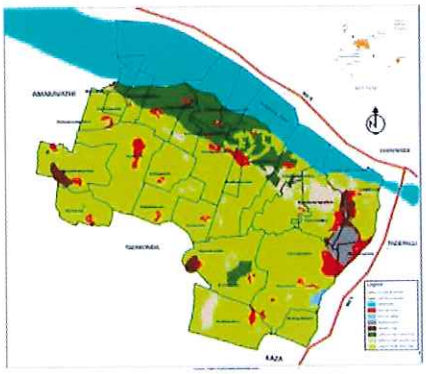

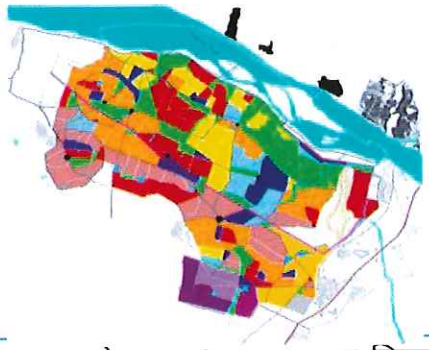

चित्रशाला का उद्देश्य एक शहर हेतू समग्र आर्थिक और सामाजिक आर्थिक विकास के लिए योजना तैयार करना था। इस प्रयोजन के लिए, नवगठित राज्य आंध्र प्रदेश की नई राजधानी शहर को अध्ययन क्षेत्र के रूप में लिया गया था। इसके लिए 18 ग्राम थुल्लुर मंडल में, 2 ग्राम तेडेपल्ली मंडल में और 5 ग्राम मंगलागीरि मंडल में तथा चार हामलेट्स में शामिल किया गया। नवीन राज्य हेतू एक स्मार्ट सिटी घोषित किया गया था जिसके विकास योजना के लिए स्मार्ट अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया गया स्मार्ट आर्थिक योजना को और अधिक समग्र बनाने के लिए, एंटरप्राइज़ अर्थव्यवस्था के वातावरण को उच्च गुणवत्ता तथा उसकी विशेषताओं को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार, और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चित्रशाला अभ्यास के लिए निर्माण तथा ध्यान में रखा गया।

चित्रशाला के एक भाग के रूप में, छात्रों ने नवगठित शहर के भूमि उपयोग हेतू योजना तैयार किये। छात्रों ने राजधानी शहर हेतू एक आधार मानचित्र की तैयारी किए ।

कुल 25 छात्रों से विभिन्न समूह में विभाजित कर उन्हें विविध क्षेत्रों हेतू अध्ययन जैसे, स्मार्ट अर्थव्यवस्था की अवधारणा का अध्ययन, जनसांख्यिकी, समय की अवधि से

अधिक भूमि उपयोग परिवर्तन, मूल्य निर्धारण, निपटान हेतू संबधित निर्भरता, सामाजिक -आर्थिक स्थिति के निपटान के साथ आईसीटी बैंकिंग के दैनिक उपयोग हेतू विविध प्रकार के विश्लेषण तकनीकों के आधार पर निष्पादित किये गये। अंतराल और साधन के निपटान हेतू सामरिक समाधान का प्रस्ताव दिया गया था।

स्नातक योजना (सेमेस्टर-7): क्षेत्रीय विज्ञान एवं योजना

क्षेत्रीय योजना

अध्ययन क्षेत्र: तटीय जिला (आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा तथा गुंटुर जिला)

चित्रशाला प्राध्यापक: प्रशांत वर्धन तथा रक्तिम रॉय

नवीन राज्य आंध्र प्रदेश में प्राकृतिक और आर्थिक संसाधन हैं और दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है जिसकी लंबाई 974 किलोमीटर है यह दूसरा सबसे बड़ा समुद्री बंदरगाह है जिसमें 10 से अधिक बंदरगाह हैं जो राज्य भर में विस्तारित है जिसमें प्रमुख औद्योगिक और विपणन केन्द्र आपस में जुड़े हुये हैं कोई भी क्षेत्रीय अध्ययन/ क्षेत्रीय योजना प्रत्यक्ष और संतुलित आर्थिक वृद्धि को प्राप्त करने के लिए इन जिलों हेतू तैयार नहीं किया गया था। उपरोक्त पहलुओं पर विचार करते हुये, इस अकादमिक अभ्यास में आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों के क्षेत्र का चयन किया गया तथा उसके समग्र संतुलित विकास के लिए एक क्षेत्रीय योजना तैयार करने के लिए अनुसंधान अध्ययन के रूप में चयन किया गया। चयनित आंध्र प्रदेश के पाँच तटीय जिले से, मध्य और लघु क्षेत्रों के क्षेत्रीय योजना तैयार किया गया जिसमें वैज्ञानिक आकलन अध्ययन के माध्यम से द्वितीयक स्रोत के रूप में आंकड़े एकत्र किये गये। इस विश्लेषण हेतू आंध्र प्रदेश के कृष्णा और गुंटूर जिलों के क्षेत्र को अध्ययन के रूप में पहचान की गई।

तर्कसंगत इन जिलों में शहरीकरण की दर, आर्थिक गलियारे की उपस्थिति और प्रतिनिधि को संबंधित किया गया, सेवा क्षेत्र निर्भरता, सकल घरेलू उत्पाद का चयन करने ,तथा शहरी समूहों और कृषि गतिविधियों की उपस्थिति की सर्वाधिक हिस्सेदारी के लिए किया गया।

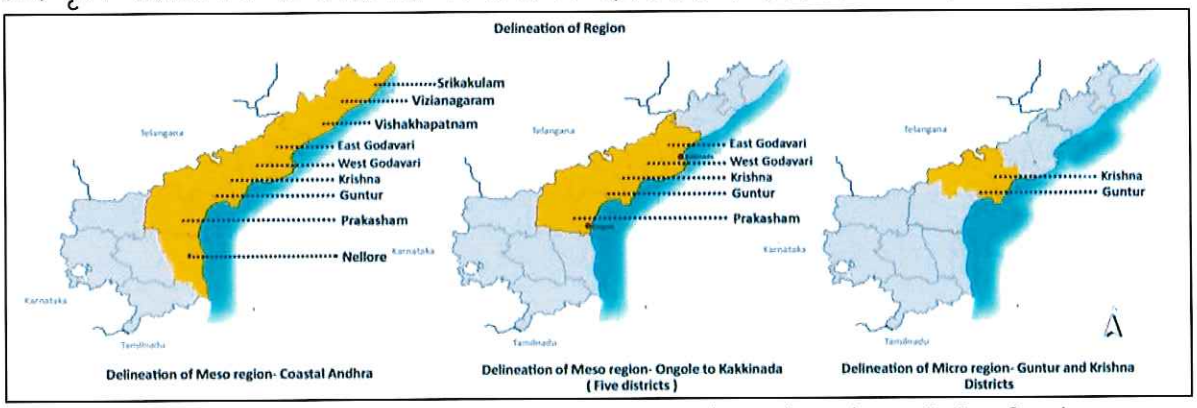

विश्लेषण के लिए दो दृष्टिकोण यानी, नवीन क्लस्टर दृष्टिकोण और ग्लोबल सिटी दृष्टिकोण अपनाया गया। इन दो दृष्टिकोणों से सभी क्षेत्रों का विश्लेषण किया गया और इस क्षेत्र में संभावित आर्थिक एजेंटों की पहचान की गई।

कुछ पहचानी गई आर्थिक एजेंट चिकित्सा नवाचार क्लस्टर हैं; कृषि और विनिर्माण उद्योगों और महत्वपूर्ण केन्द्रों तथा प्रभावी शासन के लिए तकनीकी विशेषज्ञ। निपटान पदानुक्रम का प्रस्ताव किया गया था। क्षेत्रीय स्तरीय पर बुनियादी सुविधाओं की मांग आकलन और प्रस्तावों की भूमि उपयुक्तता मॉडल के साथ साथ योजना में दिए गए थे।

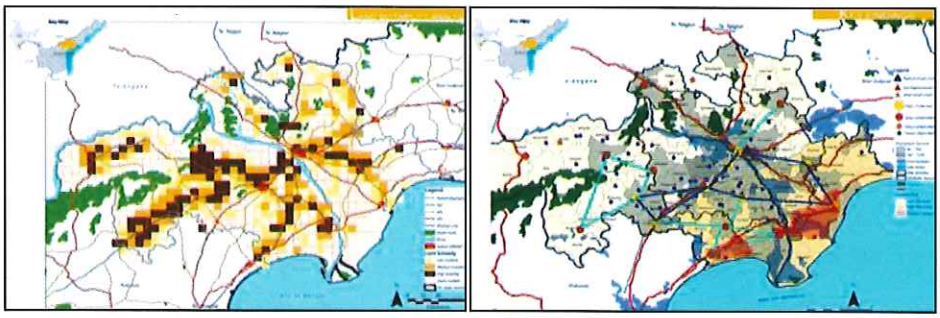

स्नातकोत्तर योजना (एकीकृत सेमेस्टर): क्षेत्र योजना चित्रशाला
ग्राम, साइट तथा क्षेत्र योजना
अध्ययन क्षेत्र: विजयवाड़ा, गुंटूर और मंगलागिरी (आंध्र प्रदेश)
चित्रशाला प्राध्यापक: डॉ. कंचन गाँधी, डॉ. अब्दुल रजाक तथा डॉ. एन. श्रीधरन

इस चित्रशाला का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण और शहरी बस्ती में भूमि-उपयोग की गतिशीलता के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संदर्भ को समझने तथा उनके लिए, विकास योजनाओं को बाहर लाने तथा उन्हें सक्षम करने हेतू था। चित्रशाला का कार्यकेन्द्र छात्रों में क्षेत्र अभिमूल्यन हेतू विकास योजना और भूमि-उपयोग मानचित्रण तकनीक हेतू कौशल विकसित करने के लिए था। क्षेत्र के गांव, पड़ोस और क्षेत्र स्तर पर प्रशंसा अध्ययन तथा उनके जोखिम के बारे में सामाजिक -आर्थिक, स्थानिक -सांस्कृतिक, पर्यावरण, और मूल संरचनात्मक लक्षण हासिल करने के लिए आयोजन किया गया साथ ही प्रशासन ने भी चयनित मामलों के अनुसंधान अध्ययन किये थे। एक गांव और एक शहर के लिए व्यापक सर्वेक्षण, अध्ययन अवलोकन, साक्षात्कार और विश्लेषण के माध्यम से विकास योजनाओं की तैयारी पर जोर था। अंतिम लक्ष्य तर्कसंगत भौतिक, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय उपायों के लिए एक योजना के रूप में गांव और शहर के भविष्य के विकास हेतू परिकल्पित किया गया।

अभ्यास -1: कोण्डापल्ली, आंध्र प्रदेश के लिए ग्राम विकास योजना

कोण्डापल्ली गाँव, अपनी लकड़ी के खिलौने के लिए मशहूर है इस गांव का चयन विकास योजना की तैयारी के लिए किया गया था। इस गांव के चयन के लिए तर्क यह था की; इस खिलौना बनाने वाले गांव हेतू एक समग्र विकास योजना का प्रस्ताव तथा उसके अवसंरचनात्मक और विपणन सुविधाएं एवं कारीगरों की सामाजिक -आर्थिक स्थिति में सुधार और उनके शिल्प को पुनर्जीवित करने के लिए चयन किया जाये। इस गांव के भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण और शासन के पहलुओं पर विचार विमर्श तथा सर्वेक्षण के माध्यम से अध्ययन किये गये थे। लगभग 600 (कुल का 10%) परिवारों को इस अभ्यास में सर्वेक्षण किया गया था। यह गांव एक घोषित जनगणना शहर है, लेकिन अभी भी एक पंचायत द्वारा नियंत्रित होता है। इसके

पास का स्थान औद्योगिक क्लस्टर है जिससे इन निवासियों को प्रदूषण के समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। छात्रों का दस्तावेज और इन मुद्दों से विश्लेषण किया गया तथा गांव के आर्थिक और पर्यावरण की बेहतरी के लिए इसमें प्रस्ताव भी दिया गया था।

अभ्यास-2: विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में पहचानी गई साइटों के लिए साइट योजना

छात्रों ने विजयवाड़ा शहर के तीन अलग अलग साइटों को चयनित किया तथा उन लोगों के उनकी आय और सामर्थ्य के आधार पर अलग अलग समूहों के लिए आवासीय ले-आउट का प्रस्ताव रखा। प्रत्येक साइटों के करीब 12 एकड़ जमीन और उनके अलग विशेषताओं के अधीन था। कोनेरू साइट एक रणनीतिक स्थान पर था जो रोड एनएच-5 तथा एनएच-9 को कनेक्ट कर रहा है। मौजूदा आवास उच्च आय समूहों के विला और निजी सम्पदा के साथ शामिल थे। छात्रों ने आवास विकास का एक विषम चित्र इस अभ्यास के माध्यम से बनाया।

अभ्यास 3: मंगलागिरि विकास योजना (पर्यटन और विरासत संरक्षण)

शहर योजना अभ्यास मंगलागिरि में आयोजित किया गया। यह दूसरा शहर विजयवाड़ा से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुंटुर जिला का क्षेत्र था। राज्य सरकार द्वारा घोषित नई राजधानी कम्पलेक्स विजयवाड़ा स्थित गुंटुर-तेनाली-मंगलागिरि योजना (वी जी टी एम) क्षेत्र था। मंगलागिरि एक छोटे आकार का शहर है जिसकी आबादी 70000 के आस-पास है इस शहर के भविष्य के विकास के लिए योजनाओं की जरूरत है जिससे यह सुर्खियों में आये। इस शहर हेतू आवास निर्मित करते हुए इसे शहरी केंद्र, इसकी विरासत तथा कृषि क्षेत्रों के संरक्षण की योजना बनाने और मांग की जरूरत है। छात्रों ने इसे एक विरासत केन्द्र, पर्यटन और इसके हरित के संरक्षण के साथ मंगलागिरि के भविष्य के विकास के लिए एक योजना तैयार किये थे। वे कृषि गतिविधियों के संरक्षण के साथ साथ शहर में ढांचागत सुधार का सुझाव दिये, और इस नई राजधानी परिसर में आवास के लिए भावी मांग को पूरा करने के लिए कुछ इलाकों में उच्च वृद्धि, उच्च घनत्व आवासीय विकास का सुझाव भी दिये थे।

स्नातकोत्तर योजना (यूआरपी) (सेमेस्टर-2): शहरी योजना चित्रशाला

मास्टर प्लान तैयार करना

अध्ययन क्षेत्र: मछलीपट्टनम बंदरगाह शहर (आन्ध्र प्रदेश)

चित्रशाला प्राध्यापक: सॉमी नाग, प्रशांत वर्धन, डॉ. एन. श्रीधरन और डॉ. अब्दुल रजाक

इस अकादमिक अभ्यास के द्वारा मछलीपट्टनम बंदरगाह शहर के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने के लिए दिया गया था। लैब का उद्देश्य अपने अवधारणाओं से भूमि तैयारी योजना का उपयोग विकसित करने के सिलसिले जिससे वे शहरों के योजना और डिजाइनिंग, साहित्यक समीक्षा, वैकल्पिक तरीकों का पता लगाने, नियोजन के सिद्धांतों और भूमि उपयोग योजनाओं को समझने में छात्रों को सक्षम करने हेतू था।

छात्रों ने शहर के भौतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं को प्रदान किया। मछलीपट्टनम आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र कृष्णा जिला का मुख्यालय है। यह शहर एक औपनिवेशिक अतीत है तथा यह राज्य की राजधानी से 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। विभिन्न पोर्ट पर प्रस्तावित और परिकल्पित निवेशों से संबंधित परियोजनाओं के मछलीपट्टनम में शहरों के कार्यों को निष्पादित किया गया और इसके विकास के लिए अतिरिक्त रोजगार बनाने के मामले में पर्याप्त अवसर पैदा किया गया साथ ही भूमि के विभिन्न उपयोग के लिए मांग किया गया। उपरोक्त अवसर को ध्यान में रखते हुए इस शैक्षणिक अभ्यास के द्वारा मछलीपट्टनम एक अनुसन्धान क्षेत्र के रूप में हैं और इसकी चित्रशाला कार्यप्रणाली का पालन नीचे विस्तृत है:

आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम बंदरगाह शहर हेतू आधार मानचित्र और प्रस्तावित भूमि उपयोग योजना-
चित्रशाला के पहले चरण में तर्कसंगत की योजना प्रक्रिया मास्टर प्लान के महत्व का पता लगाना और सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार इसके बाद की प्रक्रिया को समझने के लिए था। छात्रों ने योजना बनाने की बुनियादी अवधारणाओं, शहरी नियोजन सिद्धान्त, शहर की फ़ील्ड अवधारणा और दृष्टि समीक्षा तथा उनसे संबंधित रणनीतियों और योजनाओं के लिए उभरते पदानुक्रम की योजनायों से अवगत कराया उनके दृष्टिकोण, प्रक्रिया और कमियां समझने के लिए, विभिन्न शहरों के मौजूदा मास्टर प्लान की समीक्षा भी किया गया था। उनकी बुनियादी समझ के पूरा होने के बाद वे डेस्कटॉप क्षेत्र यात्रा के द्वारा उनके केस अध्ययन क्षेत्र के माध्यम से अध्ययन किये गए थे। इससे क्षेत्रीय विश्लेषण और अनुमानों की मौजूदा स्थिति और विकास के मुद्दों की समीक्षा करने में छात्रों को मदद मिली। वे अगले चरण में विकास के मुद्दों और सक्षमता की पहचान भी किये। इसमें अंतिम उत्पादन संकल्पनात्मक योजना भी शामिल है, प्रस्तावित भूमि का प्राथमिकीकरण प्रस्तावित भूमि उपयोग योजना के साथ गतिविधियों का उपयोग भी किया गया। विश्लेषण के बाद शहर की मौजूदा स्थिति, एक दृष्टि "अवसरों का एक शहर" के रूप में उसके रणनीतियों, जीने की क्षमता और स्थायित्व के अनुरूप था।

स्नातकोत्तर योजना (इपीएम) (सेमेस्टर-2): शहरी पर्यावरणीय योजना चित्रशाला

एक तटीय शहर के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना

अध्ययन क्षेत्र: मछलीपट्टनम (आन्ध्र प्रदेश)

चित्रशाला प्राध्यापक: डॉ. अय्यन के. तरफदार, डॉ. अब्दुल रजाक, डॉ. किरणमयी और डॉ. एन. श्रीधरन

मछलीपट्टनम को चक्रवात से कमजोर होने के लिए जाना जाता है। एक शहर के रूप में इसका एक रोचक इतिहास है; यह एक व्यापारिक बंदरगाह है, जहाँ पुर्तगाली, फ्रांसीसी और ब्रिटिश कारोबार किये तथा शहर के विकास में अपना योगदान भी दिये। पोर्ट का कामकाज कई बार ज्वारीय लहर से चक्रवात और टी सुनामी से प्रभावित हुआ है। इस क्षतिग्रस्त के कारण, छात्रों ने शहरी पर्यावरण सेवा के कुछ प्रमुख मुद्दों की पहचान की, जैसे- अपर्याप्तता जल आपूर्ति, स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट कवरेज और दूरदराज के इलाकों के तर्कहीन परिवर्तन। यह शहर हर मानसून में जलम्ग्न हो जाता है और समुद्र तट के साथ फैल जाता है साथ ही यह एक क्रीक/ पिछला जल का खिंचाव करता है। अन्य प्रशासनिक कार्यों के अलावा, यह तीन महत्वपूर्ण, आर्थिक गतिविधियों-मत्स्य, नकली आभूषण और वस्त्र उद्योग के ज्यादातर कार्य अब मध्यम पैमाने पर होने लगता है। छात्रों ने अपने शैक्षणिक यात्रा में शहर की स्थापना हेतू पर्यावरणीय आधारभूत तथा उसके बाद एक संवेदनशील तरीके से और पर्यावरण की दृष्टि से शहर के विकास के लिए एक नीति बनाये जो सार्वजनिक परामर्श पर आधारित थे। इस पृष्ठभूमि में, मछलीपट्टनम के तटीय शहर के लिए संतुलित विकास की रूपरेखा का पहचान करना इस चित्रशाला का उद्देश्य था।

चित्रशाला में चार प्रमुख क्षेत्रों, अर्थात् जल आपूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और दूरदराज के इलाकों के विकास की रणनीति विकसित करने का प्रयास किया गया। इसका दृष्टिकोण, समग्रता, आराम और स्थिरता के समग्र अवधारणाओं द्वारा निर्देशित किया गया था। बढ़ती कवरेज पर सभी रणनीतियाँ, समान वितरण सेवाओं, उपयोग में सुधार और बेकार ऊर्जा और

संसाधनों के उपयोग को कम करने हेतू उपकरण के एकीकरण के उद्देश्य से इसके विश्लेषण के प्रत्येक सेक्टर की रणनीतियों के दो या तीन डोमेन करने के लिए नेतृत्व किया गया।
छात्रों ने मौजूदा सभी हरे और खुले हुये रिक्त स्थान शहर का अध्ययन किये और शहरतर पार्क, पड़ोस-पार्क और आवास क्षेत्र पार्कों के रूप में उन्होंने अपनी क्षमता का विश्लेषण किया।
वे शहर के हरे आवरण हेतू एक रणनीति बनाये जिसमें सरकार स्वामित्व खाली आसान भूखंडों को पार्क के रूप में विकसित करने साथ ही उसे आसानी तथा समीप पहुँच के साथ एक मानदंड के रूप में स्थापित हो। छात्रों ने मछलीपट्टनम के आसपास का अध्ययन किया और उसके विकास हेतू एक बहु मापदंड भारित सूचकांक जिससे भूमि पार्सल खोजने तथा तत्काल पारिस्थितियों जिससे शहरी विकास के लिए भूमि पार्सल का उपयोग कर आर्थिक कार्यों तथा उसके संरक्षित भविष्य हेतू विकसित किया जा सके। इसकी समुद्र तट, भूमि उपयुक्तता के भीतरी भाग, एक प्राकृतिक बाधा चक्रवात के रूप में शहर को झीलों और मैंग्रोव संरक्षण की आवश्यकता को बाहर लाया गया। चित्रशाला के निष्कर्षों को स्थानीय सरकार और स्थानीय विशेषज्ञों के विश्लेषण के हर स्तर पर लाने के लिए समता और प्रासंगिकता के साथ साझा भी किया गया।

स्नातकोत्तर योजना (इपीएम) (सेमेस्टर-3): क्षेत्रीय पर्यावरणीय योजना चित्रशाला
स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं के महत्वपूर्ण मूल्यांकन तथा जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन
अध्ययन क्षेत्र: कृष्णा जिला
चित्रशाला प्राध्यापक: डॉ. अय्यन के. तरफदार तथा जयकरण

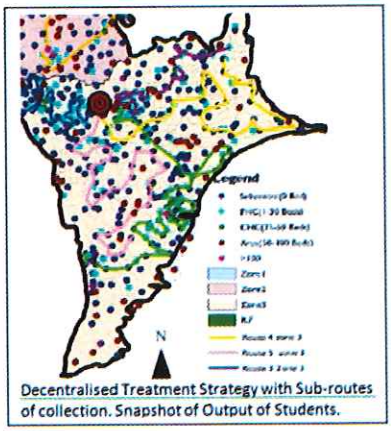

Decentralised Treatment Strategy with Sub-routes of collection. Snapshot of Output of Students.

कृष्णा जिले को परंपरागत रूप से अच्छी चिकित्सा सुविधा संपन्न होने के लिए जाना जाता है। जिले में 650 सरकारी स्वास्थ्य प्रतिष्ठान (एच सी इएस) स्थापित हैं और लगभग 600 निजी (एच सी इएस) जिले में स्थापित है तथा यह पूरे आंध्र प्रदेश हेतू चिकित्सा उपचार के लिए चुनिंदा गंतव्य है और आगे के लिए भी कार्यशील है।
बहरहाल, अधिकतर एच सी इएस शहरी क्षेत्रों में केंद्रित है और शहरी आबादी के लिए मुख्य रूप से अपने कार्य को पूरा करते हैं। जिले के बोस्ट्स आम जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार की सुविधा (सी बी एम ड्ब्ल्यू टी एफ) का कार्य संपन्न करता है जो अपशिष्ट इकट्ठा कर तथा उन्हें जिले के लिए व्यवहार करता है। बहरहाल, छात्रों द्वारा प्रारंभिक अनुमानों से पता चला है कि वहाँ कवरेज में भारी अंतर की संभावना है, जबकी वर्तमान और भविष्य की सभी एच सी इएस के साथ सौदा करने के लिए मौजूदा सीबीएमड्ब्ल्यूटीएफ के पास क्षमता है। इस पृष्ठभूमि में, एम. प्लान(पर्यावरण योजना) अंतिम वर्ष के छात्रों ने चित्रशाला अभ्यास में "स्वास्थ्य सुविधाओं के महत्वपूर्ण मूल्यांकन जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, कृष्णा जिला" के उपर किया था जिसका उद्देश्य जैव चिकित्सा अपशिष्ट (बीएमडब्ल्यू) संक्रामक

कचरे का प्रबंधन करना साथ ही स्वास्थ्य देखभाल दोनों मामले हेतू पर्याप्त स्तर पर सेवाओं को प्राप्त करना था।

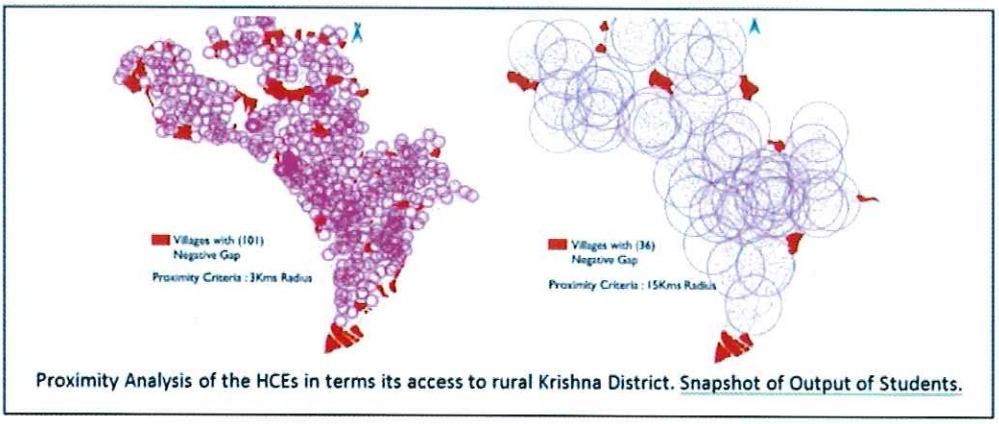

Proximity Analysis of the HCEs in terms its access to rural Krishna District. Snapshot of Output of Students.

अध्ययन का समापन निम्नलिखित रूप में हुआ–

a) समीक्षकों द्वारा पुन: संगठनात्मक और एच सी ई$_{एस}$ प्रवर्तन प्रथाओं की जवाबदेही देख कर, और जिले के बीएमड्ब्ल्यू प्रणाली में दक्षता को कारगर बनाने के लिए आवश्यक नीति स्तर का निर्माण करना था। स्थानिक रणनीतियों के द्वारा बायो-मेडिकल हब के लिए एक विशेष अनुसंधान और उच्च क्रम के उपचार को विकसित करना था।

b) इस अध्ययन के द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को कवर करते हुये उसके बेहतर तथा जल्दी से संग्रह और निपटान के लिए बीएमडब्ल्यू नेटवर्क के विकेंद्रीकरण हेतू सुझाव दिया गया।

c) इस अध्ययन के माध्यम से बीएमडब्ल्यू की एक नई मूल्य निर्धारण तंत्र तैयार किया गया जिससे एच सी ई$_{एस}$ में प्रवेश तथा अधिक लाभ प्रणाली से मदद लिए जायें। इस कार्य का मूल्यांकन एस पी ए दिल्ली के शिक्षाविदों तथा अपशिष्ट प्रबंधन डोमेन के विशेषज्ञों द्वारा किया गया था।

स्नातकोत्तर योजना (इपीएम) (सेमेस्टर-4): टर्मिनल थीसिस/ प्रोजेक्ट- विषय सूची

क्र.सं.	पंजीकरण सं.	छात्र का नाम	थीसिस सूची
1	2130300001	वुस्तेला अनीता रेड्डी	इम्पैक्ट एसेसमेंट ऑफ एरिगेशन डैम ऑन द सेटलमेंटस :ए केस स्ट्डी ऑफ पुलिचिंताला डैम इन आन्ध्र प्रदेश
2	2130300002	बबीता	अर्बन ग्रीन ऐज कार्बन सींक फॉर इंडस्ट्रीयल इमीशन :ए केस ऑफ चंडीगढ यु.टी .
3	2130300004	मेरूगा पल्ल्वी	स्ट्रेंथींग द पर्फॉरमेंस ऑफ डोमेस्टीक वाटर सप्लाइ सर्विस :ए केस ऑफ तिरूपति सीटी
4	2130300005	सीएच स्टेलिन राजेश	ऐसेसमेंट ऑफ सोसीयोइकोनोमीक फैक्टर्स दैट एफेक्ट डोमेस्टीक सोलिड वेस्ट जेनेरेशन एण्ड कम्पोजीशन
5	2130300006	वंशी दीपक टी एस वी	स्ट्रेटजी फॉर इकोटूरिज्म डेवलेपमेंट इन कृष्णा डिस्ट्रीक ,आन्ध्र प्रदेश
6	2130300007	आर मोहम्मद वसीम	प्लानिंग फॉर सस्टेनबल वाटर मैनेजमेंट प्रैक्टीस इन ऐन इंडस्ट्रीयल एरिया
7	2130300008	प्रिया ए	चैंजिंग लैण्डयूज एण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन ग्राउण्ड वाटर रिसोर्स :ए केस ऑफ गुंटूर सीटी

3.2 योजना विभाग: प्राध्यापक गतिविधियाँ

एस.पी.ए. विजयवाड़ा के प्राध्यापकगण अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से अकादमिक कार्यक्रमों के संवर्धन के प्रति अपना योगदान दिये हैं। संस्थान के पास गतिशील मिश्रण वाले श्रेष्ठ प्राध्यापकगण हैं जिन्हें योजना, वास्तुकला और संबंधित क्षेत्र से समुचित ज्ञान का अनुभव है तथा वे विद्यालय अकादमिक, शोध और विकास की प्रक्रिया में शामिल हैं।

1. रजाक मोहम्मद, ए. (2015), इनवाइटेड मेम्बर, ग्रुप डिस्कस्न ऑर्गनाइज्ड बाय द चीफ मिनिस्टर ऑफ आन्ध्र प्रदेश ऑन द 'प्रिपरेशन ऑफ मास्टर प्लान फ़ॉर द न्यु कैपिटल सीटी ऑफ आन्ध्र प्रदेश' ऐट हैदराबाद, मार्च 2015.
2. श्री वल्लियपन,'फॉरमल एण्ड इनफॉरमल एडुकेशन इन स्लम एरियास: केस स्ट्डी-दिल्ली 'ऐट द कॉनफ्रेंस": राइट टू एडुकेशन टू सेलिब्रेट इण्टरनेशनल वीक ऑफ सोलिडेरिटी ऐट पेरिस, फ्रांस एण्ड ऑन 'ए रिमोट सेसिंग एण्ड जी आइ एस अप्रोच टू द डेंसीफिकेशंस इन रेसिडेंटीयल एरियास 'ऐट कॉनफ्रेंस: लोकेट 15 कॉनफ्रेंस ऐट ब्रिसबेन कंवेंशन सेंटर, ऑस्ट्रेलिया.
3. रजाक मोहम्मद, ए. (2015), की नोट ऐडरेस ऑन ' विजयवाड़ा ऐज ए कैपिटल सीटी- द वे फॉरवर्ड', आइ.सी.आर.इ.इ.इ. 2014, द इण्टरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन रिन्यूवल इनर्जी एण्ड इनवार्मेंटल इनजीनीयरिंग, फोकस्ड ऑन 'विजयवाडा सीटी- ग्रीन कैपिटल ऑफ इण्डिया', ऑर्गनाइज्ड बाय भाषा रिसर्च कॉरपरेशन, शिंगापुर बीआरसीओआरपी एण्ड काफ्ट-इनोवा टेक्निकल सोसायटी (इण्डिया) इयूरिंग 29-31 दिसम्बर 2014, विजयवाड़ा.
4. रजाक मोहम्मद, ए. (2014), इनुगरल स्पीच ऑन 'मैनेजिंग रिसर्च इन आर्किटेक्चर एण्ड टाउन प्लानिंग', द नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्कॉलरी कम्यूनिकेशन एण्ड इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स (एससीआइपीआर- 2014), एसपीए विजयवाड़ा, 4^{थ} एण्ड 5^{थ} अगस्त 2015.
5. रजाक मोहम्मद, ए. (2014), 'एफॉरडेबल हाउसिंग- टू हुय्म एण्ड व्हाइ', कॉन्फ्रेंस ऑन डिजाइन एण्ड प्लानिंग ऑफ एफॉरडेबल ससटेनबल हाउसिंगऑर्गनाइज्ड बाय डेवलपमेंट अलटरनेटिव, न्यू दिल्ली एण्ड एसपीएवी, 4^{थ} जुलाइ, 2014, विजयवाड़ा.
6. रजाक मोहम्मद, ए. (2014), इनुगरल स्पीच, नेशनल वर्कशॉप ऑन 'आर्किटेक्चरल एडुकेशन एण्ड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ऑर्गनाइज्ड बायएसपीए विजयवाड़ा इयूरिंग 23-24 मई 2014
7. श्री वल्लियपन अटैंड एनएनाअरएमएस ट्रेनिंग कोर्स ऑन 'रिमोट सैंसिग एण्ड जीआइएस एप्लिकेशनस टू अर्बन एण्ड रिजनल प्लानिंग' ऐट इण्डियन इंस्टीच्यूट ऑफ रिमोट सेंसिग (आइआइआरएस), देहरादून हेल्ड ऑन 05^{थ} मई टू 27 जून, 2014.

8. प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द हैज बीन रेगुरली कॉट्रिब्यूटिंग विकली आर्टिकल्स ऑन प्लानिंग रिलेटेड इसूज टू द न्यूजपेपर हंस इण्डिया.

9. रजाक मोहम्म्द, ए. (2014), एप्वाइंटेड ऐज द एडिटर-इन-चिफ इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग एण्ड बिल्डिंग इनजीनियरिंग. पब्लिस्ड बाय द भाषा रिसर्च कॉपरेशन, जापान
10. रजाक मोहम्म्द, ए. (2014), ''प्लानिंग एडुकेशन-इसूज एण्ड प्रोसपेक्ट्स" द एनुगरल स्पीच डिलीवर्ड द्यूरिंग द नेशनल एडुकेशन डे, इन कोमेमरेट द बर्थ एनुवर्सरी ऑफ मौलाना अबुल कलाम आजाद ऐज ऑन 11-11-2014. ऑर्गनाइज्ड बाय स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर, विजयवाड़ा.
11. रजाक मोहम्म्द, ए. (2014), ''इण्स्टिच्यूशनाइलेजशन ऑफ पिपुल पार्टिशिपेशन इन अर्बन एण्ड रिजनल प्लानिंग: कोलेबरेटिव एफर्टस ऑफ एकेडमिक, स्टेट, लोकल गवर्नमेंट एण्ड क़ोरपोरेट सेक्टर फ्रॉम केरल एण्ड तमिलनाडू, इण्डिया', इण्टरनेशनल सेमिनार ऑन ''शेपिंग आवर सीटीज फॉर स्मार्ट, इनक्लूसिव एण्ड सस्टेनबल फ्यूचर'' ऑर्गनाइज्ड बाय स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर, विजयवाड़ा ड्यूरिंग 19 नवम्बर 2014.
12. रजाक मोहम्म्द, ए. (2014), '' ऐथिक्स इन टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग एडुकेशन एण्ड प्रैक्टिस इन इण्डिया- एक्जाइटिंग ट्रेण्ड्स एण्ड फ्यूचर प्रोसपेक्टस'' पेपर प्रजेंटेड ड्यूरिंग द इण्टरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन '' टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग एडुकेशन: रेट्रोस्पेक्ट एण्ड प्रोसपेक्ट'' ऑर्गनाइज्ड बाय एसपीए दिल्ली, भोपाल, विजयवाड़ा एण्ड आइटीपीआइ, न्यू दिल्ली ऐट द इंस्टीचूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडी, मैसूर युनिवर्सिटी, मैसूर बीट्विन 21-23 नवम्बर 2014.

विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने के अलावा, प्राध्यापकगण लगातार विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में तकनीकी कागजात प्रकाशन में लगे हुए हैं ।

प्रकाशन

1. क्रांति, नटराज एण्ड वल्लियप्पन एएल , (जनवरी 2015) 'निड फॉर पैराजिम शिफ्ट इन पेडॉजी फॉर टीचिंग द फण्डामेंटलस ऑफ फिजिकल प्लानिंग एडुकेशन', इण्टरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च जर्नल इन सांइस, इनजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (आइएसएसएन-ऑनलाइन-2393-8021) (आइएसएसएन-प्रिंट-2394-1588), वौल्यूम-2, इस्यू 1, आइएआरजेएसइटी, चेन्नई, इण्डिया. अवेलेबल ऐट: http://www.iarjset.com/upload/2015/january/IARJSET10.pdf

2. शर्मा एस. (2014),'ऐन एवोल्यूशन ऑफ युएमइइडी इन अहमदाबाद: एनालाइसीस थ्रॉग नैराटिव्स'. जर्नल ऑफ एगरिकल्चर एण्ड लाइफ सांइस. 1(1), पी.28-43.

3. शर्मा एस. (2014),'इमपैक्ट ऑफ रिसेसन ऑन फ्रेट ट्रांसपोर्ट ऑफ यूके: रिस्क एसेसमेंट एण्ड माइटिगेशन स्ट्रेटजी;. शार्ब्रुकेन, जर्मनी: एलएपी लामबर्ट एकेड्मिक पबलिशिंग

3.3 योजना विभाग: अतिथि व्याख्यातागण

क्र.सं.	दिनांक	अतिथि	विषय	बैच
1	10 और् 11 अक्टूबर 2014	संजीव सक्सेना	प्लानिंग लेजिसलेशन	बी.प्लान (V सेमेस्टर) तथा (VII सेमेस्टर्)
2	06 फरवरी 2015	डी. राम कृष्णा	जंक्सन इम्प्रूवमेंट प्लान	बी.प्लान (IV सेमेस्टर)
3	11 मार्च 2015	डॉ. सरस्वती राजू अय्यर	एलिमेंट्स ऑफ सोसीयोलौजी	बी.प्लान (II सेमेस्टर)
4	13 मार्च 2015	श्रीधर नन्नपनेनी	सौलिड वेस्ट मैनेजमेंट इन अर्बन एरियाज	एमप्लान (युआरपी) (II सेमेस्टर) तथा एमप्लान (इपीएम) (II सेमेस्टर)
5	24 मार्च 2015	डॉ. चित्रा प्रमुख योजनाकार,सीएमडीए	मास्टर प्लान प्रिपरेशन प्रोसेस	एमप्लान (URP) (II सेमेस्टर)
6	30 मार्च 2015	श्रीमति मोना अय्यर, संयिक्त प्रो., सीपेट विश्वविद्यालय	करेंट प्रैक्टिसेस ऑफ सीटी सैंक्शन प्लान एण्ड एनर्जी टेक्नीक्स	एमप्लान (EPM) (II सेमेस्टर)
7	24 अप्रैल 2015	प्रो. चेतन वैद्य निदेशक, एसपीए, दिल्ली	अर्बन इंफ्रास्टक्चर	एमप्लान (URP) (II सेमेस्टर)
8	28 जनवरी 2015	श्याम प्रकाश	ट्रैफिक सर्वे, टाइप्स, टेक्नीक्स एण्ड मेथडोलौजी	बीप्लान (IV सेमेस्टर)

3.4 योजना विभाग: व्यावहारिक प्रशिक्षण

स्नातक योजना के अंतिम वर्ष बैच ने व्यावसायिक प्रशिक्षण (अनिवार्य) मई 2014 और जुलाई 2014 के बीच छह सप्ताह की अवधि के लिए भारत-भर में अलग अलग योजना संगठनों में किये।

3.5 2014-15 के योजना विषय में उत्तीर्ण छात्रों की सूची

स्नातकोत्तर योजना (पर्यावरणीय योजना तथा प्रबंधन)

क्रम सं.	पंजीकरण	छात्र नाम
1	2130300001	वुस्तेला अनीता रेड्डी
2	2130300002	बबीता
3	2130300004	मेरूग पल्लवी
4	2130300005	सीएच स्टेलिन राजेश
5	2130300006	वंशी दीपक टी एस वी
6	2130300007	आर मोहम्मद वसीम
7	2130300008	प्रिया ए

संघ एवं समितियां

- शैक्षणिक परिषद
- अध्ययन संघ (वास्तुकला)
- अध्ययन संघ (योजना)
- विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति
- विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति (वास्तुकला)
- विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति (योजना)

4.1 शैक्षणिक परिषद (2015)

1.	**प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन** निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय:विजयवाड़ा	**अध्यक्ष**
2.	**श्री ए. जी .कृष्ण मेनन** एन-125बी, पंचशीला पार्क, न्यू दिल्ली-110017	**सदस्य**
3.	**प्रो. डॉ. मानश्विनी आचार्या,** प्रोफेसर, मार्केटिंग एण्ड कम्युनीकेशन्स इण्टरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीच्यूट, बी-10, कुतूब इंस्टीच्यूशनल एरिया, तारा क्रेशेंट, न्यू दिल्ली-110016	**सदस्य**
4.	**प्रो. डॉ. सोलोमोन बेंजामिन** प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान केन्द्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास, गुयीण्डी, चेन्नई-600036	**सदस्य**
5.	**प्रो. डॉ. अतीय हबीब किदवई** ए-59, सेक्टर-26, नोएडा-201301	**सदस्य**
6.	**डॉ. पार्थ मुखोपाध्याय** नीति अनुसंधान केंद्र, धरम मार्ग, कौटिल्य मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021	**सदस्य**
7.	**प्रो. डॉ. बी पाण्डुरंगा राव, एफआइइ** प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, वेलागपुडी रामकृष्ण सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, कनूरू, विजयवाड़ा-520007	**सदस्य**
8.	**एक प्रतिनिधि आई.टी.पी. आई. से**	**सदस्य**
9.	**एक प्रतिनिधि आई. आई.ए. से**	**सदस्य**
10.	**प्रो. डॉ. नीना थॉमस** प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुवनंतपुरम-695016, केरल	**सदस्य**
11.	**प्रो. डॉ. रमेश श्रीकोंडा** अध्ययन प्रधान तथा विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**सदस्य**

प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द

12. विभागाध्यक्ष, योजना विभाग — **सदस्य**
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

डॉ. नटराज क्रांति

13. संयुक्त प्राध्यापक योजना विभाग , — **सदस्य**
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा ,

श्री जी. कार्तिक

14. सहायक प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग — **सदस्य**
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

श्री आरएनएस मूर्ति

15. सहायक प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग — **सदस्य**
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

श्री वल्लियप्पन **एएल**

16. सहायक प्राध्यापक, योजना विभाग — **सदस्य**
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

डॉ. पी. कृष्ण मोहन

17. कुलसचिव — **सचिव**
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

4.2 अध्ययन परिषद (वास्तुकला) (2014-15)

1.	**प्रो .डॉ .रमेश श्रीकोंडा** प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा	**अध्यक्ष**
2.	**प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द** अध्ययन प्रधान, प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, योजना विभाग, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा	**सदस्य**
3.	**प्रो. डॉ. शिशिर रावल** प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग महाराजा सियाजीराव विश्वविद्यालय बडौदा	**सदस्य**
4.	**प्रो. अनिरूद्ध पॉल** निदेशक, कमला रहेजा विद्यानिधि वास्तुकला और पर्यावरण अध्ययन संस्थान , मुंबई	**सदस्य**
5.	**डॉ. लियोन ए. मोरेंस** संयुक्त प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, दिल्ली	**सदस्य**
6.	**श्री डीन डे क्रुज** मोजिक प्रथम डिजाइन घाटी, गोवा	**सदस्य**
7.	**डॉ. प्रियालीन सिंह** प्रोफेसर, वास्तु संरक्षण योजना तथा वास्तुकला विद्यालय,, दिल्ली	**सदस्य**
8.	**श्री अनिल कुमार चिलकपटि** सहायक प्राध्यापक,वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**सदस्य**
9.	**श्री रंगा नागा सत्यनाराण मूर्ति** सहायक प्राध्यापक,वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**सदस्य**
10.	**प्रो. ए. जी. के. मेनन** पंचशीला पार्क, नई दिल्ली	**सदस्य**

4.3 अध्ययन परिषद (योजना) (2015-15)

1.	**प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द** प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, योजना विभाग, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**अध्यक्ष**
2.	**डॉ. नटराज क्रांति** संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**सदस्य**
3.	**डॉ. अयन के. तरफदार** संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**सदस्य**
4.	**श्री प्रशांत वर्धन** सहायक प्राध्यापक,योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**सदस्य**
5.	**श्री मकबूल अहमद** सहायक प्राध्यापक, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	**सदस्य**
6.	**प्रो. डॉ. कृष्णे गौड़ा** प्राध्यापक शहरी तथा क्षेत्रीय योजना विकास अध्ययन संस्थान, मैसूर विश्वविद्यालय	**सदस्य**
7.	**डॉ. एस. के. कुलश्रेष्ठ** एO - 27, शालीमार बाग, दिल्ली - 110 088	**सदस्य**
8.	**डॉ. नीरा अग्निमित्रा** संयुक्त प्राध्यापक, सामाजिक कार्य विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय	**सदस्य**
9.	**डॉ .सुरेन्द्र अग्रवाल** ए 501 मनसरा अपार्टमेंट, वसुंधरा एन्क्लेव, दिल्ली	**सदस्य**
10.	**डॉ. रतोला कुन्दू** सहायक प्राध्यापक, पर्यावास अध्ययन विदयालय, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई-400088	**सदस्य**
11.	**डॉ. एस. पी. बंसल** 1/5 शुब्द प्रताब आश्रम, लश्कर	**सदस्य**

4.4 विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति (2015-15)

1.	**प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द** प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, योजना विभाग, अध्ययन प्रधान, एसपीएवी	**अध्यक्ष**
2.	**प्रो. डॉ. रमेश श्रीकोंडा** प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग, एसपीएवी	**सदस्य**
3.	**डॉ. नटराज क्रांति** संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग समन्वयक, अनुसंधान कार्यक्रम, एसपीएवी 10.5	**सदस्य सचिव**
4.	**प्रो. डॉ. कृष्णे गौड़ा** निदेशक, मैसूर अध्ययन विकास संस्थान मैसूर विश्वविद्यालय	**सदस्य**
5.	**प्रो. डॉ. रंजीत मित्रा** प्राध्यापक, शहरी डिजाइन विभाग एसपीए दिल्ली	**सदस्य**
6.	**प्रो. डॉ. बिनायक चौधरी** प्राध्यापक, योजना विभाग, एसपीए भोपाल	**सदस्य**
7.	**प्रो. कुलभूषण जैन** आरटीडी. प्राध्यापक, सीइपेट अहमदाबाद	**सदस्य**

4.5 विभागीय शोध समिति (वास्तुकला) (2015-15)

1.	**प्रो. डॉ. रमेश श्रीकोंडा** प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग, एसपीएवी	**अध्यक्ष**
2.	**प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द** अध्ययन प्रधान तथा विभागाध्यक्ष योजना विभाग, एसपीएवी	**सदस्य**
3.	**डॉ. नटराज क्रांति** संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग समन्वयक, अनुसंधान कार्यक्रम, एसपीएवी	**सदस्य**
4.	**प्रो. डॉ. तथागत चटर्जी** प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग, एसपीएवी	**सदस्य**
5.	**प्रो. डॉ. उत्त्म कुमार बनर्जी** प्राध्यापक, वास्तुकला तथा क्षेत्रीय योजना आइआइटी खरगपुर	**सदस्य**
6.	**प्रो. डॉ. अरूणा रमणी ग्रोवर** प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग, एसपीए दिल्ली	**सदस्य**

4.6 विभागीय शोध समिति (योजना) (2014-15)

1.	**प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द** प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, योजना विभाग, एसपीएवी	**अध्यक्ष**
2.	**डॉ. नटराज क्रांति** संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग समन्वयक, अनुसंधान कार्यक्रम, एसपीएवी	**सदस्य**
3.	**डॉ. अयन के. तरफदार** संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग, एसपीएवी	**सदस्य**
4.	**प्रो. डॉ. पनगोत्र प्रेम** प्राध्यापक, आइआइएम अहमदाबाद	**सदस्य**
5.	**डॉ. अनंत मरिगांती** निदेशक, हैदराबाद अर्बन लैब	**सदस्य**

4.7 नोट:

शासकीय संघ (2014-15)

भारत सरकार द्वारा नियुक्त शासकीय संघ का कार्यकाल 0 8फरवरी 2014 को पूर्ण हो गया है। शासकीय संघ की नियुक्ति के संबंध में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेश की प्रतीक्षा की जा रही है।

भवन और निर्माण समिति (2014-15)

भवन निर्माण समिति का कार्यकाल फ़रवरी 08, 2014 में पूर्ण हो गया है। शासकीय संघ के अध्यक्ष जब प्रभार संभालेंगे तब जल्द ही नवीन बीडब्ल्यूसी तथा एफसी का गठन किया जाएगा।

वित्त समिति (2014-15)

वित्त समिति का कार्यकाल फ़रवरी 08, 2014 में पूर्ण हो गया है। शासकीय संघ के अध्यक्ष जब प्रभार संभालेंगे तब जल्द ही नवीन बीडब्ल्यूसी तथा एफसी का गठन किया जाएगा।

वित्तीय विवरण

Registrar (Accounts)
8/9/15

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय

आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद - 500 004.

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)

ANDHRA PRADESH, HYDERABAD - 500 004.

E-Block, Ist Floor

(Phone No: 040-23232069)

No.PDA(C)/CAB/Unit-1/PA/SPAV/SAR.2014-15/F-12/2015-16/~~68~~ 70 Date: 01.09.2015

सेवा में
सचिव महोदय,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्री भवन,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: आयोजन तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा, **के वर्ष 2014-15 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन**

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), for the year 2014-15, Annexure to SAR and one copy of the Annual Accounts of the Institute for the year 2014-15, are forwarded herewith for placing before the Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

Sd/-

(AJAIB SINGH)

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

संल:यथोपरि

1723/Dir/SPAV
8/9/15

Endt. No.PDA(C)/CAB/Unit-1/PA/SPAV/SAR.2014-15/F-12/2015-16/68 Date: 01.09.2015

Copy to the Director, School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), Survey No.71/1, NH-5, Nidamanuru, Vijayawada–521 104, along with one copy of Annual Accounts for the year 2014-15 (English version) and D.O Management Letter, with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2014-15 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

RSMalge

(ROLI SHUKLA MALGE)

निदेशक/ प्रत्यक्ष कर & केन्द्रीय स्वायत्त निकायों

DIRECTOR/DT & CAB

Phones Nos. : 23236811 to 23236819 Fax No. : 040-23232294

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा हेतू समाप्त वर्ष 31 मार्च 2015 के लिए भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक जनरल की निजी ऑडिट रिपोर्ट।

1. हमने योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा (एसपीएवी) हेतू 31 मार्च 2015 तक के अनुलग्न बैलेंस शीट का लेखा परीक्षण किया तथा आय और व्यय खाता प्राप्ति/ एवं भुगतान खाता जो की समाप्ति वर्ष के उक्त तिथि तक धारा 20 (1) के तहत नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक जनरल (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तों) अधिनियम, 1971 तथा साथ में एसोसिएशन के ज्ञापन और नियमों के अनुभाग 23 (b) को योजना तथा वास्तुकला विद्यालय हेतू अध्ययन किये गये। विद्यालय के वित्त की लेखा परिक्षण 2017/18 तक की अवधि के लिए सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणिका की जिम्मेदारी विद्यालय के प्रबंधन पर हैं तथा इन वित्तीय विवरणिका पर हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर एक मत व्यक्त करने की जिम्मेदारी भी हमारी है।

2. इस अलग ऑडिट रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक जनरल (सीएजी) की टिप्पणी लेखांकन वर्णन के संबंध में केवल वर्गीकरण, उत्तम लेखांकन प्रथाओं हेतू, लेखा मानकों और मानदंडों के प्रकटीकरण आदि के साथ अनुरूपता पर शामिल है। लेखा परीक्षा प्रेक्षण वित्तीय लेन देन के साथ-साथ कानून, नियम एवं विनियम (औचित्य और नियमितता) तथा दक्षता-सहप्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध के उपर में था, यदि कोई भी सूचना हेतू निरीक्षण के माध्यम से सीएजी के रिपोर्ट माँगे, उसके लिय अलग से ऑडिट रिपोर्ट है।

3. हमने लेखा-परीक्षण का कार्य लेखा मानकों के अनुसार आयोजित किया है जो कि सामान्यत: भारत में स्वीकार किए जाते हैं। इन मानकों के द्वारा हमारी योजना और प्रदर्शन से लेखा परीक्षण हेतू वित्तीय वक्तव्य की प्राप्ति उचित आश्वासन के साथ अशुद्ध वर्णन से मुक्त होता है। इस परीक्षण के आधार पर लेखा-परीक्षण में, सबूत के साथ राशी की जांच और प्रकटीकरण में वित्तीय वक्तव्यों का समर्थन भी शामिल किया गया है। इस लेखा-परीक्षण में प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन सिद्धांतों के आकलन के इस्तेमाल और महत्वपूर्ण अनुमान के साथ ही वित्तीय वक्तव्यों के समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारे लेखा-परीक्षण, हमारे विचारों को एक उचित आधार प्रदान करेगा।

4. हम अपने लेखा परीक्षण के आधार पर निम्नांकित विवरण देते हैं:

i हमने लेखा परीक्षण हेतू सभी सूचनाओं का समुचित स्पष्टीकरण दिया है जो हमारे सर्वोत्तम विश्वास और ज्ञान के अंतर्गत है;

ii यह बैलेंस शीट जो कि आय और व्यय खाता/ प्राप्ति और भुगतान खाता है जिसे इस रिपोर्ट के साथ निपटान किया गया है, उसे न तो भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित केंद्रीय शिक्षा संस्थानों के लिए, तथा वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित खातों के समान स्वरूप और न ही खातों के संशोधित प्रारूप में तैयार किया गया है।

iii हमारी राय में, खाता और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों की पुस्तकों को उचित तथा आवश्यक रूप में बनाए रखा गया है, जिससे यह पुस्तकें अब तक की हमारी परीक्षण से प्रतीत होती हैं।

iv हमारी आगे कि विवरण:

अ. बैलेंस शीट

अ.1 धन के स्रोत

अ.1.1 मनोनीत/निश्चित की गई निधि -' 59.9 करोड़(अनुसूची-3)

अ.1.1.1 इसमें शामिल हैं इस की पूंजीगत व्यय 5,7,77,181 / - जो कि निर्धारित योजना पूंजी अनुदान के माध्यम से बाह्य वर्ष के दौरान खर्च किये गये, जो कि समरूप संग्रह/ पूंजी निधि से न तो क्रेडिट किया गया और न उसे खाता के निधि हेतू निकाला गया था, परिणामस्वरूप संग्रह/ पूंजी निधि का न्यूनोक्ति तथा मनोनित/ निर्धारित निधि 5.78 करोड़ रूपये है।

अ.1.2 वर्तमान दायित्व और प्रावधान ' 3.14 करोड़ (अनुसूची-G)

अ.1.2.1 इसमें शामिल कुल राशि 21,89,152 /- बाहरी एजेंसियों से विशिष्ट उद्देश्यों हेतू प्राप्त की गयी है, जो वर्तमान धार्यत्व के तहत गलत तरीके से प्रदर्शित हुयी, इसके अलावा मनोनित/ निर्धारित निधि, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान देयताओं के न्यूनोक्ति और मनोनित/ निर्धारित निधि के समरूप 21.9 लाख रूपये है।

आ. आय और व्यय खाते

आ.1 आय: ' 12.86 करोड़

आ.1.1 इनमें इस वर्ष की (अप्रैल 2015 से जून 2015) अवधि के लिए एकत्र 31,21,957 / - शामिल शुल्क भी है, जो इस वर्ष के दौरान में अग्रिम तथा शैक्षणिक वर्ष हेतू भाग के रूप में, जिसे गलत रूप से चालू वर्ष के आय खाता में रखा गया था, जिसमें, 'अग्रिम शुल्क की प्राप्ति' वर्तमान देयताओं के अंतर्गत रखने के स्थान पर, खातों के प्रोद्भवन आधार पर रखा गया था। परिणामस्वरूप 31.22 लाख

रूपये आय के न्यूनोक्ति तथा वर्तमान देयताओं के समरूप और प्रावधानों के आधार पर था तथा अधिशेष हेतू 31.22 लाख रूपये अतिरंजित किया गया।

इ. सामान्य

सेवानिवृत्ति लाभों के प्रावधान हेतू इसकी बीमांकिक मूल्यांकन नहीं किया गया इसे लेखा मानक-15 के अंतर्गत रखा गया था ।

ई सहायताहेतू अनुदान

अनुदान की सहायता से इस वर्ष के दौरान कुल ' 31.25 करोड़ रूपये (अनुदान सहित मार्च 2015 में , 4.25 करोड़ रूपये प्राप्त किया गया) की राशी प्राप्त हुयी, जो कि पिछले वर्ष के संतुलन की प्रमाणिकता के साथ ' (-) 2.25 करोड़ रूपये और 2.48 करोड़ रूपये अन्य प्राप्तियों से 'तथा कुल 31.48 करोड़ रूपये स्कूल के राशि का उपयोग हुआ ' जो 31 मार्च, 2015 तक 32.71 करोड़ रूपये था " तथा (-) 1.23 करोड़ रूपये संतुलन के रूप में अभी विद्यमान है।

उ प्रबंधन पत्र

इस ऑडिट रिपोर्ट में अभाव को शामिल नहीं किया गया है, इस सूचना के लिए निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा को उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से प्रबंधन पत्र के माध्यम से सूचित किया गया है।

v. पूर्ववर्ती अनुच्छेद में हमने विषयगत अवलोकन के सदर्भ में, तुलन पत्र, आय और व्यय खाते एवं पावतीयों तथा भुगतान खाता के माध्यम से रिपोर्ट के साथ निपटान कर उन्हें वित्तिय विवरणीका में सूचित किया गया है।

vi. हमारे विचार से और हमारी जानकारी तथा दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, वित्तीय विवरणिका के साथ साथ उक्त लेखा नीतियों, और खाता पर आधारित टिप्पणी पढ़ें, अन्य मामलों में इस ऑडिट रिपोर्ट के लिए परिशिष्ट का उल्लेख भारत में स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष विवरण दिया गया है:

अ. योजना और वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के कार्य के उन मामलों हेतू बैलेंस शीट के रूप में यह 31 मार्च 2015 तक के लिए संबंधित है;

ब. यह घाटे की आय और व्यय खाते से संबंधित है जो की समाप्त वर्ष के उक्त तारीख तक विद्यमान है।

(अजैब सिंह)
प्रधान निदेशक लेखा-परीक्षा (केन्द्रीय)
हैदराबाद

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अप्रतिबंधित निधियां			
कायिक	1	77,913,755	55,707,338
सामान्य निधि	2	-	-
निर्दिष्ट / चिन्हित निधियां	3	569,000,000	347,885,685
प्रतिबंधित निधियां	4	-	-
ऋण/उधारी	5	-	-
सुरक्षित		-	-
असुरक्षित		-	-
वर्तमान देयताएं एवं उपबंध	6	31,375,846	28,419,934
कुल		**678,289,601**	**432,012,957**
निधियों का उपयोग			
स्थिर परिसम्पतियां	7		
मूर्त परिसम्पतियां		29,577,291	26,109,398
अमूर्त परिसम्पतियां		-	-
प्रक्रियाधीन मुख्य कार्य		301,717,911	-
निवेश	8	-	-
दीर्घावधि		-	-
अल्पावधि		-	-
वर्तमान परिसम्पतियां	9	46,910,324	26,168,355
ऋण, अग्रिम एवं जमाएं	10	300,084,075	379,735,204
कुल		**678,289,601**	**432,012,957**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	22		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	23		

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाडा

31-03-2015 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि)

	अनुसूची	चालू वर्ष					पिछला वर्ष	
		अप्रतिबंधित निधियां			प्रतिबंधित निधियां	कुल	कुल	
		कायिक	निर्दिष्ट निधि	सामान्य निधि				
आय								
शैक्षिक प्राप्तियां	11	18,594,549	-	-	-	18,594,549	13,864,502	
अनुदान एवं डोनेशन	12	103,800,000	-	-	-	103,800,000	63,000,000	
निवेश से आय	13		-	-	-	-	-	
अन्य आय	14	6,237,934	-	-	-	6,237,934	5,404,696	
						-	-	
कुल (ए)		**128,632,483**	-	-	-	**128,632,483**	**82,269,198**	
व्यय								
स्टॉफ को भुगतान एवं लाभ	15	39,278,053	-	-	-	39,278,053	19,761,639	
शैक्षिक व्यय	16	12,242,718	-	-	-	12,242,718	5,511,465	
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	42,533,412	-	-	-	42,533,412	51,872,935	
परिवहन व्यय	18	926,326	-	-	-	926,326	3,401,371	
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	2,695,439	-	-	-	2,695,439	2,173,959	
वित्त एवं लागत	20	9,796	-	-	-	9,796	61,699	
अन्य व्यय	21	2,150,675	-	-	-	2,150,675	945,432	
मूल्यह्रास		7,934,532	-	-	-	7,934,532	6,831,880	
कुल (बी)		**107,770,951**	-	-	-	**107,770,951**	**90,560,380**	68,492,898
आय से अधिक व्यय होने पर शेष (ए-बी)		**20,861,532**					**-8,291,182**	
निर्दिष्ट निधि को/से अंतरण								
निर्माण निधि								
अन्य (स्पष्ट करें)								
शेष जो अधिशेष है (घाटा) सामान्य निधि को अंतरण								
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	22							
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	23							

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाडा

01-04-2014 से 31-03-2015 तक की अवधि/वर्ष हेतु प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

(राशि `.)

प्राप्तियां	चालू वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	
	राशि (`.)	राशि (`.)		राशि (`.)	राशि (`.)
आरंभिक शेष					
- नकद			स्थिर परिसम्पतियों की खरीद		11,098,944
- बैंक शेष		4,405,750	प्रक्रियाधीन मूल कार्य		289,303,596
प्राप्त अनुदान :			**व्यय:**		
- मुख्य अनुदान	208,700,000		- कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ	39,270,662	
- राजस्व अनुदान	103,800,000	312,500,000	- शैक्षिक व्यय	13,588,337	
			- प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	44,592,671	
अर्जित ब्याज			- परिवहन व्यय	926,326	
- बचत खाता ब्याज	753,978.00		- मरम्मत एवं अनुरक्षण	2,695,439	
- सावधि जमा ब्याज	2,472,785.00	3,226,763	- वित्त एवं लागत	9,796	101,083,231
छात्रों से एकत्रित शैक्षिक शुल्क		18,957,939	छोड़ गए छात्रों को वापिस किया गया शैक्षिक शुल्क		363,390
अन्य आय		1,332,818			
छात्रों से एकत्रित जमाएं			**छात्रों को वापिस की गई जमाएं**		
- छात्रावास	744,000		- छात्रावास	570,000	
- पुस्तकालय	730,000		- पुस्तकालय	495,000	
- मैस	302,500		- मैस	193,000	
- विद्यालय	730,000	2,506,500	- विद्यालय	495,000	1,753,000
व्यय के समक्ष समायोजित जमाएं			**वर्ष के दौरान भुगतान की गई जमाएं**		
			- गैस सिलेंडर जमा	6,800	
- किराया	337,983		- अग्रिम किराया	265,000	
- केडीसीओ परस्पर सहायक सहकारी भंडार,	89,318	427,301	- केडीसीओ परस्पर सहायक सहकारी भंडार, विजयवाड़ा	96,172	367,972
सांविधिक देयताएं			**सांविधिक देयताएं**		
- आयकर/टीडीएस	6,452,943		- आयकर/टीडीएस	6,452,943	
- व्यावसायिक कर	112,050		- व्यावसायिक कर	112,050	
- नई पेंशन योजना	4,038,596		- नई पेंशन योजना	4,081,242	
- अन्य	466,576		-अन्य	466,576	
		11,070,165			11,112,811
- भविष्य निधि		230,359,331	- भविष्य निधि		240,000,000
प्राप्तियां			**भुगतान/वापसी**		
- सुरक्षा जमा/ अवधारण राशि	1,013,013		- सुरक्षा जमा/ अवधारण राशि	162,975	
- पूर्व विद्यार्थी शुल्क	264,500		- पूर्व विद्यार्थी शुल्क	566,400	
- नासा शुल्क	374,000		- नासा शुल्क	238,090	
- एनओएस योजना शुल्क	147,000		- नोस योजना शुल्क	3,000	
- छात्र सहायता शुल्क	104,200		- छात्र सहायता शुल्क	1,200	
- छात्र संघ शुल्क	540,982		- छात्र संघ शुल्क	502,719	
- जमा अतिरिक्त शुल्क	127,154		- जमा शुल्क अतिरिक्त	138,550	
- छात्रवृत्तियां	2,345,800		- छात्रवृत्तियां	2,310,104	
- अन्य प्राप्तियां	2,225,000		- अन्य व्यय	35,848	
- मैस अग्रिम	9,470,724	16,612,373	- मैस भुगतान	9,887,817	13,846,703
समायोजित अग्रिम		247,666,613	वर्ष के दौरान दिया गया अग्रिम		166,215,152
जमा अग्रीम शुल्क (2015-16)		45,300	संचित छुट्टी के हेतू		320,952
परिसम्पत्ति अलमारी व गैस बिक्री		14,618	पेंशन हेतू		680,096
पिछले साल का अतिरिक्त भुगतान बरामद		951,567	पूर्व निर्धारित व्यय हेतू		102,493
सी.एस.ए.बी. से शुल्क प्राप्ति		80,000			
			अंतिम शेष		
			- नकद		
			- बैंक शेष		13,908,697
कुल		**850,157,037**	**कुल**		**850,157,037**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 को समाप्त वर्ष हेतु नकदी प्रवाह विवरण

	संचालन (आपरेटिंग) कार्यकलापों का नकदी प्रवाह		
	वर्ष के अधिशेष (घाटा)	20,861,532	
	जमा : वसूली गई पूर्वाधिक अतिरिक्त भुगतान	951,567	
	जमा : पूर्वाधिक मुख्य व्यय को राजस्व व्यय के रूप में दर्शाया गया है (वास्तुकार को रखे जाने का शुल्क भुगतान किया गया)		
	जमा : डा. वाई श्रीनिवास राव की ग्रेज्यूटी हेतु पिछले वर्ष के दौरान अधिक प्रावधान किया गया		
	जमा : डा. शोवन के. साहा की अवकाश नकदीकरण हेतु पिछले वर्ष के दौरान अधिक प्रावधान किया गया	-	
	घटा : पूंजी आस्तियों के निर्माण के लिए पिछले वर्ष अनुदान प्राप्त करने के लिए निर्धारित कोष हस्तांतरित किया जाता है		
	घटा : वित्त वर्ष 2012-13 हेतु मैस के बिलों से गलती से लिया गया मैस परिवहन शुल्क		
	घटा : वर्ष के दौरान डा. शोवन के. साहा की पेंशन हेतु पूर्वाधिक प्रावधान	-	**21,813,099**
	गैर-संचालित आय/व्यय समायोजन		
	- मूल्यह्रास	7,934,532	
	- बट्टे-खाते में डालना (छोड़ देना)	75,219	
	- ऋण पर ब्याज खर्च		
	- (ब्याज आय)	-3,397,160	
	- (परिसम्पतियों से संबंधित अनुदानों को कुछ हद तक आय और व्यय खाते में आय के रूप में माना गया है)	-	**4,612,591**
	परिवर्तन से पूर्व की वर्तमान परिसम्पत्तियों/वर्तमान देयताओं का अधिशेष (घाटा)	**4,612,591**	
	- वर्तमान परिसम्पत्तियों की (वृद्धि)/घटत	80,000	
	- वर्तमान देयताओं की (वृद्धि)/घटत	2,955,912	**3,035,912**
	संचालन कार्यकलापों से निवल राशि		**29,461,602**
	निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
	- स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/उन्हें छोड़ देना	14,618	
	- स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	-300,402,540	
	- निवेश की खरीद/बिक्री		
	- प्राप्त ब्याज	3,397,160	
	- प्राप्त लाभांश		
	- ऋण/अग्रिम एवं जमा में वृद्धि/घाटा	79,651,130	**-217,339,632**
	निवल कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
	वित्तीय कार्यकलापों का नकदी प्रवाह:		
	- वर्ष के दौरान सामान्य निधि में जमा		
	- संस्थापकों/संवर्धकों के अंशदान के रूप में अनुदान/निधि		
	- किसी दायित्व को पूरा न करने की आवश्यकता से संबंधित अनुदान/निधि	208,700,000	
	- अक्षय निधि (मूल राशि)	-	
	- दीर्घावधि उधारी से आय	-	
	- (दीर्घावधि उधारी की वापसी)	-	
	- ऋणों पर दिया गया ब्याज	-	
	वित्तीय कार्यकलापों से निवल नकदी प्रवाह		**208,700,000**
	निवल नकद की वृद्धि/घटत		**20,821,970**
	अवधि के आरंभ में नकद और नकद समकक्ष		**26,038,354**
	अवधि के समापन पर नकद और नकद समकक्ष		**46,860,324**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 1 : कायिक

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष के आरंभ में शेष	55,707,338	245,823,046
घटा : मुख्य परिसम्पतियों के सृजन हेतु प्राप्त पिछले वर्ष के अनुदान को चिन्हित निधियों में अंतरित किया गया		-188,300,000
घटा : वित्त वर्ष 2012-13 हेतु मैस के बिलों से गलती से लिया गया मैस परिवहन शुल्क		-154,426
घटा: वर्ष के दौरान हटाई गई परिसम्पत्तियों को कायिक से अलग बनाया गया	951,567	570,100
जमा : वसूली गई पूर्वाधिक अतिरिक्त भुगतान	1,359,592	5,102,576
घटा: पिछले वर्ष के लिए मूल्यह्रास संपत्ति सीपीडीए से बाहर की खरीदी	-966,274	
जमा : डा. शोवन के. साहा की ग्रेज्यूटी हेतु पिछले वर्ष के दौरान अधिक प्रावधान किया गया		1,000,000
जमा : डॉ. वाई श्रीनिवास राव, पुस्तकाल्याध्यक्ष के नकदीकरण के लिए वर्ष के दौरान किए गए छुट्टी के प्रावधान		120,048
घटा : वर्ष के दौरान डा. शोवन के. साहा की पेंशन हेतु पूर्वाधिक प्रावधान		-162,824
जमा/घटा: आय और व्यय खाते से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	20,861,532	-8,291,182
वर्ष के अंत में शेष	**77,913,755**	**55,707,338**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 2 : सामान्य निधि

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष के आरंभ में शेष	0.00	0.00
जमा: सामान्य निधि के लिए अंशदान	0.00	0.00
जमा: प्रस्तुत वर्ष में पूर्व अवधि में दी गई अधिक भुगतान की वसूली	0.00	0.00
जमा: वर्ष 2011-12 में वास्तुशिल्पियों को दी गई अतिरिक्त भुगतान जो अविष्य की समायोजिता के लिए माना गया व्यय	0.00	0.00
जमा: वर्तमान वर्ष में प्राप्त अतिरिक्त मूल अनुदान	0.00	0.00
अतिरिक्त/(घटाव): आय और व्यय खाते में अंतरित की गई आय/व्यय का निबल शेष	0.00	0.00
वर्ष के अंत में शेष	**0.00**	**0.00**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाडा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनसची - 4 : प्रतिबंधित निधियां

	निधिवार विवरण				कुल	
	एए निधि	बीबी निधि	सीसी निधि	डीडी निधि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) निधियों का आरंभिक शेष						
ख) निधियों में जुड़ाव						
i. डोनेशन/अनुदान						
ii. निधियों से किए निवेश से आय						
iii. निधियों के निवेश से अर्जित ब्याज						
iv. अन्य जुड़ाव (प्रकृति स्पष्ट करें)						
कुल (क+ख)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ग) निधियों के उद्देश्य हेतु उपभोग/व्यय						
i. मुख्य व्यय						
- स्थिर परिसम्पत्तियां						
- अन्य						
कुल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ii. राजस्व व्यय						
- वेतन, मेहनताना तथा भत्ते इत्यादि						
- किराया						
- अन्य प्रशासनिक खर्च						
कुल (ग)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष के अंत में निबल शेष (क+ख+ग)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाडा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनसची - 3 : निर्दिष्ट/चिन्हित निधियां

	निधिवार विवरण				कुल	
	मूल परिसम्पत्तियों का सृजन	बीबी निधि	सीसी निधि	डीडी निधि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) निधियों का आरंभिक शेष	360,300,000	-	-	-	360,300,000	-
ख) निधियों में जुड़ाव	-	-	-	-	-	-
i. डोनेशन/अनुदान	208,700,000	-	-	-	208,700,000	172,000,000
ii. निधियों से किए निवेश से आय	-	-	-	-	-	-
iii. निधियों के निवेश से अर्जित ब्याज	-	-	-	-		-
iv. अन्य जुड़ाव (प्रकृति स्पष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
जमा: मुख्य परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु पिछले वर्ष प्राप्त अनुदानों को चिन्हित निधियों में अंतरित किया गया	-	-	-	-	-	188,300,000
कुल (क+ख)	**569,000,000**	-	-	-	**569,000,000**	**360,300,000**
ग) निधियों के उद्देश्य हेतु उपभोग/व्यय					-	
i. मुख्य व्यय					-	
- स्थिर परिसम्पत्तियां		-	-	-	-	-
- अन्य		-	-	-	-	-
प्रक्रियाधीन मुख्य कार्य					-	12,414,315
कुल	-	-	-	-	-	**12,414,315**
ii. राजस्व व्यय						
- वेतन, मेहनताना तथा भत्ते इत्यादि	-	-	-	-	-	-
- किराया	-	-	-	-	-	-
- अन्य प्रशासनिक खर्च	-	-	-	-	-	-
कुल (ग)	-	-	-	-	-	**12,414,315**
वर्ष के अंत में निबल शेष (क+ख+ग)	**569,000,000**	-	-	-	**569,000,000**	**347,885,685**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2014 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

असुरक्षित ऋण

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-
4. बैंक	-	-
क) आवधिक ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (स्पष्ट करें)	-	-
5. अन्य संस्थाएं और एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र तथा प्रतिज्ञापत्र	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि	-	-

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 5 : ऋण/उधारी

सुरक्षित ऋण

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-
क) आवधिक ऋण	-	-
ख) अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
4. बैंक	-	-
क) आवधिक ऋण	-	-
- अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
ख) अन्य ऋण (स्पष्ट करें)	-	-
- अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र और प्रतिज्ञापत्र	-	-
7. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि	-	-

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाडा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची 6 - वर्तमान देयताएं और प्रावधान

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
ए. वर्तमान देयताएं				
1. कर्मचारियों से जमा की गई रकम				
2. छात्रों से जमा की गई रकम		9,247,500		8,494,000
3. विविध प्रकार के लेनदारी				
- कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ	10,341.00		2,950	
- शैक्षिक व्यय	103,521.00		1,449,140	
- प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	1,233,176.00		1,355,747	
- परिवहन व्यय				
- मरम्मत एवं अनुरक्षण				
- वित्त और लागत				
- अन्य	1,347,199.00		1,303,339	
- स्थिर परिसम्पत्तियां	91,130.00	2,785,367	91,130	4,202,306
4. प्राप्त अग्रिम				
5. अर्जित ब्याज परन्तु देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण/उधारी				
ख) असुरक्षित ऋण/उधारी				
6. सांविधिक (जीपीएफ., टीडीएस, डब्ल्यूसी, कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)				
क) अति देय				
ख) अन्य	0			42,646
7. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) वेतन				
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के समक्ष प्राप्तियां				
ग) प्रायोजित अध्येतावृत्तियों और छात्रवृत्तियों के समक्ष प्राप्तियां				
घ) अप्रयोज्य अनुदान				
ड.) अग्रिम अनुदान				
च) अन्य निधियां				
छ) अन्य देयताएं				
i) सुरक्षा निधि/रखे हुए नकद	2,341,790		1,491,752	
ii) पूर्व विद्यार्थी संघ की शुल्क	-		301,900	
iii) नासा शुल्क	169,490		33,580	
iv) नोस योजना शुल्क	338,586		194,586	
v) एसपीए अंडार संघ का शुल्क	235,000		235,000	
vi) छात्र सहायक निधि	367,326		264,326	
vii) छात्र संघ शुल्क	1,039,391		1,001,128	
viii)छात्रों की लौटाया जाने योग्य (प्रतिदेय) शुल्क	290,655		336,655	
ix) छात्रवृति	55,696		20,000	
x) कालातीत चेक्स	117,890		117,890	
xi) मैस अग्रिम राशि	3,650,861		4,109,689	8,108,506
xii) सीसैव पर अतिरिक्त फीस अदा	3,200			
xiii)व्यक्तिगत जमा (अतिरिक्त छात्रों द्वारा अदा की फीस)	31,404			
xiv) पूर्व-एकत्र (फीस छात्र से)	45,300			
xv) निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद	439,152			
xvi) डिजाइन और नवाचार केंद्र (डीआइसी)	1,750,000	10,875,741		
कुल (ए)		**22,908,608**		**20,845,458**
बी. प्रावधान				
1. कर हेतु				
2. ग्रेज्यूटी	3,958,690		3,395,957	
3. अधिवर्षिता/पेंशन			680,096	
4. संचित छुट्टी के बदले नकद भुगतान	3,249,433		2,160,155	
5. भुगतान योग्य व्यय				
कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ				
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय			1,338,268	
	1,259,115	8,467,238		7,574,476
6. व्यापार गारंटी/दावे				
7. अन्य (स्पष्ट करें)				
कुल (बी)		**8,467,238**		**7,574,476**
कुल (ए+बी)		**31,375,846**		**28,419,934**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तकला विद्यालय: विजयवाडा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियाँ का भाग

अनुसूची- 7 : मूल्यह्रास

विवरण	कुल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
	वर्षारंभ में लागत मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अनुवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्षांत में लागत मूल्यांकन	वर्षारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान अनुवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्षांत में कुल राशि	प्रस्तुत वर्षांत तक	पिछले वर्षांत तक
I. भूमि:	-			-				-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व	1			1				-	1	1
ख पट्टे पर	-			-				-	-	-
II. भवन:	-			-				-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि पर	-			-				-	-	-
ख) पट्टे वाली भूमि पर	-			-				-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/चैम्बर	-			-				-	-	-
घ) जो शैक्षिक संस्था की भूमि नहीं है उस पर उत्तम संरचना	-			-				-	-	-
III. प्लांट, यंत्र और उपस्कर	381,777	584,245		966,022	43,034	87,236		130,270	835,752	338,743
b)वैज्ञानिक और लैब उपकरण		1,793,381		1,793,381		134,503		134,503	1,658,878	
IV. वाहन	155,725	-		155,725	78,032	11,654		89,686	66,039	77,693
V. फर्नीचर और फिक्सचर	18,809,794	2,257,688	111,720	20,955,762	4,774,605	1,600,205	24,290	6,350,520	14,605,242	14,035,189
VI. कार्यालय उपस्कर	2,289,280	549,163		2,838,443	938,026	281,944		1,219,970	1,618,473	1,351,254
VII. कम्प्यूटर/परिवीक्षण यंत्र (पेरिफेरल्स)	18,392,131	3,462,398		21,854,529	15,396,423	3,167,780		18,564,203	3,290,326	2,995,708
VIII. बिजली संबंधी यंत्रों का प्रतिष्ठापन	3,989,834	145,989		4,135,823	540,795	357,677		898,472	3,237,351	3,449,039
IX. पुस्तकालय पुस्तकें	8,260,704	583,433	5,320	8,838,817	6,302,031	1,447,155	2,913	7,746,273	1,092,544	1,958,673
X. नलकूप और जल आपूर्ति	-			-	-			-	-	-
XI. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियां	-			-	-			-	-	-
क) निर्माण	2,267,529	403,698		2,671,227	427,716	222,031		649,747	2,021,480	1,839,813
ख) खेल-कूद	90,038	-		90,038	26,753	9,493		36,246	53,792	63,285
ए. चालू वर्ष के लिए कुल	-			-	-			-	-	-
पिछले वर्ष के लिए कुल	-			-	-			-	-	-
XII. प्रक्रियाधीन मुख्य कार्य	12,414,315	289,303,596		301,717,911	-			-	301,717,911	12,414,315
परिसम्पत्तियों को अंतरित					-			-	-	-
बी. निवल प्रक्रियाधीन कार्य								-	-	-
निश्चित संपत्ति खरीदी संचयी व्यावसायिक विकास भत्ता से बाहर								-	-	-
i) कंप्यूटर्स/बाह्य उपकरणों		2,027,433		2,027,433		1,315,851		1,315,851	711,582	-
ii)किताबें		203,198		203,198		138,249		138,249	64,949	-
II) उपकरण		447,910		447,910		127,028		127,028	320,882	-
				-				-	-	-
कुल (ए+बी)	67,051,128	301,762,132	117,040	368,696,220	28,527,415	8,900,806	27,203	37,401,018	331,295,202	38,523,713

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 8: चिन्हित/अक्षय निधि से निवेश

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में		-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		-
4. शेयर		-
5..ऋणपत्र और प्रतिज्ञापत्र		-
6. अन्य (स्पष्ट किया जाए)		-
कुल		-

अन्य निवेश

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में		-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		-
4. शेयर		-
5..ऋणपत्र और प्रतिज्ञापत्र		-
6. अन्य (स्पष्ट किया जाए)		-
कुल		-

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 9 : वर्तमान परिसम्पत्तियां

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. स्टॉक:		
क) भंडार और अतिरिक्त		-
ख) मुक्त उपस्कर		-
ग) प्रकाशन		-
2. विविध प्रकार के ऋणी.		
क) छः माह से अधिक की अवधि से बकाया ऋण	50,000	130,000
ख) अन्य		
3. नकद (चैक/ड्राफट और इम्प्रेस्ट सहित)		-
4. बैंक में शेष रकम (जैसा चिन्हित निधि में दिया गया है अथवा अन्यथा वर्गीकृत किया गया है।		-
क) अनुसूचित बैंकों के साथ		
- चालू खातों में	229,102	183,502
- आवधिक जमा खातों में	32,951,627	21,632,605
- बचत खातों में	13,679,596	4,222,248
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ :		
- चालू खातों में		-
- आवधिक जमा खातों में		-
- बचत खातों में		-
5. डाकघर - बचत खाता		-
कुल	**46,910,324**	**26,168,355**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 10: ऋण, अग्रिम, जमाएं

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित)		
क) वेतन		-
ख) त्योहार		-
ग) एल.टी.सी.		-
घ) चिकित्सा		-
ड) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)		-
2. कर्मचारियों के दीर्घ कालिक ऋण (ब्याज सहित)		
क) वाहन ऋण		-
ख) गृह ऋण		-
ग) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)		-
3. वसूल की जाने वाली अग्रिम और अन्य नकद		
क) पूंजीगत खाते पर	296,810,414	378,255,000
ख) प्रदायकों से		-
ग) अन्य	3,190	10,065
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) बीमा	7,564	-
ख) प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	1,982,062	129,966
ग) परिवहन व्यय		-
5. जमा:		
क) दूरभाष		-
ख) पट्टा भाड़ा	1,218,200	1,291,183
ग) बिजली	17,370	17,370
घ) ए.आई.सी.टी.ई., यदि लागू हो		-
ड.) एम.सी.आई., यदि लागू हो		-
च) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)		-
i) नासा जमानत राशि		-
ii) के.डी.एल.ओ. पारस्परिक सहायक भंडार विजयवाड़ा	38,474	31,620
iii) कल्पना इंटरप्राइजेज, विजयवाड़ा (गैस सिलेंडर जमानत राशि)	6,800	
6. अर्जित आय:		
क) चिन्हित/अक्षय निधि से निवेश पर		-
ख) अन्य-निवेश पर		-
ग) ऋण और अग्रिमों पर		-
घ) अन्य (अनुपयुक्त देय आय रूपये.....सहित)		-
7. अन्य प्राप्तियां		
क) प्रायोजित परियोजनाओं में विकलन शेष		-
ख) अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति में विकलन शेष		-
ग) वसूल किए जाने वाले अनुदान		-
घ) अन्य प्राप्तियां		-
8. प्राप्त किए जाने वाले दावे		-
कुल	**300,084,075**	**379,735,204**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 को समाप्त अवधि हेतु आय और व्यय की अनुसूचियों का भाग

अनसची - 11 : शैक्षिक प्राप्तियां

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
शैक्षिक		
1. शिक्षा शुल्क	9,715,730	5,686,175
2. प्रवेश शुल्क		
3. नामांकन शुल्क	302,000	218,000
4. पुस्तकालय और श्रव्य दृश्य शुल्क		
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला और क्राफट शुल्क		
7. पंजीकरण शुल्क	261,500	234,500
8. पत्रिका शुल्क	153,600	140,700
9. मुद्रण और लेखन सामग्री		
10. शैक्षिक समर्थन शुल्क	2,055,000	1,876,000
कुल (ए)	**12,487,830**	**8,155,375**
परीक्षाएं		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क		
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	40,350	60,800
3. अंक पत्र, प्रमाण पत्र शुल्क	83,920	
कुल (बी)	**124,270**	**60,800**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	9,100	
2. जुर्माना/विविध शुल्क	72,389	995,533
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवहन शुल्क	975,500	960,622
5. खेल कूद शुल्क	154,500	140,700
6. पुनः प्रवेश शुल्क	35,000	
7. छात्रावास शुल्क		
क) बिजली शुल्क	1,204,920	1,095,251
ख) चिकित्सा शुल्क	210,620	191,926
ग) कमरों का किराया	3,239,070	2,244,445
कुल (सी)	**5,901,099**	**5,628,477**
प्रकाशन की बिक्री (विक्रय)		
1. पाठयक्रम एवं प्रश्न पत्र इत्यादि का विक्रय		
2. विवरणिका (प्रवेश प्रपत्र सहित) का विक्रय	81,350	19,850
कुल (घ)	**81,350**	**19,850**
कुल योग (ए+बी+सी+डी)	**18,594,549**	**13,864,502**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2014 को समाप्त अवधि हेतु आय और व्यय की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 12 : अनुदान एवं डोनेशन (प्राप्त अचल अनुदान एवं आर्थिक सहायता)

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) केन्द्र सरकार	103,800,000	**63,000,000**
2) राज्य सरकार		-
3) सरकारी अभिकरण (एजेंसी)		-
4) संस्थाएं/कल्याण निकाय		-
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन		-
6) अन्य (विनिर्दिष्ट)		-
कुल	**103,800,000**	**63,000,000**

अनुसूची - 13 : निवेश से आय

(राशि `.)

चिहिन्त/अक्षय निधि से निवेश निधियों को अंतरित	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) ब्याज		
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-
ख) अन्य प्रतिज्ञापत्र/ऋण पत्र	-	-
2) प्राप्त आय		
क) प्रत्येक निधि अलग से	-	-
3) अर्जित आय		
क) प्रत्येक निधि अलग से	-	-
4) बैंक जमाओं पर ब्याज	-	-
कुल		
चिन्हित/अक्षय निधि को अंतरित	-	-

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 को समाप्त अवधि हेतु आय और व्यय की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 14 : अन्य आय

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ए. भूमि और भवन से आय		
1. छात्रावास के कमरे का किराया		
2. लाईसेंस शुल्क		
3. ऑडीटोरियम/मैदान/सम्मेलन केन्द्र इत्यादि का किराया प्रभार		
4. विद्युत और जल प्रभार		
कुल (ए)		
बी. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री		
सी. कार्यक्रमों के आयोजन से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल-कूद आनंदोत्सव से सकल प्राप्तियां		
घटा: वार्षिक समारोह/खेल-कूद आनंदोत्सव पर हुआ प्रत्यक्ष व्यय		
2. उत्सवों से सकल प्राप्तियां		
घटा: उत्सवों पर हुआ प्रत्यक्ष व्यय		
3. शैक्षिक दौरों से सकल प्राप्तियां		
घटा: दौरों पर हुआ प्रत्यक्ष व्यय		
4. अन्य (स्पष्ट किया जाए और पृथक रूप से दर्शाया जाए)		
कुल (सी)		
डी. सावधि जमाओं पर ब्याज		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	4,151,138	3,319,735
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ		
ग) संस्थाओं के साथ		
घ) अन्य		
कुल (डी)	**4,151,138**	**3,319,735**
ई: बचत खातों पर ब्याज		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	753,978	1,679,134
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ		
ग) संस्थाओं के साथ		
घ) अन्य		
कुल (ई)	**753,978**	**1,679,134**
एफ. ऋणों पर ब्याज		
क) कर्मचारी/स्टाफ		
ख) अन्य		
कुल (एफ)		
जी. देनदारों पर ब्याज और अन्य प्राप्तियां		
एच. अन्य		
1. परामर्श से आय		
2. आरटीआई शुल्क	130	460
3. स्वामित्व से आय		
4. आवेदन पत्र (भर्ती) की बिक्री	1,000	295,100
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र और रद्दी कागज इत्यादि की बिक्री)	1,331,688	110,267
6. परिसम्पत्तियों की बिक्री/हटाने पर लाभ:		
क) स्वामित्व परिसम्पत्तियां		
ख) अनुदानों अथवा नि:शुल्क प्राप्त परिसम्पत्तियां		
7. पूर्व अवधि की आय		
कुल (एच)	**1,332,818**	**405,827**
सकल योग (ए+बी+सी+डी+ई+एफ+जी+एच)	**6,237,934**	**5,404,696**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 को समाप्त अवधि हेतु आय और व्यय की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 15 : स्टाफ को भुगतान और लाभ

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ए) वेतन और मजदूरी		
1) संकाय	18,151,610	6,764,975
2) गैर संकाय	3,181,607	1,519,580
बी) भत्ते और बोनस		
1) संकाय	10,589,606	6,555,353
2) गैर संकाय	4,238,928	2,263,628
सी) भविष्य निधि में अंशदान		
1) संकाय	--	-
2) गैर संकाय	--	-
डी) अन्य निधियों में अंशदान (एनपीएस)		
1) संकाय	1,439,664	1,015,187
2) गैर संकाय	571,282	388,998
ई) कर्मचारियों के कल्याण व्यय		
1) संकाय		-
2) गैर संकाय		-
एफ) सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ		
1) संकाय		494,586
2) गैर संकाय		-
जी) यात्रा रियायत भत्ता		
1) संकाय	116,302	106,440
2) गैर संकाय	53,456	4,274
एच) चिकित्सा सुविधा		
1) संकाय	168,482	106,193
2) गैर संकाय	167,918	79,499
1) संकाय	277,500	201,910
2) गैर संकाय	84,183	26,492
जे) मानदेय		
1) संकाय		-
2) गैर संकाय		-
के) परिवहन/दैनिक भत्ते का व्यय		
1) संकाय		-
2) गैर संकाय		-
एल) अतिरिक्त मेहनताना		
1) संकाय	129,768	135,565
2) गैर संकाय		-
एम) छुट्टी का नकदीकरण		
1) संकाय	91,437	98,959
2) गैर संकाय	16,310	-
कुल	**39,278,053**	**19,761,639**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 को समाप्त अवधि हेतु आय और व्यय की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 17 : प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ए) बिजली और ऊर्जा	1,991,738	2,705,237
बी) जल प्रभार	278,544	302,736
सी) बीमा	53,487	53,610
डी) किराया, दाम और कर (संपत्ति कर सहित)	22,482,363	20,778,702
ई) डाक और तार	72,160	57,615
एफ) दूरभाष और इंटरनेट व्यय	1,449,702	1,298,945
जी) मुद्रण और लेखन सामग्री	375,030	558,405
एच) यात्रा और वाहन भत्ता	486,879	5,140,249
आई) संगोष्ठी/कार्यशालाओं का व्यय		-
जे) आतिथ्य	57,086	220,290
के) लेखा परीक्षकों का मानदेय	75,000	95,223
एल) व्यावसायिक प्रभार	88,538	273,708
एम) विज्ञापन और प्रचार	186,007	1,448,829
एन) पत्रिका और जर्नल		2,846,000
ओ) बैठक व्यय	1,115,483	--
पी) अन्य (विनिर्दिष्ट)		
i) आवास व्यय		306,534
ii) परिसर विकास खर्च		
iii) श्रम प्रभार		184,694
iv) संचयी व्यावसायिक विकास भत्ता		925,269
v) गृह व्यवस्था		-
vi) वार्षिक अनुरक्षण संविदा		159,207
vii) साफ्टवेयर		70,787
viii) आकस्मिकताओं	169,272	131,567
ix) डीजल व्यय		118,380
x) राजभाषा व्यय	14,800	23,038
xi) बाह्य कर्मचारी वेतन	13,598,313	11,852,663
xii) बैठक शुल्क / मानदेय		788,730
xiii) वेबसाइट विकास खर्च		-
xiv) एनपीएस प्रबंधक अंशदान		1,404,185
xv) केबल टीवी व्यय		14,325
xvi) साइन बोर्ड		44,130
xvii) केन्द्रीय रिकॉर्ड अनुरक्षण एजेंसी	6,041	5,253
xviii) फाउंडेशन दिवस व्यय	32,969	64,624
TOTAL	**42,533,412**	**51,872,935**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

31-03-2015 को समाप्त अवधि हेतु आय और व्यय की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची - 16 : शैक्षिक व्यय

(राशि `.)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ए) प्रयोगशाला व्यय	141,705	36,060
बी) क्षेत्र कार्य/सहभागिता	384,142	-
सी) संगोष्ठी/कार्यशाला	1,385,292	831,110
डी) अतिथि संकाय भुगतान(मेहनताना)	1,751,050	4,297,991
ई) परिक्षा / ज्यूरी व्यय	1,452,455	-
एफ) छात्र कल्याण व्यय	284,522	28,094
जी) प्रवेश व्यय	773,325	-
एच) दीक्षांत समारोह व्यय		-
आई) प्रकाशन		-
जे) वृतिका/साधन सह योग्यता छात्रवृति	997,350	-
के) सब्सक्रिप्शन व्यय (पुस्तकालय जर्नल्स/ एआइसीटीइ)	799,635	-
एल) सीपीडीए व्यय	173,181	
एम) मुद्रण और लेखन सामग्री व्यय	137,515	
एन) छात्र गतिविधियाँ	3,862,546	
ओ) अन्य (विनिर्दिष्ट)		-
i) पुरस्कार / अवार्ड / पदक		5,400
ii) खेलकूद के व्यय		111,971
iii) छात्रवृत्ति (गेट)		50,839
iv) मूल्यांकन शुल्क (वास्तुकला परिषद)	100,000	150,000
कुल	**12,242,718**	**5,511,465**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

अनुसूची-18 : परिवहन व्यय

(राशि `. में)

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. वाहन (शैक्षिक संस्था के अपने वाहन)		
क) चालू व्यय		-
ख) मरम्मत एवं अनुरक्षण		-
ग) बीमा व्यय		-
2. किराये/पट्टे पर लिया गया वाहन		
क) किराया/पट्टा व्यय	926,326	3,401,371
कुल	**926,326**	**3,401,371**

अनुसूची-19 : मरम्मत एवं अनुरक्षण

(राशि `. में)

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) भवन	1,380,638	1,000,571
ख) फर्नीचर और फिक्सचर	156,294	263,112
ग) संयंत्र और यंत्र	428,666	20,288
घ) कार्यालय उपस्कर	464,376	545,400
ड.) सफाई सामान और सेवाएं	240,535	287,431
च) अन्य (विनिर्दिष्ट)		-
i) बागवानी		18,775
ii) पुस्तक जिल्दसाजी व्यय	24,930	38,382
कुल	**2,695,439**	**2,173,959**

अनुसूची - 20 : वित्त लागत

(राशि `. में)

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) निश्चित ऋण का ब्याज	-	-
ख) अन्य ऋण का ब्याज	-	-
ग) बैंक प्रभार	9,796	61,699
घ) अन्य (विनिर्दिष्ट)	-	-
कुल	**9,796**	**61,699**

अनुसूची - 21 :अन्य व्यय

(राशि `. में)

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) अशोध्य ऋण/अग्रिम का प्रावधान		
ख) अवसूलीय शेष बट्टे खाते में डालना		
ग) अन्य (विनिर्दिष्ट)		
i) अर्जित छुट्टी के नकदीकरण का प्रावधान	1,410,230	83,643
ii) उपदान का प्रावधान	562,733	737,815
iii) पूर्वावधिक व्यय	102,493	-
iv) पेंशन अंशदान का प्रावधान		115,416
v) पुस्तकालय की पुस्तकों का निपटान	75,219	8,558
कुल	**2,150,675**	**945,432**

(डा. पी. कृष्ण मोहन)
कुलसचिव

(प्रो. डा. एन. श्रीधरन)
निदेशक

6th Annual Report 2014-15

Published in December, 2015
By School of Planning and Architecture, Vijayawada
Sy.No 71/1, NH 5, Nidamanuru,
Vijayawada-521104
Krishna District,
Andhra Pradesh, India.

©2015 School of Planning and Architecture, Vijayawada

Photos: © SPA Vijayawada
All rights reserved.

6th

Annual Report 2014-15

School of Planning and Architecture, Vijayawada

An Institute of Natinal Importance, Ministry of Human Resource Development, Government of India

CONTENTS

DIRECTOR'S MESSAGE 5

1) ABOUT SPAV 7-39

1.1 About the School 8

1.1.1 Academic Activities 9

1.2 Human Resources 9

1.2.1 Department of Architecture: Faculty 9

1.2.2 Department of Planning: Faculty 13

1.2.3 Administration 14

1.3 SPAV Initiatives 15

1.4 Research and Development 16

1.5 Conferences, Workshops, Seminars and Training Programmes 18

1.6 Events 26

1.6.1 Coverage of SPAV Events 29

1.7 Student Activities and Achievements 32

1.8 Infrastructure Development 33

1.8.1 SPAV Campus Development 34

1.8.2 Library 35

1.8.3 Computer Networking and Security 35

1.8.4 Computer and CAD Lab 36

1.8.5 GIS Lab 36

1.8.6 The Server Room 37

1.8.7 Material Museum 37

1.8.8 Material Testing Lab 37

1.8.9 Climatology Lab 38

1.8.10 Environment Lab 38

2) DEPARTMENT OF ARCHITECTURE 39-72

2.1 Architectural Design Studios: Briefs 40

2.2 Faculty Activities 63

2.3 Guest Lectures 65

2.4 Practical Training 65

2.5 List of Passed out Students 71

3) DEPARTMENT OF PLANNING 73-98

3.1 Planning and Design Labs: Briefs 74

3.2 Faculty Activities 94

3.3 Guest Lectures 96

3.4 Practical Training 97

3.5 List of Passed out Students 98

4) BOARDS AND COMMITTEES 99-108

4.1 Academic Council 100

4.2 Board of Studies (Architecture) 102

4.3 Board of Studies (Planning) 103

4.4 The Joint Committee of Departmental Research Committee 104

4.5 Departmental Research Committee (Architecture) 105

4.6 Departmental Research Committee (Planning) 106

4.7 Note 107

DIRECTOR'S MESSAGE

Prof. Dr. N. Sridharan
Director, SPA Vijayawada

The fiscal year 2014-15 has been a wonderful year for School of Planning and Architecture, Vijayawada. Landmark SPA Act has been passed in December 2014, by the Parliament of India, making SPA Vijayawada an institute of National Importance. This has given a huge fillip to our functioning and also to our students. Council of Architecture also recognized our degree and enrolled Bachelor's in Architecture students in their register. This would not have been possible but for the sincere efforts of our faculty and staff. SPA-Vijayawada, to establish its name regionally, adapted two villages in District Krishna, Andhra Pradesh. Our Master's students in Planning prepared a detailed village development plan for these two villages through participatory planning process, which was acknowledged and accepted by the village population. Along with IIT- Mumbai, SPAV also initiated Design and Innovation Centre under which lot of activities took place including organizing a National Level Heritage Day in which books on architecture and tourism were released. Our students brought laurels to SPAV through their effective presentation in emerging topics of acoustics, energy etc., at the National and International level in India and abroad. SPAV also organized two

national level seminars jointly with Institute of Town Planners' India, SPA-Bhopal and University of Mysore. It was an important year for SPAV during which many of our faculty members were nominated for various committees of the State Government of Andhra Pradesh and the Central Government as technical members and advisers. Our faculty members were invited by the State Government to participate in the Capital City Building exercise several times and their contributions were well received and incorporated in the plan making. Our faculty members also presented their pioneering work in various sub-fields of architecture and planning in many national and International conferences, which were well received. The trust that the State Government developed with SPAV is such that SPAV has been advising in various capacities, on many important issues of new State's development from that of landscape development to tourism and urban development. During the year 2014-15, construction of buildings in the allotted site began after receiving all the clearances. It is progressing slowly but steadily and we hope the construction will be completed in 2016. Though we have been facing the twin pressure from the requirement of accommodation for new capital functions and also from internal pressure of accommodating our students in hostels, thanks to our faculty networking we were able to ably overcome the problem in accommodating our academic and accommodation issues. Having achieved a local standing and national standing, SPAV would like to expand in the field of urban design, sustainable architecture, project and construction management, and in various specialized planning fields. Hope in the years to come it will build up on its strength to achieve greater heights.

About SPAV

- About the School
- Human Resources
- SPAV Initiatives
- Research and Development
- Conferences, Workshops, Seminars and Training Programmes
- Events
- Student Activities and Achievements
- Infrastructure Development

1.1) ABOUT THE SCHOOL

School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV) is as an autonomous institution established on July 7, 2008 by the Ministry of Human Resource Development, Government of India to promote education and research in the fields of Planning and Architecture. Under the School of Planning and Architecture Act, 2014, the School has been declared as an institution of national importance paned by the government of India.

1.1.1) Academic Activities:SPAV's special focus is on sustainability. The academic focus and approach is a unique blend of design, creativity and objectivity with a social purpose. Students not only learn the skills required, but are also exposed to thought-provoking and intellectually inspiring sessions, through studios, field trips and research projects, which brings out the creative best in them. The institute promotes research with a vision to develop independent and scholarly contribution to the progress of the body of knowledge. SPA Vijayawada offers undergraduate, post graduate and doctoral programmes for achieving excellence in the fields of Planning and Architecture. Presently the School runs two departments (1) Department of Planning and (2) Department of Architecture. A total of two Undergraduate Degree programmes, three Postgraduate degree and Doctoral programmes are being offered. Two undergraduate programmes: one in each of the two departments was started in the academic year 2008-09. Three post graduate programmes: Master of Planning (Environmental Planning and Management) was introduced in the academic year 2013-14, Master of Planning (Urban and Regional Planning) and Master of Architecture (Sustainable Architecture) were introduced in the academic year 2014-15.

1.2) HUMAN RESOURCES

Prof. Dr. N. Sridharan
Director
Ph.D (Melbourne), PG Diploma FM, MURP, PGDTCP
Email: sri-director@spav.ac.in

Prof. Dr. Ramesh Srikonda
Dean of Studies (since March 2015)
Professor and Head, Department of Architecture
Ph.D., PGDEE, MTP, B.Arch
Email: ramesh.srikonda@spav.ac.in

Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed
Dean of Studies (till March 2015)
Professor and Head, Department of Planning
Ph.D (Australia).,M.A,M.Phil(Soc).,M.T.P,PMADPS, PGDHRM., Executive Master in e-Governance (EPFL,Switzerland)
Email: razak@spav.ac.in

1.2.1) Department of Architecture: Faculty

Vijayanand Udayakumar
Associate Professor
M.Arch, B.Arch
Email: vijayanand.udaya@spav.ac.in

Venkata Krishna Kumar Sadhu
Associate Professor
M.Planning (Housing), B.Arch
Email: krishnakumar.sv@spav.ac.in

Nagaraju Kaja
Chief Warden & superintendent of Exams, Assistant Professor
PGDESD, M.E. (Construction Management), B.Arch
Email: nagaraju.kaja@spav.ac.in

Anil Kumar Chilakapati

Assistant Professor
M.Arch, B.Arch
Email: anil.ch@spav.ac.in

Ranga Naga Satyanarayana Murthy

Assistant Professor
M.Plan (Environmental Planning), B.Arch
Email: murthy.rns@spav.ac.in

Karteek Guturu

Assistant Professor
M.Arch (Urban Design), B.Arch
Email: karteek.g@spav.ac.in

Kranti Kumar Myneni

Assistant Professor
M.Sc. (Construction Management), B.Arch
Email: kranti.myneni@spav.ac.in

Srinivas Daketi

Assistant Professor
M.Plan (Housing), B.Arch.
Email: srinivas.d@spav.ac.in

Jagath Kumari D

Assistant Professor
ME (Structural Engg. & Natural Disaster Management), BE (Civil Engg.),MIE.
Email: kumari.dungi@spav.ac.in

Punyo Chobin

Assistant Professor
MFA (Painting), BFA.
Email: punyo.c@gmail.com

Faculty (Adhoc)

Dr. Tathagata Chatterji

Professor
Ph.D (Queensland), M. Arch (Urban Design),B. Arch.
Email: tathagata@spav.ac.in

Dr. K.S. Rakesh

Professor
Ph.D, M.Arch., B.Arch.
Email: rakesh@spav.ac.in

Dr. Uma Sankar Basina

Associate Professor
PhD (IIT-Kgp), M.Tech, B.Arch.
Email: us.basina@spav.ac.in

Dr. Bharati Mohapatra
Associate Professor,
PhD, M.Arch (Urban Design), B.Arch.
Email: bharati.m@spav.ac.in

Dr. Abhijit Paul
Associate Professor
Ph.D. (USA), M. Arch, B.Arch
Email: paul@spav.ac.in

Dr. R. Kalaiselvi
Assistant Professor

Integrated PhD (MS & PhD), B.Arch.
Email:kalaiselvi@spav.ac.in

Kiranjith Sivavalsan

Assistant Professor
M.Plan (Urban and Regional Planning), B.Arch
Email: kiranjith@spav.ac.in

G. Sai Sanath

Assistant Professor
M.Tech (Urban and Regional Planning), B.Arch.

Email: sanath@spav.ac.in

Jonu John Thomas

Assistant Professor
M.Plan (Urban Planning), B.Arch.
Email: john.thomas@spav.ac.in

Milind Ashok Kamble

Assistant Professor
M.Arch (Urban Design), B.Arch
Email: milind.kamble@spav.ac.in

Dr. Faiz Ahmed

Assistant Professor
PhD., M.Plan, MURP (France), B.Arch.
Email: faizahmed@spav.ac.in

B.N Keerthi Naidu

Assistant Professor
M.Arch (Environmental Arch), B.Arch.
Email: keerthi@spav.ac.in

Shaila Bantanur

Assistant Professor
M.Arch, B.Arch.
Email:shaila.sb@spav.ac.in

Prashanti Rao

Assistant Professor
M.Plan (Urban Development and Planning), B.Arch.
Email:prashanti_swe@spav.ac.in

M. Banu Chitra

Assistant Professor
M.Arch (Landscape), B.Arch.
Email:banuarchi@spav.ac.in

Bharathi .S

Assistant Professor
M.Plan (Urban Planning), B.Arch.
Email:bharathi.s@spav.ac.in

Manavi Suneja

Assistant Professor
M.Arch (Landscape), B.Arch.
Email:manavi@spav.ac.in

Kirthi Chandra

Assistant Professor
M.Arch (Land Scape), B.Arch.
Email:chandra@spav.ac.in

1.2.2) Department of Planning: Faculty

Dr. Natraj Kranthi
Associate Professor
Ph.D, M.U.R.P., B.Arch
Email: natraj@spav.ac.in

Dr. Ayon Kumar Tarafdar
Associate Professor
Ph.D ((NTNU Norway), MS-UEP (Norway), B.Plan (SPA Delhi).
Email: ayon.tarafdar@spav.ac.in

Valliappan AL
Assistant Professor
M.Plan (Housing), B.Arch.
Email: valliappan.al@spav.ac.in

Prasanth Vardhan
Assistant Professor
M. Plan(Infrastructure Planning), B. Plan
Email: prasanth@spav.ac.in

Maqbool Ahmed
Assistant Professor
M.Plan (Urban Planning), B.Plan.
Email: maqbool@spav.ac.in

Shweta Sharma
Assistant Professor
MSc. (Transport Planning), M.Tech (Urban and Regional Planning).
Email: shweta@spav.ac.in

Faculty (Adhoc)

Aparna Soni
Assistant Professor
M.Plan (Urban and Regional Planning), B.Arch
Email: aparna@spav.ac.in

Raktim Ray
Assistant Professor
M.Plan (Housing), M.Sc (Geography)
Email: raktimray@spav.ac.in

Soumi Nag
Assistant Professor
M.Plan (Housing), M.Sc (Geography)
Email: souminag@spav.ac.in

1.2.3) Administration

Dr. P. Krishna Mohan
Registrar

Shri D. Venkata Rama Mohana Rao
Deputy Registrar

Smt. Ch. Sailaja
Assistant Registrar

Dr. Y. Srinivasa Rao
Deputy Librarian

Shri P.V.S. Shyam Kumar
Assistant Registrar

Shri K Malaivel Govindan
System Administrator

Shri P. Pramod
Assistant Engineer cum Project Officer (Civil)

Shri M Janardhan Reddy
Multi Skill Assistant

Ms. Neelam Bhatt
Multi Skill Assistant

Shri P. Leela Vara Prasad
Accountant

Shri V.Pavan Kumar
Accountant

Shri N. Rajeev
Junior Engineer (Civil)

Shri Venkata Narayana Valluru
Lab Assistant

1.3) SPAV INITIATIVES

To expose our students to best practices in the world, SPAV entered into Memorandum of Understanding (MoU) with several reputed national and international institutions for student and faculty exchange programmes.

1. MoU with IIT Bombay was signed on March 24, 2015 and SPAV acts as a spike to IIT Bombay for Design and Innovation Center under which several activities are being carried out.
2. Agreement of cooperation with Hafencity Universitat, Hamburg, Germany was signed on December 03, 2014.
3. MoU with the National Remote Sensing Centre (NRSC) was signed on October 30, 2014, for developing institutional mechanism to enable proficient support on Bhuvan-NUIS to the Urban Local Bodies (ULBs) and other authorities/ agencies engaged in preparation of spatial plans.
4. MoU with Ecole Bleue Paris: International Design School Exchange Program, Paris, France was signed on April 14, 2014.

1.4) RESEARCH AND DEVELOPMENT

SPA Vijayawada has been constantly working to achieve excellence in the fields of planning and architecture through its research and development. In line with this, it has been carrying out research activities and established design centre.

a) The Design and Innovation Centre was established at SPA Vijayawada to function as a centre of learning and innovation for contributing towards promotion and enrichment of traditional arts and crafts in the South Eastern parts of India. It is part of the National Design and Innovation programme by MHRD, and SPAV acts as a spike to IIT Bombay, which is a hub. Through this centre, SPAV has identified the unique heritage, art and handicrafts of Andhra Pradesh, neighbouring states of Karnataka, Odisha, Kerala and Tamil Nadu. SPAV intends to lead this traditional art to the next level without changing its identity, and create a knowledge base and platform for artisans and students. Under this center, SPAV in partnership with Kalamkari industry has come out with a unique series called 'Buddha Series'. This is a unique concept of taking the ideas from our archaeological heritage and converting them into beautiful designs. SPAV has set up the country's first Village museum through people's participation in a village called Mukkulapadu in District Krishna. It is in the process of designing the building and exposition center for this in front of the Panchayat office of that village.

b) SPAV took up a research project from the Building Materials and Technology Promotion Council (BMTPC) for documenting the typology of housing in Andhra Pradesh and for providing suitable design based on agro-climatic regions for the

construction of affordable housing through adopting innovative building materials technologies.

c) A research project for the preparation of Regional Plan for Kolhapur district for the Town Planning Department, Kolhapur was given to SPAV.

d) SPAV designed a logo 'FIR at Doorstep' and façade for the Commissioner of Police, Vijayawada.

e) SPAV has been requested to prepare the Green Master Plan for Vijayawada and as a third party, monitored the implementation of the Green corridor between the airport and the city.

f) SPAV along with other SPAs is also starting another Design and Innovation Centre to carryout Design & Innovation in Housing materials and other products.

1.5) CONFERENCES, WORKSHOPS, SEMINARS AND TRAINING PROGRAMMES

SPA Vijayawada made important efforts in positioning itself both locally, nationally and internationally by organizing series of workshops, seminars, conferences and guest lectures.

February 21, 2015 — Workshop on 'Access to Online Resources: Way for Education, Research and Innovations (AORERI-2015)' at SPA Vijayawada was conducted to promote academic and research culture among the faculty, researchers and students.

November 21-23, 2014 — International Conference on 'Town and Country Planning Education: Retrospect and Prospect' jointly organized with other SPAs, ITPI and University of Mysore.

November 19, 2014 — International Seminar on 'Shaping our Cities for Smart, Inclusive and Sustainable Future', organised by SPAV in Vijayawada.

September 16, 2014

International Workshop on 'Urban Green and Blue'. The workshop objective was to address concerns towards water bodies and open spaces in urban areas. Students and Faculty from University of Cologne, Germany and SPAV participated in the workshop, which was followed by a visit to the riverfronts and ecologically sensitive areas around Vijayawada city.

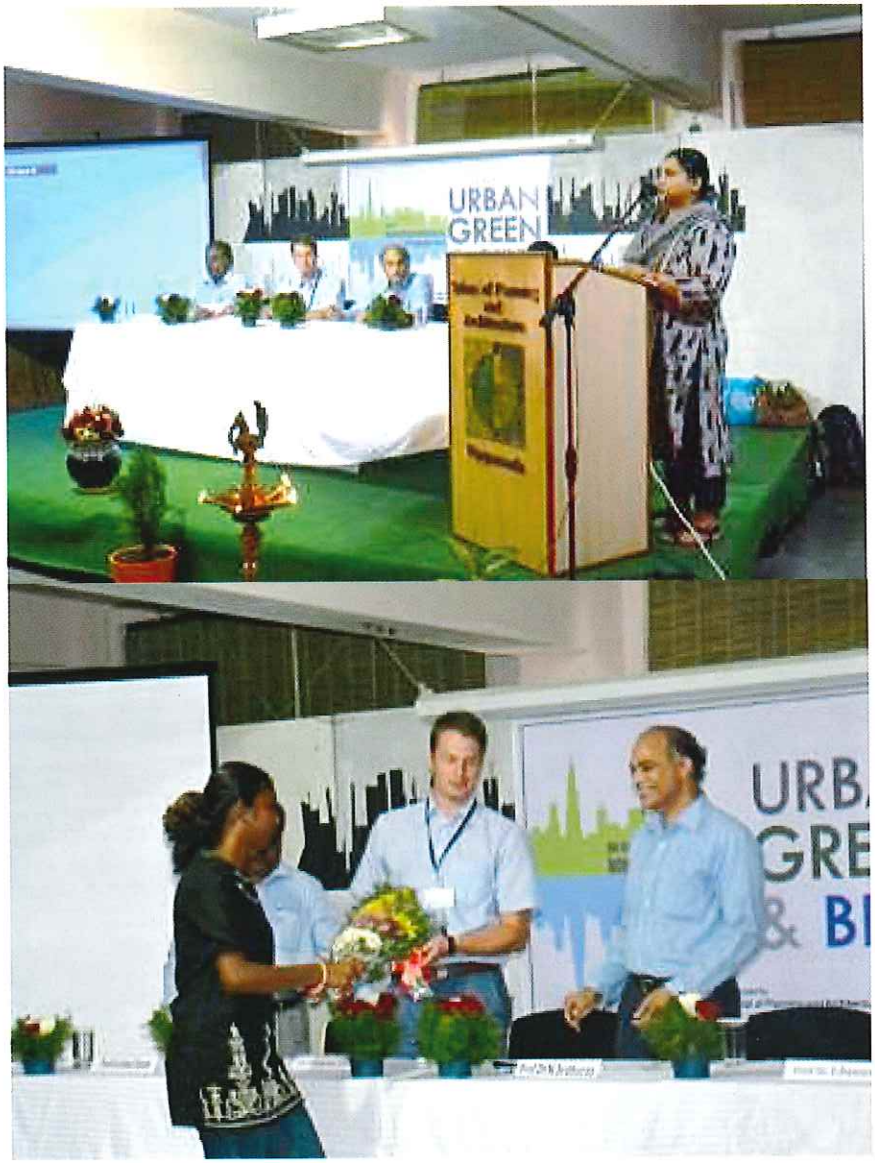

August 04-05, 2014

National Conference on 'Scholarly Communication and IntellectualProperty Rights (SCIPR-2014)' to create awareness among researchers on communication, copyrights and intellectual rights.

July 04, 2014

One day workshop was convened for professionals from the field, by SPAV, along with Building Materials and Technology Promotion Council (BMTPC) and Development Alternatives (DA) to discuss the barriers in adoption of innovative building materials technologies and their mitigation by extending support to state agencies in planning and construction of affordable housing.

May 23–24, 2014

A two day National Workshop was organised by SPAV at Gateway Hotel, Vijayawadaon Architecture Pedagogy. Ar.Uday C. Gadkari, President-CoA was the Chief Guest for the programme. This workshop facilitated the knowledge sharing among architecture academia and added a new dimension to teaching techniques in architecture in SPAV.

April14–15, 2014

An International Workshop on Architectural Pedagogy was conducted by SPAV. The workshop included participants from Ecole Bleue School of Design, Paris, France.

April 11-13, 2014

A two and a half day workshop was held for faculty of SPAV by Shri MN Ashish Ganju and Shri Narendra Dengle who jointly authored an essay titled'The Discovery of Architecture -a contemporary treatise on ancient values and indigenous reality'. The workshop attempted to engage with teachers of architecture and planning to begin a process of inquiry leading towards the configuration of a new pedagogy with our own voice. It was an experimental venture, and had creative responses from all the participants.

1.6) EVENTS

The School organized and celebrated various events of national and international importance such as World Heritage Day, Good Governance Day, SPAV Foundation Day, Independence Day, Republic Day, World Habitat Day, International Students' Day, National Education Day, National Unity Day, Swachcha Bharath Abhiyan. In addition, various cultural programmes under the SPIC MACAY programme were organised, which were enthusiastically attended by students, staff and people of Vijayawada. Following is a gallery of photographs showing the events conducted:

SPIC MACAY – Sarangi recital by Shri Ustad Kamal Sabri, January 20, 2015

Commissioner of A.P Capital Region Development Authority at SPAV works exhibition, January 06, 2015

Student in "Popularisation of Thiruvalluvar's Message" programme at SPAV, January 29, 2015

Good Governance Day celebration on the occasion of the birth anniversary of Shri Atal Bihari Vajpayee, December 25, 2014

International Students Day, November 17, 2014

National Education Day on the occasion of the birth anniversary celebrations of Shri Maulana Abul Kalam Azad, November 11, 2014

SPAVFoundation Day Celebration, November 04, 2014

National Unity Day on the occasion of the birth anniversary celebrations of Shri Sardar Vallabhai Patel

Swachch Bharat Abhiyan, Tree Plantation at SPAV, October 22, 2014

World Habitat Day celebrations, October 18, 2014

Swachch Bharat Abhiyan, October 02, 2014

Interactive Meeting on Smart Cities with Hon'ble Union Minister for Urban Development Sri Venkaiah Naidu, September 15, 2014

SPIC MACAY-Tholu Bommalata, August 19, 2014

Independence Day celebrations, August 15, 2014

CSAB-2014 Counselling at SPAV, June 06, 2014

INYAN 2014, April 10, 2014

1.6.1) Coverage of SPAV Events

THE HINDU

Cities » Vijayawada

Published: August 5, 2014 01:03 IST | Updated: August 5, 2014 01:03 IST

'Communication as important as invention'

V. Raghavendra

Architecture students at the National Conference on Scholarly Communication and Intellectual Property Rights in Vijayawada on Monday - Photo: Ch. Vijaya Bhaskar

The importance of making 'scholarly communication' of research projects in such a way that they qualify for patents and other forms of protection of Intellectual Property Rights (IPR) was the highlight of discussions at a National Seminar on Scholarly Communication & IPR (SCIPR-2014), organised by the School of Planning & Architecture (SPA) here on Monday.

Participating as the chief guest, A.K. Garg, Director (IPR Division) of the Department of Electronics and Information Technology (DeitY), said protecting traditional knowledge systems was very important, as not only the ideas behind inventions but also the hard work that made them a reality needed to be safeguarded if the 'assets' (patents) were to be built upon.

"There should be no qualms in learning lessons from countries that capitalised on certain knowledge systems by getting them patented even before the original inventors realised the tremendous value that their products command across the globe," he said.

The difference is in the nature of IPR regimes in respective countries and how the IPR is successfully commercialised, Mr. Garg said and added that scholarly communication (writing patent applications) was at the core of the issue.

Prof. Srinivas Pentyala of Stony Brook Medical College, New York, said promotion and protection of intellectual property would spur economic growth and encourage commitment of additional resources for further innovation.

According to SPA Director N. Sridharan, implementation of proper evaluation systems at every level of research and development is needed to avoid duplication and plagiarism and to ensure quality in publications. By doing so, IPR, including copyright, patent, design and trademark, could be protected effectively.

K. Satyanarayana, Senior Deputy Director-General of the Indian Council of Medical Research; A.L. Moorthy, Chief Consultant (Information Science) of BrahMos Aerospace; SCIPR Chairperson Abdul Razzak Mohamed and V. Vishwa Mohan, Professor and Chairman of Board of Studies (Library & Information Science) at Osmania University participated.

Keywords: Communication important as invention, Architecture students at the National Conference on Scholarly Communication

Printable version | Aug 6, 2014 3:02:05 PM | http://www.thehindu.com/news/cities/Vijayawada/communication-as-important-as-invention/article6281202.ece

National Conference on Scholarly Communication and Intellectual Property Rights on August 04 and 05, 2014 (The Hindu, August 06, 2014)

నయన మనోహరం...

పుంజాలా కూచిపూడి నృత్యం

కృష్ణలంక, న్యూస్‌టుడే: భారతీయ నృత్య రీతులన్నింటిలోకి కూచిపూడి నృత్యం ఎంతో విశిష్ట ప్రాధాన్యాన్ని సంతరించుకుందని ప్రముఖ కూచిపూడి నృత్య కళాకారిణి డాక్టర్ అలేఖ్య పుంజాలా అన్నారు. సోమవారం సిద్ధార్థ ఆడిటోరియంలో స్పిక్ మాకే, స్కూల్ ఆఫ్ ప్లానింగ్ అండ్ ఆర్కిటెక్చర్- విజయవాడ, కేంద్ర మానవ వనరుల అభివృద్ధి శాఖ సంయుక్త నిర్వహణలో విరాసత్-2014 కార్యక్రమంలో భాగంగా పుంజాలా కూచిపూడి నృత్యాన్ని ప్రదర్శించి అలరించారు. ఈ సందర్భంగా పుంజాలా మాట్లాడుతూ ఇతర శాస్త్రీయ నృత్యాలతో పోలిస్తే కూచిపూడి నృత్యంలో ముద్రల ప్రాధాన్యం అధికంగా ఉండటంతో ప్రత్యేక సౌందర్యాన్ని సంతరించుకుందన్నారు. ప్రదర్శనకు వినోద్ కుమార్, శ్రీనివాస్, రాజు తదితరులు వాద్య సహకారాన్ని అందించారు. అంతకు ముందు జరిగిన ప్రారంభ సభలో స్పిక్ మాకే డైరెక్టర్ శ్రీధరన్ మాట్లాడుతూ భారతీయ నృత్యాన్ని విశ్వవ్యాప్తం చేసే కృషిలో భాగంగా సంస్థ పనిచేస్తున్నట్లు వివరించారు. ఫ్రాన్స్, జర్మనీ దేశాలకు చెందిన స్పిక్ మాకే ప్రతినిధులు కార్యక్రమంలో పాల్గొన్నారు.

Dance Programme – SPIC MACAY – Dr.Alekhya on September 15, 2014 (Enadu, 16 September 2014)

Ustad Kamal Sabriji performs Sarangi recital at Siddhartha auditorium organised by School of Planning and Architecture and Spic Macay in Vijayawada on Tuesday. – DECCAN CHRONICLE

SPIC MACAY - Sarangi recital by ShriUstad Kamal Sabri(Deccan Chronicle, January 21, 2015)

THE HINDU

Cities » Vijayawada

Published: August 20, 2014 00:19 IST | Updated: August 20, 2014 00:19 IST

Leather puppetry keeps SPA students spellbound

SPIC MACAY - Tholu Bommalata (The Hindu, August 20, 2014)

Design of Capital Complex 'Capital Complex: Tomorrow's Hope' by the Students of SPAV (Sakshi, February 06, 2015)

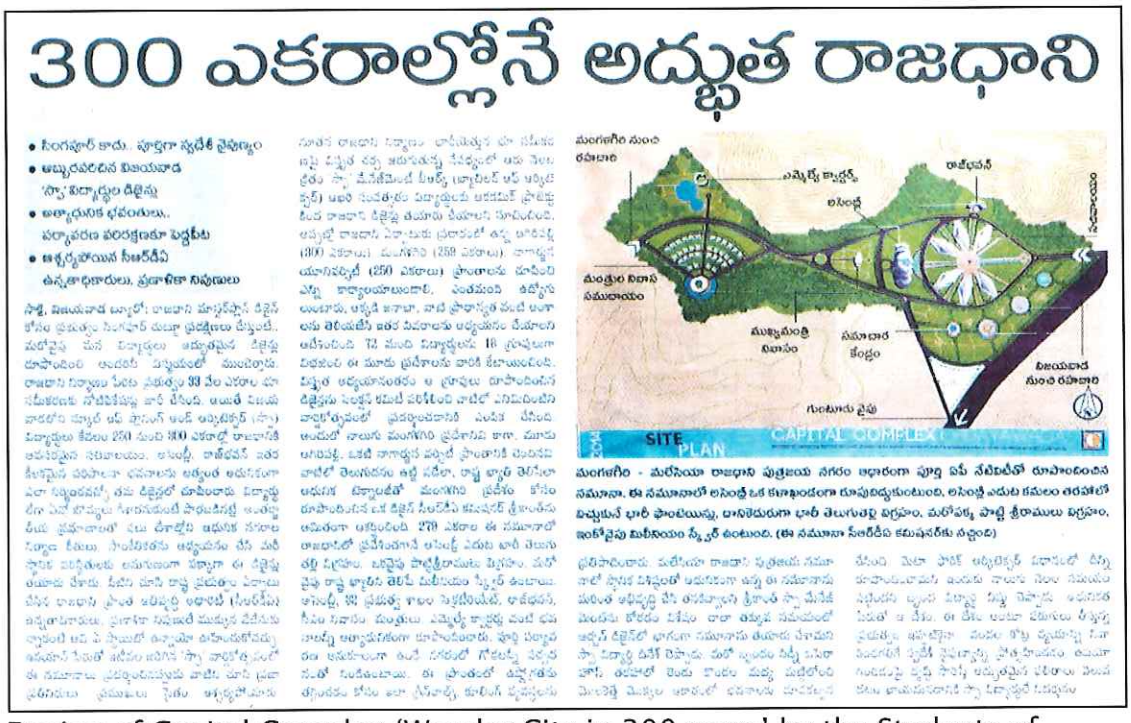

Design of Capital Complex 'Wonder City in 300 acres' by the Students of SPAV (Sakshi, February 05, 2015)

Make cities smarter, says former Union Secretary

'Emphasis should be on recycling and reuse of waste water and solid waste'

Staff Reporter

VIJAYAWADA: Smart cities should create wealth and employment while protecting natural resources, said former Secretary of Ministry of Urban Development Sudhir Krishna.

School Planning and Architecture (SPA), Vijayawada, organised an international seminar on "Shaping our Cities for Smart, Inclusive and Sustainable Future", here on Wednesday.

Addressing the participants, Mr. Krishna said that urban development would create wealth and riches. But, urbanisation was far less in India compared to other developed countries.

Cities should be developed into hubs for economic growth. Per capita income and economic growth would be less if urbanisation was less, he said adding focus should be on making cities smarter besides ensuring efficiency, transparency, sustainability, inclusiveness and additional features like safety. Urbanisation posed some challenges too. Financing urban infrastructure was a major challenge, but raising tax levels should be explored as the last option. Financial resources could be augmented through levying user charges and selling recycled waste etc., he said.

Stressing on improving urban infrastructure, particularly solid and other waste management and water supply, Mr. Krishna said that planners should work towards zero waste and zero landfill. The plan should encompass waste reduction, composting, recycling and reuse among other things.

Emphasis should be on recycling and reuse of waste water and solid waste generated in the cities. In a zero waste approach, waste management should not be left only to politicians and technical experts, rather, everyone should own up responsibility, he added.

SPA Director N. Sridharan, Dean and Head of the Department (Planning) Abdul Razzak, Head of Department (Architecture) Ramesh Srikonda and others spoke.

The seminar deliberated on planning sustainable urban development, inclusion-exclusion; people, participation and policies, smart infrastructure and smart cities. The SPA students made a presentation on capital city regions and capital complex (3D walk through).

School of Planning and Architecture Director Sridharan explaining a model prepared by the institute on the Capital region to former Union Secretary Sudhir Krishna in Vijayawada on Wednesday. — PHOTO: V. RAJU

Visit of Shri Sudhir Krishna, Former Secretary, Ministry of Urban Development (The Hindu, November 20, 2014)

THE HINDU

National » Andhra Pradesh

Published: September 17, 2014 01:25 IST | Updated: September 17, 2014 01:

'Greenfield development to have long-term impact on climate'

M. Srinivas

International Workshop on 'Urban Green and Blue' on September 16, 2014 (The Hindu, September 17, 2014)

1.7) STUDENTS ACTIVITIES AND ACHIEVEMENTS

SPAV students participated in many competitions in the country and won prizes making the visibility of SPAV across the country. Our students have got internship in companies abroad for their skill improvement training.

Students of SPAV continue to shine in various fields related to sports, academics and extra-curricular activities. Rohit Mondal and B. Sai Prasad, students of Bachelor of Architecture (3rd year), based on their research in SPAV, presented their paper entitled 'Subjective evaluation of the acoustical performance of untreated and partially treated lecture halls', in the International Conference on Acoustics held in Shanghai in China during 2014-15, and won laurels for themselves and the institution. Following is a gallery of photographs showing the students' activities conducted:

INYAN 2015 -Annual Day, February 01, 2015

ONAM Festival Celebrations

Janmashtami Celebrations

Sports Week

INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT

1.8.1) SPAV Campus Development - The proposed campus is spread across an area of 9.66 acres with a total built up area of 53,578 sqm. The campus comprises of Academic and Administrativeblock with a built up area 29,246 sqm (Including basement with 200 nos. car parking and 500 nos. two wheeler parking), Dining cum Visiting faculty block with a built up area 4,243sqm (High rise building), Boysand Girls hostels with a built up area 20,089 sqm (Low rise blocks) accommodating about 777 students. The overall project cost is estimated to be 148 crores. The campus buildings also include state of the art laboratories, workshops, central library, conference rooms and an auditorium of 600 capacity.

Status of SPAV campus development project: Student Hostels: Hostels were tendered on March 15, 2014 and the work at site commencedon August 28, 2014.The Hostel blocks are scheduled to be completed by February 16, 2016. As on March 31, 2015, 25 % of the work for hostels is completed, including casting of piles and pile caps. Backfilling and super structure work is in progress.

Academic block and Dining cum Visiting Faculty Block: Piling work for Academic and Dining blocks was tendered on August 08, 2014 and the work at site commenced on October 14, 2014. By the end of February 2015 piling work was completed. The super structure was tendered on October 17, 2014 and the work at site commenced on March 23, 2015 and March 10, 2015. Academic block and Dining block are scheduled to complete by November 11, 2016 and July 01, 2016 respectively.

As on March 2015, 14 % of the work for Academic and Dining block is completed, pile caps and water proofing for RCC Raft are in progress. The overall percentage completion of SPAV campus development project as on March 31, 2015 is 16% which includes Hostels, Academic and dining block.Honourable Union Minister for Urban Development Sri M.Venkaiah Naidu visited the Construction site and enquired about the progress of the work on January 04, 2015.

1.8.2) Library - With a mission to support academic and research activities through provision of physical and intellectual access to the information, SPAV library is playing an integral part of academic system with a primary function of serving students, researchers, faculty and staff. At present, the library has a collection of around 4000 books and more than 122 periodicals (both print and electronic). The library is well connected to both WiFi and Broad Band internet connectivity and provides digital library services. It has integrated library management software (Libsys 7 and Web-based Public Access Catalogue) for check-in, check-out, renewal and reservation of library resources. SPAV library is also developing a consortium with other SPAs for online journals and books platform.

1.8.3) Computer Networking and Security - SPAV has an advanced computer lab providing wireless network to students, faculty and staff. The LAN caters to approximately 800 users at a time, along with wireless network. For the safety and security, SPAV has established Biometric Entry System supported by CCTV cameras. An A-View (Audio Visual) room is provided for e-learning service for students and faculty members. Power back up is provided through a 31 KV centralized UPS and Generator system.

1.8.4) Computer and CAD Lab - The computer application/CAD lab is fully equipped with 24 workstations. High configuration of these computers with licensed updated AutoCAD software enables the students to perform high efficient designs. The computer/AutoCAD Lab has two plotters. The software in the Lab includes among other things, AUTOCAD, AUTODESK 3D MAX, AutoDESK Rewit, and Security Softwares.

1.8.5) GIS Lab - A GIS Lab was set up in the Planning department with 10 high end workstations installed with latest licensed versions of GIS softwares such as ArcGIS Desktop, Erdas Imagine and Imagine Photogrammetry. It is equipped with the GPS instruments, Topo Mouse, Stereoscopic equipments and Wireless Glasses.

1.8.6) The Server room – It is equipped with LAN network with a full duplex Gigabit Ethernet backbone offering an aggregate bandwith of One GBPS between different switches using single mode fiber. All faculty members were provided with Desktop with a common printer facility. All the four hostels (boys and girls) are also Wi-Fi enabled.

1.8.7) Material Museum - A material museum was established for the display of various types of construction materials.

1.8.8) Material Testing Lab - The School has established a full-fledged material Lab with all the equipment for testing various construction materials.

1.8.9) Climatology Lab -This lab was setup in 2014 with latest equipment such as Hot Air Oven, Hot Plate, Incubator, Muffle Furnace, Connectivity Meter, FPM Compressor, Heating Mantle, Water Bath, Photometer, Analyser, etc.

1.8.10) Environment Lab - An Environmental Monitoring Lab was developed with state of the art equipments to test levels of pollution on water, air and soil samples. The lab was setup with an intention to equip the students of planning for quantifying environmental changes with respect to urban dynamics. The lab serves as one of the main subjects to M.Plan (EPM) students. It is also relevant to various studio projects at Bachelors level. It is in the process of further augmentation to become a full-fledged centre of research and consultation in the region.

Department of Architecture

- Architectural Design Studios: Summary
- Faculty Activities
- Guest lectures
- Practical Training
- List of Passed out Students

2.1) ARCHITECTURAL DESIGN STUDIO: SUMMARY

B.Arch (Semester-1): Basic Design

Studio Faculty: D. Srinivas, Sai Sanath, Anil Kumar Ch, Punyo Chobin (Artist)

Outline: Problems related to the understanding of the elements of architectural design, concepts of space and form and their perception. Parameters of design, Anthropometrics, human activity and the use of space, interrelationship of Architectural space to form, structure, and materials and to nature as a contextual setting.

First Semester Architectural Design concentrates on dealing with development of design thinking process. As these students have entered into field of architecture, which is professional and deals with both art and science, they have to be trained in basic design and develop skills in design thinking process. The students are assigned with various studio exercises to improve their skills in designing and introduce them to professional thinking.

Collage

Collage is a technique of an art production, primarily used in the visual arts, where the artwork is made from an assemblage of different forms, thus creating a new whole. A collage may sometimes include newspaper clippings, ribbons, bits of colored or handmade papers, portions of other artwork or texts, photographs and other found objects, glued to a piece of paper or canvas.

Principles of Basic Design

Students were exposed to problems related to the understanding of the principles and elements of architectural design, concepts of space and form and their perception. Students were inspired to learn about the "GRID" as an important tool in organizing architectural spaces. On the given Grid, the students were required to work, develop patterns in pencil, black-and-white and colour on A4 size sheets.

Colour

As one of the key elements of Visual Art, Colours (and textures) enhance our visual experience-not only because of their obvious embellishment value, but also because of their spatio-plastic behaviour. Colours and textures must also be matched well with each other and with the form that they would together embellish, for maximum visual impact. The students presenting various assignments on colours worked on standard colour schemes viz., a) Monochrome,

b) Analogous, c) Complimentary d) Split complimentary, e) Near complimentary and f) Triad.

The task was to comprehend relationship between two-dimensional drawings and three dimensional forms. Students had to come out with design options within square grid of nine squares. Each square is 3m x 3m. They had to start exploring the grid three-dimensionally till they achieved a comprehensive aesthetic design composition from the grid.Final design was supported with a demonstrative model.

Students were also required to study at least two buildings and explain the principles of Design with and present a portfolio. Examples of buildings from their hometown, famous buildings or any other buildings were taken into consideration. Students had to synthesise the observations in the study of a given space through elementary measured drawings, sketching and photography. Subsequently, they were required to design an architectural form with a specific function.

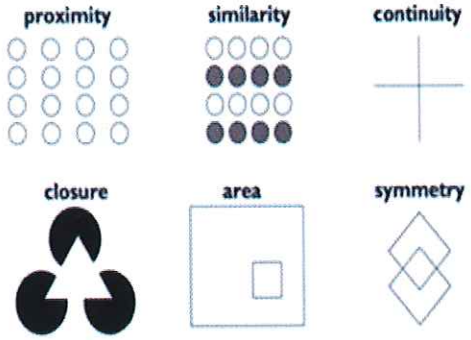

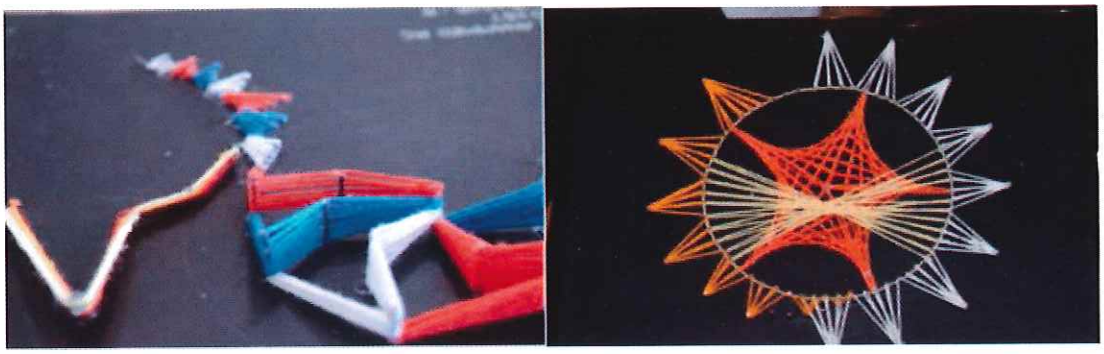

Design and presentation of models based on enclosed spaces (4 models)

Objective: Design and Materials

Architectural composition depends on the designer's selection of appropriate materials in order to express certain design ideas.

Linear form, organic, sculptural, traditional, hitech, etc are some of these expressions that can be explained by the use of different materials.

Process: The process and teaching methods followed includes interactive sessions, guest lectures, on-the-spot sketching, workshops, group works and group presentation. This approach enabled expression of students' innate creative skills.

Achievement: The students were assigned with various exercises like Collage, Grid Composition, Line composition, Repetition, Anthropometry, Product design from waste materials (useful from useless), Product design with newspaper, elements and principles of design, Colour theory, Site visit to local historical places and spot sketching, lettering, working on small spaces (like bus shelter, telephone booth, canteen, railway counter, ATM etc.) The students were very confident at the end of the semester with confidence in their work and presentation which was appreciated by the external jury members.

B.Arch (Semester-2): Architectural Design
Study Area: Delhi
Studio Faculty: Anil Kumar Ch, Milind Kamble, Punyo Chobin, Faiz Ahmed

Exercise - 1: 2D warm-up exercise for the 3D ordering a 9-Square Grid of immediate / observable environment design Assignment.

Design Interpretation: (Place of live ability / Place of Culture / Place of Transit / Place of Entertainment / Place of spiritual / Place of work / Place of Service)

The studio has been initiated to explore the critical understanding of Immediate / observable environments and its relationship with people. It is to furnish the opportunity to find out the logic of activities and extract the reasons among situations or contexts at open- semi open & enclosed environments. The field study was in done in Delhi and Fatehpur-sikri covering various enclosures, spaces, peoples activities, elements, patterns and compositions. The design process and explorations were worked on a 9 square grid as detailed under.

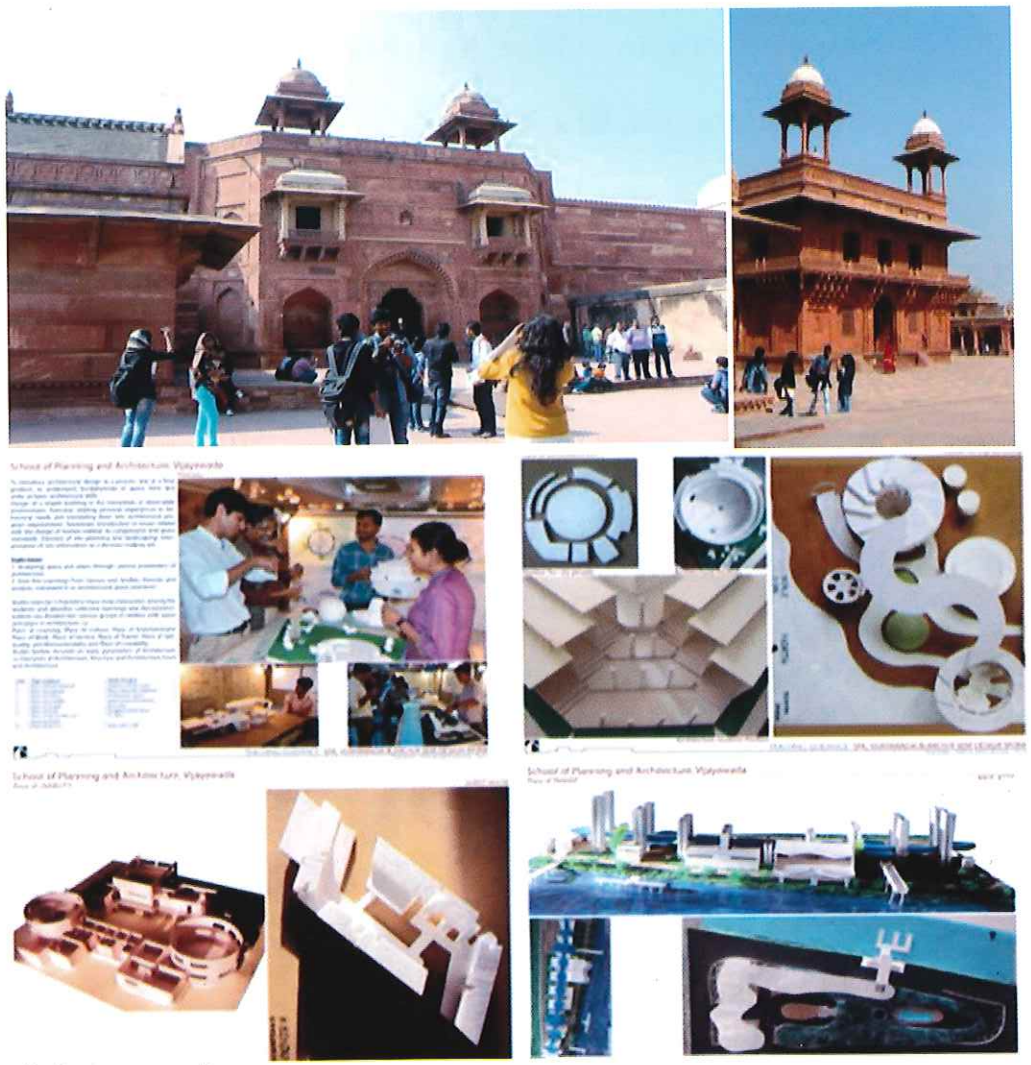

Model generation
(*in appropriate scale : 1:20)*

- Exploiting the schemes (2 nos. only) to Investigating the surface levels, punctures (Solids & Voids), Volumes before transforming from 2D to 3D.
- Simulations (enclosures, light, visual treat, spatial sequences, exploration of "language of form, varieties, etc.)
- Explore the reasons of possibilities of human habitation at different levels / surfaces with respect to scale, proportion and functions (the interrelationship of form, space, human function, environmental context, and tectonics were the learning goals)
- Transitional Space: To evoke a specific experience while keeping "Human habitat Activity Movements, Emotions and Sun & Shadows" in mind at different times of the day.

B.Arch (Semester-3): Architectural Design
Study Area: Ayyangarkulan village, Kancheepuram District (Tamil Nadu)
Studio Faculty: Nagaraju K, Kranti Kumar M, Jonu John Thomas, Bharathi S

The objective of the studio was to study an existing settlement in a non-urban setting without any urban regulatory controls. The study should focus on social and physical environment & methods of construction in vernacular architecture, emerging out of the traditional way of life in a given place including topographic survey.

Ayyangarkulam village was selected as the area of study considering its socio-economic character, geo-climatic features and its vernacular architecture. In all aspects the settlement pattern was very evident and strongly defined on the basis of social hierarchy. This village is known for its big Hanuman temple and the huge water tank, both built by Krishna Devarayar. Ayyangarkulam is located south of Kanchipuram town across the Palarriver. It was the apt place for the students to understand how the indigenous architecture was contextually relevant, culturally important, socially imbibed and most appropriate than the present day technology.

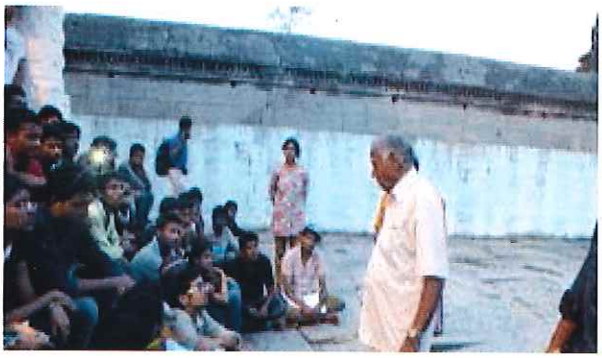

To conduct the documentation and analytical study of the settlement, the students were divided into seven groups and their focus area was defined such as Physical Study, Social Structure, Visual Study, Building Construction, Physical infrastructure, History & evolution and Social spaces & amenities. The village study was for four days, spanning from 7:30 AM to 7:00 PM in order to observe the daily activities in detail. Daily reviews and discussions were conducted on site to assess the status and progress of the study.

B.Arch (Semester-4): Architectural Design - Artisans Village

Study Area: Raghurajpur Village in Puri district of Odisha

Project Introduction: *"Design of a group of buildings set in a non-urban context or a situation without urban regulatory controls".* Study of different types of settlements has always been a part for architecture students. Character of any settlement is based on its physical, social, economic and cultural settings. In order to understand the context based architectural aspects of private, public, semipublic and semi-private spaces it is important to study an existing scenario which is based on particular cultural and economic characteristic. With this background a small village called "Raghurajpur" in Puri district of Odisha state has been selected as a case study. This village occupies a unique place in the cultural map of India. It is inhabited by artisans producing sheer poetry on pieces of treated cloth, dried palm leaf or paper. The village has a community of artisans, who produce different varieties of handicrafts such as *patta* paintings, palm leaf engravings, stone carvings, papier mache toys and masks, wood carvings, wooden toys, cow dung toys and Tusser paintings. Perhaps nowhere else in India one finds such a congregation of so many arts at one place. This is also the only village in India, where each family is engaged in one craft or another. There are 103 households having 311 artisans in the village. Some of them are winners of National Awards. One comes across the best tradition of Orissan paintings and some of the finest pieces of work in this village.

Aim: To understand the importance of shared open spaces, clustering, aggregation and economy in a non-urban setting.

Project Objectives:

1. To identify a non-urban setting that characterizes predominantly on craft making.
2. Collection of data regarding various spatial aspects such as location, approach, extent of area, circulation, building typologies, services, common spaces and open spaces.
3. Understanding the architectural aspects in terms of shared open spaces, aggregation of activities, clustering of built forms and economics of space making.
4. Appreciating and analyzing the relevance of existing architectural aspects.

Work pattern: Students were required to study in detail about the architectural aspects and their spatial requirements. The final design requirements for a proposed project were derived from the case study itself. Students were expected to work in groups and the following is the list of group wise topics where in every student was supposed to develop his own site plan with emphasis on the topic allotted.

1) Housing for the artisans (including work spaces) 2) Accommodation for the visitors and trainees 3) Exhibition spaces 4) Administration building 5) Workshop areas	6) Spaces for material storage 7) Community spaces 8) Services (apart from MEP, Cafeteria, dining hall, etc) 9) Park and play ground 10) Site circulation

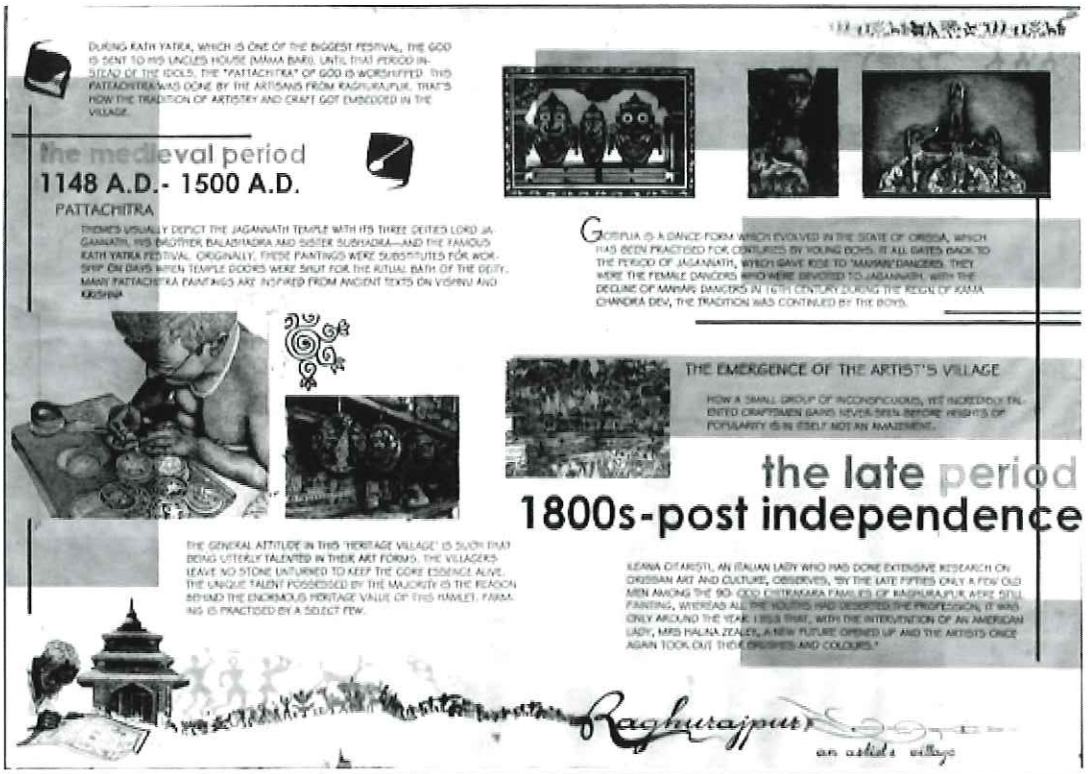
DURING RATH YATRA, WHICH IS ONE OF THE BIGGEST FESTIVAL, THE GOD IS SENT TO HIS UNCLES HOUSE (MAMA BARI). UNTIL THAT PERIOD IN-STEAD OF THE IDOLS, THE "PATTACHITRA" OF GOD IS WORSHIPPED. THIS PATTACHITRA WAS DONE BY THE ARTISANS FROM RAGHURAJPUR. THAT'S HOW THE TRADITION OF ARTISTRY AND CRAFT GOT EMBEDDED IN THE VILLAGE.
the medieval period
1148 A.D.- 1500 A.D.
PATTACHITRA
THEMES VISUALLY DEPICT THE JAGANNATH TEMPLE WITH ITS THREE DEITIES LORD JAGANNATH, HIS BROTHER BALABHADRA AND SISTER SUBHADRA—AND THE FAMOUS RATH YATRA FESTIVAL. ORIGINALLY, THESE PAINTINGS WERE SUBSTITUTES FOR WORSHIP ON DAYS WHEN TEMPLE DOORS WERE SHUT FOR THE RITUAL BATH OF THE DEITY. MANY PATTACHITRA PAINTINGS ARE INSPIRED FROM ANCIENT TEXTS ON VISHNU AND KRISHNA
GOTIPUA IS A DANCE FORM WHICH EVOLVED IN THE STATE OF ORISSA, WHICH HAS BEEN PRACTISED FOR CENTURIES BY YOUNG BOYS. IT ALL DATES BACK TO THE PERIOD OF JAGANNATH, WHICH GAVE RISE TO 'MAHARI' DANCERS. THEY WERE THE FEMALE DANCERS WHO WERE DEVOTED TO JAGANNATH. WITH THE DECLINE OF MAHARI DANCERS IN 16TH CENTURY DURING THE REIGN OF KURA CHANDRA DEV, THE TRADITION WAS CONTINUED BY THE BOYS.
THE EMERGENCE OF THE ARTIST'S VILLAGE
HOW A SMALL GROUP OF INCONSPICUOUS, YET INCREDIBLY TALENTED CRAFTSMEN GAINS NEVER-SEEN-BEFORE HEIGHTS OF POPULARITY IS IN ITSELF NOT AN AMAZEMENT.
the late period
1800s-post independence
THE GENERAL ATTITUDE IN THIS 'HERITAGE VILLAGE' IS SUCH THAT BEING UTTERLY TALENTED IN THEIR ART FORMS, THE VILLAGERS LEAVE NO STONE UNTURNED TO KEEP THE CORE ESSENCE ALIVE. THE UNIQUE TALENT POSSESSED BY THE MAJORITY IS THE REASON BEHIND THE ENORMOUS HERITAGE VALUE OF THIS HAMLET. PAINTING IS PRACTISED BY A SELECT FEW.
ILEANA CITARISTI, AN ITALIAN LADY WHO HAS DONE EXTENSIVE RESEARCH ON ORISSAN ART AND CULTURE, OBSERVES, "BY THE LATE FIFTIES ONLY A FEW OLD MEN AMONG THE 90- ODD CHITRAKARA FAMILIES OF RAGHURAJPUR WERE STILL PAINTING, WHEREAS ALL THE YOUTHS HAD DESERTED THE PROFESSION. IT WAS ONLY AROUND THE YEAR 1955 THAT, WITH THE INTERVENTION OF AN AMERICAN LADY, MRS HALNA ZEALEY, A NEW FUTURE OPENED UP AND THE ARTISTS ONCE AGAIN TOOK OUT THEIR BRUSHES AND COLOURS."
Raghurajpur
an artist's village

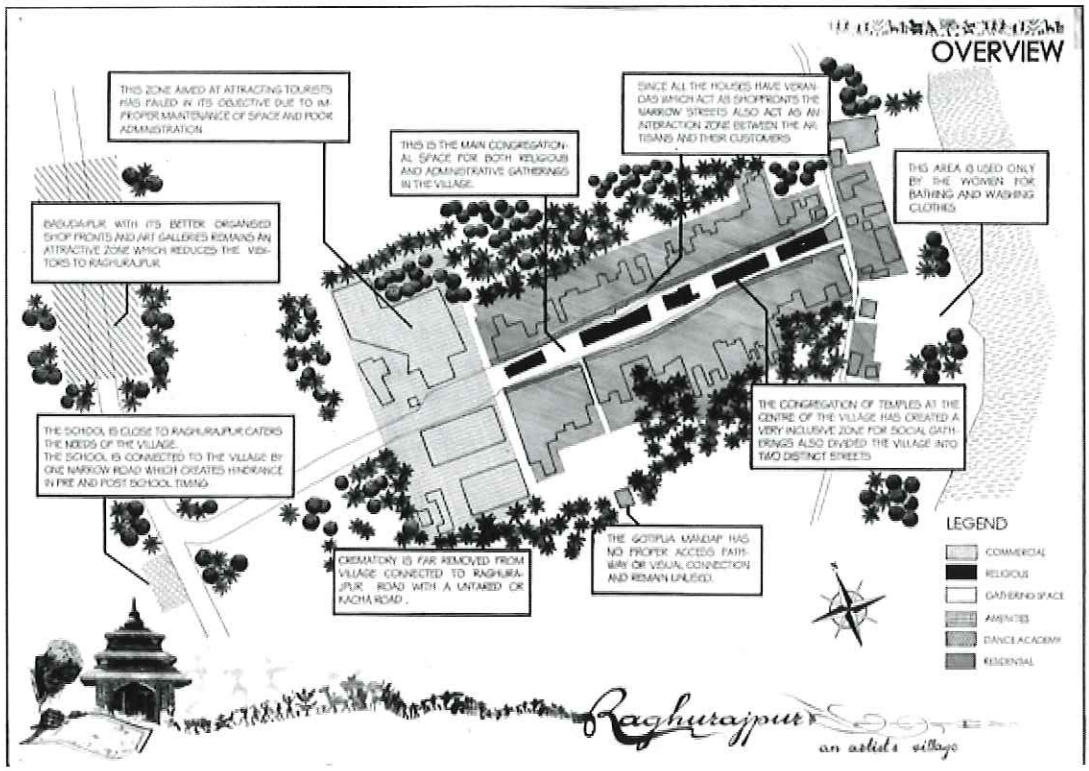
OVERVIEW
THIS ZONE AIMED AT ATTRACTING TOURISTS HAS FAILED IN ITS OBJECTIVE DUE TO IMPROPER MAINTENANCE OF SPACE AND POOR ADMINISTRATION
THIS IS THE MAIN CONGREGATIONAL SPACE FOR BOTH RELIGIOUS AND ADMINISTRATIVE GATHERINGS IN THE VILLAGE.
SINCE ALL THE HOUSES HAVE VERANDAS WHICH ACT AS SHOPFRONTS THE NARROW STREETS ALSO ACT AS AN INTERACTION ZONE BETWEEN THE ARTISANS AND THEIR CUSTOMERS
THIS AREA IS USED ONLY BY THE WOMEN FOR BATHING AND WASHING CLOTHES
BADUDA PUR WITH ITS BETTER ORGANISED SHOP FRONTS AND ART GALLERIES REMAINS AN ATTRACTIVE ZONE WHICH REDUCES THE VISITORS TO RAGHURAJPUR
THE SCHOOL IS CLOSE TO RAGHURAJPUR CATERS THE NEEDS OF THE VILLAGE.
THE SCHOOL IS CONNECTED TO THE VILLAGE BY ONE NARROW ROAD WHICH CREATES HINDRANCE IN PRE AND POST SCHOOL TIMING
THE CONGREGATION OF TEMPLES AT THE CENTRE OF THE VILLAGE HAS CREATED A VERY INCLUSIVE ZONE FOR SOCIAL GATHERINGS ALSO DIVIDED THE VILLAGE INTO TWO DISTINCT STREETS
CREMATORY IS FAR REMOVED FROM VILLAGE CONNECTED TO RAGHURAJPUR ROAD WITH A UNTARED OR KACHA ROAD .
THE GOTIPUA MANDAP HAS NO PROPER ACCESS PATHWAY OR VISUAL CONNECTION AND REMAIN UNUSED.
LEGEND
COMMERCIAL
RELIGIOUS
GATHERING SPACE
AMENITIES
DANCE ACADEMY
RESIDENTIAL
Raghurajpur
an artist's village

B.Arch (Semester-5): Architectural Design
Study Area: Vijayawada and Chennai
Studio Faculty: U. Vijayanand, Kiranjith, Banu Chitra

Architectural Design Project 1

As an initiation project the students were given to design a branch office for a nationalized Bank. The site was given in the Vijayawada city itself. The design requirements were to design a branch office of around 400 Sft with parking, locker and ATM facilities. The students carried out relevant case studies of nationalized bank offices within Vijayawada city. The duration of the project was 3 weeks.

Architectural Design Project 2

As the main Architectural Studio project the students were asked to design a high court facility for the new capital of Andhra Pradesh. The given site is located between Prasadampadu and Gannavaram along the National Highway. The idea of giving the high court as the studio project was very intentional and was connected to the contemporary happenings in the state division and the resultant politics which envisaged Vijayawada as the administrative capital of the reorganized state of Andhra Pradesh.

The design requirements were to design an iconic court complex as a new reorganized perceptive of law and equality for the new state. The architectural requirements were to have High court building complex, parking, internal roads, landscaping etc and the court complex will accommodate 39 court Rooms, Chief Justice Court Hall, Administrative offices, Record section, Judge's chambers, Library, Utility and Bar Association Block. The site extent was 10 Acres, with 6 acre for future development and residential facilities. Relevant desktop case studies were done and the Chennai High court Complex was studied as a live case study. The duration of the project was 12 weeks followed by the internal and external Juries.

B.Arch (Semester-6): Architectural Design
Design of a Resort (Home away from Home)
Study Area: Kerala and Andhra Pradesh

A resort is a place where individuals, couples and families go for a vacation, relaxation or entertainment. Resorts can be used as a daytime / one day trip / weekend home or for an extended stay. While both resorts and hotels provide accommodation, the most salient difference between them is that unlike hotels, resorts are typically nestled amidst nature, while hotels are predominantly located in the heart of the city. Resorts are thus places that are associated with relaxation and entertainment, while hotels are merely utilitarian. Resorts come in different sizes and shapes.

"A resort is a full-service lodging facility that provides access to or offers a range of amenities and recreation facilities to emphasize a leisure experience. Resorts serve as the primary provider of the guests' experience, often provides services for business and meetings and are characteristically located in vacation-oriented settings."-The new definition of resort by Centre for resort and hospitality business, The University of Memphis.

The third year, VI Semester students were assigned with Design of Resort as a major problem. The studio started with case studies of different types of resorts in Kerala. The students were divided into groups and visited different types of resorts like hill resorts, back water resorts and coastal resorts. They have prepared a detailed study of 12 resorts during a 10-day trip to Kerala. This has helped them to understand the typology of resorts, special understanding, building materials and techniques, interior details, site zoning and planning. They have presented the same with analysis and for further designing of a resort in Andhra Pradesh. They can comprise a single building or an island. Even a luxury ship can be termed as a resort. They may serve different purposes as well. They may be geared for individuals or for families. One of the most important aspects of resort is the closeness to nature. They designed an ideal gateway from the hustle and bustle of the city.

The site is located in the outskirts of Vijayawada at Brahmalingam Cheruvu, with a water body and hillocks around. The students made a model of the site, to understand the location and contours. The final output was appreciated by the jury members and also for the approach, which was adopted to understand the contours for site zoning and site planning.

B.Arch (Semester-7): Practical Training for a duration of 20 weeks
Coordinators: S.V. Krishna Kumar, RNS Murthy

Covered under Section 2.4

B.Arch (Semester-8): Architectural Design

Mass housing (500 ppHa density) on PPP model
Study Area: Vijayawada (Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Dr. Tathagata Chatterji, S.V. Krishna Kumar, RNS Murthy, Kiranjith & Bharathi Shanmugham

Target/Beneficiary group (Socio-economic grouping): EWS, LIG, MIG and HIG

Students participation: Group exercise involving 4-5 Students per group

The academic curriculum expects a design problem involving a high density, large scale housing. Socio-economic determinants, legislative and economic constraints and technological alternatives to be studied in detail. Exercises in simulation and conceptual modeling were conducted. Application of concepts of community participation, phasing, financing and construction planning. Project documentation included basic working drawings, preliminary estimates, outline specifications and scheduling.

The Mass Housing project was proposed on a 10-acre site situated at Currency Nagar or Yanamalakuduru, Vijayawada. As per the Zonal Development Plan applicable for Vijayawada the site was earmarked for the Residential land use. The Site abuts 100 feet wide road and is characterised by its adjacency to well consolidated residential areas around.

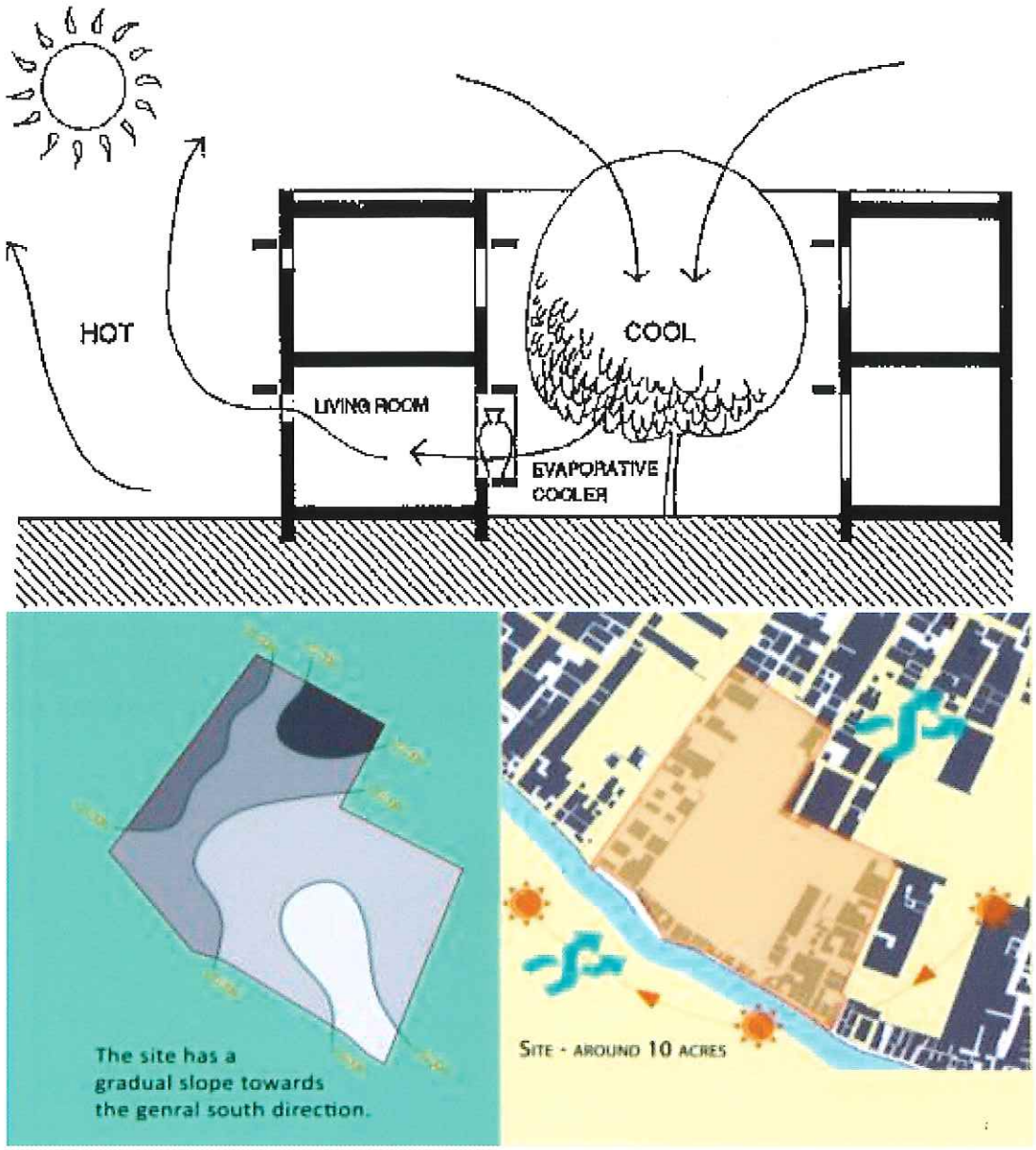

The proposed design was to be a 50:50 (State Govt.: Private Developer) Joint Venture project on Public Private Partnership (PPP) model. As per the said model, the Government of Andhra Pradesh will provide Land free of cost to the developer and the developer will have to fully develop the project. At the end of the project, the developer will surrender the EWS+LIG built up area to the state government, which can fulfil its housing provision obligation by selling the dwelling units at a subsidized price and the Developer can sell the MIG and HIG units at market price. Hence, it was borne in mind that the designers should utilize the maximum built potential so as to unlock the land value to the fullest extent and benefit the state government as well as the

developer without compromising on design value. Students were taken on a study tour to Delhi wherein a few housing projects like Group Housing in Dwarka, Low income housing in Dwarka extension, CPWD enclave in HUDCO Place, Tara Apartments in Kalkaji-DDA, Asiad Games Village, Sheikh Sarai housing etc. were studied carefully before embarking on the design of the project. Students have also documented and analysed works of eminent Architects in India and abroad and drafted the key take-aways.

As part of this studio project, exercises were done in conceptual modeling, built-up area versus open space proportioning, etc. and the same were moderated through critical appraisal. Resultantly, Students have proposed various design schemes adopting a theme in terms of technology or design approach (including site planning), grouping of units, mix of low-medium-high rise etc. Cluster planning, row housing, stepped/pyramidal towers, green building concepts, energy efficient design, were a few of the key approaches which added value to the work done by respective groups. This facilitated exclusivity of each group's design as well as painted a multitude of design alternatives for one project.

The final outcome was assessed by eminent Architects in Housing Design, namely Ar. Shankar Narayan (Senior Practicing Architect, Hyderabad), Prof. Dr. Souvanic Roy (BESU University, Kolkata) and Ar. TV Chowdary (Practicing Architect, Hyderabad)and the Studio faculty.

During the Jury session, students were given an understanding of design aspects associated with Mass Housing, Volumetric analyses of Space etc. and the Jury Members appreciated the work done by Students as well as suggested case specific measures for evolving a good and yet a developer-friendly housing design.

B.Arch (Semester-9): Architectural Design
Study Area: Vijayawada (Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Dr.TathagataChatterji, Dr.Rakesh, Dr.Abhijit Paul, Anil Kumar, KarteekGuturu, SrutiKhandelwaland ManaviSuneja

Capital cities have been identified as power centres and hold symbol of being administrative capitals. Some of the contemporary cities have been designed as capitals based on the contextual environments, principles of urban design, natural environs, precincts and zones. The fact, Vijayawada region being the next capital of the new separated part of Andhra Pradesh gave us the window of chance to elicit our idea and thoughts being responsible architects of tomorrow studying the very course in the mentioned city. The objective of the studio is to study and propose a design for the new capital of Andhra Pradesh i.e. in the city of Vijayawada.

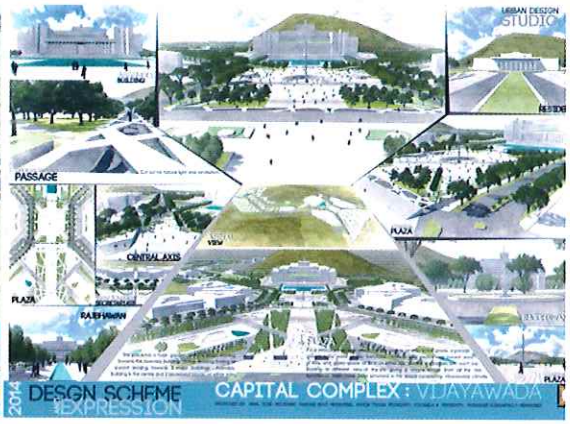

The design's prime consideration is its role in the present scenario and the influence of the complex to the present urban fabric. For designing the Capital Complex, three primary sites were chosen with an approximate area of 250 acres i.e. 10,11,714 sqm. There was an intense study pertaining to the information regarding these sites and further about the region, city, site surroundings and boundaries from various Government authorities such as VGTMUDA, MRO, Revenue Department, Nagarjuna University, NDRF, Municipal Corporation etc were collected. Detailed site analysis was undertaken to understand the linkage to site from the primate city, proximity, geography, geomorphology, offsite-onsite factors etc. The studio work was a culmination of 15 urban design proposals demonstrated on three different and unique sites. The studio work was also exhibited for the public and government officials and was extensively covered in print and visual media.

B.Arch (Semester-10): Architectural Design Thesis
Thesis Coordinators: Dr. Uma Sankar B, Dr. Bharati Mohapatra

Architectural Design Thesis is a culmination of the various streams of learning imparted to students of B. Architecture. Students of the V year Term II (X Semester) of 2014-15 worked on topics in a manner that they get to cover most of the aspects learnt in all the previous years of Architecture. The typology of topics cover all the asset classes of buildings viz., residential, health, hospitality, commercial, retail etc.

The scope of work involved reconstruction, rehabilitation or redevelopment, based on the premise of the topic and the proposed site. The final jury comprising academics and professionals of eminence appreciated many of the works done by the students and gave valuable inputs for the benefit of students' future professional career at large. The topics are as below:

S.No.	Name of the Student	Thesis Topic
1	Annam Jitendra Sri Vishnu Kanth	Brownfield Development (High density housing in existing built fabric)
2	Chenna Manikanteswara	Central Library of Andhra Pradesh
3	Tenzin Dokar	Urban Haat promoting handicrafts and other cultural events
4	Dontu Lakshmi Varshini	Architecture for Psychiatric healing
5	Arnab Dutta	Re-visualizing the micro-city
6	Ahammed Aflah E	Development of Housing for Fishing Community - EWS, LIG, MIG
7	G Nikhila	Terminar Market Complex at Vijayawada
8	Sangeetha Priya H	Interpretation cum Research Centre for Recycled material
9	Giridhar K	Fashion Technology Park / Fashion District
10	K Siddhartha	Transit Hub, Bangalore
11	K Hanisha	Art Museum and Artist Hub
12	Indraja Kornu	Architecture for Indian Circus
13	Kundurti Maruthi Rathnakar Sarma	Beach Resort at Bapatla
14	Nadirnoory K V	All India Institute of Medical Sciences, Vijayawada
15	Haripriya Madireddi	Redevelopment of Mill Factory, Mumbai
16	Amal Maria Mani	Learning to Live: An Interactive Learning Camp for Children
17	Marrapu Abhishek	Business Incubation Center
18	Mayengbam Angamba Singh	Religious Toursim Complex, Kaina, Manipur
19	Pritam Mohanty	Photography and Visual Arts Center, Bhubaneswar
20	Olugumanu Dinesh Kumar	Film Studio, Andhra Pradesh
21	Lavanya Padala	Intermodal Transit Hub
22	Pentakota Navyusha	Rural Technology Park
23	R Satish	Rehabilitation Center: Architecture for Psychiatry
24	Roshni Roy	Residential and Commercial High-rise:Kolkata
25	Sabbavarapu Naveen Kumar	Contemporary Art Museum, (+School & Workshops)

26	SrishtySaraswat	Designing a Self sustainable living place for the elderly
27	Shamik Sarkar	City Hall, Vijayawada
28	Pradip Kumar Savita	A Divine Course Center at Kanpur
29	Manish Paul Simon	Riverfront Civic Center
30	Eeswar Atluri	Center for Construction
31	Arup Kumar Basumatary	Tourism Complex, Bhairabkunda, Udalgiri, Assam
32	Yantrapati Sai Mrudula	Krishna Canal-front Development / Penna River-front Development
33	Venkata Siva Teja Vaddiparthi	International Curise Terminal
34	Ashita Agarwal	War Memorial, Panipat, Haryana
35	DivyaPrabhaAllu	Socio-Cultural Hub in Madurai
36	Saswat Prakash Amat	Spiritual Retreat
37	Koogela Anandamani	Redevelopment of Fish Market at Mattanchery, Kerala
38	Rohit Bansal	Urban craft village
39	Raj Kumar Boppana	Rehabilitation Center in Coastal Andhra Pradesh
40	C P Prithyush	A Greener Vertical Habitat
41	Himon Rai Chowdhury	Cultural Toursim Model, Meghalaya
42	Oded Lalzarkima Darlon G	A Musical Hub
43	Gaddamwar Dnyaneshwar Kishanrao	Redefining design methodology of Modern Group Housing for better living environments
44	Garimella Sindhuja	Compact Community Design - Design of compact spaces for a community living
45	Pranjal Gupta	KaashiHathakaraghaParisar
46	Sanjana Jasti	One Stop Crisis Center for Women: Nirbhaya Center
47	Amal Jose	Integrated Multi-modal Passenger Transit System
48	Rahul K	Urban Recreation Center
49	Mubashir Kongappally	Re-visualization of Rythu bazaar of Vijayawada to create an urban rural interface
50	Mohd Sameer Ali	Sports Complex at Nalgonda / Gymkhana grounds, Karimnagar.

51	MoyyaJagruthi Priyadarshini	Textile Park
52	NookalaLohita	Recreation Spaces - Shopping Mall
53	Anagha Ravi P	Art and Culture Center, Muziris, Kerala
54	Niveditha R	A Retreat Zone for the Creatives - Pondicherry
55	Rampilla Taraka Pavan Sai	Redevelopment of Bus Terminus of the Capital City, Vijayawada
56	Soumendra Roy	Transformation of Urban Crematoriums
57	SravanSatheesh	Recreational Hub enhancing natural green environment, Vijayawada
58	Shuchita Singh	Experimental Arts and Culture Centre at Lucknow, UP
59	AdershSreedharan	Artists' Hub, Kerala
60	Tamarana Lova Venkata Satya Murthy	Design of Innovation Center
61	Deepak T C	Bird Research Institute - Bird Friendly Architecture
62	Ashok Tigga	An Interaction of Photography and Architecture
63	Akansha Veena Topno	Environmental Preservation of Existing Biological Conservation area in Ranchi
64	V. Harshavardhan	Automobile R&D Centre
65	Kuldeep Mathur	Multipurpose Space for Celebration of Festivals and Ceremonies
66	Hemant Chauhan	High-rise Housing
67	Kapil Raj	Commercial Mixed-use Development
68	A. Bhavana	Old Age Home cum Orphanage
69	Mathesh U	Family Entertainment Center
70	SatwikaTaduri	Institute of Correction (Thieves)
71	AnujTyagi	Housing for EWS and LIG

M.Arch (Sustainable Architecture) (Semester-1)
Centre for Primary Education
Study Area: Vijayawada (Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Dr. S. Ramesh, Dr. Kalai Selvi

The aim of this design studio is to explore the local climatic conditions of Vijayawada and to understand the concepts behind sustainable architecture. Students are assigned to design a centre for primary education with a special focus on sustainability.

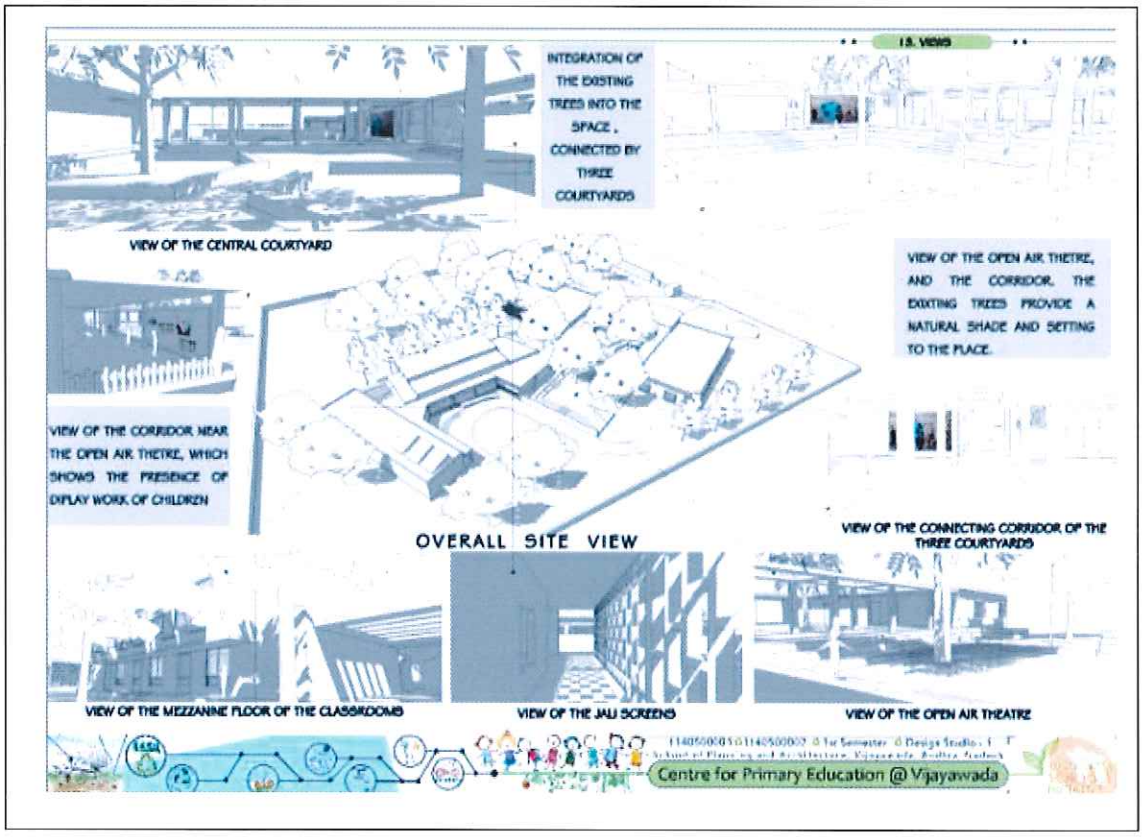

Site: The site is located in an institutional zone, surrounded by many institutional buildings in Vijayawada city. The city is in hot and humid climate zone. Students are expected to design a naturally ventilated building with a reasonable indoor and outdoor comfort conditions.

The focus was on minimizing the negative environmental impact of buildings by incorporating energy efficiency and efficient utilization of material and space. To understand the concept of green/sustainable buildings, students were taken to field trip to study green rated buildings such as Anna centenary building, L&T ECC building, Olympia Tech Park and ITC Grand Chola. The buildings were studied in detail before Students began the conceptual schemes. The design studio was divided into five important stages viz., Behavioural analysis, Climatic and Environmental analysis, Conceptual design and evaluation, detailed design & Comparison with existing codes and rating. The final outcome included preparation of drawings on behavioral analysis, Site analysis, radiation calculation, radiation exposure, eco-chart, site plan, floor plans, sections, elevations, 3D views & models and LEED/GRIHA rating.

M.Arch (Sustainable Architecture) (Semester-II)
Sustainable Envelop Design with Simulations - Planning and Architectural Organisation: HUDCO complex in Vijayawada
Study Area: Vijayawada (Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Dr. S. Ramesh, Dr. Kalaiselvi

Design a building that acts as an urban sponge. It should be similar to an aquatic sponge that feeds on bacteria and other micro-organisms; gives out oxygen and nutrients to the aquatic environment. The designed building should feed on polluted air and water around it and it should give back clean air and water back to its environment. Integrate the design with multiple passive and active systems to support each other so that the building acts like a smart and self-sustainable machine.

Design brief and site

Design a green workspace for HUDCO officials in Vijayawada. The proposed office space should host 500 employees. The core departments are Architecture, Planning, Engineering, Financing and projects. In addition to this, the space for administration and other supporting facilities such as (library, printing, canteen, stores etc) should be provided adequately. The site is located in hot-humid climatic region. The site area accounts for 2.25 acres.

Building profile

The building shall be designed to minimize energy use and operating costs without reducing accommodation standards, occupant health, safety or comfort. Passive energy conservation measures are to be implemented wherever possible. Detailed scope of design project involves the following:

Whole building Analysis for Energy performance, Climatic Comfort & ECBC Compliance

1. Solar Analysis for optimizing Orientation, Shading and glazing areas
2. Detailed whole building thermal / Energy Simulation to achieve thermal comfort indoors through detailed analysis of the following:
   a) Envelop (Wall, Windows, Skylights etc)
   b) Passive cooling system
   c) HVAC systems and components (If required) together with passive cooling strategies
3. Perform the following GRIHA/LEED related analysis and further bio climatic considerations:
   a) Analysis for Minimum Energy performance Pre-requisite

b) Analysis for optimizing building design to reduce conventional energy demand
c) Energy Simulation and Analysis for Optimize Energy Performance of building within specified comfort Limits
d) Energy Use Calculation for Renewable Energy Credits

Building Analysis for Day lighting and artificial Lighting

1. Day lighting simulation for optimizing natural lighting
2. Luminance Analysis
3. Perform the GRIHA/LEED/ other analysis for lighting

Site Planning & Water Management

1. Design and recommendation for Erosion control & sedimentation control on site.
2. Assist on Low water Usage, Rainwater Harvesting, wastewater recycling and construction waste usage and other waste management strategies
3. Transportation Management Strategies
4. Perform the GRIHA related analysis

The following factors have been considered as very vital for designing the project:

a) Both walls and roofs having efficient 'U' factor as specified in ECBC (Energy Conservation Building Codes)
b) Vertical fenestration complying with ECBC requirements as specified in ECBC
c) Use of energy simulation program for building design including Simulation results
d) Use of passive and low energy cooling of buildings
e) Integration of on-site renewable electricity generation e.g. solar photovoltaic, biomass
f) Extensive use of low embodied energy materials
g) Energy efficient HVAC system as specified in ECBC
h) Implementation of building automation system: based controls, Motion sensors etc.

2.2) DEPARTMENT OF ARCHITECTURE: FACULTY ACTIVITIES

Publications

1. **Ramesh, S** 'Energy Efficient Landscape for Thermal Comfort in Buildings and Built-Up Areas', 2nd International Conference on Civil and Urban Engineering - ICCUE 2015, Society - APCB, 2015 EES (Registered No.: 52577283-001-07-10-2), Florence, Italy, 19,20 March 2015.

2. **Ramesh, S** 'Digital Smart Cities and E- Governance through Cloud Enablement of Functional Services Involving Complete Ecosystem of Data Operations' - Proceedings of 63rd National Town and Country Planning Congress, Vol. I, pp258-268, Chennai, India.,2015.

3. **Ramesh, S** 'Value Education in Planning for an Effective Professional Outreach' International Conference on Town and Country PLANNING Education: Retrospect and Prospect', Organised by ITPT and Institute of Development Studies and University of Mysore in Mysore , November 23 and 24 , 2014

4. **Ramesh, S.** 'NGOs Role in Empowerment of Differently Abled Persons through Inclusive Environment in India', UGC's National Seminar on Role of NGOs in Social Development' - promoted by Social Work Department in ANU, Guntur, AP, India, 2014.

5. **Ramesh, S.** 'Empowerment of Women in Entrepreneurship Activities in Vijayawada Region Andhra Pradesh' Global Journal for Research and Analysis', Vol.3, Issue-8, August special issue - 2014. (ISSN No:2277-8160).

6. Soni, A and **T. Chatterji** (2014) 'Positioning Urban Governance in Planning Pedagogy - paper presented at the International Conference on Town and Country Planning Education - Retrospect and Prospect', Institute for Development Studies, Mysore University, Mysore (21-23 November).

7. Sridharan, N and **T. Chatterji** (2014) 'Sustainability and Inclusivity in the Informal City: Complexities of Adopting Normative Planning Practices in India' - paper presented at the Indian Institute of Town Planners Conference on Planning Education, Mysore (21-23 November).

8. **Chatterji, T.** (2014) 'Politics of Planning in Calcutta's Post-industrial Restructuring' -paper presented at the ISOCARP (International Society of City and Regional Planners) 50th World Congress, Gdynia, Poland (23-26 September). Peer Reviewed Section.

9. **Karteek G**, 'Is FSI Dependent on Land Availability and Density? A Comparative Review of FSI in Indian Cities', European Journal for sustainable development. (2015), volume 4, No. 2, 27-34 ISSN: 2239-5938.

10. **Jagath Kumari,** 'Concrete Quality Grading of Heated RC Columns by NDT Methods', Conference proceedings Sec 2014, IIT-Delhi".

11. **Jonu John Thomas** (2014) - 'Integration of Wetlands as Open Spaces in Kochi City Region'. Proceedings of 23rd Swadeshi Science Congress (ISBN: 978-81-928129 -1-5).

12. **Murthy R.N.S.**'Rain Water Harvesting - Tropical Climatic conditions, India', at International Journal of Management, Information Technology and Engineering (BEST: IJMITE), (ISSN 2348-0513), Vol.2,Issue 11, Nov 2014, 19-24.

13. **Sanath, Sai**,'Spatial Organisation Paratransit Service in Mysore city', Indian Journal of Transport Management - ISSN -0970-4736, 2015."

14. **Ahmed,F.** C., & Sekar, S. P. (2015). 'Using Three-Dimensional Volumetric Analysis in Everyday Urban Planning Processes'. Applied Spatial Analysis and Policy, 8(4), 393-408.

15. **Ahmed,F.** C., & Sekar, S.P. (2015). '3D Volumetric Analysis in Urban Planning'. Institute of Town Planners, India, 49-64.

16. Aslam, A., & **Ahmed**, **F.** (2015, May). 'Terrace Alive'15-Pendulum Farm'. Indian Architect & Builder, 60-63.

17. Majumder,S., **Ahmed,F.,** & Saha, V. (2015). 'Rising Material Consumption and its effect on Environment - A review of food consumption pattern'. Proceedings of National Conference on Recent Innovations in Science Engineering and Technology (pp. 40-43). Chennai: ITR. (ISBN: 978-93-85465-85-7) pp. (1) 731-742). Southampton, UK: WIT Press.

2.3) DEPARTMENT OF ARCHITECTURE: GUEST LECTURES

S.No.	Date	Guest	Batch
1	August 26,27 & 28, 2014	Prof. R.V.Kolhatkar	M.Arch & B.Arch
2	September 24,2014	Prof. Nishant H. Manapure	M.Arch (Sem-I)

2.4) DEPARTMENT OF ARCHITECTURE: PRACTICAL TRAINING

As part of the academic curriculum, students of Architecture must work on Project Report which is the sole course during the first term of fourth year B.Arch. During the said term, students must undergo Practical Training out of the School in Architectural firms. This is intended to keep the students in touch with academic world while they are out of the School and doing field training in professional offices or construction sites. The students are expected to choose topics which are of special interest to them and prepare a report after research on topics related to the work done during the training period or as assigned by the Co-ordinator. Also, the same may be as much they would form a part of a major research project which the school may be handling at that time.

The fourth batch of B.Arch Students (admitted in the year 2011) has undergone Practical Training in various offices across the country, under close guidance of Practical Training co-ordinator/s of the Department. Choice of students w.r.t the city and Architect/firm is one of the key parameters in the whole process of selection of firm or selection by the firm. The entire program was monitored closely to assess the progress of each student and to get feedback from the Architect about the performance of the trainee's work. Details of various architectural firms where students have undergone Practical Training are as below:

S.No.	Name of the Student	Address of the Firm
1	Karan Anand	Renaissance Arch Consultant Pvt Ltd., 611-B,E-Block , Greater Kailash II New Delhi-110019
2	Anupozu Santosh Rahul	Placekinesis Associates 501, Panchadhara, near Grand Bhagwati, S.G.Highway, Ahmedabad-380015
3	Lalana Bathina	INFORM ARCHITECTS No:422, II Floor , SBI Building , 9th Main Road, Banashankari II stage, Bangalore-560070
4	Amrutha C	Parallax Architecture and Interiors, 333 -14th Cross, Sadashivnagar Bangalore-560004, Karnataka
5	Shanmukha Priya C	K K & G L Associates 10/1, sapna nilya, 4th cross, Shankarmutt road, Shankarapuram, Bangalore
6	Shantanu Singh Chauhan	DADA & PARTNERS B99, Sushant Lok 1, Gurgaon, Haryana, 122002
7	Chiliveru Kiran Kumar	Placekinesis Associates 501, Panchadhara, nr Grand Bhagwati, S.G.Highway,Ahmedabad
8	Shiva Ghosh	FIRST PRINCIPLES DESIGN PVT LTD., 3/19, Lower Ground floor, Kalkaji Extn, Nehru Enclave, New Delhi-110019 Upal Ghosh Associates A-20, Okhla Phase-1, NewDelhi-110020
9	Chhaya Jain	I - Con Architects and Urban Planners 45-JMC House, Opp Parimal Garden, Ambawadi, Ahmedabad
10	Basil V Joy	XS Studio 64, 6th Main, Defense colony, Indiranagar, Bangalore-560038
11	Akhil Paul K	Did consultants 504/505 Bezzola complex, Sion- Trimbay road, suman nagar, Chembur, Mumbai-400071
12	Yaseen K K	de 3.2 Architects Pvt Ltd Ragam apartment, pipeline road, patteri, Calicut 16, Kerala
13	Kema Pallavi	ANTZ Plot no. 114/A, Road no. 10 branch Behind VACS Bakery, Jubilee Hills, Hyderabad - 500 033

14	M Rahul	ATTO Atelier #65, 1st floor, 4th main, domlur II stage, Bangalore-560071
15	Meghna Menon	OSAMA BUKHAMSEEN DESIGN Salmiya-Salem Al-Mubarak Street, Laila gallery-First floor, PO Box: 24997, safat 13110 Kuwait Ar. K.C. GEORGE AND ASSOCIATES No. 17, Girinagar, Kadavanthra, Cochin - 682 036, Kerala
16	Mohammed Fabis TK	M/s. Common Ground Architecture 1/3931 A, Peoples road, West hill, Calicut, Kerala – 673 005
17	Varghese M Cherian	White ant Studio/ fabian ostner luminosity, Auroville 605101
18	Bikramjeet Mridha	Architects Agrawal & Agrawal Worship House, 2/5 Sevak Baidya Street, Kolkata -700 029
19	N Ravi Shankar	Neo Terrain Architects 6-3-w1*11b, 1st Floor,B S Maktha, Begumpet, Hyderabad Fluid Grid 300, La Casa Bonita, Ravindra Layout, Kavuri Hills, Hyderabad- 500081
20	Amlan Jyoti Pegu	Designs Concepts Lachen Rinpoche Building,Beside Sangram Bhawan,Development Area, Gangtok, Sikkim-737101
21	Ragala Poojitha	DS2 architecture the pent house, 5th floor, no:4/5, 45 Quadrant, 1st Cross, 1st Main, ashwini layout, koramangala, Bangalore-560047
22	Raj Janu Chetan	Mamta Shah & Associates, Architects & Interior Designers C-12, Chankyapuri society, char rasta, New sama road, Vadodara-390024
23	Narendra Kumar Rao	MODARCH INDIA Studio: First floor, plot no:b-99, Sector-63, Noida-201301
24	Siva Sankar S	Parallax Architecture and Interiors. 333 -14th Cross, Sadasivam, Bangalore-560004
25	Shathakoti Harish	Srishti (The Creators) #92, 1st floor, R.M.V. 2nd stage, Sanjaynagar main road, Ashwathnagar, Bangalore CADSYS (INDIA) LIMITED 3-5-900/1, 4TH FLOOR, APARAJITHA ARCADE, HIMAYATH NAGAR, HYDERABAD-500 029.

26	Fidal Roshi T	M/s. Common Group Architecture Peoples road, West hill, Calicut, Kerala - 673 005
27	Dondup Tashi	Designs Concepts, Lachen Rinpoche Building,Beside Sangram Bhawan,Development Area,Gangtok, Sikkim-737101
28	Thatipally Raja Hari Chandar	M/s. Amar Architecture & Designs Pvt.Ltd. No - 47, AA Block, 2nd Street, 3rd Main Road, Shanti Colony, Anna Nagar, Chennai, India.
29	Sreesh Thottiyil	RASME CONSULTANCY No:2/1, Church road, Shanthi Nagar, Bangalore-560027
30	V Mitravinda	KRUTHICA Architects 8-2-547/M, Dharam Mansion compound, Road No:7, Banjara hills, Hyderabad-34
31	Akshay A G	The Chief Architect M/s. Sandhya & Associates, B1, Jawahar Nagar Colony Calicut - 673 007.
32	Sonu Kumar	Architects Associates B-6/7, Model Town-1, Near Metro Station, New Delhi-110009
33	Jai Prakash	Space Ace, Architects & Planners V-20A/05, D.L.F.Phase-III, gurgoan, Haryana-122002
34	Rashmita Priyadarshini	Shilpa Sindoor Architects&Planners, 511, Commerce house, 9/1, Cinningham Road, Bangalore
35	Ilavenil MC	RASME CONSULTANCY No:2/1, Church road, Shanthi Nagar, Bangalore-560027
36	Lokesh Pratap Singh	SM Associates Office No: 36, C-Block, DDA Market, Surajmal Vihar, Delhi
37	Lakshmi Anil	DS2 architecture the pent house, 5th floor, no:4/5, 45 Quadrant, 1st Cross, 1st Main, Ashwini Layout, Koramangala, Bangalore-560047
38	Bhagwat Omkar Prashant	Rachana Shilp Shreeji Arcade, 1st floor, phadke road, above HDFC bank, Dombivli(E), Thane, Maharastra-421201
39	Nitul Kumar Das	M/s. Kapoor and Associates Ad - 110 C, Shalimar Bagh, Ring Road, New Delhi

40	Kevin Abraham George	BETWEEN SPACES Architecture & design 32/1, 16th main, 100ft road, Indira nagar, behind reebok showroom, Bangalore-560038
41	Godugu Bharath Prudwi	Nandu Associates Plot no: 143, R.No:13, Banjara Hills, Hyderabad 500034
42	Meeta Gosain	Raheja Developers limited W4D, 204/5, Keshav Kunj, Club Road, Carriapa Marg, Sainik Farm, New Delhi-110062
		ENSO Design G.1230, Second floor, Chittaranjan park, NewDelhi-110019
43	Amit Gupta	Skyline Architectural Consultants Pvt. Ltd. 2nd Floor, Laxmi Vardan Complex,Patrakar Puram Crossing,Gomti Nagar,Lucknow-10-U.P.(India)
44	Aashna Jain	M/s. Kapoor and Associates Ad - 110 C, Shalimar Bagh, Ring Road, New Delhi - 110 088.
45	Ravi Jain	Kham design #52, Tatane mane compound, 3rd Main road, Chamarajpet, Bangalore
46	Abhilash K R	M/s. ENSO Architects 402, Mindspace appts, Opp Church, Veerannapalya, near nagawara lake junction, Bangalore-560045
47	Dzuiiliamosiia Kapemai	Ovoid Atelier, 56-B, Thottakal Road, Karamanikuppam, Pondicherry-605004
48	Shrey Kaushik	Ar. Karan Grover Karan Grover & Associates, Kirti Towers, Tilak road, Vadodara
49	Layudya Anusha	K K & G L Associates 10/1, sapna nilya, 4th cross, shankarmutt road, shankarapuram, Bangalore-560004
50	M Sanjay Kumar	SOUMYA & JILLS ARCHITECTS 3C, Arwin Rosedale Apartments, shipyard quarters road, Kochi
51	Dillu M	Jose & J.J. Architects Trade Arcade building, Opposite YMCA, Calicut-673001
52	Maddikayala Kranthi Omkar	Neoterrain architects 6-3-1111/118, first floor, opp usha towers B.S.Makha, Begumpet, Hyderabad-16
53	Meruga Sandeep	KIRON CHEERLA ARCHITECTURE 189/A, Annex Building, Road no:12, Banjara Hills, Hyderabad

54	Muhammed Zahid K P	EDGAR DEMELLO ARCHITECTS no 50, 2nd cross, D'COSTA Layout, cooktown, Bangalore-580084
55	Vishus Narayanan N	M/s. Kamat & Rozario Architecture#509, 4th C Cross, HRBR II Block, Kalyan Nagar, Bangalore - 560 043
56	Kaustubh Pandey	The Chief Architect Aakar Architects & Interior Designers 12,Stanley Road,Opp. Boys High School , Allahabad
57	Sibanni Pandita	FIRST PRINCIPLES DESIGN PVT LTD 3/19, Lower Ground floor, Kalkaji Extn, Nehru Enclave, New Delhi
58	Phuritshabam Somorjit Singh	Design Concepts, Lachen Rinpoche Building, Beside Sangram Bhawan, Development Area, Gangtok, Sikkim-737101
59	Shivank Shankar	Uttar Pradesh Rajkiya Nirman Nigam Vibhuti Khand Gomti Nagar Externsion, Lucknow
60	Shivanagari Pravallika	Genisis Architecture, 131-2nd cross, 19th Main Block, Koramangala, Bangalore-560095
61	Jaskirat Singh	Creative Group M-59, Saket, NewDelhi-110017
		Environmental design solutions pvt ltd d 1/25, Vasanth vihar, Newdelhi110057
62	Laxman Kumar Soren	Acrh-e-vent C-46, Saheed nagar, Opposite Inox, Bhubaneswar 751007,
63	Undaru Varsha	STUDIO WHITE SCAPE NO-08, GROUND FLOOR, CHURCH ROAD, BASWANGUDI, NEAR ARMUGAM CIRCLE, Bangalore
64	Goutham Veerabathula	RASME CONSULTANCY No:2/1, Church Road, Shanthi Nagar,Bangalore - 560 027
65	Ankush Kumar	Skyline Architectural Consultants Pvt Ltd., Lucknow (U.P)
66	Parveen Kumar	NIRVANA Consultants & Architects 221A, Second floor, Sahara shopping Centre, Faziabad road, Lucknow
67	Vashishtha Pulkit	ARCADE, Architects, Interior Designers, Engineers B-55, SHIVALIK SHIVALIK GEETANJALI ROAD, NEW DELHI-110017
68	Amandeep Kumar	Creative circle C-14,Tawi Vihar Sidhra, Jammu, J&K, India

2.5) LIST OF PASSED OUT STUDENTS OF ARCHITECTURE IN 2014-15

Bachelor of Architecture

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	1100100137	Annam Jitendra Sri Vishnu Kanth
2	1100100139	Tenzin Dokar
3	1100100140	Dontu Lakshmi Varshini
4	1100100141	Arnab Dutta
5	1100100142	Ahammed Aflah. E
6	1100100143	G Nikhila
7	1100100145	Sangeetha Priya H
8	1100100146	Giridhar K
9	1100100147	K Siddhartha
10	1100100148	K Hanisha
11	1100100149	Indraja Kornu
12	1100100151	Nadirnoory K V
13	1100100152	Haripriya Madireddi
14	1100100153	Amal Maria Mani
15	1100100154	Marrapu Abhishek
16	1100100157	Olugumanu Dinesh Kumar
17	1100100158	Lavanya Padala
18	1100100159	Pentakota Navyusha
19	1100100160	R Satish
20	1100100161	Roshni Roy
21	1100100162	Sabbavarapu Naveen Kumar
22	1100100163	Srishty Saraswat
23	1100100164	Shamik Sarkar
24	1100100169	Divya Prabha Allu
25	1100100170	Saswat Prakash Amat
26	1100100171	Koogela Anandamani
27	1100100172	Rohit Bansal
28	1100100173	Raj Kumar Boppana
29	1100100174	C P Prithyush

30	1100100175	Himon Rai Chowdhury
31	1100100176	Oded Lalzarkima Darlong
32	1100100177	Gaddamwar Dnyaneshwar Kishanrao
33	1100100178	Garimella Sindhuja
34	1100100179	Pranjal Gupta
35	1100100180	Sanjana Jasti
36	1100100181	Amal Jose
37	1100100182	Rahul K
38	1100100183	Mubashir Kongappally
39	1100100185	Mohd Sameer Ali
40	1100100186	Moyya Jagruthipriyadarshini
41	1100100187	Nookala Lohita
42	1100100188	Anagha Ravi P
43	1100100189	Niveditha R
44	1100100190	Rampilla Taraka Pavan Sai
45	1100100191	Soumendra Roy
46	1100100192	Sravan Satheesh
47	1100100193	Shuchita Singh
48	1100100194	Adersh Sreedharan
49	1100100195	Tamarana Lova Venkata Satya Murthy
50	1100100196	Deepak T C
51	1100100197	Ashok Tigga
52	1100100198	Akansha Veena Topno
53	1100100199	Viswanadapalli Harshavardhan
54	1090100072	Eeswar Atluri
55	1090100074	Arup Kumar Basumatary
56	1090100098	Venkata Siva Teja Vaddiparthi
57	1090100124	Taduri Satwika
58	1090100132	Anuj Tyagi
59	1090100135	Kuldeep
60	1080100023	Kapil Raj

Department of Planning

- Planning and Design Labs: Summary
- Faculty Activities
- Guest lectures
- Practical Training
- List of Passed out Students

3.1) PLANNING AND DESIGN LABS: SUMMARY

B.Planning (Semester-1): Graphics and Presentation Techniques
Street Mapping
Study Area: One Town, Vijayawada (Krishna District, Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Valliappan AL, Dr.Natraj Kranthi and Jayakaran V.

The studio was aimed to provide exposure to various types of landuse activities specially focused on streets to provide firsthand experience on photography and sketching. The streets of different land uses like residential and commercial were identified and the exercise on preparation of street maps were carried out. The studio focused on enabling students to learn sketching, photography, drawing, map preparation, model making, 3D views, rendering, relating the drawing to ground, appreciate the street etc. The studio syllabus contents on usage of lines, points, polygons, shapes, forms, scale, etc., were taught through an exercise on street mapping in One Town area of Vijayawada (city located in the Indian state of Andhra Pradesh). For this purpose, eight streets were identified. The class was divided into eight groups consisting of three in each group. Eight streets of not more than half a kilometer stretch were identified based on their predominant street activities. Each group was assigned with one street.

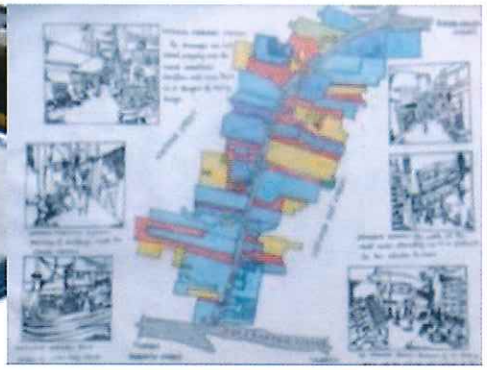

The output of the studio was in the form of portfolio submissions, physical models and presentations: Each of the portfolios consisted of basic exercises and a project on street mapping. The studio was conducted through one-to-one discussion, classroom lectures, presentations, class workshops, and field studies.The students were assessed stage wise continuously and progressively. The studio exercise enabled the students to gain firsthand knowledge and experience of street mapping.

Planning (Semester-2): Base map Preparation

Study Area: Tadepalli Mandal (Guntur District, Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Dr.Natraj Kranthi and Valliappan AL

The main objective of the studio was to enable students to develop proficiency in the preparation of basemap and the thematic maps manually. Proposed capital region for the newly formed Indian state of Andhra Pradesh (AP), Tadepalle mandal was selected as the study area for undertaking the studio exercise. This area falls in the Guntur district of AP adjacent to the River Krishna from the back waters of Prakasam Barrage. This mandal has 12 villages. As a part of the studio curriculum requirements, the students prepared basemap for this mandal, which involved mapping of various thematic layers such as manmade and natural features, administrative / revenue boundaries, topographic features, etc. Also, the students updated the ground features through ground verification field surveys. A total of 25 students were divided into 12 groups with two students in each group (except one group with three students). Each group was assigned with one village for mapping and documentation. The methodology involved the literature study, collation of relevant information, basemap preparation, ground verification, map updation and making of physical models. The studio output consisted of portfolio submissions, physical models and presentations. Each of the portfolios consisted of the following sheets: Mandal basemap, village imagery, village basemap, settlement imagery, settlement basemap, identified area basemap, updated map with photos integrated, street view (sketches), settlement aerial views (sketches), survey boundary map. The studio was conducted through one-to-one discussion, classroom

lectures, presentations, class workshops, internal quizzes on techniques of drawing, field studies, models on the identified area. Thestudio enabled the students to learn the basemap preparation and thematic maps manually. Besides, the students learnt to update existing basemap through field surveys and ground verification.

B.Planning (Semester-3): Site Planning and Built Environment
Study Area: Vijayawada (Krishna District, Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Aparna Soni and Soumi Nag

The studio was aimed to understand the housing typologies assessing the housing demand and thus to design a neighbourhood level site plan. Different housing typologies were identified. These include Aranya housing for Affordable Housing, Pimpri Chinchwad for PPP model and Jaypee Green for integrated township. Vijayawada in the Indian state of Andhra Pradesh was chosen for designing a neighbourhood level plan. As a part of this, Vijayawada Zonal Development Plan was reviewed. For this purpose, the class was divided into three groups and were assigned with the areas for undertaking the case study based on the distance from city centre i.e., core areas, intermediate areas and peripheral areas. A total of 78 wards were audio visually documented, covering different housing typologies and the predominant activities. The vulnerable wards were identified. Neighbourhoods were also classified on the basis of public housing, private housing and substandard settlement. A total of 18 neighbourhoods were surveyed. The process included site visit, questionnaire survey (stratified random sample survey), photographic documentation and close observation of the site. Questionnaire survey was done using stratified random sampling. Activities were observed at various times round the clock. Later on the observations were plotted on the map of Vijayawada. Each neighbourhood has been compared and analyzed with respect to the overall context of Vijayawada.

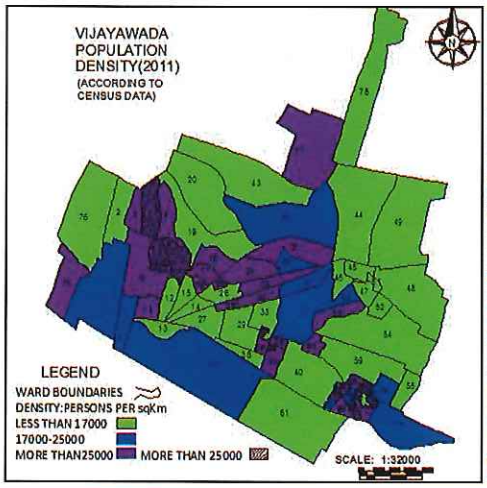

Based on the review of the housing typologies and housing demand of Vijayawada, an ideal site within Vijayawada was selected. The identified site was then analysed and a neighbourhood plan was designed.

B.Planning (Semester-4): Transportation Planning

Junction Improvement Plan
Study Area: Vijayawada (Krishna District, Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Maqbool Ahmed, Shweta Sharma, Valliappan AL and Dr. Abdul Razak

Vijayawada is an important link connecting the three regions of Andhra Pradesh and is a major transit point. Vijayawada city is stretching day by day due to its increased population and commercial activities. Due to fast urbanization and development of the city in terms of various activities like industrial, commercial and residential, traffic volume has increased enormously. Haphazard development, narrow streets, congested junctions; unorganized parking has all created hindrance to the smooth flow of the traffic. Intersections are the major bottlenecks on the road network system of Vijayawada. Bandar Road and Eluru Roads have the maximum delay time of all the arterial/ sub-arterial roads in the city.

The studio focused on Junction Improvement Plan for three major road corridors in Vijayawada: Eluru Road, Bandar Road and National Highway 5. The main objective this study was to conduct appropriate traffic studies to quantify the traffic problems and traffic characteristics at five identified intersections and preparation of typical junction improvement plans conceptual for identified Intersections. The study identified priorities for improving the intersections based on the base year and horizon year traffic demand and provided conceptual intersection improvement plans.

B.Planning (Semester-5): Land use Planning - Zonal /Sub-City level

Core Area Development Plan
Study Area: One Town, Vijayawada (Krishna District, Andhra Pradesh)

Studio Faculty: Shweta Sharma, Maqbool Ahmed, Dr. N. Sridharan, and Dr. Abdul Razak

The main objective of the studio exercise was to build a holistic economy by enhancing the essence of core area, mainly focusing on informal sector. A study of the entire area of One Town was carried outin order to understand the features and deficiencies of the area, and to find out the aspects that have to be conserved including those to be modified in the redevelopment plan of the area. Reconnaissance survey was done first to identify the sites. Street mapping was undertaken noting the street characteristics. Various surveys were carried out to understand the city precisely. It included traffic and transportation surveys, like Origin Distance, Volume count, Road inventory; Household survey; Formal sector survey; Informal sector survey and Stake holder consultation. The facilities were dealt in detail, as different sectors to find out the major characteristics of each sector. The issues and problems of all have been given importance as improving them is the prior importance in the redevelopment process.

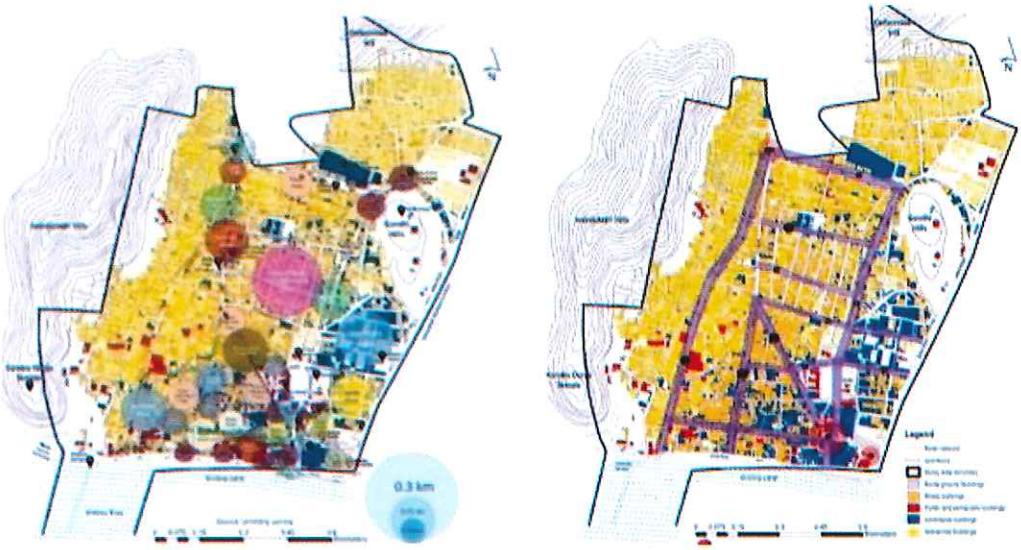

The different sectors revealed different contributions made to the economy and the phases in which they are lagging out. The analysis points out the importance of the market in the growth and development of the area. The main economy of One Town is completely dependent on the market. The existing market is

comprised of the formal and informal sector, both playing equally important role in the making of the market. Deriving the linkage between the formal and informal sector is hence an important aspect of the development project. Though informal sector forms a major strength in the market of One Town, it also acts as an aspect creating problems in terms of traffic congestion in the area. Hence the studio looked into these aspects of strengthening the circulation of the area, providing infrastructure facilities. Solutions were given for the preservation of the informal sector and strengthening it, without creating problems and also without harming the area.

B.Planning (Semester-6): Urban Development Plan
City Development Plan Preparation
Study Area: Capital City Region of Andhra Pradesh
Studio Faculty: Raktim Ray, Dr. N. Sridharan, Aparna Soni and Valliappan

The studio was aimed to prepare a holistic economic and Socio economic Development Plan for a city. For this purpose, New Capital City of newly formed state of Andhra Pradesh was taken as the study area. It comprises of 18 villages in Thullur Mandal, 2 villages in Tadepalli Mandal and 5 villages in Mangalgiri Mandal and four hamlets. As this new city was declared to be a smart city of new state, Development plan focused on the smart economy. To make smart economic plan more holistic, these to attributes like enterprise economy while promoting high quality environment, improving energy security, and promoting social cohesion were taken into consideration while constructing the objectives for the studio exercise. As a part of the studio, students prepared land use plan for the newly formed city. The students have undertaken the preparation of base map for the Capital City. A total of 25 students were divided into different groups to study the various sectors like, concept of smart economy which includes, demography, land use changes over the period of time, land pricing, inter-intra dependency of the settlements, socio-economic status of the settlement use of ICT in banking and day to day life, by various kinds of analysis techniques. Gaps and potentials in the settlements were identified and strategic solutions were proposed.

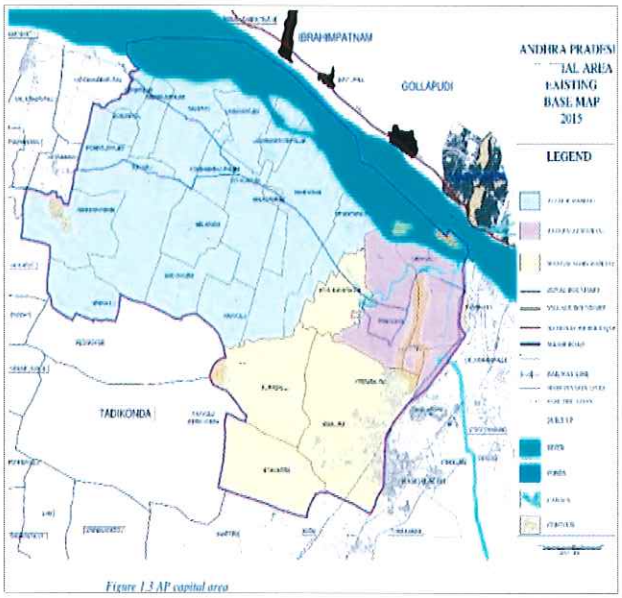

Figure 1.3 AP capital area

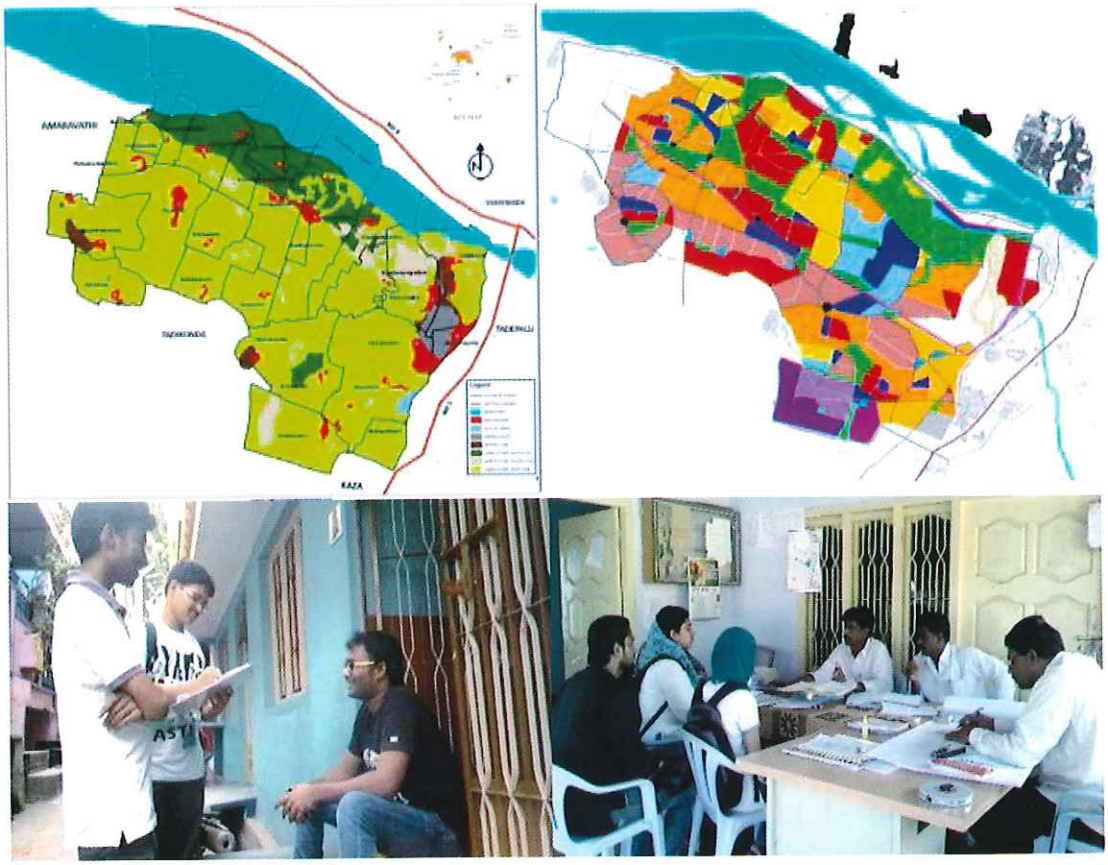

B.Planning (Semester-7): Regional Science & Planning
Regional Planning
Study Area: Coastal Districts (Krishna and Guntur Districts of Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Prasanth Vardhan and Raktim Ray

The state of new Andhra Pradesh has good natural & economic resources and second longest coast line in county with a length of 974 kilometres. It has the second largest sea port and more than 10 minor seaports spread across the state connecting major Industrial and marketing centers. No regional study/regional plan was prepared for these districts to direct and achieve balanced economic growth. Considering the above aspects, this academic exercise has selected the region of costal districts of Andhra Pradesh as a case study area to identify the growth drives and to prepare a regional plan for the holistic and balanced development. From these elected five costal districts of Andhra Pradesh, exercise on delineation of the meso and micro regions for preparation of regional plan was carried out through the scientific

assessment study from the secondary sources of data collected. From this analysis, Krishna and Guntur Districts of Andhra Pradesh were identified as the study area. Rational for selecting these districts was, urbanization rate, presence of economic corridor and its linkages to agents, service sector dependency, highest share of GDP, presence of urban clusters and agriculture activities.

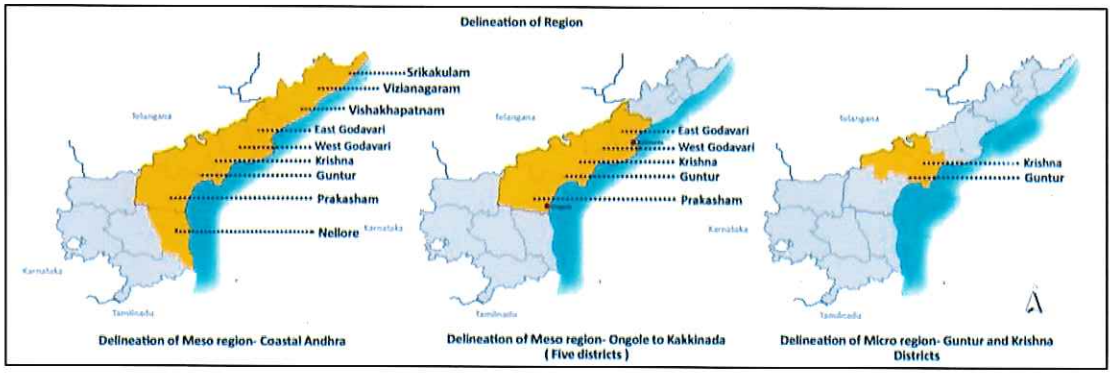

Two approaches i.e., Innovative Cluster Approach and the Global City Approach were adopted for analysis. From these two approaches, all these factors were analyzed and the potential economic agents in the region were identified. Some of the identified economic agents are medical innovation cluster; agriculture and manufacturing industries and value added hubs and IT specialized functions for effective governance. Settlement hierarchy was proposed. Regional level infrastructure demand assessment and proposals were also given along with land suitability model in the plan.

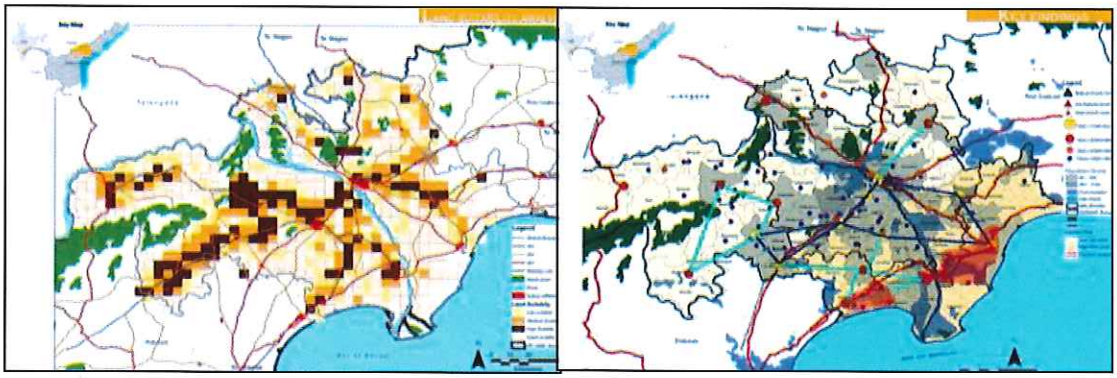

B.Planning (Semester-8): Planning Project (Thesis) – List of Topics

S.No.	Reg. No.	Name of the Student	Thesis Topic
1	2110200061	Binil A V	Contradictions in Ecological Conservation and Regional Development
2	2110200062	Shahbaz Anwar	Assessment of Property Tax Management System in Vijayawada City
3	2110200063	Amrita Bhatnagar	Infrastructure Financing through Tax Increment Financing
4	2110200064	Sruthi. C.S	Impact of National Highway on City's Outgrowth Case Area
5	2110200065	Aarushi Chawla	Impact of Land Use- Congestion Pricing Nexus on Modal Choice
6	2110200066	Vineesh Das. K.	Mode Choice of Residential Neighborhoods
7	2110200067	Gani Uzma Mohamed	Development of New Capital City of Andhra Pradesh through Form Based Codes
8	2110200071	Naina Gupta	Mode Choice Model for Domestic Tourists
9	2110200072	Suvankar Halder	Impact on a Region due to the presence of International Border
10	2110200073	Deepak Kumar Hansdah	Planning Guideline for Port City Development
11	2110200074	Rajiv Menon. K	Strategies for strom Water Management in Vijayawada
12	2110200075	Preetam Karmakar	GIS modeling of Land Information System
13	2110200076	Ankit Kumar	Planning for Compatible Land Use in the Vicinity region of airport
14	2110200078	Parikshit Mehta	Spatial Dynamic of Emerging Industrial Town
15	2110200079	Bipul Nayak	Appraisal of Post Disaster Response and Rehabilitation Activity
16	2110200080	Bijay Prakash	Planning for Vending Space
17	2110200081	Rohit R P	Improving Ridership of Public Transport in Trivandrum
18	2110200082	S Karthik	Changing pattern of Real Estate in Periphery of Bangalore
19	2110200084	Rhiya Singh	Contested Public Spaces
20	2110200085	Preeti Sinha	Improving the Road Freight Movement through Route Optimization

21	2110200086	Tate Akshay Gajanan	Assessment of Development Control Regulation with Respect To Disaster Management
22	2110200087	Ayush Upadhyay	Impact of Perceived Tenure Security on Slum Consolidation
23	2110200088	Muqthar	Development Constraints of an Industrial Cluster in a City
24	2110200089	Utkarsh	Noise Mitigation Planning in Proximity to the Railway Line
25	2100200045	Amuloju Siddharth	Festive Event as Catalyst in Urban Transformation
26	2100200054	Biju Narayanan	Impact Study of Paddy Land Conservation on Livelihood
27	2100200055	Shahin Razack P	Integrating Child Friendly Cities Concept into Urban Planning
28	2100200060	Vaddady Ravali	A Framework to Enhance the Functions of Urban Wetlands

M.Planning (Integrated Semester): Area Planning Studio
Village, Site and Area planning
Study Area: Vijayawada, Guntur and Mangalgiri (Andhra Pradesh)
Studio Faculty: Dr.Kanchan Gandhi, Dr. Abdul Razak and Dr. N. Sridharan

The objective of this studio was to enable the students to understand the socio-economic and political context along with the land-use dynamics in both a rural and an urban settlement and come out with development plans for them. The focus of the studio was to develop the students' skills in area appreciation, development planning and land use mapping techniques. Area appreciation studies at the village, neighborhood and area levels were conducted to gain exposure about the socio-economic, spatio-cultural, environmental, and infrastructural and governance characteristics of the selected case studies. The emphasis was on the preparation of development plans through comprehensive surveys, observation studies, interviews and analysis for a village and a city. The end goal was to plan for rational physical, socio-economic and environmental interventions as envisaged for the future growth of the village and the city.

Exercise - 1:Village Development Plan for Kondapalli, Andhra Pradesh
Kondapalli village, famous for its wooden toys was selected for the preparation of a village development plan. The rationale for selection of this village was to revive the declining craft of toy making by improving the infrastructural and marketing facilities and socio-economic status of the craftsmen by proposing a holistic development plan for the village. The physical, socio-economic, environmental and governance aspects of the village were studied through observations,

discussions and surveys. Around 600 (10% of the total) households were surveyed for this exercise. The village is a declared census town but is still governed by a panchayat. The location of a nearby industrial cluster creates many pollution problems for the residents. The students documented and analysed these issues and gave proposals for the economic and environmental betterment of the village.

Exercise-2: Site Planning for the identified sites in Vijayawada, Andhra Pradesh

The students selected three different sites in and around Vijayawada city for proposing residential layouts for different groups of people based on their income and affordability. Each of the sites was around 12 acres and possessed distinct characteristics. The Koneru site was on a strategic location on the road connecting NH-5 to NH-9. The existing housing comprised high income groups with villas and private estates. The students got a contrasting picture of housing development through this exercise. Financial implications of these projects were worked out and models were made for the proposed residential layouts.

Exercise 3: Mangalgiri Development Plan(Tourism and Heritage Conservation)

Area planning exercise was conducted in Mangalgiri. This Class II city is located in Guntur district is 20 kilometres away from Vijayawada. With the declaration by the state government that the new capital complex will be located in the Vijayawada-Guntur-Tenali-Mangalgiri (VGTM) planning region. Mangalgiri, a small-sized city with a population of over 70,000 has come into the limelight and plans need to be made for future development of this city. The contradictions that arise while planning are: the need for meeting the housing and other built-up demands while conserving the heritage and rich agricultural fields that flank this urban centre. Students prepared a plan for the future growth of Mangalgiri with a heritage, tourism and conservation of green focus. They suggested infrastructural improvements in the city along with the conservation of agricultural activities, and suggested high-rise, high-density residential growth in some pockets to cater to the future demand for housing in the new capital-complex.

M.Planning (URP) (Semester-2): Urban Planning Studio
Master Plan Preparation
Study Area: Machilipatnam Port City (Andhra Pradesh)

Studio Faculty: Soumi Nag, Prasanth Vardhan, Dr.N.Sridharan, and Dr. Abdul Razak

The academic exercise was to prepare a master plan for Machilipatnam Port City. The purpose of the lab was to enable students to comprehend the preparation of land use plans in connection with the statutory requirements, to explore alternate ways of planning and designing cities, undertake literature review, and evolve planning principles and concepts which help in preparation of the land use plan. Students were provided with an exposure to the physical, economic, cultural and social aspects of cities. Machilipatnam is the District headquarters of Krishna in the coastal region of Andhra Pradesh. The city has a colonial past and is located at a distance of 70 kilometers from the state capital. The proposed and envisaged investments on various port related projects in Machilipatnam has rejuvenated the cities functions and has created ample opportunities for the growth both in terms of creating additional employment and land use demand for varied uses. Considering the above opportunities, this academic exercise has undertaken Machilipatnam as a case area and the methodology followed in his studio is detailed below:

Base Map and Proposed land use plan of Machilipatnam Port City, Andhra Pradesh- The first stage of the studio was to ascertain the importance of a master plan in the rational of planning process and understand the procedure followed as per the statutory requirements. Students were exposed to basic concepts of planning like hierarchy of plans, urban planning theories, emerging concepts in the field and review of the vision of cities in connection to their strategies and plans. It was followed by the review of the existing master plan of various cities in order to understand their approach, process and loopholes. After the completion of their basic understanding they were introduced with the case study area through desktop study followed by the field visit. This helped the students toreview the existing conditions and development issues followed by sectoral analysis and projections. In the next stage they identified the development issues and potentialities. The final output includes the conceptual plan, prioritization of the proposed land use activities with proposed land use plan. After analyzing the city's existing situation, a vision as "A city of opportunities", encompassing the strategies of liveability and sustainability (inclusivity) was envisioned.

M.Planning (EPM) (Semester-2): Urban Environmental Planning Studio

Environmental Management Plan for a Coastal Town

Study Area: Machilipatnam (Andhra Pradesh)

Studio Faculty: Dr. Ayon K Tarafdar, Dr. Abdul Razak, Dr. Kiran Mayi

Machilipatnam is known to be vulnerable to cyclones. It has an interesting history as a town with a trading port where the Portugese, French and British traded and contributed to the growth of the town. The functioning of the port has gone down drastically after being damaged several times due to tidal surges from cyclones and Tsunami. In this backdrop, the students identified certain key issues of urban environmental services like inadequacy of water supply, sanitation and solid waste coverage and irrational transformation of hinterland. The town gets water-logged every monsoon and is spread along the beach and has a creek/backwater stretch. Other than administrative functions, it has three important economic activities- fishery, imitation jewelry and textile industries, mostly functioning at medium scale. The students embarked upon an academic journey of setting the environmental baseline of the town and then, with public consultation, strategizing for the growth of the town in an environmentally sensitive manner. In this backdrop, the studio was aimed to identify a roadmap of balanced growth for the coastal town of Machilipatnam.

The studio attempted to evolve strategies in four key sectors, namely Water Supply, Sanitation, Solid Waste Management and Hinterland development. The approach was guided by the overall concepts of inclusiveness, livability and sustainability. All strategies aimed at increasing coverage, equitable distribution of services, improved access and integration of tools for reducing wasteful use of energy and resources. Each sector of analysis led to two or three domains of strategies.

The students studied all the existing green and open spaces of the town and analyzed their potential as city level parks, neighborhood parks and housing area parks. They developed a city green cover

strategy where they earmarked existing government owned vacant plots as parks with easy and close access as one of the criteria. The students studied the immediate surroundings of Machilipatnam and developed a multi-criteria weighted index for finding land parcels to be conserved for ecological reasons and land parcels which can be used for development of future urban or economic functions. This land suitability of the hinterland and coastline brought out the need to conserve the wetlands and mangroves as a natural barrier to cyclones and sea-surges to the town. The findings of the studio were shared with local government and local experts at every stage of analysis to bring parity and contextual relevance.

M.Planning (EPM) (Semester-3): Regional Environmental Planning Studio

Critical Evaluation of Healthcare Facilities and Bio-Medical Waste Management Study Area: Krishna District
Studio Faculty: Dr. Ayon K Tarafdar and Jayakaran

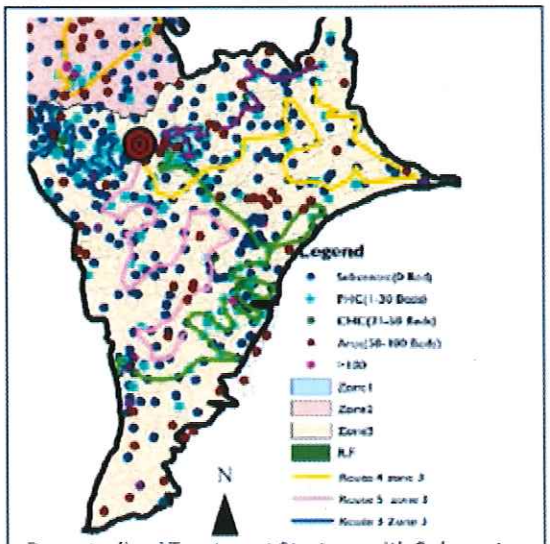

Decentralised Treatment Strategy with Sub-routes of collection. Snapshot of Output of Students.

Krishna district is traditionally known for being well-endowed in medical facilities. The district has over 650 government health care establishments (HCEs) and over 600 private HCEs approximately making the district a common and favored destination for medical treatment from across the state of Andhra Pradesh and even beyond. However, a majority of these HCEs are concentrated in the urban areas and cater to urban population predominantly. The district boasts of a functioning Common Biomedical Waste Treatment Facility (CBMWTF) which collects wastes and treats them for the district. However, preliminary estimates by students showed that there is a possibility of a huge gap in the coverage, and capacity of the existing CBMWTF to deal with all HCEs of present and future. In this backdrop, the final year students of M.Plan (Environmental Planning) carried out a studio exercise on "Critical Evaluation of Healthcare Facilities Biomedical Waste Management, Krishna District" that aimed at achieving sufficient levels of services both in terms of healthcare and management of the infectious waste from the bio-medical waste (BMW).

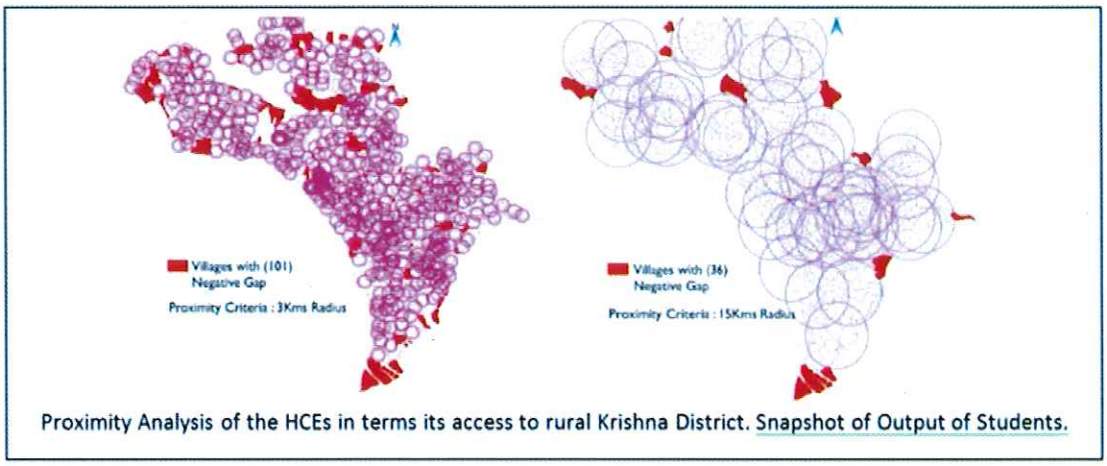

Proximity Analysis of the HCEs in terms its access to rural Krishna District. Snapshot of Output of Students.

The study culminated in the following –

a) Critically re-visiting the policy level inputs required to streamline accountability of HCEs, and efficiency in the BWM system of the District, by re-looking at the organizational and enforcement practices. The exercise also came out with spatial strategies of developing a bio-medical hub for specialized research and treatment of higher order.
b) The study suggested the decentralization of the BMW network for better and quicker collection and disposal that can cover the rural and urban areas.
c) The study also devised a new pricing mechanism of BMW that can help HCEs enroll and derive more benefit from the system.

The work was assessed by academicians from SPA Delhi and experts from waste management domain.

M.Planning (EPM) (Semester-4): Terminal Thesis / Project – List of Topics

S.No.	Reg. No	Name of the Student	Thesis Topics
1	2130300001	Vustela Anitha Reddy	Impact Assessment of Irrigation Dam on the Settlements: A Case Study of Pulichintala Dam in Andhra Pradesh
2	2130300002	Babita	Urban Green as Carbon Sink for Industrial Emission: A Case of Chandigarh U.T
3	2130300004	Meruga Pallavi	Strengthening the Performance of Domestic Water Supply Services: A case Of Tirupati City
4	2130300005	Ch Stalin Rajesh	Assessment of Socioeconomic Factors that Affect Domestic Solid Waste Generation And Composition
5	2130300006	Vamsi Deepak T S V	Strategies for Ecotourism Development in Krishna District, Andhra Pradesh
6	2130300007	R Mohammad Waseem	Planning for Sustainable Water Management Practices in an Industrial Area
7	2130300008	Priya A	Changing Landuse and its Impact on Ground Water Resource: A Case of Guntur City

3.2) DEPARTMENT OF PLANNING: FACULTY ACTIVITIES

Faculty of SPA Vijayawada has been contributing towards the enrichment of the academic programmes through their sustained efforts. The Institute has a dynamic mix of eminent faculty having experience in planning, architecture and allied fields of knowledge. Our faculty members are constantly involved in academics, research and developmental activities of the school.

1. Razak Mohamed, A. (2015), 'Socio-Cultural Dynamics of Built Environment', Department of Architecture, the National Institute of Technology, Patna on 28th March, 2015.
2. Razak Mohamed, A. (2015), Invited member, group discussion organised by the Chief Minister of Andhra Pradesh on the 'Preparation of Master Plan for the New Capital city of Andhra Pradesh'at Hyderabad, March 2015.
3. Razak Mohamed, A. (2015), Inaugural talk on *Tradition Vs Modern mode of Access to Research Literature*, the National workshop on Access to Online Resources: Way for Education, Research and Innovations organised by SPA Vijayawda on 7th March 2015
4. Shri Valliappan, 'Formal and Informal Education in Slum Areas: Case Study-Delhi' at the Conference: Right to Education to celebrate International Week of Solidarity at Paris, France and on 'A Remote Sensing and GIS approach to Trace the densification in Residential Areas' at Conference: Locate 15 Conference at Brisbane Convention Centre, Australia.
5. Razak Mohamed, A. (2014), Key note address on 'Vijayawada as a capital city - The Way Forward', ICREEE 2014, The International Conference on Renewable Energy and Environmental Engineering, Focused on 'Vijayawada City - Green Capital of India', organised by Basha Research Corporation, Singapore BRCORP and Cafet-Innova Technical Society (India) during 29-31 Dec. 2014, Vijayawada.
6. Razak Mohamed, A. (2014),Inaugural speech on 'Managing Research in Architecture and Town Planning', the National Conference on Scholarly Communication &Intellectual Property Rights *(SCIPR-2014),* SPAVijayawada, 4th & 5th August 2014.
7. Razak Mohamed, A. (2014), 'Affordable Housing - To Whom and Why', Conference on Design and Planning of Affordable

Sustainable Housing organised by Development Alternatives, New Delhi and SPAV, 4th July, 2014, Vijayawada

8. Razak Mohamed, A. (2014), Inaugural speech, National Workshop on 'Architectural Education Pedagogy and Professional Practice' organized by SPA Vijayawada during 23-24 May 2014
9. Shri Valliappan attended NNRMS training course on 'Remote Sensing & GIS Applications to Urban and Regional Planning' at Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Dehradun held on 05th May to 27th June, 2014.
10. Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed has been regularly contributing weekly articles on planning related issues to the newspaper Hans India.
11. Razak Mohamed, A. (2014) Appointed as the Editor-in-Chief, International Journal of Architecture, Planning & Building Engineering. Published by the Basha Research Corporation, Japan
12. Razak Mohamed, A. (2014), "Planning Education-Issues and Prospects" the Inaugural Speech delivered during the National Education Day, in commemorate the birth anniversary of Maulana Abul Kalam Azad as on 11-11-2014 organized by School of Planning and Architecture, Vijayawada.
13. Razak Mohamed, A. (2014), "Ethics in Town and Country Planning Education and Practice in India - Existing Trends and Future Prospects" Paper presented during the international conference on "Town and Country Planning Education: Retrospect and Prospect" organized by the SPA, Delhi, Bhopal, Vijayawada and ITPI, New Delhi at the Institute of Development Studies, Mysore University, Mysore between 21-23rd November 2014.

Apart from attending various national and international conferences and workshops, the faculty is constantly engaged in publishing technical papers in various national and international journals.

Publications

1. **Kranthi, Natraj** and **Valliappan AL**, (January 2015), 'Need for Paradigm Shift in Pedagogy for Teaching the Fundamentals of Physical Planning Education', International Advanced Research Journal in Science, Engineering and Technology (ISSN-Online-2393-8021) (ISSN-Print-2394-1588), Vol.2, Issue 1, IARJSET, Chennai, India. Available at: http://www.iarjset.com/upload/2015/january/IARJSET10.pdf

2. **Sharma S.** (2014), 'An Evaluation of UMEED in Ahmedabad: Analysis through Narratives'. Journal of Agriculture and Life Sciences. 1(1), P. 28-43.

3. **Sharma S.** (2014), 'Impact of Recession on Freight Transport of UK: Risk Assessment and Mitigation Strategies'. *Saarbrucken,* Germany: LAP Lambert Academic Publishing.

3.3) DEPARTMENT OF PLANNING: GUEST LECTURES

S.No.	Date	Guest	Topic	Batch
1	10 and 11 October 2014	Sanjeev Saxena	Planning Legislation	B.Plan (V semester and VII semester)
2	06 February 2015	D.Rama Krishna	Junction Improvement Plan	B.Plan (IV semester)
3	11 March 2015	Dr. Saraswati Raju Iyer	Elements of Sociology	B.Plan (II semester)
4	13 March 2015	Sridhar Nannapaneni	Solid Waste Management in Urban Areas	MPlan (URP) (II semester) and MPlan (EPM) (II semester)
5	24 March 2015	Dr. S. Chitra Chief Planner, CMDA	Master Plan Preparation Process	MPlan (URP) (II semester)
6	30 March 2015	Mrs. Mona Iyer Associate Prof., CEPT University	Current Practices of City Sanitation Plans & Energy Techniques	MPlan (EPM) (II semester)
7	24 April 2015	Prof. Chetan Vaidya Director, SPA Delhi	Urban Infrastructure	MPlan (URP) (II semester)
8	28 January 2015	Shyam Prakash	Traffic Surveys, Types, Techniques and Methodology	B.Plan (IV semester)

3.4) DEPARTMENT OF PLANNING: PRACTICAL TRAINING

The final year batch of B.Planning underwent professional training (compulsory) in different planning organisations across India for a period six weeks between May 2014 and July 2014. The details are as below:

S.No.	Name of Student	Name of Firm
1	Pranav Bhardwaj	Jones Lang LaSalle, Hyderabad
2	Bojedla Venkat Phanindra	Town And Country Planning Organisation, MoUD, Government of Goa
3	Venkat Ramana	Greater Warangal Municipal Corporation
4	C. Saketh Reddy	NCPE Infrastructure, Hyderabad
5	Farhana. K	KSUDP Trivandrum & Calicut
6	Dhawal Kataria	Lea Associates South Asia Pvt. Ltd. Hyderabad
7	Kesanakurthi Saikirani	Lea Associates South Asia Pvt. Ltd. Hyderabad
8	Savitri Kumari	Ranchi Urban Development Authority, Ranchi
9	Vineet Kumar Loharia	Gaur India Limited, Indirapuram, Ghaziabad
10	Sarthak Mohpatra	Bhubaneswar Development Authrity
11	Sk. Md. Farooq	Gaur India Limited
12	Athulya Satheesh	Jones Land Lasalle, Hyderabad
13	Dev Thakur	Kullu Municipal Corporation, Kullu
14	Rohit Patil	IIRS, ISRO, Dehradun
15	Venus Verma	Delhi Development Authority
16	Madhuri Kalah	Bhubaneswar Development Authority
17	Navin Kumar	Urban Development And Housing, Patna
18	Prithvi Mohan	INMAAS, Chennai
19	Sreekanth Satheesh	Gitpal International
20	Garima	IPE Global, New Delhi
21	Ede Sowmya	LEA Associate South Asia Pvt. Ltd. Hyderabad
22	K. Srilikhita	LEA Associate South Asia Pvt. Ltd. Hyderabad
23	L. Radhika Rudrani	DTCP Hyderabad
24	Md. Maaz Ali	Vijayawada Municipal Corporation
25	G. Chatinaya	Eluru Municipal Corporation

3.5) LIST OF PASSED OUT STUDENTS OF PLANNING IN 2014-15

Master of Planning (Environmental Planning and Management)

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	2130300001	Vustela Anitha Reddy
2	2130300002	Babita
3	2130300004	Meruga Pallavi
4	2130300005	Ch Stalin Rajesh
5	2130300006	Vamsi Deepak T S V
6	2130300007	R Mohammad Waseem
7	2130300008	Priya A

Bachelor of Planning

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	2110200061	Binil A V
2	2110200062	Shahbaz Anwar
3	2110200063	Amrita Bhatnagar
4	2110200064	Sruthi. C.S
5	2110200065	Aarushi Chawla
6	2110200066	Vineesh Das. K.
7	2110200067	Gani Uzma Mohamed
8	2110200071	Naina Gupta
9	2110200072	Suvankar Halder
10	2110200073	Deepak Kumar Hansdah
11	2110200074	Rajiv Menon. K
12	2110200075	Preetam Karmakar
13	2110200076	Ankit Kumar
14	2110200078	Parikshit Mehta
15	2110200079	Bipul Nayak
16	2110200080	Bijay Prakash
17	2110200081	Rohit R P
18	2110200082	S Karthik
19	2110200084	Rhiya Singh
20	2110200085	Preeti Sinha
21	2110200086	Tate Akshay Gajanan
22	2110200087	Ayush Upadhyay
23	2110200088	Muqthar
24	2110200089	Utkarsh
25	2100200045	Amuloju Siddharth
26	2100200054	Biju Narayanan
27	2100200055	Shahin Razack P
28	2100200060	Vaddady Ravali

Boards and Committees

- Academic Council
- Board of Studies (Architecture)
- Board of Studies (Planning)
- The Joint Committee of Departmental Research Committee
- Departmental Research Committee (Architecture)
- Departmental Research Committee (Planning)

4.1) THE ACADEMIC COUNCIL (2015)

1. Prof. Dr. N. Sridharan — Chairman
   Director, School of Planning and Architecture: Vijayawada
2. Shri A G Krishna Menon — Member
   N-125B, Panchshila Park,New Delhi-110017
3. Prof. Dr. Manaswini Acharya, — Member
   Professor, Marketing and Communications
   International Management Institute, B-10, Qutab Institutional Area,
   Tara Crescent,New Delhi-110016
4. Prof. Dr. Solomon Benjamin — Member
   Professor, Center for Humanities andSocial Sciences,
   Indian Institute of Technology-Madras,
   GUINDY, Chennai-600036
5. Prof. Dr. Atiya Habib Kidwai — Member
   A-59, Sector-26, Noida-201301
6. Dr. Partha Mukhopadhyay — Member
   Center for Policy Research,Dharam Marg,, off. Kautilya Marg,
   Chanakyapuri, New Delhi-110021
7. Prof. Dr. B Panduranga Rao, FIE — Member
   Professor and Head,Department of Civil Engineering,
   Velagapudi Ramakrishna Siddhartha Engineering College,
   Kanuru, Vijayawada-520007
8. One Representative from ITPI — Member
9. One Representative from IIA — Member
10. Prof. Dr. Neena Thomas — Member
    Professor, Department of Architecture,
    College of Engineering,Trivandrum-695016, Kerala
11. Prof. Dr. S. Ramesh — Member
    Dean of Studies &Head, Department of Architecture,
    School of Planning and Architecture, Vijayawada
12. Prof. Dr. M. Abdul Razak — Member
    Head,Department of Planning
    School of Planning and Architecture, Vijayawada

13. Dr. Natraj Kranthi — Member
Associate Professor,Department of Planning,
School of Planning and Architecture,Vijayawada

14. Shri G. Karteek — Member
Assistant Professor,Department of Architecture,
School of Planning and Architecture,Vijayawada

15. Shri RNS Murthy — Member
Assistant Professor,Department of Architecture,
School of Planning and Architecture,Vijayawada

16. Shri Valliappan AL — Member
Assistant Professor, Department of Planning,
School of Planning and Architecture, Vijayawada

17. Dr. P. Krishna Mohan — Secretary
Registrar
School of Planning and Architecture, Vijayawada

4.2) THE BOARD OF STUDIES (ARCHITECTURE) (2014-15)

1.	Prof. Dr. Ramesh Srikonda Professor and Head, Department of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Chairman
2.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Dean of Studies, Professor and Head, Department of Planning School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
3.	Prof. Dr. Shishir R Raval Professor and Head, Department of Architecture The Maharaja Sayajirao University of Baroda	Member
4.	Prof. Aneerudha Paul Director, Kamala Raheja Vidhyanidhi Institute of Architecture and Environmental Studies, Mumbai	Member
5.	Dr. Leon A. Morenas Associate Professor, Department of Architecture School of Planning and Architecture, Delhi	Member
6.	Shri Dean De Cruz Mozaic First Design Valley, Goa	Member
7.	Dr. Priyaleen Singh Professor of Architectural Conservation School of Planning and Architecture, Delhi	Member
8.	Shri Anil Kumar Chilakapati Assistant Professor, Department of Architecture School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
9.	Shri Ranga Naga Satyanarayana Murthy Assistant Professor, Department of Architecture School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
10.	Prof. A.G.K. Menon Panchashila Park, New Delhi	Member

4.3) THE BOARD OF STUDIES (PLANNING) (2013-15)

1.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Professor and Head, Department of Planning, School of Planning and Architecture, Vijayawada	Chairman
2.	Dr.Natraj Kranthi Associate Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
3.	Dr. Ayon K. Tarafdar Associate Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
4.	Shri Prasanth Vardhan Assistant Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
5.	Shri Maqbool Ahmed Assistant Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
6.	Prof. Dr. Krishne Gowda Professor of urban & Regional Planning Institute of Development Studies, University of Mysore	Member
7.	Dr.S.K.Kulushestra AO - 27, Shalimar Bagh,Delhi - 110 088	Member
8.	Dr. Neera Agnimitra Associate Professor, Department of Social Work University of Delhi	Member
9.	Dr. Surinder Aggarwal A 501 Mansara Apartments, Vasundhara Enclave, Delhi	Member
10.	Dr. Ratoola Kundu Assistant Professor, School of Habitat Studies, Tata Institute of Social Science,Mumbai- 400088	Member
11.	Dr.S.P.Bansal 1/5 Shoobd Pratab Ashram, Lashkar	Member

4.4) THE JOINT COMMITTEE OF DEPARTMENTAL RESEARCH COMMITTEE (2014-15)

1.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Professor and Head, Department of Planning, Dean of Studies, SPAV	Chairman
2.	Prof. Dr. Ramesh Srikonda Professor and Head, Department of Architecture, SPAV	Member
3.	Dr. Natraj Kranthi Associate Professor, Department of Planning Coordinator of Research Programme, SPAV	Member Secretary
4.	Prof. Dr. Krishne Gowda Director, Mysore Institute of Development Studies University of Mysore	Member
5.	Prof. Dr. Ranjit Mitra Professor, Department of Urban Design SPA Delhi	Member
6.	Prof. Dr. Binayak Choudhury Professor, Department of Planning, SPA Bhopal	Member
7.	Prof. Kulbhushan Jain Rtd. Professor, CEPT Ahmedabad	Member

4.5) DEPARTMENTAL RESEARCH COMMITTEE (ARCHITECTURE) (2014-15)

1.	Prof. Dr. Ramesh Srikonda Professor and Head, Department of Architecture, SPAV	Chairman
2.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Dean of Studies and Head, Department of Planning, SPAV	Member
3.	Dr. Natraj Kranthi Associate Professor, Department of Planning Coordinator of Research Programme, SPAV	Member
4.	Prof. Dr. Tathagata Chatterji Professor, Department of Architecture, SPAV	Member
5.	Prof. Dr. Uttam Kumar Banerjee Professor, Architecture & Regional Planning IIT Kharagpur	Member
6.	Prof. Dr.Aruna Ramani Grover Professor, Department of Architecture, SPA Delhi	Member

4.6) DEPARTMENTAL RESEARCH COMMITTEE (PLANNING) (2014-15)

1.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Professor and Head, Department of Planning, SPAV	Chairman
2.	Dr. Natraj Kranthi Associate Professor, Department of Planning Coordinator of Research Programme, SPAV	Member
3.	Dr. Ayon K Tarafdar Associate Professor, Department of Planning, SPAV	Member
4.	Prof. Dr. Pangotra Prem Professor, IIM Ahmedabad	Member
5.	Dr. Anant Maringanti Director, Hyderabad Urban Lab	Member

4.7) NOTE:

Board of Governors (2014-15)

The tenure of the Board of Governors appointed by Government of India completed by February 08, 2014. Orders of MHRD in connection with appointing Board of Governors are awaited.

The Building and Works Committee (2014-15)

The tenure of Building Works Committee was completed by February 08, 2014. Fresh BWC and FC will be constituted soon after the chairman of BoG assumes charge.

The Finance Committee (2014-15)

The tenure of the Finance Committee was completed by February 08, 2014. Fresh BWC and FC will be constituted soon after the Chairman of BoG assumes charge.

Annual Accounts 2014-15

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद - 500 004.
OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD - 500 004.
E-Block, Ist Floor
(Phone No: 040-23232069)

सत्यमेव जयते

Registrar (Accounts)
8/9/15

No.PDA(C)/CAB/Unit-1/PA/SPAV/SAR.2014-15/F-12/2015-16/68 Date: 01.09.2015

सेवा में
सचिव महोदय,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्री भवन,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: आयोजन तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा, **के वर्ष 2014-15 के** लेखों **पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन**

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), for the year 2014-15, Annexure to SAR and one copy of the Annual Accounts of the Institute for the year 2014-15, are forwarded herewith for placing before the Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,
Sd/-
(AJAIB SINGH)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

संल:यथोपरि

Endt. No.PDA(C)/CAB/Unit-1/PA/SPAV/SAR.2014-15/F-12/2015-16/68 Date: 01.09.2015

Copy to the Director, School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), Survey No.71/1, NH-5, Nidamanuru, Vijayawada-521 104, along with one copy of Annual Accounts for the year 2014-15 (English version) and D.O Management Letter, with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2014-15 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

(ROLI SHUKLA MALGE)
निदेशक/ प्रत्यक्ष कर & केन्द्रीय स्वायत्त निकायों
DIRECTOR/DT & CAB

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of School of Planning and Architecture, Vijayawada, for the year ended 31 March 2015

We have audited the attached Balance Sheet of School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), as at 31 March 2015 Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account for the year ended on that date, under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971, read with Section 23(b), of the Memorandum of Association and Rules of the School of Planning and Architecture, Vijayawada. The audit has been entrusted for further period up to 2017-18. These financial statements are the responsibility of the School's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account dealt with by this Report have neither been drawn in the Uniform Format of Accounts approved by Ministry of Finance nor in the Revised Format of Accounts, prescribed by Ministry of Human Resource Development, Government of India, for Central Education Institutions.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained as required, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A. Balance Sheet

A.1 Sources of Funds

A.1.1 Designated/Earmarked Funds: ₹ 56.9 crore (Schedule-3)

A.1.1.1 This includes capital expenditure of ₹ 5,77,77,181/-[1] incurred during the year out of earmarked Plan-Capital Grants, which was not debited to this Fund account by corresponding credit to Corpus/Capital Fund. This resulted in understatement of Corpus/Capital Fund and overstatement of Designated/Earmarked Funds by ₹ 5.78 crore.

A.1.2 Current Liabilities & Provisions: ₹ 3.14 crore (Schedule-6)

A.1.2.1 This includes total amount of ₹ 21,89,152/-[2] received from External Agencies towards specific purposes, which was incorrectly exhibited under Current liabilities, instead of under Designated/Earmarked Funds, which resulted in overstatement of Current Liabilities and understatement of Designated/Earmarked Funds by ₹ 21.9 lakh.

---

[1] **(i) Expenditure towards acquisition of fixed assets during the year: ₹ 1,10,98,944/- and (ii) Expenditure towards Architect Fees: ₹ 94,83,173/- and (iii) Payment to Municipal Corporation of Vijayawada, for Building plan approval :₹ 3,71,95,064/-**

[2] **(i) IIT, Mumbai, towards Design and Innovation Centre (DIC): ₹ 17,50,000/-and (ii) Ministry of Urban Development, towards project related to Building Materials & Technology Promotion Council (unspent balance) : ₹ 4,39,152/-**

B. Income and Expenditure Account

B.1 Income: ₹ 12.86 crore

B.1.1 This includes Fee of ₹ 31,21,957/- collected for the period (April 2015 to June 2015), in advance during the year, as part of the Academic year, which was incorrectly accounted as current year income, instead of as 'Fees received in advance' under Current Liabilities, though accounts were maintained on accrual basis. This resulted in overstatement of Income and understatement of Current Liabilities & Provisions by ₹ 31.22 lakh. Surplus was also overstated by ₹ 31.22 lakh.

C. General

Provision towards retirement benefits was not made as per actuarial valuation, as required under Accounting Standard-15.

D. Grants-in-aid: Out of total Grants-in-aid of ₹ 31.25 crore[3] received during the year (including grants of ₹ 4.25 crore received in March 2015), together with previous year certified balance of ₹ (-) 2.25 crore and other receipts of ₹ 2.48 crore, totaling ₹ 31.48 crore, the School utilised a sum of ₹ 32.71 crore[4], leaving a balance of ₹ (-) 1.23 crore, as on 31st March 2015.

---

[3] **(i) Plan- Capital (General, SC & ST) : ₹ 20.87 crore, (ii) Plan-(General, SC & ST) : ₹ 4.74 crore and (iii) Plan – Salaries (General, SC & ST): ₹ 5 .64 crore**

[4] **(i) Revenue expenditure: ₹ 10.78 crore (ii) Expenditure towards acquisition of fixed assets during the year: ₹ 1.11 crore and (ii) Expenditure towards Architect Fees, including TA to Consultant: ₹ 0.98 crore (iii) Payment to Municipal Corporation of Vijayawada, for Building plan approval : ₹ 3.72 crore and (iv) Advances to CPWD: ₹ 16.12 crore**

E. Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Separate Audit Report have been brought to the notice of the Director, School of Planning and Architecture, Vijayawada, through a Management letter issued separately for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report , give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of School of Planning and Architecture, Vijayawada, as at 31 March 2015; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

01/09/15

(AJAIB SINGH)
Principal Director of Audit (Central)

ANNEXURE

1. Adequacy of Internal Audit System: The assignment of Internal audit was entrusted to an Internal Auditor, who completed the audit for the year 2014-15. The system of internal audit was found to be adequate in audit.

2. Adequacy of Internal Control System: The Internal Control System is adequate and commensurate with the size and nature of the School, in areas seen in audit.

3. System of Physical verification of fixed assets: Physical verification of fixed assets was completed for the year 2014-15 and no discrepancies were noticed in audit.

4. System of Physical verification of inventory: There was no inventories/Stock with the School, to the end of 31st March 2015. Further, as per Accounting Policy No.3 of the School, expenditure on inventories was treated as revenue expenses.

5. Regularity in payment of statutory dues: Statutory dues were paid regularly.

R S Malge

(ROLI SHUKLA MALGE)
निदेशक/ प्रत्यक्ष कर & केन्द्रीय स्वायत्त निकायों
DIRECTOR/DT & CAB

FINANCIAL STATEMENTS

2014-15

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA
(Established in 2008 by Ministry of Human Resource Developoment, Govt. of India)
Sy. No. 71/1, NH - 5, Nidamanuru, Vijayawada - 521 104. Andhra Pradesh.
Phone : 0866 - 2469 445, 2469 447, 2469 446 Fax : 0866 - 2469 451

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

(Amount in Rs.)

SOURCES OF FUNDS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
UNRESTRICTED FUNDS			
Corpus	1	7,79,13,755	5,57,07,338
General Fund	2	-	-
Designated / Earmarked Funds	3	56,90,00,000	34,78,85,685
RESTRICTED FUNDS	4	-	-
LOANS/BORROWINGS	5	-	-
Secured		-	-
Unsecured		-	-
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	6	3,13,75,846	2,84,19,934
TOTAL		**67,82,89,601**	**43,20,12,957**
APPLICATION OF FUNDS			
FIXED ASSETS	7		
Tangible Assets		2,95,77,291	2,61,09,398
Intangible Assets		-	-
Capital Work-In-Progress		30,17,17,911	-
INVESTMENTS	8	-	-
Long Term		-	-
Short Term		-	-
CURRENT ASSETS	9	4,69,10,324	2,61,68,355
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	10	30,00,84,075	37,97,35,204
TOTAL		**67,82,89,601**	**43,20,12,957**
Significant Accounting Policies	22		
Contingent Liabilites and Notes on Accounts	23		

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture.

Audited

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31-03-2015

(Amount in Rs.)

	SCHEDULE	CURRENT YEAR					PREVIOUS YEAR
		Unrestricted Funds			Restricted Fund	Total	Total
		Corpus	Designated Fund	General Fund			
INCOME							
Academic Receipts	11	1,85,94,549	-	-	-	1,85,94,549	1,38,64,502
Grants & Donations	12	10,38,00,000	-	-	-	10,38,00,000	6,30,00,000
Income from investments	13		-	-	-	-	-
Other Incomes	14	62,37,934	-	-	-	62,37,934	54,04,696
						-	-
TOTAL (A)		12,86,32,483	-	-	-	12,86,32,483	8,22,69,198
EXPENDITURE							
Staff Payments & Benefits	15	3,92,78,053	-	-	-	3,92,78,053	1,97,61,639
Academic Expenses	16	1,22,42,718	-	-	-	1,22,42,718	55,11,465
Administrative and General Expenses	17	4,25,33,412	-	-	-	4,25,33,412	5,18,72,935
Transportation Expenses	18	9,26,326	-	-	-	9,26,326	34,01,371
Repairs & maintenance	19	26,95,439	-	-	-	26,95,439	21,73,959
Finance & costs	20	9,796	-	-	-	9,796	61,699
Other Expenses	21	21,50,675	-	-	-	21,50,675	9,45,432
Depreciation		79,34,532	-	-	-	79,34,532	68,31,880
TOTAL (B)		10,77,70,951	-	-	-	10,77,70,951	9,05,60,380
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		2,08,61,532					-82,91,182
Transfer to/from Designated fund							
Building fund							
Other (specify)							
Balance being Surplus (Deficit) Carried to General Fund							
Significant Accounting Policies	22						
Contingent Liabilites and Notes on Accounts	23						

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

Checked
SAO/CASR

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

RECEIPT & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD / YEAR FROM 01-04-2014 TO 31-03-2015

(Amount in Rs.)

RECEIPTS	Current Year		PAYMENTS	Current Year	
	Amount (Rs.)	Amount (`.)		Amount (`.)	Amount (`.)
To Opening Balance :					
- Cash in hand			By Purchase of Fixed Assets		1,10,98,94
- Bank balances		44,05,750	By Capital Work-in-Progress		28,93,03,59
To Grants Received :			**By Expenditure:**		
- Capital Grant	20,87,00,000		- Staff Payments & Benefits	3,92,70,662	
- Revenue Grant	10,38,00,000	31,25,00,000	- Academic Expenses	1,35,88,337	
			- Administrative and General Expenses	4,45,92,671	
To Interest earned			- Transportation Expenses	9,26,326	
- SB Interest	7,53,978.00		- Repairs & maintenance	26,95,439	
- Fixed Deposit Interest	24,72,785.00	32,26,763	- Finance & costs	9,796	10,10,83,23
To Academic Fees collected from students		1,89,57,939	By Academic Fee refunded to withdrawn students		3,63,39
To Other Incomes		13,32,818			
To Deposits collected from Students			**By Deposits returned to Students**		
- Hostel	7,44,000		- Hostel	5,70,000	
- Library	7,30,000		- Library	4,95,000	
- Mess	3,02,500		- Mess	1,93,000	
- School	7,30,000	25,06,500	- School	4,95,000	17,53,00
To Deposits adjusted against expenses			**By Deposits paid during the year**		
			- Gas Cylinder Deposit	6,800	
- Rent	3,37,983		- Rent Advance	2,65,000	
- The KDCO Mutually Aided Cooperative Stores, VJA	89,318	4,27,301	- The KDCO Mutually Aided Cooperative Stores, VJA	96,172	3,67,97
To Statutory Liabilities			**To Statutory Liabilities**		
- Income Tax / TDS	64,52,943		- Income Tax / TDS	64,52,943	
- Professional Tax	1,12,050		- Professional Tax	1,12,050	
- New Pension Scheme	40,38,596		- New Pension Scheme	40,81,242	
- Others	4,66,576		- Others	4,66,576	
		1,10,70,165			1,11,12,81
To Fixed deposits matured		23,03,59,331	By Fixed Deposits		24,00,00,00
To Receipts			**By Payment/refund**		
- Security Deposits / Retention Money	10,13,013		- Security Deposits / Retention Money	1,62,975	
- Alumni Association Fees	2,64,500		- Alumni Association Fees	5,66,400	
- NASA Fees	3,74,000		- NASA Fees	2,38,090	
- NOS Plan Fees	1,47,000		- NOS Plan Fees	3,000	
- Student Aid Fund	1,04,200		- Student Aid Fund	1,200	
- Student Association Fees	5,40,982		- Student Association Fees	5,02,719	
- Exces Fees deposited	1,27,154		- Excess Fees refunded/ adjusted	1,38,550	
- Scholarships	23,45,800		- Scholarships	23,10,104	
- Other receipts	22,25,000		- Other Expenses	35,848	
- Mess Receipts	94,70,724	1,66,12,373	- Mess payments	98,87,817	1,38,46,70
To Advances Adjusted		24,76,66,613	By Advances given during the Year		16,62,15,15
To Fees collected in advance (2015-16)		45,300	By Leave Encashment		3,20,95
To Sale of Assets Almirahs & Gas		14,618	By Pension		6,80,09
To excess payments of previous years recovered		9,51,567	By Prior Peiod Expenses		1,02,49
To Fees Receipts from CSAB		80,000			
			By Closing Balance :		
			- Cash in hand		
			- Bank balances		1,39,08,69
TOTAL		85,01,57,037	TOTAL		85,01,57,03

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR

Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2015

Cash Flow from Operating Activities		
Surplus/(deficit) for the year	2,08,61,532	
Add : Prior Period Excess Payments recovered	9,51,567	
Add : Prior period capital expenditure shown as revenue expenditure (Retainer Fees paid to Architect)		
Add: Excess provision made during the previous year towards Gratuity of Dr. Shovan K Saha		
Add: Provision made during the year for encashment leave of Dr. Y. Srinivasa Rao, Dy. Librarian	-	
Less : Previous year Grants received for creation of capital assets is transferred to Earmarked Funds		
Less : Mess Transporation charges for FY 2012-13 wrongly charged to Mess Bills		
Less : Prior Period Provision for Pension of Dr. Shovan K Saha is made during the Year	-	**2,18,13,099**
Adjustments for the non-operating incomes/expenses		
- Depreciation	79,34,532	
- Write offs	75,219	
- Interest expenses on loans		
- (Interest Income)	-33,97,160	
- (Grants relating to assets to the extent recognised as Income in the Income & Expenditure Account)	-	**46,12,591**
Surplus/(deficit) before changes in the Current Assets/Current Liabilities	**46,12,591**	
- (Increase)/Decrease in Current Assets	80,000	
- Increase/(Decrease) in Current Liabilities	29,55,912	**30,35,912**
Net Cash from Operating Activities		**2,94,61,602**
Cash Flow from Investing Activities:		
- Sale/writtenoff of fixed assets	14,618	
- (Purchase) of fixed assets	-30,04,02,540	
- (Purchase)/Sale of investments		
- Interest received	33,97,160	
- Dividend received		
- (Increase)/Decrease in Loans, Advances & Deposits	7,96,51,130	**-21,73,39,632**
Net Cash from Investing Activities		
Cash Flow from Financing Activities:		
- Additions to general fund during the year		
- Grants/funds in nature of founders/'Promoters' Contribution		
- Grants/funds related to assets not requiring fulfillment of any obligation	20,87,00,000	
- Endowment fund (principal sum)	-	
- Proceeds from long term borrowings	-	
- (Repayment of long-term borrowings)	-	
- Interest paid on loans	-	
Net Cash Flow From Financing Activities		**20,87,00,000**
Net Increase/Decrease in Cash equivalents		**2,08,21,970**
Cash and Cash equivalent at the beginning of the period		**2,60,38,354**
Cash and Cash equivalent at the end of the period		**4,68,60,324**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada, 521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2015

Cash Flow from Operating Activities		
Surplus/(deficit) for the year	2,08,61,532	
Add : Prior Period Excess Payments recovered	9,51,567	
Add : Prior period capital expenditure shown as revenue expenditure (Retainer Fees paid to Architect)		
Add: Excess provision made during the previous year towards Gratuity of Dr. Shovan K Saha		
Add: Provision made during the year for encashment leave of Dr. Y. Srinivasa Rao, Dy. Librarian	-	
Less : Previous year Grants received for creation of capital assets is transferred to Earmarked Funds		
Less : Mess Transporation charges for FY 2012-13 wrongly charged to Mess Bills		
Less : Prior Period Provision for Pension of Dr. Shovan K Saha is made during the Year	-	**2,18,13,099**
Adjustments for the non-operating incomes/expenses		
- Depreciation	79,34,532	
- Write offs	75,219	
- Interest expenses on loans		
- (Interest Income)	-33,97,160	
- (Grants relating to assets to the extent recognised as Income in the Income & Expenditure Account)	-	**46,12,591**
Surplus/(deficit) before changes in the Current Assets/Current Liabilities	**46,12,591**	
- (Increase)/Decrease in Current Assets	80,000	
- Increase/(Decrease) in Current Liabilities	29,55,912	**30,35,912**
Net Cash from Operating Activities		**2,94,61,602**
Cash Flow from Investing Activities:		
- Sale/writtenoff of fixed assets	14,618	
- (Purchase) of fixed assets	-30,04,02,540	
- (Purchase)/Sale of investments		
- Interest received	33,97,160	
- Dividend received		
- (Increase)/Decrease in Loans, Advances & Deposits	7,96,51,130	**-21,73,39,632**
Net Cash from Investing Activities		
Cash Flow from Financing Activities:		
- Additions to general fund during the year		
- Grants/funds in nature of founders/'Promoters' Contribution		
- Grants/funds related to assets not requiring fulfillment of any obligation	20,87,00,000	
- Endowment fund (principal sum)	-	
- Proceeds from long term borrowings	-	
- (Repayment of long-term borrowings)	-	
- Interest paid on loans	-	
Net Cash Flow From Financing Activities		**20,87,00,000**
Net Increase/Decrease in Cash equivalents		**2,08,21,970**
Cash and Cash equivalent at the beginning of the period		**2,60,38,354**
Cash and Cash equivalent at the end of the period		**4,68,60,324**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
No. 71/1, NH-5, Nidamanuru

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 1 : CORPUS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balance as at the beginning of the year	5,57,07,338	24,58,23,046
Less : Previous year Grants received for creation of capital assets is transferred to Earmarked Funds		-18,83,00,000
Less : Mess Transporation charges for FY 2012-13 wrongly charged to Mess Bills		-1,54,426
Add: Prior Period excess payments recovered/adjusted during the year	9,51,567	5,70,100
Add : Assets acquired out of CPDA	13,59,592	51,02,576
Less : Previous Year Depreciation for assets purchased out of CPDA	-9,66,274	
Add: Excess provision made during the previous year towards Gratuity of Dr. Shovan K Saha		10,00,000
Add: Provision made during the year for encashment leave of Dr. Y. Srinivasa Rao, Dy. Librarian		1,20,048
Less : Prior Period Provision for Pension of Dr. Shovan K Saha is made during the Year		-1,62,824
Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	2,08,61,532	-82,91,182
BALANCE AT THE YEAR END	**7,79,13,755**	**5,57,07,338**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 2 : GENERAL FUND

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balance as at the beginning of the year	0.00	0.00
Add: Contributions towards General Fund	0.00	0.00
Add: Prior Period excess payments recovered during the year	0.00	0.00
Add: Prize Money paid to the Architects in the Year 2011-12 which is to be adjusted against future payments was treated as expenditure.	0.00	0.00
Add: Capital Grants Received during the year	0.00	0.00
Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	0.00	0.00
BALANCE AT THE YEAR -END	**0.00**	**0.00**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 3 : DESIGNATED/EARMARKED FUNDS

	FUND WISE BREAK UP				TOTAL	
	Creation of Capital Asset	FUND BB	FUND CC	FUND DD	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Opening balance of the Funds	36,03,00,000	-	-	-	36,03,00,000	-
b) Additions to the Funds	-	-	-	-	-	-
i. Donations/grants	20,87,00,000	-	-	-	20,87,00,000	17,20,00,000
ii. Income from investments made of the funds	-	-	-	-	-	-
iii. Accrued interest on investments of the funds	-	-	-	-		-
iv. Other additions (specify nature)	-	-	-	-	-	-
Add : Previous year Grants received for creation of capital assets is transferred to Earmarked Funds	-	-	-	-	-	18,83,00,000
TOTAL (a+b)	**56,90,00,000**	-	-	-	**56,90,00,000**	**36,03,00,000**
c) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds					-	
i. Capital Expenditure					-	
- Fixed Assets		-	-	-	-	-
- Others		-	-	-	-	-
Capital Work-in-progress					-	1,24,14,315
Total	-	-	-	-	-	**1,24,14,315**
ii. Revenue Expenditure						
- Salaries, Wages and allowance etc.	-	-	-	-	-	-
- Rent	-	-	-	-	-	-
- Other Administrative expenses	-	-	-	-	-	-
Total ©	-	-	-	-	-	**1,24,14,315**
NET BALANCE AS AT THE YEAR-END (a+b-c)	56,90,00,000	-	-	-	56,90,00,000	34,78,85,685

(Dr. P. Krishna Mohan)
Registrar
REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 4 : RESTRICTED FUNDS

	FUND WISE BREAK UP				TOTAL	
	FUND AA	FUND BB	FUND CC	FUND DD	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Opening balance of the Funds						
b) Additions to the Funds						
i. Donations/grants						
ii. Income from investments made on account of the funds						
iii. Accrued interest on investments of the funds						
iv. Other additions (specify nature)						
TOTAL (a+b)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
c) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds						
i. Capital Expenditure						
- Fixed Assets						
- Others						
Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
ii. Revenue Expenditure						
- Salaries, Wages and allowance etc.						
- Rent						
- Other Administrative expenses						
Total ©	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
NET BALANCE AS AT THE YEAR-END (a+b+c)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 5 : LOANS/BORROWINGS

SECURED LOANS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Central Government	-	-
2. State Government (Specify)	-	-
3. Financial Institutions	-	-
a) Term Loans	-	-
b) Interest accrued and due	-	-
4. Bank	-	-
a) Term Loans	-	-
- Interest accrued and due	-	-
b) Other Loans (specify)	-	-
- Interest accrued and due	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-
7. Others (Specify)	-	-
Total	-	-
Note: Amounts due within one year	-	-

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR

Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

UNSECURED LOANS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Central Government	-	-
2. State Government (Specify)	-	-
3. Financial Institutions	-	-
4. Bank	-	-
a) Term Loans	-	-
b) Other Loans (specify)	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-
7. Fixed Deposits	-	-
8. Others (Specify)	-	-
Total	-	-
Note: Amounts due within one year	-	-

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR

Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE 6 - CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Deposits from staff				
2. Deposits from students		92,47,500		84,94,000
3. Sundry Creditors				
- Staff Payments & Benefits	10,341.00		2,950	
- Academic Expenses	1,03,521.00		14,49,140	
- Administrative and General Expenses	12,33,176.00		13,55,747	
- Transportation Expenses				
- Repairs & maintenance				
- Finance & costs				
- Others	13,47,199.00		13,03,339	
- Fixed Assets	91,130.00	27,85,367	91,130	42,02,306
4. Advances Received				
5. Interest accrued but not due on:				
a) Secured Loans/borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings				
6. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC Tax, CPF, GIS, NPS)				
a) Overdue				
b) Others	0			42,646
7. Other Current Liabilties				
a) Salaries				
b) Receipts against sponsored projects				
c) Receipts against sponsored fellowships & scholarships				
d) Unutilised Grants				
e) Grants in advance				
f) Other funds				
g) Other liabilities				
i) Security Deposits / Retention Money	23,41,790		14,91,752	
ii) Alumni Association Fees	-		3,01,900	
iii) NASA Fees	1,69,490		33,580	
iv) NOS Plan Fees	3,38,586		1,94,586	
v) SPA Stores Association Fees	2,35,000		2,35,000	
vi) Student Aid Fund	3,67,326		2,64,326	
vii) Student Association Fees	10,39,391		10,01,128	
viii) Fees refundable to Students	2,90,655		3,36,655	
ix) Scholarships	55,696		20,000	
x) Timebarred Cheques	1,17,890		1,17,890	
xi) Mess Advance	36,50,861		41,09,689	81,06,506
xii) Excess Fees paid at CSAB	3,200			
xiii) Personal Deposit (Excess Fees paid by students)	31,404			
xiv) Pre-collected (Fees from students)	45,300			
xv) Building Materials & Technology Promotion Council	4,39,152			
xvi) Design & Innovation Center (DIC)	17,50,000	1,08,75,741		
TOTAL (A)		2,29,08,608		2,08,45,458
B. Provisions				
1. For Taxation				
2. Gratuity	39,58,690		33,95,957	
3. superannuation/Pension			6,80,096	
4. Accumulated Leave Encashment	32,49,433		21,60,155	
5. Expenses payable				
Staff Payments & Benefits				
Administrative and General Expenses			13,38,268	
	12,59,115	84,67,238		75,74,476
6. Trade Warranties/Claims				
7. Others (specify)				
TOTAL (B)		84,67,238		75,74,476
TOTAL (A+B)		3,13,75,846		2,84,19,934

Registrar
School of Planning and Architecture
(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

Director
School of Planning and Architecture
(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 7 : DEPRECIATION

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/valuations at the year end	As at the beginning of the year	For the year	On deductions during the year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
I. Land:	-			-				-	-	-
a) Freehold	1			1				-	1	1
b) Leasehold	-			-				-	-	-
II. Buildings:	-			-				-	-	-
a) On Freehold Land	-			-				-	-	-
b) On Leasehold Land	-			-				-	-	-
c) Ownership Flats/Premises	-			-				-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to educational institutions	-			-				-	-	-
III. A) Plants, machinery & equipment	3,81,777	5,84,245		9,66,022	43,034	87,236		1,30,270	8,35,752	3,38,743
b) Scientific & Lab Equipment		17,93,381		17,93,381		1,34,503		1,34,503	16,58,878	
IV. Vehicle	1,55,725	-		1,55,725	78,032	11,654		89,686	66,039	77,693
V. Furniture & fixtures	1,88,09,794	22,57,688	1,11,720	2,09,55,762	47,74,605	16,00,205	24,290	63,50,520	1,46,05,242	1,40,35,189
VI. Office Equipment	22,89,280	5,49,163		28,38,443	9,38,026	2,81,944		12,19,970	16,18,473	13,51,254
VII. Computer/peripherals	1,83,92,131	34,62,398		2,18,54,529	1,53,96,423	31,67,780		1,85,64,203	32,90,326	29,95,708
VIII. Electric Installations	39,89,834	1,45,989		41,35,823	5,40,795	3,57,677		8,98,472	32,37,351	34,49,039
IX. Library Books	82,60,704	5,83,433	5,320	88,38,817	63,02,031	14,47,155	2,913	77,46,273	10,92,544	19,58,673
X. Tube wells & water supply	-			-	-			-	-	-
XI. Other fixed assets	-			-	-			-	-	-
a) Constructions	22,67,529	4,03,698		26,71,227	4,27,716	2,22,031		6,49,747	20,21,480	18,39,813
b) Sports	90,038	-		90,038	26,753	9,493		36,246	53,792	63,285
A. Total of CURRENT YEAR	-			-	-			-	-	-
PREVIOUS YEAR	-			-	-			-	-	-
XII. Capital Work-in-progress	1,24,14,315	28,93,03,596		30,17,17,911	-			-	30,17,17,911	1,24,14,315
TRANSFER TO ASSETS					-			-	-	-
B. NET WORK - IN - PROGRESS								-	-	-
Fixed Assets purchased out of Cumulative Professional Development Allowance								-	-	-
i) Computers/peripherals		20,27,433		20,27,433		13,15,851		13,15,851	7,11,582	-
ii) Books		2,03,198		2,03,198		1,38,249		1,38,249	64,949	-
ii) Equipment		4,47,910		4,47,910		1,27,028		1,27,028	3,20,882	-
				-				-	-	-
TOTAL (A+B)	6,70,51,128	30,17,62,132	1,17,040	36,86,96,220	2,85,27,415	89,00,806	27,203	3,74,01,018	33,12,95,202	3,85,23,713

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR

Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 8: INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. In Central Government Securities		-
2. In State Government Securities		-
3. Other approved Securities		-
4. Shares		-
5. Debentures and Bonds		-
6. Others (to be specified)		-
TOTAL		-

INVESTMENTS OTHERS

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. In Central Government Securities		-
2. In State Government Securities		-
3. Other approved Securities		-
4. Shares		-
5. Debentures and Bonds		-
6. Others (to be specified)		-
TOTAL		-

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2015

SCHEDULE - 10 : LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)		
a) Salary		-
b) Festival		-
c) LTC		-
d) Medical		-
e) Other (to be specified)		-
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)		
a) Vehicle loan		-
b) Home loan		-
c) Others (to be specified)		-
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received		
a) On Capital Account	29,68,10,414	37,82,55,000
b) to suppliers		-
c) Others	3,190	10,065
4. Prepaid Expenses		
a) Insurance	7,564	-
b) Administrative and General Expenses	19,82,062	1,29,966
c)Transportation Expenses		-
5. Deposits:		
a) Telephone		-
b) Lease Rent	12,18,200	12,91,183
c) Electricity	17,370	17,370
d) AICTE, if applicable		-
e) MCI, if applicable		-
f) Others (to be specified)		-
i) NASA Cautiop Deposit		-
ii) The KDCO Mutually Aided Cooperative Stores, Vijayawada	38,474	31,620
iii) Kalpana Enterprises, Vijayawada (Gas Cylinder Deposit)	6,800	
6. Income Accrued:		
a) On Investments from Earmrked/Endowment Funds		-
b) On Investments-Others		-
c) On Loans and Advances		-
d) Others (includes income due unrealized Rs. .....)		-
7. Other receivable		
a) Debit balances in Sponsored Projects		-
b) Debit balances in Fellowship & Scholarship		-
c) Grants Recoverable		-
d) Other receivables		-
8. Claims Receivable		-
TOTAL	**30,00,84,075**	**37,97,35,204**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2015

SCHEDULE - 11 : ACADEMIC RECEIPTS

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
FEE FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee	97,15,730	56,86,175
2. Admission fee		
3. Enrolment fee	3,02,000	2,18,000
4. Library and Audio Visual Fee		
5. Laboratory Fee		
6. Art & Craft fee		
7. Registration fee	2,61,500	2,34,500
8. Magazine Fee	1,53,600	1,40,700
9. Printing & Stationary Fee		
10. Academic Support Fee	20,55,000	18,76,000
TOTAL (A)	**1,24,87,830**	**81,55,375**
Examinations		
1. Admission test fee		
2. Annual Examination fee / Supplementary Exam Fee / Duplicate Hal	40,350	60,800
3. Mark sheet, certificate fee	83,920	
TOTAL (B)	**1,24,270**	**60,800**
Other fees		
1. Identity Card fee	9,100	
2. Fine/Miscellaneous fee	72,389	9,95,533
3. Medical fee		
4. Transportation fee	9,75,500	9,60,622
5. Games Fee	1,54,500	1,40,700
6. Readmission Fee	35,000	
7. Hostel fee		
a) Electricity Charges	12,04,920	10,95,251
b) Medical Fee	2,10,620	1,91,926
c) Room Rent	32,39,070	22,44,445
TOTAL ©	**59,01,099**	**56,28,477**
Sale of Publications		
1. Sale of syllabus and Question Paper, etc.,		
2. Sale of prospectus including admission forms	81,350	19,850
TOTAL (D)	**81,350**	**19,850**
GRAND TOTAL (A+B+C+D)	**1,85,94,549**	**1,38,64,502**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2015

SCHEDULE - 12 : GRANTS & DONATIONS (Irrevocable Grants & Subsidies Received)

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1) Central Government	10,38,00,000	6,30,00,000
2) State Government (s)		-
3) Government Agencies		-
4) Institutions/Welfare Bodies		-
5) International Organisations		-
6) Others (specify)		-
TOTAL	10,38,00,000	6,30,00,000

SCHEDULE - 13 : INCOEM FROM INVESTMENTS

(Amount in Rs.)

Investment from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1) Interest		
a) On Govt. Securities	-	-
b) Other Bonds/Debentures	-	-
2) Income received		
a) Each Fund separately	-	-
3) Income accrued		
a) Each Fund separately	-	-
4) Interest on Bank Deposits	-	-
TOTAL		
TRANSFERRED TO EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	-	-

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2015

SCHEDULE - 14 : OTHER INCOME

(Amount in Rs.

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEA
A. Income from Land & Building		
1. Hostel Room Rent		
2. License Fee		
3. Hire Charges of Auditorium/Play ground/Convention Centre, etc		
4. Electricity & water charges		
TOTAL (A)		
B. Sale of Institute's publications		
C. Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/sports carnival		
Less: Direct expenditure incurred on the annual function/sports carnival		
2. Gross Receipts from fetes		
Less: Direct expenditure incurred on the fetes		
3.Gross Receipts for educational tours		
Less: Direct expenditure incurred on the tours		
4. Others (to be specified and separately disclosed)		
TOTAL (C)		
D. Interest on Term Deposits:		
a) With Scheduled Banks	41,51,138	33,19,7
b) With Non-Scheduled Banks		
c) With Institutions		
d) Others		
TOTAL (D)	**41,51,138**	**33,19,7**
E. Interest on Savings Accounts:		
a) With Scheduled Banks	7,53,978	16,79,1
b) With Non-Scheduled Banks		
c) With Institutions		
d) Others		
TOTAL (E)	**7,53,978**	**16,79,1**
F. Interest On Loans:		
a) Employees/Staff		
b) Others		
TOTAL (F)		
G. Interest on Debtors and Other Receivables		
H. Others		
1. Income from consultancy		
2. RTI Fees	130	4
3. Income from Royalty		
4. Sale of application form (recruitment)	1,000	2,95,1
5. Misc. receipts (Sale of tender form, waste paper, etc.)	13,31,688	1,10,2
6. Profit on Sale/disposal of Assets:		
a) Owned assets		
b) Assets acquired out of grants or received free of cost		
7. Prior Period Income		
TOTAL (H)	**13,32,818**	**4,05,8**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E+F+G+H)	**62,37,934**	**54,04,6**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR

Director
School of Planning and Archit
Vijayawada, Andhra Prade

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2015

SCHEDULE - 15 : STAFF PAYMENTS & BENEFITS

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Salaries and Wages		
1) Faculty	1,81,51,610	67,64,975
2) Non-Faculty	31,81,607	15,19,580
b) Allowances and Bonus		
1) Faculty	1,05,89,606	65,55,353
2) Non-Faculty	42,38,928	22,63,628
c) Contribution to Provident Fund		
1) Faculty	--	-
2) Non-Faculty	--	-
d) Contribution to Other Fund (NPS)		
1) Faculty	14,39,664	10,15,187
2) Non-Faculty	5,71,282	3,88,998
e) Staff Welfare Expenses		
1) Faculty		-
2) Non-Faculty		-
f) Retirement and Terminal Benefits		
1) Faculty		4,94,586
2) Non-Faculty		-
g) LTC facility		
1) Faculty	1,16,302	1,06,440
2) Non-Faculty	53,456	4,274
h) Medical facility		
1) Faculty	1,68,482	1,06,193
2) Non-Faculty	1,67,918	79,499
i) Children Educaiton Allowance		
1) Faculty	2,77,500	2,01,910
2) Non-Faculty	84,183	26,492
j) Honorarium		
1) Faculty		-
2) Non-Faculty		-
k) TA/DA Expenses		
1) Faculty		-
2) Non-Faculty		-
l) Additional Remuneration		
1) Faculty	1,29,768	1,35,565
2) Non-Faculty		-
M) Leave Encashment		
1) Faculty	91,437	98,959
2) Non-Faculty	16,310	-
TOTAL	**3,92,78,053**	**1,97,61,639**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2015

SCHEDULE - 16 : ACADEMIC EXPENSES

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Laboratory expenses	1,41,705	36,060
b) Field work/Participation	3,84,142	-
c) Seminar/Workshop	13,85,292	8,31,110
d) Payment to Visiting Faculty (Remuneration)	17,51,050	42,97,991
e) Examination / Jury Expenses	14,52,455	-
f) Student Welfare expenses	2,84,522	28,094
g) Admission expenses	7,73,325	-
h) Convocation expenses		-
i) Publications		-
j) stipend/means-cum-merit scholarship	9,97,350	-
k) Subscription Expenses (Library Journals/ AICTE)	7,99,635	-
l) CPDA Expenses	1,73,181	
m) Printing & Stationary Expenses	1,37,515	
n) Student Activities	38,62,546	
o) Others (specify)		-
i) Prizes / Awards / Medals		5,400
ii) Exp. For Games		1,11,971
iii) Scholarship (GATE)		50,839
iv) Evaluation Fees (Council of Architecture)	1,00,000	1,50,000
TOTAL	**1,22,42,718**	**55,11,465**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2015

SCHEDULE - 17 : ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Electricity and power	19,91,738	27,05,237
b) Water charges	2,78,544	3,02,736
c) Insurance	53,487	53,610
d) Rent, Rates and Taxes (including property tax)	2,24,82,363	2,07,78,702
e) Postage & telegram	72,160	57,615
f) Telephone and Internet charges	14,49,702	12,98,945
g) Printing & Stationary	3,75,030	5,58,405
h) Travelling and Conveyance Expenses	4,86,879	51,40,249
i) Expenses on Seminar/Workshops		-
j) Hospitality	57,086	2,20,290
k) Auditors Remuneration	75,000	95,223
l) Professional Charges	88,538	2,73,708
m) Advertisement and Publicity	1,86,007	14,48,829
n) Magazines & Journals		28,46,000
o) Meeting Expenses	11,15,483	--
p) Others (specify)		
i) Accommodation Expenses		3,06,534
ii) Campus Development Expenses		
iii) Labour Charges		1,84,694
iv) Cumulative Prof. Dev. Allowance		9,25,269
v) Housekeeping		-
vi) Annual Maintenance Contract		1,59,207
vii) Software		70,787
viii) Contingencies	1,69,272	1,31,567
ix) Diesel Expenses		1,18,380
x) Rajbhasha Expenses	14,800	23,038
xi) Outsourcing Staff Salaries	1,35,98,313	1,18,52,663
xii) Sitting fee / Honorarium		7,88,730
xiii) Website Development Charges		-
xiv) NPS Management Contribution		14,04,185
xv) Cable TV Expenses		14,325
xvi) Sinage Boards		44,130
xvii) Central Record Keeping Agency	6,041	5,253
xviii) Foundation DAy Expenses	32,969	64,624
TOTAL	**4,25,33,412**	**5,18,72,935**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR

Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHEDULE -18 : TRANSPORTATION EXPENSES

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Vehicles (owned by educational institution)		
a) Running expenses		-
b) Repairs & Maintenance		-
c) Insurance expenses		-
2. Vehicles taken on rent/lease		
a) Rent/lease expenses	9,26,326	34,01,371
TOTAL	**9,26,326**	**34,01,371**

SCHEDULE - 19 : REPAIRS & MAINTENANCE

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Building	13,80,638	10,00,571
b) Furniture & Fixture	1,56,294	2,63,112
c) Plant & Machinery	4,28,666	20,288
d) Office Equipments	4,64,376	5,45,400
e) Cleaning material & services	2,40,535	2,87,431
f) Others (specify)		-
i) Gardening		18,775
ii) Book Binding Expenses	24,930	38,382
TOTAL	**26,95,439**	**21,73,959**

SCHEDULE - 20 : FINANCE COSTS

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Interest on fixed loans	-	-
b) Interest on other loans	-	-
c) Bank charges	9,796	61,699
d) Others (specify)	-	-
TOTAL	**9,796**	**61,699**

SCHEDULE - 21 : OTHER EXPENSES

(Amount in Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances		
b) Irrecoveerable Balances Writeen-off		
c) Others (specify)		
i) Provision for EL Encashment	14,10,230	83,643
ii) Provision for Gratuity	5,62,733	7,37,815
iii) Prior Period Expenses	1,02,493	-
iv) Provision for Pension Contribution		1,15,416
v) Library Books & Almirahs Written-off	75,219	8,558
TOTAL	**21,50,675**	**9,45,432**

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

(Prof. Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31-03-15

SCHEDULE 22 – SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. ACCOUTING CONVENTION

The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting.

2. INVESTMENTS

The School had invested the funds in Fixed Deposits and the School has no Investments. Hence Accounting Standard - 13 not applicable.

3. VALUATION OF INVENTORIES

Expenditure on purchase of chemicals, stationary etc., are accounted as revenue expenses.

4. FIXED ASSETS

Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition. In respect of construction, related direct expenses, form part of the value of the assets capitalized.

The Fixed Assets purchased by Faculty out of the Cumulative Professional Development Allowance from the inception of the allowance are exhibited as Fixed Assets of the Institution by passing required entries.

5. DEPRECIATION

Depreciation is provided on WDV – method as per rates specified in the Income Tax Act 1961.

In respect of additions / deductions from fixed assets during the year, depreciation is calculated as per Income Tax Act 1961.

6. **GOVERNMENT GRANTS/SUBSIDIES**

Government Grants received for general purpose are treated as revenue grants and shown under Incomes.

Government Grants received for Capital purpose (creation of capital assets) are shown under Designated / Earmarked funds.

7. **Revenue Recognition**

i) The Following Fee collected from students are treated as Income:

Enrolment Fee, Tution Fee, Games Fee, Students Magazine Fee, Registration Fee, Academic Support Fee, Hostel Electricity Charges, Hostel Medical Fee, Transportation Fee and Hostel Room Rent.

ii) The Following Fees collected from students are shown under Current Liabilities:

Students Aid Fund, NASA Fee, NoS Plan Fee, Students Association Fee, Alumni Association Fee.

These amounts are to be spent for the purpose for which they were collected.

8. The School had been allotted 9.66 acres of land in total at Government Polytechnic College, Vijayawada by the Government of Andhra Pradesh. The value of land is taken as Rs.1 in the books as it is allotted at free of cost.

9. **FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS :** Not Applicable

10. **RETIREMENT BENEFITS**

i) Liability towards gratuity payable on death/retirement of employees is provided for the employees who completed 6 months of service.

ii) Provision for accumulated leave encashment benefit to the employees is accrued and computed on the assumption that employees are entitled to receive the benefit as at each year end.

11. LEASE :

Lease rentals are expensed with reference to lease terms.

12. Grants from Ministry of Human Resource Development, Govt. of India:-

The Grants sanctioned by Ministry of Human Resource Development, Govt. of India is taken on realization.

28/5/2015

(Dr. P. Krishna Mohan)
REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

Checked & SAO/CA/B.07

(Prof.Dr. N. Sridharan)
DIRECTOR
Director
School of Planning and Architecture
Vijayawada, Andhra Pradesh.

SCHEDULE 23 – CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. CONTINGENT LIABILITIES

i) Claims against the Entity not acknowledge as debts -----NIL----- (Previous year -------NIL-------)

ii) In respect of : Bank Guarantees given by/on behalf of the Entity – Rs.12,10,000/-(Previous year Rs.12,10,000/-)

a) Letters of Credit opened by bank on behalf of the Entity -----N.A----- (Previous year : ------N.A-----)

b) Bills discounted with banks -------NA-------- (Previous Year ---------NA--------)

iii) Disputed demands in respect of :

a) Income tax ------NIL------- (Previous year------NIL-------)
b) Sales tax------NIL------- (Previous year ------NIL-------)
c) Municipal Taxes ------NIL-------(Previous year------NIL-------)

iv)In respect of claims from parties for non-executed of orders, but contested by the Entity-----NIL----- (Previous year------NIL-----)

2. CAPITAL COMMITMENTS

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account not provided for (net of advances); -----NIL----- (Previous year-----Nil-----)

3. LEASE OBLIGATIONS

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amountto ------NIL----- (Previous year-------NIL--------)

4. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

5. TAXATION

The Income of Educational Institution which is wholly or substantially financed by Government are exempt from Income Tax as per Section 10 (23C) (iiiab) of IT Act 1961. Hence, the Income of the School is exempted from Income Tax.

6. **FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS**	**Current Year**	**Previous year**
I. Value of imports calculated on C.I.F. Basis :		
- Purchase of finished goods	NIL	NIL
- Raw materials & Components (Including in transit)	NIL	NIL
- Capital Goods	NIL	NIL
- Stores, Spares and Consumables	NIL	NIL
II. Expenditure on foreign currency:		
a) Travel (USD-0, GBP 0)		
b) Remittances and interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign currency	NIL	NIL
c) Other expenditure	NIL	NIL
- Commission on Sales	NIL	NIL
- Purchase of Computer Software (Laboratory) i) Thermal Energy System Specialists, LLC, Madison ii) SoundPLAN International, LLC	1,45,533 2,15,82.	